THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 46 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) बुद्ध पूर्णिमा 2080 शुक्रवार, 5 मई 2023

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

आदिवासियों के प्रदर्शन में हिंसा

> दंगाइयों को देखते ही गोली मारने के आदेश

> मणिपुर में 8 जिलों में कर्फ्यू के बाद आर्मी तैनात
> इंटरनेट-मोबाइल सर्विस बंद
> 7500 लोगों को राहत कैंप भेजा

इंफाल, 4 मई (एजेंसियां)। मणिपुर में बुधवार को आदिवासियों के प्रदर्शन के दौरान हिंसा हो गई। इसके बाद राज्य के 8 जिलों में कर्फ्यू लागू कर दिया गया। हालात पर काबू पाने के लिये दंगाइयों को देखते ही गोली मारने के आदेश जारी कर दिये गये हैं। इंटरनेट और मोबाइल सर्विसेस 5 दिन के लिए बंद कर दी गई हैं। आर्मी और असम राइफल्स तैनात कर दी गई हैं। 7 हजार 500 लोगों को राहत कैंपों में शिफ्ट किया गया है।

गृहमंत्री अमित शाह ने मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह से फोन पर बात कर हालात की जानकारी ली। बीरेन सिंह ने आज सुबह एक वीडियो मैसेज जारी कर लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है। ऑल इंडिया ट्राइबल स्टूडेंट यूनियन ने बुधवार को ट्राइबल सॉलिडेटरी मार्च बुलाया था। इसी दौरान आदिवासी और गैर-आदिवासी समुदायों में झड़प हो गई। आदिवासी समुदाय उस मांग का विरोध कर रहा था, जिसमें डिमांड की जा रही है कि गैर-आदिवासी मैतेई समुदाय को शेड्यूल ट्राइब (एसटी) का दर्जा दिया जाए। मणिपुर हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को निर्देश दिया है कि मैतेई समुदाय की डिमांड पर विचार करे और 4 महीने के भीतर केंद्र को रिकमेंडेशन भेजे। इसी आदेश के बाद आदिवासी और गैर-आदिवासियों के बीच हिंसा शुरू हो गई। पुलिस ने बताया कि आदिवासियों के मार्च में हजारों लोगों ने हिस्सा लिया। इसी दौरान आदिवासियों और गैर-आदिवासियों के बीच हिंसा भड़क उठी। हालात को कंट्रोल करने के लिए पुलिस ने कई राउंड आंसू गैस के गोले भी दागे, लेकिन हिंसा नहीं रुकी। इसके बाद सेना और असम राइफल्स को बुलाया गया। राज्य के इम्फाल पश्चिम, कैकचिंग थोऊबल, जिरिबाम, बिश्नुपुर, चूड़ाचंदपुर, कांगपोकपी और तेनग्नोउपाल में कर्फ्यू लागू किया गया है। रैपिड एक्शन फोर्स (आरएएफ) की पांच कंपनियां राजधानी इंफाल भेजी गई हैं।

सीआरपीएफ की करीब 15 कंपनियां मणिपुर में पहले से मौजूद हैं। एडिशनल फोर्स को भी अलर्ट पर रखा गया है। मुख्यमंत्री बीरेन सिंह ने कहा कि हिंसा की वजह दो समुदायों के बीच गलतफहमियां हैं। लंबे समय से चली आ रही शिकायतों को सही तरीके से लोगों की सलाह के जरिए हल कर लिया जाएगा। शांति बनाए रखें। बता दें कि मैतेई एक गैर-आदिवासी समुदाय है। यह मणिपुर की आबादी का 53 प्रतिशत हिस्सा है। मुख्य रूप से इस समुदाय के लोग मणिपुर घाटी में रहते हैं। ये पिछले 10 साल से अपने समुदाय को एसटी स्टेटस दिए जाने की मांग कर रहे हैं। इनका कहना है कि म्यांमार और बांग्लादेश के लोग बड़े पैमाने पर राज्य में दाखिल हो गए हैं और उसके चलते इन्हें परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। मौजूदा कानून के अनुसार मैतेई समुदाय को राज्य के पहाड़ी इलाकों में बसने की इजाजत नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट में महिला पहलवानों का केस बंद

कोर्ट ने कहा-बृजभूषण पर एफआईआर की मांग पूरी, कोई और मसला हो तो हाईकोर्ट जाएं

नई दिल्ली, 4 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष बृजभूषण के खिलाफ महिला रेसलर्स की याचिका की सुनवाई गुरुवार को बंद कर दी। अदालत ने कहा कि महिला रेसलर्स को सुरक्षा दी गई है। उनकी मांग बृजभूषण पर एफआईआर दर्ज करने की थी, जो पूरी हो चुकी है। अब कोई और मसला हो तो याचिकाकर्ता हाईकोर्ट या निचली अदालत में जा सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट का फैसला तब आया है, जब जंतर-मंतर पर धरना दे रहे पहलवानों और पुलिसकर्मियों के बीच झड़प हुई है। जंतर-मंतर पर बुधवार देर रात हुई झड़प में पहलवान राकेश यादव और विनेश फोगाट के भाई दुष्यंत को चोटें आई हैं। दिल्ली पुलिस का कहना है कि रेसलर पर बल प्रयोग नहीं किया गया, 5 पुलिसवाले घायल हुए हैं। हमने पुलिसकर्मियों का मेडिकल भी करवाया। कोई भी नशे में नहीं पाया गया।

लगातार 12 दिन से धरना दे रहे रेसलर्स ने झड़प के बाद गुरुवार को कहा कि हम सभी मेडल्स भारत सरकार को लौटा देंगे। महावीर फोगाट ने भी कहा कि वे अपना द्रोणाचार्य अवॉर्ड लौटा देंगे।

दंगल गर्ल गीता फोगाट हिरासत में

पानीपत, 4 मई (एजेंसियां)। दंगल गर्ल के नाम से मशहूर रेसलर एवं हरियाणा पुलिस की डीएसपी गीता फोगाट को दिल्ली पुलिस ने हिरासत में ले लिया। दिल्ली पुलिस ने नरेला बॉर्डर पर नाका लगाया है। वहां पर भारी पुलिसफोर्स की तैनाती की गई है। जंतर-मंतर पर पहलवानों के समर्थन में दिल्ली जाने वालों को पुलिस रोक रही है। इसी बीच गीता फोगाट पति पवन सरोहा के साथ बॉर्डर पर पहुंच गई। वहां पुलिस ने उन्हें रोक लिया। वहां दोनों को गाड़ी से नीचे उतार लिया और उन्हें डिटेन करने लगी। जिसका विरोध किया तो वहां पुलिसकर्मियों ने पवन के साथ झड़प शुरू कर दी। गीता ने बार-बार पूछा कि आखिर उन्हें किस जुर्म के तहत हिरासत में लिया जा रहा है। तो इस बात पर पुलिसकर्मियों ने उन्हें धमकाते हुए कहा कि केस दर्ज कर हवालात में डाल देंगे। दोनों पक्षों में काफी देर तक बहस होती रही। इसके बाद पुलिस ने उन्हें जबरदस्ती गाड़ी में डाल लिया और थाने ले गई।

बिहार में जातीय गणना पर हाईकोर्ट की रोक

चीफ जस्टिस की बेंच ने कहा, जो डेटा कलेक्ट किया-उसे नष्ट नहीं किया जाए

पटना, 4 मई (एजेंसियां)। बिहार में हो रही जातीय गणना पर गुरुवार को पटना हाईकोर्ट ने रोक लगा दी। चीफ जस्टिस विनोद चंद्रन की बेंच ने आदेश दिया है कि गणना तत्काल रोकी जाए। इससे पहले हाईकोर्ट में मामले को लेकर 2 दिन सुनवाई हुई थी। इसके बाद अदालत ने फैसला सुरक्षित रख लिया था। हाईकोर्ट ने कहा कि अब तक जो डेटा कलेक्ट हुआ है, उसे नष्ट नहीं किया जाए। मामले पर अगली सुनवाई 3 जुलाई को होगी। इधर, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा है कि जाति आधारित गणना सर्वसम्मति से कराई जा रही है। हम लोगों ने केंद्र से इसकी अनुमति ली है। हम पहले चाहते थे कि पूरे देश में जाति आधारित जनगणना हो, लेकिन जब केंद्र सरकार नहीं मानी तो हम लोगों ने जाति आधारित गणना सह आर्थिक सर्वे कराने का फैसला लिया। जानकार बताते हैं कि सरकार एक वेलफेयर संस्था होती है। कैबिनेट से पूरी गणना पर 500 करोड़ खर्च करने की मुहर लगी है, लेकिन इसे कानूनी रूप नहीं दिया गया है। दरअसल, 24 अप्रैल को ये मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा था। सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता को पटना हाईकोर्ट जाने को कहा था। इसके बाद 2 और 3 मई को हाईकोर्ट में इस मामले में सुनवाई हुई थी।

हाईकोर्ट में पहला दिन :

जातिगत गणना मामले में बीते सोमवार को पहली सुनवाई होनी थी, लेकिन सरकार की ओर से किए गए काउंटर एफिडेविट रिकॉर्ड में नहीं होने के कारण हाईकोर्ट ने सुनवाई को मंगलवार के लिए टाल दिया। मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट एडवोकेट अपराजिता सिंह और हाईकोर्ट के एडवोकेट दीनू कुमार को जातीय गणना को असंवैधानिक करार देने के लिए हाईकोर्ट में दलीलें पेश करनी थीं।

हाईकोर्ट में दूसरा दिन :

पटना हाईकोर्ट में मंगलवार को जातीय गणना को लेकर बहस हुई। एडवोकेट जनरल (महाधिवक्ता) पीके शाही ने सरकार की ओर से अपना पक्ष रखा। कोर्ट ने एडवोकेट जनरल से पूछा कि जाति आधारित गणना कराने का उद्देश्य क्या है? इसको लेकर क्या कोई कानून बनाया गया है? जवाब में पीके शाही ने कहा कि दोनों सदन में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर जातीय गणना कराने का निर्णय लिया गया था। कैबिनेट ने उसी के मद्देनजर गणना कराने पर अपनी मुहर लगाई। यह राज्य सरकार का नीतिगत फैसला है। इसके लिए बजट में प्रावधान किया गया है।

हाईकोर्ट में तीसरा दिन :

बुधवार को एडवोकेट जनरल पीके शाही ने आर्थिक सर्वेक्षण और जातिगत गणना कराने को लेकर दलील रखी। शाही ने चीफ जस्टिस की बेंच के सामने जातीय गणना कराने को लेकर दलील दी। उन्होंने मंडल कमीशन में और बिहार सरकार की योजनाओं को वंचित वर्ग तक पहुंचाने के लिए इसे जरूरी बताया।

राहुल गांधी ने सुप्रिया सुले को किया फोन शरद पवार के इस्तीफे पर हुई चर्चा

नई दिल्ली, 4 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शरद पवार की बेटी और लोकसभा सदस्य सुप्रिया सुले से फोन पर बात की है। सूत्रों के अनुसार शरद पवार के राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने को लेकर राहुल गांधी ने सुप्रिया सुले से चर्चा की। गौरतलब है कि शरद पवार ने मंगलवार को यह कहकर सबको चौंका दिया था कि उन्होंने पार्टी का अध्यक्ष पद छोड़ने का फैसला किया है। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले शरद पवार के इस कदम का राष्ट्रीय और महाराष्ट्र की राजनीति पर असर पड़ सकता है।

पवार (82) ने यशवंतराव चव्हाण प्रतिष्ठान में अपनी आत्मकथा के संशोधित संस्करण के विमोचन के अवसर पर 1999 में स्थापित अपनी पार्टी का अध्यक्ष पद छोड़ने का ऐलान किया था। जिस पर पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनसे फैसला वापस लेने की मांग की थी। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के वरिष्ठ नेता प्रफुल्ल पटेल ने बुधवार को कहा था कि जब तक शरद पवार पद से हटने के अपने फैसले पर पुनर्विचार नहीं करते, तब तक वह पार्टी प्रमुख बने रहेंगे और उनके उत्तराधिकारी को चुने जाने पर कोई चर्चा नहीं होगी। राकांपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पटेल ने संवाददाताओं से कहा कि पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं की फैसला वापस लेने की अपील के बावजूद पवार अभी नहीं माने हैं।

पटेल ने कहा, पवार ने कहा था कि पीढ़ीगत बदलाव होना चाहिए। शायद वह चाहते थे कि नई पीढ़ी आगे बढ़े। हममें से कोई भी इसके बारे में पहले से नहीं जानता था। उन्होंने कुछ समय मांगा है और हमें उन्हें वह देना चाहिए। ऐसी अटकलें हैं कि सुप्रिया सुले राष्ट्रीय अध्यक्ष और पवार के भतीजे अजित पवार महाराष्ट्र इकाई के प्रमुख चुने जा सकते हैं।

किश्तवाड़ में सेना का हेलिकॉप्टर क्रैश

जम्मू-कश्मीर, 4 मई (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में गुरुवार को इंडियन आर्मी का एएलएच ध्रुव हेलिकॉप्टर क्रैश हो गया। आर्मी ने बताया कि तीन पायलटों को चोटें आई हैं, लेकिन वह सुरक्षित हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पिछले दो महीनों में एएलएच ध्रुव से जुड़ा यह तीसरा हादसा है।

आर्मी के मुताबिक सुबह 11:15 बजे सेना के हेलिकॉप्टर ने एयर ट्रैफिक कंट्रोलर को तकनीकी खराबी की जानकारी दी थी। इसके बाद वह एहतियाती लैंडिंग के लिए आगे बढ़े। खराब और अंडरग्रोथ जमीन की वजह से हेलिकॉप्टर क्रैश हो गया। जानकारी मिलते ही सेना की बचाव टीमें घटनास्थल पर पहुंच गईं। हेलिकॉप्टर में दो पायलट और एक टेक्नीशियन सवार थे। तीनों घायल कर्मियों को उधमपुर के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। साथ ही कोर्ट ऑफ इंक्वायरी के आदेश दे दिए गए।

कार्यकर्ताओं की मांग का सम्मान होगा : शरद पवार

> आज कमेटी का जो फैसला होगा वह मुझे मंजूर

मुंबई, 4 मई (एजेंसियां)। शरद पवार के एनसीपी अध्यक्ष पद से इस्तीफे का पार्टी कार्यकर्ता लगातार विरोध कर रहे हैं। इस पर पवार ने गुरुवार को कहा कि कार्यकर्ताओं की मांग का सम्मान किया जाएगा। साथ ही उन्होंने कहा कि मुझे दुख है कि कार्यकर्ताओं से बिना बात किए ही मैंने इस्तीफा दे दिया। अब 5 मई को 15 सदस्यीय कमेटी जो फैसला लेगी, मुझे मंजूर होगा।

इधर, कांग्रेस नेता राहुल गांधी और तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन ने भी उनसे फैसला वापस लेने की अपील की थी। एनसीपी सूत्रों के मुताबिक मंगलवार को शरद पवार के इस्तीफे के ऐलान के कुछ घंटों के अंदर ही दोनों ने सुप्रिया सुले को फोन करके यह बात कही थी। रिपोर्ट्स में कहा गया है कि राहुल और स्टालिन दोनों ही यह जानना चाहते थे कि पवार ने पार्टी अध्यक्ष का पद छोड़ने का फैसला क्यों किया है।

दोनों नेताओं ने पवार की बेटी और एनसीपी सांसद सुप्रिया सुले को फोन करके कहा था कि वे अपने पिता को इस्तीफा वापस लेने के लिए मनाएं। दोनों का कहना था कि पवार को अपने फैसले के बारे में फिर से सोचना चाहिए। 82 साल के एनसीपी चीफ शरद पवार ने मंगलवार को जब इस्तीफे का ऐलान किया, उसके बाद से ही पार्टी कार्यकर्ता उनके फैसले का विरोध कर रहे हैं। एनसीपी सूत्रों के हवाले पता चला है कि पवार के अध्यक्ष पद छोड़ने के बाद कई गैर-भाजपा पार्टियों के नेताओं ने उन्हें अगले लोकसभा चुनाव पार्टी अध्यक्ष बने रहने की सलाह दी थी।

बुधवार को पवार ने भी कहा था कि उन पर इस्तीफा वापस लेने के लिए भारी दबाव है। हालांकि, उनके भतीजे अजित ने कहा कि साहब का फैसला पलटता नहीं है। इधर, शरद पवार के इस्तीफे के ऐलान के एक दिन बाद जितेंद्र आव्हाड ने पार्टी महासचिव पद से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद विधायक अनिल पाटिल ने भी शरद पवार को त्यागपत्र भेजा था।

नए अध्यक्ष के लिए 5 मेंबर वाली कमेटी ने मीटिंग की :

बुधवार को मुंबई के यशवंत राव चव्हाण सेंटर में 15 सदस्यीय कमेटी की मीटिंग हुई। इसमें पार्टी के नए अध्यक्ष बनाने को लेकर चर्चा की गई। अध्यक्ष की दौड़ में अजित पवार, सुप्रिया सुले और प्रफुल्ल पटेल का नाम आगे है। हालांकि प्रफुल्ल पटेल ने कहा कि वे अध्यक्ष पद के लिए तैयार नहीं हैं। उन्हें पार्टी ने पहले ही बड़ी जिम्मेदारी दी है, इसलिए वे मुंगेरी लाल के हसीन सपने नहीं देख रहे।

पवार ने इस्तीफे में लिखा, लगातार यात्रा मेरी जिंदगी का हिस्सा :

शरद पवार ने मंगलवार को इस्तीफे में लिखा, मेरे साथियों! मैं एनसीपी के प्रेसिडेंट का पद छोड़ रहा हूं, लेकिन सामाजिक जीवन से रिटायर नहीं हो रहा हूं। लगातार यात्रा मेरी जिंदगी का अटूट हिस्सा बन गया है। मैं पब्लिक मीटिंग और कार्यक्रमों में शामिल होता रहूंगा। लोगों की समस्याएं सुलझाने के लिए मैं हर वक्त काम करता रहूंगा। लोगों का प्यार और भरोसा मेरी सांसें हैं।

तंगहाल गो फर्स्ट की फ्लाइट्स 9 मई तक रद्द

नई दिल्ली, 4 मई (एजेंसियां)। कैश की तंगी से जूझ रही गो फर्स्ट एयरलाइन ने गुरुवार को 9 मई तक की अपनी सभी फ्लाइट्स सस्पेंड करने का ऐलान कर दिया। एयरलाइन ने 15 मई तक के फ्लाइट टिकट की बुकिंग भी रोक दी है। इससे पहले सोमवार को गो फर्स्ट ने 3, 4 और 5 मई के लिए फ्लाइट्स कैंसिल करने की बात कही थी। इससे यात्री भी परेशान हो रहे हैं।

इधर, डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन यानी डीजीसीए ने सख्त रुख दिखाते हुए फ्लाइट्स कैंसिल होने के बाद पैसेंजर्स को उनका पैसा तुरंत लौटाने को कहा है। गो फर्स्ट की वेबसाइट के अनुसार एयरलाइन रोजाना 27 डोमेस्टिक और 8 इंटरनेशनल डेस्टिनेशन के लिए 200 से ज्यादा फ्लाइट ऑपरेट करती थी। एयरलाइन ने भी टिकटों का पैसा वापस करने की बात कही है। रिफंड ओरिजिनल पेमेंट मोड के जरिए किया जाएगा। मतलब, जिन लोगों ने क्रेडिट कार्ड के माध्यम से टिकट का पेमेंट किया है, उनके क्रेडिट कार्ड स्टेटमेंट में रिफंड दिखाई देगा। वहीं जिन्होंने यूपीआई और नेट बैंकिंग से पेमेंट किया है, उन्हें रिफंड सीधे उनके अकाउंट में मिलेगा। नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) ने गोफर्स्ट की खुद से दायर की गई इन्सॉल्वेंसी यानी दिवालिया याचिका पर सुनवाई की। एयरलाइन ने एनसीएलटी से इंटरिम मोराटोरियम की मांग की थी। इंटरिम मोराटोरियम यानी लोन से जुड़े मामले में पेंडिंग कोई भी कानूनी कार्यवाही रुकी हुई मानी जाएगी। लेनदार किसी भी लोन के मामले में कोई लीगल एक्शन भी नहीं ले सकेंगे।

हालांकि एनसीएलटी ने याचिका पर सुनवाई करते हुए अंतरिम राहत देने से इनकार कर दिया। एनसीएलटी ने कहा कि इनसॉलवेंसी एंड बैंकरप्सी कोड यानी आईबीसी के तहत ऐसा कोई प्रावधान नहीं है।

सत्येंद्र जैन की याचिका पर 9 जून को होगी सुनवाई

नई दिल्ली, 4 मई (एजेंसियां)। दिल्ली सरकार के पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन की ट्रांसफर करने वाली याचिका पर सुनवाई टल गई है। राउज एवेन्यू कोर्ट ने इस मामले में अगली सुनवाई अब 9 जून को की जाएगी। अभी उनके केस की सुनवाई स्पेशल जज विकास ढुल कर रहे हैं। जैन की इस याचिका पर राउज एवेन्यू कोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से जवाब मांगा था।

सिसोदिया के खिलाफ 2000 पन्नों की सप्लीमेंट्री चार्जशीट

नई दिल्ली, 4 मई (एजेंसियां)। ईडी ने आबकारी नीति केस से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के केस में पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया को आरोपी बनाया है। गुरुवार को एजेंसी ने राउज एवेन्यु कोर्ट में 2000 पन्नों की सप्लीमेंट्री चार्जशीट दाखिल की है। आबकारी नीति केस में सिसोदिया के खिलाफ सीबीआई भी चार्जशीट दाखिल कर चुकी है। इससे पहले मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में दिल्ली की अदालत ने सिसोदिया की जमानत याचिका खारिज हो गई थी।

पाक विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो गोवा पहुंचे

पाक पीएम शहबाज शरीफ का ट्वीट-हम शांति और स्थिरता के मूल्यों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध

नई दिल्ली, 4 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी गोवा पहुंच चुके हैं। बिलावल 4 और 5 मई को गोवा में होने वाली शंघाई कॉर्पोरेशन ऑर्गनाइजेशन (एससीओ) के विदेश मंत्रियों की बैठक में भाग लेने के लिए गोवा पहुंचे हैं। वहीं पाकिस्तान से रवाना होने से पहले उन्होंने कहा कि उनकी यात्रा एससीओ पर केंद्रित है। बिलावल भुट्टो ने कहा कि मैत्रीपूर्ण देशों के अपने समकक्षों के साथ रचनात्मक चर्चा के लिए वह आगे बढ़ रहे हैं।

वहीं एससीओ की विदेश मंत्रियों की बैठक से पहले पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा, भारत में विदेश मंत्रियों की बैठक की एससीओ परिषद में भाग लेने का पाकिस्तान का निर्णय एससीओ चार्टर और बहुपक्षवाद के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। हम क्षेत्र में शांति और स्थिरता के अपने साझा मूल्यों को आगे बढ़ाने के लिए अपनी भूमिका निभाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम सभी कनेक्टिविटी, व्यापार और पारस्परिक रूप से लाभप्रद सहयोग पर आधारित समझ के लिए काम कर रहे हैं। वहीं पाकिस्तान के विदेश मंत्री ने एक वीडियो संदेश में कहा, गोवा, भारत के रास्ते में। शंघाई सहयोग संगठन सीएफएम में पाकिस्तान प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करूंगा। इस बैठक में शामिल होने का मेरा फैसला एससीओ के चार्टर के प्रति पाकिस्तान की मजबूत प्रतिबद्धता को दर्शाता है। मेरी यात्रा के दौरान जो विशेष रूप से एससीओ पर केंद्रित है, उसमे मैं मित्र देशों के अपने समकक्षों के साथ रचनात्मक चर्चा के लिए तत्पर हूं।

समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तान के विदेश मंत्री जरदारी ने स्पष्ट कर दिया कि भारत के साथ द्विपक्षीय बैठक की कोई योजना नहीं है। बिलावल भुट्टो जरदारी की भारत यात्रा पुंछ हमले (20 अप्रैल) के कुछ दिनों बाद हो रही है। इस हमले में अज्ञात आतंकवादियों ने राजौरी सेक्टर में भीमबेर गली और पुंछ क्षेत्रों से गुजरने वाले सेना के एक वाहन पर ग्रेनेड के जरिए गोलीबारी की थी, जिसमें भारतीय सेना के 5 जवान मारे गए थे।

बिलावल भुट्टो जरदारी करीब 12 साल के अंतराल के बाद भारत आने वाले पहले विदेश मंत्री हैं। इससे पहले 2011 में पाकिस्तान की तत्कालीन विदेश मंत्री हिना रब्बानी खार ने भारत का दौरा किया था।

नर्सिंग स्टूडेंट्स पर चोरी का शक वॉर्डन ने कपड़े उतरवाए

पुलिस ने छात्राओं की शिकायत पर दर्ज की जीरो एफआईआर, कॉलेज ने वॉर्डन को हटाया

नई दिल्ली, 4 मई (एजेंसियां)। दिल्ली के अहिल्या बाई नर्सिंग कॉलेज की वॉर्डन ने चोरी के शक में 2 छात्राओं के कपड़े उतरवाकर जांच की। घटना मंगलवार की है। पीड़ित छात्राओं ने पुलिस को फोन करके इसके बारे में बताया। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए जीरो एफआईआर दर्ज की, जिसे बाद में तिलक मार्ग पुलिस को भेजा जाएगा। उधर, कॉलेज ने मामले की जांच के लिए प्रिंसिपल समेत सीनियर टीचर की एक फैक्ट फाइंडिंग कमेटी बनाई है। साथ ही वॉर्डन को हॉस्टल से हटा दिया गया है।

क्या था पूरा मामला...

एलएनजेपी अस्पताल के अहिल्याबाई कॉलेज ऑफ नर्सिंग में बी.एससी नर्सिंग फाइनल ईयर की स्टूडेंट्स वॉर्डन के साथ मंडी हाउस में एक इवेंट में गई थीं। यहां वार्डन ने देखा कि उसके बैग से 8000 रुपये गायब थे। उसे इन दोनों छात्राओं पर चोरी का शक हुआ।

वहां से लौटकर वॉर्डन ने दूसरी स्टूडेंट्स की मदद से दोनों छात्राओं के कपड़े उतरवाकर तलाशी ली, लेकिन उनके पास से कोई पैसा नहीं मिला। मंगलवार दोपहर करीब 1 बजे छात्राओं के उत्पीड़न और कपड़े उतारने की घटना से जुड़ी एक पीसीआर कॉल पुलिस के पास पहुंची, जिसके बाद पुलिस ने जीरो एफआईआर दर्ज की।

परिजन पहुंचे तो कॉलेज ने लिया एक्शन :

घटना के बाद स्टूडेंट्स के परिजन हॉस्टल पहुंचे। उन्होंने कॉलेज प्रशासन से शिकायत वॉर्डन की शिकायत की। पुलिस ने बताया कि लड़कियों के परिजनों ने आईपी एस्टेट पुलिस थाने में लड़कियों के कपड़े उतारे जाने की शिकायत भी दर्ज कराई। पुलिस ने आईपीसी 354 के तहत एक जीरो एफआईआर दर्ज की है। बाद में इसे तिलक मार्ग पुलिस को स्थानांतरित कर दिया जाएगा।

जंतर-मंतर पर पहलवानों के धरने का हो रहा है राजनीतिकरण- लेखी

नई दिल्ली, 4 मई (एजेंसियां)। भाजपा ने कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष बृजभूषण सिंह की गिरफ्तारी की मांग को लेकर जंतर-मंतर पर पहलवानों के प्रदर्शन को राजनीति से प्रेरित बताया है। गुरुवार को प्रेसवार्ता में केन्द्रीय मंत्री मीनाक्षी लेखी ने कहा कि केन्द्र सरकार महिलाओं के बारे में संवेदनाएं रखती है। महिला पहलवानों की शिकायत पर दो जांच कमेटियों का गठन हुआ है। आरोपी के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज की गई है। मीनाक्षी लेखी ने कहा कि जब इस धरने में एक्साइज घोटाले में फंसे लोग पहुंचते हैं तो धरने की विश्वसनीयता पर आंच आती है। धरने के लिए चीजों का इंतजाम करने के लिए आप नेता सौरभ, दुर्गेश पाठक सहित कई नेताओं के बीच बैठकें होती हैं। धरने के लिए 100 लोगों के लिए पगड़ी खरीदी जाती है, गद्दे खरीदे जाते है। सभी को दिखाई दे रहा है कि धरने का राजनीतिकरण हो रहा है। उन्होंने कहा कि धरने में पहुंचे सोमनाथ भारती के खिलाफ घरेलू हिंसा का मामला चल रहा है। जब भ्रष्टाचार में लिप्त लोग वहां पहुंचते हैं तो धरने की गंभीरता पर सवाल उठता है।

सोनिया गांधी हुबली में जगदीश शेट्टर को जिताने के लिए उतरेंगी मैदान में

भाजपा ने हराने के लिए कसी है कमर

अब ऐसी कांटे की टक्कर में सोनिया गांधी का हुबली में चुनावी प्रचार के लिए जाना भाजपा के लिए भारी मुसीबत का सबब बन सकता है।

वहीं कांग्रेस द्वारा अब तक कर्नाटक में चलाये गये चुनावी अभियान की बात करें तो जनाधार को अपने पक्ष में करने के लिए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने 16 अप्रैल से अब तक राज्य भर में लगभग 60 रैलियों और रोड शो किए हैं। वहीं अगर हम सोनिया गांधी के बरक्स प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बात करें तो उन्होंने अब तक बीदर, हुमनाबाद, विजयपुरा, कुडची, उत्तरी बेंगलुरु, कोलार, चन्नपट्टना और बेलूर, चित्रदुर्ग, विजयनगरा, सिंधानपुर, कलबुर्गी, मूदाबिद्री, करवार और किट्टूर में जनसभाएं और रोड शो कर चुके हैं। पीएम मोदी 6 मई को चित्तापुर, नंजांगुड, टुमकुरु ग्रामीण, दक्षिणी बेगलुरु में चुनावी जनसभा को संबोधित करेंगे। इसके साथ ही प्रधानमंत्री मोदी 7 मई को भी चुनावी अभियान में लगे रहेंगे और वो बादामी, हावेरी, शिवमोगा ग्रामीण और बेंगलुरु सेंट्रल में भाजपा के पक्ष में प्रचार करेंगे।

बेंगलुरु, 4 मई (एजेंसियां)। कर्नाटक विधानसभा चुनाव में हुबली-धारवाड़ सीट भाजपा और कांग्रेस के लिए प्रतिष्ठा का प्रश्न बन गई है। एक तरफ भाजपा अपने बागी पूर्व मुख्यमंत्री जगदीश शेट्टर को हराने के लिए कमर कसी हुई है तो वहीं दूसरी ओर अब जगदीश शेट्टर की जीत सुनिश्चित करने के लिए कांग्रेस की पूर्व प्रमुख सोनिया गांधी खुद चुनावी मैदान में कूद पड़ी हैं। बताया जा रहा है कि आगामी 6 मई यानी शनिवार को कांग्रेस की पूर्व प्रमुख सोनिया गांधी जगदीश शेट्टर और कांग्रेस के पक्ष में हुबली में जनसभा करेंगी। बताया जा रहा है कि कांग्रेस पार्टी सोनिया गांधी के चुनावी अभियान को सफल बनाने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। कर्नाटक कांग्रेस के अनुसार 6 मई को कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे, पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, डीके शिवकुमार, जगदीश शेट्टर और लक्ष्मण सावदी सहित प्रदेश के सभी नेता सोनिया गांधी के साथ मंच साझा करेंगे। जानकारी के अनुसार सोनिया गांधी के रैली की सूचना से भाजपा खेमे में भी खलबली मची है क्योंकि प्रदेश भाजपा के साथ-साथ केंद्रीय नेतृत्व ने जगदीश शेट्टर और लक्ष्मण सावदी को हराने के लिए विशेष पहल कर रखी है और इसके लिए पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा विशेष तौर से मैदान में हैं। लिंगायत समुदाय बहुल यह सीट जगदीश शेट्टर के कांग्रेस में शामिल होने से भाजपा के लिए परेशानी पैदा कर रही है, जो अभी तक भाजपा की पारंपरिक सीट मानी जाती थी। लेकिन पूर्व मुख्यमंत्री जगदीश शेट्टर ने भाजपा केंद्रीय चुनाव समिति द्वारा टिकट काटे जाने के बाद बगावत कर दी और सिर्फ बगावत ही नहीं की बल्कि वैचारिक तौर पर सबसे प्रबल विरोधी पार्टी कांग्रेस की सदस्यता ले ली। जिसने शेट्टर को हुबली सीट से अपना प्रत्याशी बना दिया। वहीं भाजपा ने जगदीश शेट्टर का टिकट काटकर महेश तेंगिनाकाई को मैदान में उतारा है।

राहुल गांधी की अयोग्यता को आधार बनाकर दाखिल याचिका खारिज

एससी ने सुनवाई से किया इनकार

नई दिल्ली, 4 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने आपराधिक मामले में दोषसिद्धि होने पर स्वतः सदस्यता रद्द होने के कानून को चुनौती देने वाली याचिका को खारिज कर दिया है। शीर्ष अदालत में इस कानून को चुनौती दी गई थी। याचिका में कहा गया कि स्वतः अयोग्यता रद्द होने वाला कानून अवैध और मनमानी है। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने जनप्रतिनिधित्व कानून के प्रावधानों पर विचार से इनकार कर दिया। इस याचिका को कांग्रेस नेता राहुल गांधी की अयोग्यता को आधार बनाकर दाखिल किया गया था। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट में मार्च में भी एक जनहित याचिका दायर की गई थी। इस याचिका को राहुल गांधी की सदस्यता जाने के एक दिन बाद दायर किया गया था। ये याचिका निर्वाचित प्रतिनिधियों की 'स्वतः अयोग्यता' के खिलाफ दायर की गई थी। याचिका में कहा गया कि 1951 अधिनियम के अध्याय आईआईआई के तहत अयोग्यता पर विचार करते समय प्रकृति, मामले की गंभीरता, नैतिकता और आरोपी की भूमिका जैसे फैक्टर्स भी जांच जाने चाहिए।

मार्च में अयोग्य घोषित हुए राहुल

कांग्रेस नेता राहुल गांधी की मार्च में लोकसभा की सदस्यता रद्द कर दी गई थी। सूरत की अदालत ने उन्हें मानहानि के मामले में दोषी पाया था। लोकसभा सचिवालय द्वारा जारी किए गए नोटिस में कहा गया था कि वह 23 मार्च को ही अयोग्य हो गए थे, क्योंकि उसी दिन उन्हें दोषी पाया गया था। राहुल गांधी को 'मोदी सरनेम' वाले मामले में दोषी पाया गया था। राहुल की सदस्यता जाने के बाद सांसदों के डिस्क्वालिफिकेशन की प्रक्रिया पर भी सवाल उठने लगे थे। देश की तमाम विपक्षी पार्टियों ने उनकी सदस्यता जाने का विरोध जताया था। दूसरी ओर, झारखंड की एक अदालत ने 2019 के 'मोदी सरनेम' मानहानि मामले में राहुल गांधी को झटका दिया है। राहुल ने अदालत में निजी तौर पर पेश होने से छूट मानी थी। हालांकि, अदालत ने उन्हें छूट देने से इनकार कर दिया।

'बेटी बचाओ का नारा बस ढोंग'

जंतर-मंतर की घटना पर बोले राहुल गांधी- बीजेपी बेटियों पर अत्याचार में कभी पीछे नहीं रही

नई दिल्ली, 4 मई (एजेंसियां)। जंतर मंतर पर खिलाड़ियों के साथ पुलिस की धक्का-मुक्की को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बीजेपी पर हमला बोला है। उन्होंने कहा, देश के खिलाड़ियों के साथ ऐसा बर्ताव बहुत ही शर्मनाक है। 'बेटी बचाओ' बस ढोंग है! असल में भाजपा भारत की बेटियों पर अत्याचार करने से कभी पीछे नहीं हटी है। जंतर-मंतर पर पहलवानों के धरनास्थल पर बुधवार (3 मई) की आधी रात में उस समय बवाल हो गया जब पहलवान सोने की तैयारी कर रहे थे। यहां पहलवानों और पुलिस के बीच नोंकझोंक और धक्का-मुक्की हो गई। पहलवानों ने पुलिस पर हमला करने और दुर्व्यवहार करने का आरोप लगाया है।

पुलिस पर हमले का आरोप

पहलवानों का कहना है कि बारिश के चलते धरने की जगह पर पानी भर गया था, जिसके चलते उन्होंने फोल्डिंग बेड मंगवाए थे लेकिन दिल्ली पुलिस ने उसे लाने नहीं दिया। खिलाड़ियों ने आरोप लगाया कि दिल्ली पुलिस के एसीपी ने पुलिसकर्मियों के साथ खिलाड़ियों पर हमला किया। इसमें दुष्यंत फोगाट और राहुल यादव के सिर में चोट आई है।

खिलाड़ियों ने की प्रेस कॉन्फ्रेंस

बवाल के बाद गुरुवार (4 मई) को पहलवानों ने सुबह प्रेस कॉन्फ्रेंस की। बजरंग पुनिया ने कहा कि अगर खिलाड़ियों की सुनवाई नहीं हो सकती है और उन्हें न्याय नहीं मिल सकता है तो हम सरकार को अपना मेडल वापस कर देंगे। ऐसे मेडल का हम क्या करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि उनकी लड़ाई सरकार या विपक्ष के खिलाफ नहीं है। ये बृज भूषण शरण सिंह के खिलाफ है। पहलवानों का आरोप है कि पुलिस कर्मियों ने उनके साथ बदसलूकी की और महिला पहलवानों से अभद्रता की। अपने साथ हुई अभद्रता के बारे में बताते हुए महिला पहलवान विनेश फोगाट रो पड़ीं। उन्होंने कहा, अगर तुम हमें मारना चाहते हो, तो हमें मार डालो। क्या हमने यह दिन देखने के लिए देश के लिए पदक जीते?

फिर जंतर-मंतर पहुंचीं स्वाति मालीवाल, बोलीं

बृजभूषण को बचाने के लिए दिल्ली पुलिस कर रही है गुंडागर्दी

नई दिल्ली, 4 मई (एजेंसियां)। दिल्ली में प्रदर्शन कर रहे पहलवानों और पुलिस से बीच बुधवार (3 मई) रात झड़प हुई थी। जिसके बाद रात को ही स्वाति मालीवाल उनसे मिलने जंतर-मंतर पहुंची थी, लेकिन पुलिस ने उन्हें पहलवानों से मिलने नहीं दिया था। हालांकि, स्वाति मालीवाल गुरुवार (4 मई) सुबह एक बार फिर जंतर-मंतर पहुंची गईं। मालीवाल ने कहा कि दिल्ली पुलिस बृजभूषण शरण सिंह को बचाने के लिए गुंडागर्दी कर रही है। उन्होंने आरोप लगाए कि बृजभूषण शरण को गिरफ्तार करने की जगह हमें परेशान कर रहे हैं।

बारामुला में आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़

घाटी में 24 घंटे में चार दहशतगर्द ढेर

जम्मू कश्मीर, 4 मई (एजेंसियां)। उत्तरी कश्मीर के बारामुला में गुरुवार को आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़ में हो गई। इस दौरान दो आतंकियों को मार गिराया गया है। मारे गए दोनों आतंकी लश्करे तैयबा से जुड़े हुए थे और शोपियां के रहने वाले थे। उनके पास से एक एके 47 राइफल और एक पिस्तौल सहित आपत्तिजनक सामग्री, हथियार और गोला-बारूद बरामद हुआ है। एसएसपी बारामुला आमोद अशोक नागपुरे ने बताया कि बारामुला पुलिस और 29आरआर और 2 बटलियन एसएसबी की एक संयुक्त टीम ने जिले के क्रीरी इलाके में रात में तलाशी अभियान चलाया। जैसे ही संयुक्त टीम संदिग्ध स्थान की ओर बढ़ी, छिपे हुए आतंकवादियों ने सुरक्षा बलों पर गोलीबारी शुरू कर दी, जिससे मुठभेड़ शुरू हो गई। मुठभेड़ में लश्कर के दो आतंकवादी मारे गए। दोनों की पहचान शोपियां जिले के शाकिर मजीद नजर और हनान अहमद सेह के रूप में हुई है। दोनों इसी साल मार्च में आतंकवादी गतिविधियों में शामिल हुए थे। उनके पास से एक एके-47 रायफल और एक पिस्टल बरामद हुई है।

आवास नवीनीकरण मामले पर केजरीवाल को भाजपा ने घेरा

कहा लूटने का एक भी रास्ता नहीं छोड़ा

नई दिल्ली, 4 मई (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी की वरिष्ठ नेत्री एवं केन्द्रीय मंत्री मीनाक्षी लेखी ने गुरुवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री आवास के नवीनीकरण पर किए गए खर्च के मुद्दे पर कई सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि नवीनीकरण का कार्य कई नियमों को ताक पर रखकर किया गया और कई तरह के बेजा खर्च किया गया। उल्लेखनीय है कि भारतीय जनता पार्टी मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के घर की साज-सज्जा पर हुए 45 करोड़ रुपये के खर्च को लेकर आप पर लगातार हमलावर है। इस मुद्दे को लेकर दिल्ली भाजपा पिछले पांच दिनों से धरने पर बैठी है और दिल्ली सरकार से इस बारे में जवाब मांग रही है। भाजपा नेता मीनाक्षी लेखी ने कहा कि केजरीवाल ने लोगों का पैसा लूटने का एक भी रास्ता नहीं छोड़ा है। एक नियम है कि फर्नीचर, फर्निशिंग लागत एक निश्चित मूल्य से अधिक होने की स्थिति में वित्त विभाग की सहमति की आवश्यकता होती है, लेकिन केजरीवाल तरकीब लगाकर नियम को किनारे कर गए। उन्होंने 'स्मार्ट' अभिनय कर देश को लूट लिया। उन्होंने कहा कि इसके अलावा, ई-टेंडर प्रक्रियाओं में गड़बड़, ठेकेदार को 'लाभ' देने और अपने भव्य घर की शानदार निर्माण गतिविधियों को करने के संबंध में उनके द्वारा कई अवैध प्रयास किए गए हैं। इन्होंने ऐसे समय पर 45 करोड़ रुपये खर्चे किए जब एक-एक रुपया बचाने की जरूरत थी। डीयूएसी से इन्होंने कोई अनुमति नहीं ली, 45 करोड़ रुपये का कोई टेंडर नहीं निकाला। यह घोटाला है। ये पूरी पार्टी ही ऐसी है। जो सवाल इनसे पूछे जाते हैं उनके ये सीधे जवाब कभी नहीं देते। एक अन्य विषय को उठाते हुए मनीक्षी लेखी ने आप सांसद संजय सिंह पर ईडी की चार्जशीट मामले में झूठ बोलकर भ्रम फैलाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि लोगों को पता होना चाहिए कि ईडी के आरोपपत्र में तीन जगह पर संजय सिंह का नाम है और इस बात का जिक्र है उन्होंने पैसे लिए हैं। केवल एक स्थान पर गलती से राहुल सिंह की जगह संजय सिंह लिखा गया था । ईडी की तरफ से यह 'टायपो एरर' था जिसके करेक्शन की अनुमति मांगी गई जबकि इन्होंने कहा कि ईडी ने माफी मांगी है।

मैहर में मंदिर से लौट रही महिला के साथ मारपीट कर सामूहिक दुष्कर्म

सतना, 4 मई (एजेंसियां)। सतना जिले के मैहर थाना क्षेत्र में महिला के साथ सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आया है। घटना मंगलवार शाम की है। बुधवार को महिला ने थाने में शिकायत दर्ज कराई है। जानकारी के अनुसार मैहर थाना अंतर्गत ग्राम खेरवा कला के पास दो युवकों ने मंगलवार शाम को एक महिला का रास्ता रोका। उसे पकड़कर सुनसान जगह पर ले गए। यहां मारपीट कर दुष्कर्म किया। घटना से डरी-सहमी पीड़िता ने बुधवार को इसकी शिकायत मैहर थाना में दर्ज कराई है। पुलिस ने मेडिकल चेकअप के बाद अंडा तिवारी और राजाबाबू सिंह उर्फ टिल्ली नामक दो लोगों के खिलाफ धारा- 376डी, 354क, 394, 506 और 34 के तहत मुकदमा दर्ज किया है।

ठगों के हौसले बुलंद, वृद्धा की कुंडली में लक्ष्मी दोष बताकर चार लाख के गहने लेकर फरार हुए आरोपी

उज्जैन, 4 मई (एजेंसियां)। उज्जैन शहर ही नहीं बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में इन दिनों कुछ ऐसे लोग सक्रिय हैं, जो धर्म के नाम पर वृद्धजनों को अपनी बातों में उलझाते हैं और फिर इनके गहने उतरवाकर महज कुछ मिनटों मे ही रफूचक्कर हो जाते हैं। इंगोरिया थाना क्षेत्र स्थित राम मंदिर में एक वृद्धा के साथ पूजा पाठ के नाम पर आभूषणों की ठगी हुई थी। अभी पुलिस इस पूरे मामले को सुलझा भी नहीं पाई थी, कि बुधवार शाम फ्रीगंज क्षेत्र में भी एक वृद्धा को कुंडली में लक्ष्मी दोष बताकर कुछ लोगों ने अपनी बातों में उलझाया और चार लाख के गहने पार कर दिए।

अधेड़ ने अज्ञात कारणों से लगाई फांसी मौत, घर लौटी पत्नी तो फंदे पर लटका मिला पति

शहडोल, 4 मई (एजेंसियां)। अज्ञात कारणों से एक 44 वर्षीय व्यक्ति ने फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। घर में अधेड़ का शव फांसी के फंदे पर लटका मिला।मामला जिले के बुढार थाना क्षेत्र के चौकी केशवाही के ग्राम जमुनिया का है। शंकर महारा (44 वर्ष) ने फांसी लगाकर जान दे दी। केशवाही चौकी प्रभारी एलबी तिवारी ने जानकारी देते हुए बताया कि मृतक अपनी बीवी और बच्चों के साथ घर में था, पत्नी और बच्चे घर के बाहर थे, तभी उसने कमरा बंद कर अंदर फांसी लगा ली। काफी देर बाद जब वह बाहर नहीं निकला तो पत्नी और परिवार के अन्य लोग भी वहां पहुंचे और दरवाजा तोड़ कर देखा तो शंकर फांसी पर लटका था, जिसकी जानकारी पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पीएम के लिए अस्पताल भेजा।

सरकारी कांट्रेक्टर को गोलियों से भूना, पटियाला में दिन-दहाड़े वारदात से फैली सनसनी

पटियाला, 4 मई (एजेंसियां)। पटियाला में गुरुवार को दिन-दिहाड़े एक सरकारी कांट्रेक्टर की बाइक सवार ने पांच गोलियां मार कर हत्या कर दी। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज करके जांच शुरू कर दी है। मृतक की पहचान दर्शन सिंगला (55) निवासी सुनाम के तौर पर हुई है। पुलिस के मुताबिक दर्शन सिंगला की नाभा रोड पर यादविंदरा एनक्लेव इलाके की मार्केट में एसएस सर्विस प्रोवाइडर नाम की कंपनी है। वह पीआरटीसी को ठेके पर मुलाजिम मुहैया कराता था। गुरुवार सुबह करीब 9 बजकर 40 मिनट पर कांट्रेक्टर वरना कार में बेटे के साथ अपने दफ्तर पहुंचा। जैसे ही वह कार से उतरा, तो एक बाइक सवार ने उस पर ताबड़-तोड़ फायरिंग कर दी। पांच गोलियां लगने से कांट्रेक्टर की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस फिलहाल इस मामले की जांच में जुटी है। पुलिस के मुताबिक यह मामला किसी पुरानी रंजिश या फिर लेन-देन के साथ भी जुड़ा हो सकता है।

'मेरा राज्य जल रहा है।' ट्विटर पर मणिपुर की तस्वीरें शेयर कर

मैरीकॉम ने मांगी केंद्र से मदद

नई दिल्ली, 4 मई (एजेंसियां)। महान मुक्केबाज एमसी मैरीकॉम ने गुरुवार को मणिपुर में भड़की हिंसा को शांत करने के लिए केंद्र से मदद की मांग की है। एक आदिवासी आंदोलन के दौरान बुधवार को यहां हिंसा भड़क गई थी, जिसके बाद सेना और असम राइफल्स को राज्य की स्थिति को नियंत्रित करने के लिए भेजा गया।

ट्विटर पर शेयर की हिंसा की तस्वीरें

मेडल विजेता बॉक्सर ने अपने ट्विटर पर राज्य में चल रहे हिंसा की तस्वीरें शेयर की। अपने इस पोस्ट में उन्होंने पीएम मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को भी टैग किया। केंद्रीय मंत्रियों को टैग करते हुए मैरीकॉम ने कहा- मेरा राज्य जल रहा है, कृपया मदद करें। रक्षा प्रवक्ता ने कहा कि सेना और असम राइफल्स को राज्य पुलिस के साथ रात में ही राज्य की स्थिति को नियंत्रित करने के लिए

भेज दिया गया है। सुबह तक बल हिंसाकर्ताओं को गिरफ्तार करने में सक्षम रही। भारत की महिला बॉक्सर मैरीकॉम राज्यसभा की एमपी रह चुकी है। अपने राज्य में भड़की इस हिंसा पर संवाददाताओं से बातचीत करते हुए उन्होंने सरकार से शांति और सुरक्षा की अपील की है। उन्होंने कहा- मणिपुर की स्थिति देखकर बिलकुल भी अच्छा नहीं लग रहा है। बीते रात से ही राज्य की स्थिति बिगड़ी हुई है। इस मामले में मैं केंद्र सरकार से अहम कदम उठाने और राज्य में शांति सुरक्षा प्रदान करने की अपील करती हूं। इस हिंसा में कई लोगों ने अपने परिवार खो दिए। राज्य की स्थिति जल्द से जल्द सामान्य होना चाहिए।

मणिपुर में गंभीर हो रही हिंसा

चुराचांदपुर जिले के तोरबंग इलाके में ऑल ट्राइबल स्टूडेंट यूनियन मणिपुर (एटीएसयूएम) द्वारा बुलाए गए 'आदिवासी एकजुटता रैली' के दौरान हिंसा भड़की थी।

यह मार्च इंफाल घाटी में रहने वाले गैर- आदिवासियों की अनुसूचित जनजाति (एसटी) की मांग के विरोध में निकाला गया था। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के अनुसार हजारों आंदोलनकारियों ने इस रैली में हिस्सा लिया था। इस दौरान आदिवासियों और गैर-आदिवासियों के बीच झड़प हुई और यह हिंसा पूरे राज्य में फैल गई। अबतक 4000 लोगों को हिंसाग्रस्त क्षेत्र से रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थानों पर भेज दिया गया है। अधिक से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है। प्रवक्ता ने बताया कि स्थिति को नियंत्रित करने के लिए फ्लैग मार्च भी निकाला गया।

पूर्व डीएसपी को अदालत ने सुनाई चार साल की सजा, 50 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया

भिवानी, 4 मई (एजेंसियां)। हिसार राज्य सतर्कता ब्यूरो के सेवानिवृत्त डीएसपी फूल सिंह को भिवानी एडीजे की कोर्ट ने गुरुवार को चार साल की कैद और 50 हजार रुपये जुर्माना की सजा सुनाई है। बुधवार को एडीजे की कोर्ट ने फूल सिंह को दोषी करार दिया था। फूल सिंह पर भ्रष्टाचार का एक केस खारिज करने की एवज में चार लाख रुपये मांगे जाने का आरोप था। वहीं उसे पीड़ित सवा लाख रुपये दे चुका था। डीएसपी फूल सिंह की टीम ने भिवानी के रेस्ट हाउस से रंगे हाथों रिश्वत लेते गिरफ्तार किया था। बाद में मामला झूठा पाया गया तो केस वापस लेने की एवज में पैसे मांगे जा रहे थे। भिवानी न्यायालय के अधिवक्ता निर्मल प्रकाश ने बताया कि 18 दिसंबर 2013 में भगत सिंह कोठारी के खिलाफ राज्य सतर्कता ब्यूरो हिसार की टीम ने 30 हजार रुपये रिश्वत लेने का केस बनाया था।

कैलाश विजयवर्गीय को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका

निचली अदालत को दिया नए सिरे सुनवाई का आदेश

कोलकाता, 4 मई (एजेंसियां)। भवानीपुर बलात्कार मामले में बीजेपी नेता कैलाश विजयवर्गीय को सुप्रीम कोर्ट से झटका मिला है। सुप्रीम कोर्ट ने ये मामला निचली अदालत को भेज दिया है और निर्देश दिया है कि इस मामले में नए सिरे सुनवाई करने के बाद फैसला सुनाया जाए। सुप्रीम कोर्ट ने अलीपुर में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के पास मामले को भेजा है। इसी के साथ सुप्रीम कोर्ट ने कैलाश विजयवर्गीय की ओर से दायर याचिका का निपटारा कर दिया है। कोलकाता हाइकोर्ट के आदेश के बाद कैलाश विजयवर्गीय, जिष्णु बसु और प्रदीप जोशी के खिलाफ बेहला महिला थाना और भवानीपुर थाने में 20 दिसंबर, 2021 को एफआईआर दर्ज की गई थी। बता दें, एक महिला ने कैलाश विजयवर्गीय के अपार्टमेंट में गैंग रेप करने का आरोप लगाया था। हाईकोर्ट ने निचली अदालत के आदेश को रद्द करते हुए एफआईआर दर्ज करने को कहा था। जबकि निचली अदालत ने एफआईआर दर्ज कराने की मांग खारिज कर दी थी।

2019 में लगाया गया था आरोप

बता दें ये मामला दिसंबर 2019 का है। उस वक्त एक महिला ने कैलाश विजयवर्गीय और उनके सहयोगियों के खिलाफ रेप का आरोप लगाया था। इस शिकायत के आधार पे उनके कैलाश विजयवर्गीय और उनके साथियों के खिलाफ रेप के आरोप मे मुकदमा दर्ज किया गया था। अलीपुर में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ने बसु और प्रदीप जोशी रेप केस में बीजेपी नेता कैलाश विजयवर्गीय और जिस्नू के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग करने वाली एक याचिका खारिज कर दी थी।

हाई कोर्ट के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती

इसके बाद कलकत्ता हाईकोर्ट ने अलीपुर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के आदेश को रद्द कर दिया था। इसके बाद हाईकोर्ट के आदेश को विजयवर्गीय समेत दूसरे लोगों ने सुप्रीम कोर्ट मे चुनौती दी। इस पर फैसला सुनाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने मामले को फिर से नए सिरे से सुनवाई के लिए निचली अदालत को भेजा है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

शुक्रवार, 5 मई, 2023 3

सुविचार

अच्छी व स्वच्छ प्रतियोगिता स्वस्थ बनाती है परन्तु ईर्ष्या एक घातक रोग है

गरीबों के लिए गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार में जुटी सरकार

स्वास्थ्य मंत्री ने जून तक और 500 बस्ती दवाखानों के खुलने की दी जानकारी

हैदराबाद, 4 मई (स्वतंत्र वार्ता)। शहरी केंद्रों में गरीबों के लिए गुणवत्तापूर्ण प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं आसानी से सुलभ बनाने के लिए, तेलंगाना सरकार बस्ती दवाखाना पहल का विस्तार करने की प्रक्रिया में है। जून के अंत तक, राज्य में सभी प्रमुख और छोटे शहरी केंद्रों में कुल 500 बस्ती दवाखाने होंगे।

यह योजना यह सुनिश्चित करने के लिए है कि जीएचएमसी और मेडचल-मलकजगिरी और रंगारेड्डी जिलों के सभी क्षेत्रों को कवर करने वाले 350 बस्ती दवाखाने हैं और शेष 150 शहरी स्वास्थ्य सुविधाएं शेष प्रमुख शहरी नगर पालिकाओं को कवर करती हैं।

गुरुवार को यहां एक समीक्षा बैठक में, स्वास्थ्य मंत्री टी. हरीश राव ने कहा, वर्तमान में, तेलंगाना में 363 बस्ती दावाखाने हैं, जबकि 57 अन्य उद्घाटन के लिए तैयार हैं। शेष 80 बस्ती दवाखानों को अंतिम चरण में जून के अंत तक पूरा कर लिया जाएगा।

जरूरत और मांग होने पर रविवार को भी बस्ती दवाखाने खुले रखने की व्यवस्था की जाएगी। मंत्री ने कहा कि हमें रविवार को खुले रहने के लिए तैयार रहना चाहिए और हर दिन बस्ती दवाखाना में वरिष्ठ चिकित्सक सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे के बीच उपलब्ध होने चाहिए।

शहरी स्वास्थ्य केंद्रों के अलावा, मई के अंत तक तेलंगाना के सभी हिस्सों में कुल 3206 पल्ले दवाखाने पूरी तरह से काम करने लगेंगे और इन पल्ले दवाखानों में 321 खाली पदों पर भर्ती के प्रयास चल रहे हैं। हरीश राव ने कहा कि समय (सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक) पर प्रकाश डालने वाले सुपाठ्य तेलुगु साइन बोर्ड और पल्ले दावाखानों में उपलब्ध स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं की सूची स्थापित की जाएगी।

वरिष्ठ स्वास्थ्य अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया गया था कि वारंगल हेल्थ सिटी, चार तेलंगाना इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (टीआईएमएस) सुपरस्पेशियलिटी अस्पतालों और हैदराबादमें एनआईएमएस के निर्माण सहित सभी प्रमुख प्रमुख चिकित्सा बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को इस वर्ष के भीतर पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि सड़क और भवन विभाग को समय सीमा को पूरा करना सुनिश्चित करना चाहिए, ताकि दशहरा तक टिम्स जैसे नए अस्पताल, निम्स का विस्तार और वारंगल हेल्थ सिटी इस वर्ष के भीतर पूरा हो जाए।

बम की सूचना से टीसीएस हैदराबाद कैंपस खाली कराया गया

हैदराबाद, 4 मई (स्वतंत्र वार्ता)। माधापुर, हैदराबाद में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) कार्यालय में बम होने की खबर से कर्मचारी दहशहत में आ गए। प्रबंधन को एक फोन के माध्यम से कहा गया कि कंपनी में बम रखा गया है। सूचना मिलने पर प्रबंधन ने तुरंत सभी कर्मचारियों को बाहर निकाला और माधापुर पुलिस को सूचना दी। पुलिस और बम निरोधक दस्ते ने मौके पर पहुंचकर परिसर की सघन तलाशी ली, लेकिन कोई बम नहीं मिला। स्थिति को सुरक्षित समझा गया, और ऑल-क्लियर सिग्नल दिए जाने के बाद कर्मचारियों को अपने काम पर लौटने की अनुमति दी गई। आगे की जांच से एक संदिग्ध की पहचान हुई, एक पूर्व कर्मचारी जो सुरक्षा विभाग में काम कर चुका था। माना जा रहा है कि संदिग्ध ने बम की धमकी दी थी और पुलिस अब उसे पकड़ने की कोशिश कर रही है।

टीएसआरटीसी के कर्मचारियों के प्रदर्शन पर शोध सराहनीय : सज्जनार

हैदराबाद, 4 मई (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्र सरकार के क्षेत्र के संगठन एसोसिएशन ऑफ स्टेट रोड ट्रांसपोर्ट अंडरटेकिंग्स (एएसआरटीयू) के कार्यकारी निदेशक टी. सूर्य किरण को डॉक्टरेट की उपाधि से सम्मानित किया गया। वारंगल में प्रतिष्ठित नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एनआईटी) ने बुधवार को उन्हें 'मार्केट ओरिएंटेशन-परफॉर्मेंस ऑफ टीएसआरटीसी एम्प्लाइज' पर उनके शोध के लिए डॉक्टरेट की उपाधि से सम्मानित किया। सूर्य किरण ने एनआईटी प्रबंधन विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर फ्रांसिस सुधाकर की देखरेख में यह शोध पूरा किया। वह 1992 में आरटीसी में शामिल हुए। उन्होंने आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में डीएम, डीवीएम, आरएम आदि के रूप में काम किया। टीएसआरटीसी के मुख्य कार्मिक प्रबंधक (सीपीएम) के रूप में सेवा की। वर्तमान में प्रतिनियुक्ति पर ईडी, एएसआरटीयू , नई दिल्ली के साथ केंद्रीय सड़क परिवहन संस्थान (सीआईआरटी) के निदेशक के रूप में कार्यरत हैं। सूर्य किरण ने गुरुवार को एनआईटी द्वारा डॉक्टरेट की उपाधि प्रदान करने के बाद हैदराबाद के बास भवन में टीएसआरटीसी के एमडी सज्जनर से शिष्टाचार भेंट की। उन्हें डॉक्टरेट की कॉपी सौंपी गई। सज्जनार ने इस अवसर पर सूर्य किरण को बधाई दी। टीएसआरटीसी के कर्मचारियों के प्रदर्शन पर शोध सराहनीय है। सज्जनार ने कहा कि वारंगल एनआईटी के साथ टीएसआरटीसी द्वारा हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन के तहत, संगठन के अधिकारियों को पीएचडी में प्रवेश दिया जा रहा है।

अप्रैल में गर्म हवाओं के साथ ठंड का अनुभव

झुलसाने वाली हो सकती है मई

हैदराबाद, 4 मई (स्वतंत्र वार्ता)। चिलचिलाती गर्मी और पारा चढ़ने के आदी शहर में, हैदराबाद में लगता है कि अप्रैल ठंडा रहा है। औसत उच्चतम अधिकतम तापमान लगभग 39.4 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने के साथ, शहर ने लगातार गर्मी से एक महीने की राहत देखी, जो आमतौर पर वर्ष के इस समय की विशेषता है। एक ऐसे शहर के लिए जिसने पिछले साल 10 गर्मी की लहरें झेलीं, अप्रैल में एक भी दिन नहीं हुआ। हैदराबाद के निवासी आखिरकार बिना यह महसूस किए बाहर निकल सकते थे कि उन्हें तंदूर में रखा जा रहा है। यह ऐसा था मानो मौसम के देवताओं ने शहर को गर्मी के प्रचंड प्रकोप से बचाने का फैसला किया हो। भारत मौसम विज्ञानी विभाग-हैदराबाद की वैज्ञानिक डॉ. ए. श्रावणी के अनुसार, सामान्य से कम तापमान "निरंतर गर्त और संवहन गतिविधि" का परिणाम था।

उन्होंने कहा कि दरअसल, तेलंगाना के कुछ जिलों में तापमान सामान्य से 11 डिग्री सेल्सियस नीचे रिकॉर्ड किया गया। यह व्यावहारिक रूप से अप्रैल के महीने में अनसुना है। हालांकि मई में तस्वीर उतनी अच्छी नहीं हो सकती है। 10 मई से तापमान बढ़ने की उम्मीद के साथ, हैदराबाद जल्द ही एक बार फिर गर्मी की भीषण गर्मी की चपेट में आ सकता है। सात मई से प्री-मानसून बारिश भी बंद होने की संभावना है। इस बीच, क्षितिज पर अभी भी आशा है। आईएमडी-एच के अधिकारी ने भविष्यवाणी की है कि मानसून की शुरुआत, जो आमतौर पर 8 जून को होती है, में केवल दो दिनों की देरी हो सकती है। जबकि तापमान कभी-कभी सामान्य से ऊपर बढ़ सकता है, 10 जून तक सहनीय सीमा के भीतर रहने की उम्मीद है।

वैजाग में भांग के साथ दो गिरफ्तार

विशाखपट्टणम, 4 मई (स्वतंत्र वार्ता)। फिल्मी अंदाज में गांजे की तस्करी कर रहे दो लोगों को पुलिस ने गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया। दोनों पड़ोसी ओडिशा राज्य से पत्तागोभी की टोकरियों के साथ एक वैन में आ रहे थे। पुलिस ने एक गुप्त सूचना के आधार पर, शहर के पेंडुर्थीमें वाहन को रोका और सब्जी से लदी टोकरियों के नीचे गांजे की 14 बोरियां छिपाई हुई मिलीं। दोनों को गिरफ्तार कर वाहन को जब्त कर लिया गया है।

छत्तीसगढ़ में माओवादी हमलों के मद्देनजर सतर्क रहें पुलिसकर्मी : डीजीपी

हैदराबाद, 4 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस महानिदेशक अंजनी कुमार ने हाल ही में पड़ोसी राज्य छत्तीसगढ़ में नक्सली संबंधित हिंसक घटनाओं के मद्देनजर पुलिस को सतर्क रहने को कहा है। माओवाद विरोधी अभियानों में शामिल अधिकारियों के साथ एक बैठक में, विशेष रूप से छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और आंध्र प्रदेश के माओवाद प्रभावित राज्यों की सीमा से लगे जिलों में, अंजनी कुमार ने कहा कि किसी भी छोटी सी घटना का तेलंगाना और पुलिस अधिकारियों के विकास पर गंभीर प्रभाव पड़ेगा। इन स्थितियों में अधिक सतर्क रहना चाहिए। इस वर्ष के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव के मद्देनजर उन्होंने अधिकारियों से राज्य में राजनीतिक गणमान्य व्यक्तियों और वीवीआईपी की यात्रा के दौरान सुरक्षा के संबंध में पर्याप्त सावधानी बरतने को कहा।

उन्होंने कहा कि ऐसी संभावना है कि राज्य के सीमावर्ती इलाकों में माओवादी कार्रवाई टीमों की गतिविधियां बढ़ेंगी और अधिकारियों को हाई अलर्ट पर रहना चाहिए। हालांकि, अंजनी कुमार ने कहा कि पुलिस विभाग के लगातार प्रयासों के कारण तेलंगानामें वामपंथी उग्रवाद पूरी तरह से गायब हो गया है। अतिरिक्त डीजीपी (ऑपरेशंस) विजय कुमार ने कहा कि पुलिस बलों की गतिविधियों और रणनीतियों में बदलाव हुए हैं। उन्होंने कहा कि अति विशिष्ट व्यक्तियों के साथ रहने वाले निजी सुरक्षा अधिकारियों (पीएसओ) के लिए एक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा ताकि माओवादियों द्वारा अचानक किए जाने वाले हमलों को रोका जा सके। पुलिस महानिरीक्षक प्रभाकर राव ने कहा कि सीमावर्ती गांवों की पुलिस को माओवादी गतिविधियों और हमलों को लेकर अधिक सावधानी बरतनी चाहिए। बैठक में अतिरिक्त डीजी ग्रेहाउंड्स विजय कुमार, अतिरिक्त डीजी संजय कुमार जैन, आईजी एसआईबी प्रभाकर राव, आईजी चंद्रशेखर रेड्डी, शनावाज कासिम और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayindia पर फॉलो करें

द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in

ई-निविदा सूचना सं. 406/ डीआरएम/डब्ल्यू/जीएनटी दिनांक : 28-04-2023

पीयूबी/0455

अधोहस्ताक्षरी द्वारा नीचे उल्लेखित कार्यों के लिए 23-05-2023 को 15.30 बजे तक ई-निविदाएँ आमंत्रित हैं।

क्र.सं. 01. निविदा आईडी : 2567. सीनि. डीईएन/डीईएन : पश्चिम, कार्य का विवरण : जीएनटी डिवीजन के एडीईएन/पश्चिम/जीएनटी सेक्शन में रेलवे स्टाफ क्वार्टर्स टाइप-II : 18 यूनिट्स (एनटीआर-6, वीकेएन-12), टाइप-III : 8 यूनिट्स (एनआरटी-1, एसवाईएम-1, वीकेएन-4, केसीडी-1, डीकेडी-1) एवं टाइप-VI : 1 यूनिट (डीकेडी-1) का निर्माण, अनुमानित मूल्य : रु. 7,67,75,018.06, पूधरा : रु. 5,33,900.00

क्र.सं. 02. निविदा आईडी : 2568. सीनि. डीईएन/डीईएन : पश्चिम, कार्य का विवरण : जीएनटी डिवीजन के एडीईएन/एनडीएल सेक्शन में रेलवे स्टाफ क्वार्टर्स टाइप-II : 11 यूनिट्स (जीआईडी-2, एनडीएल-9), टाइप-III : 3 यूनिट्स (जीआईडी-1, डीएमटी-1, एनडीएल-1) एवं टाइप-IV : 2 यूनिट्स (एनडीएल-2) का निर्माण, अनुमानित मूल्य : रु. 4,74,03,695.73, पूधरा : रु. 3,87,000.00

क्र.सं. 03. निविदा आईडी : 2569. सीनि. डीईएन/डीईएन : पश्चिम, कार्य का विवरण : जीएनटी डिवीजन के एडीईएन/एनडीएल सेक्शन में एमआरके स्टेशन पर रेलवे स्टाफ क्वार्टर्स टाइप-II : 8 यूनिट्स, टाइप-III : 8 यूनिट्स एवं टाइप-IV : 3 यूनिट्स का निर्माण, अनुमानित मूल्य : रु. 5,80,68,706.04, पूधरा : रु. 4,40,400.00

1. ई-बोलियों को ऑनलाइन प्रस्तुत करने के लिए अंतिम तिथि 23-05-2023 को 15.30 बजे तक है। विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाइट www.ireps.gov.in को लॉगऑन करें

2. कोई अतिरिक्त संदेश /शुद्धिपत्र ई-पोर्टल www.ireps.gov.in के माध्यम से सूचित किया जाएगा।

मंडलीय रेल प्रबंधक, कार्य, गुंटूर

सं. एनडब्ल्यू/148/डब्ल्यू-III/निविदा सूचना/2023-24 दिनांक : 02-05-2023

पीयूबी/0457

निविदा के विवरण पहले ही www.ireps.gov.in पर अपलोड किए गए हैं।

क्र.सं. 01. निविदा सं. : टी-202324-2-008, अथारिटी : को-आर्ड, कार्य का विवरण : नांदेड़ डिवीजन : एसडब्ल्यू-I : मनमाड़-मुखेड़ (अप एवं डाउन/एसएल)- टीआरआर (पी)- 23.800 किमी. एसडब्ल्यू-II : डीईएन/एनई/ एनईडी के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत मनमाड़-मुखेड़ (अप एवं डाउन/एसएल)- सीटीआर (एस)- 2.100 किमी. एवं टीआरआर (एस)- 1.300 किमी.। निविदा मूल्य : रु. 2,27,46,330.13, पूर्व धरोहर राशि : रु. 2,63,700.00, पूरा करने की अवधि : 12 महीने, निविदा प्रपत्र का मूल्य : 0, समानान्तर स्वभाव का कार्य (50 लाख से अधिक मूल्य के लिए) ट्रैक रखरखाव कार्य को मिलाकर कोई भी रेलवे ट्रैक कार्य।

क्र.सं. 02. निविदा सं. : टी-202324-2-009, अथारिटी : को-आर्ड, कार्य का विवरण : नांदेड़ डिवीजन : (टीएफटीआर-6.758)- डीईएन/एनई/ एनईडी के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत मनमाड़-मुखेड़ (अप एवं डाउन एसएल)- टीएफटीआर 3.800 किमी. अकोला- पूर्णा (एसएल)- टीएफटीआर- 0.958 टी किमी. एवं मुदखेड़-पिम्पलकुट्टी (एसएल)- टीएफटीआर 2.000 किमी.। निविदा मूल्य : रु. 7,94,74,393.27, पूर्व धरोहर राशि : रु. 5,47,400.00, पूरा करने की अवधि : 12 महीने, निविदा प्रपत्र का मूल्य : 0. समानान्तर स्वभाव का कार्य (50 लाख से अधिक मूल्य के लिए) : मिट्टी कार्य या रेलवे फार्मेशन के फार्मेशन ट्रीटमेंट/ रिहैबिलिटेशन युक्त कोई भी सिविल इंजीनियरिंग कार्य।

उपरोक्त निविदा 24-05-2023 को 15.00 बजे बंद होगी।

सीनि. डीईएन/को-आर्ड/नांदेड़

सं. एनडब्ल्यू/148/डब्ल्यू-III/ निविदा सूचना/2023-24 दिनांक : 03-05-2023

पीयूबी/0458

निविदा के विवरण पहले ही www.ireps.gov.in पर अपलोड किए गए हैं।

क्र.सं. 1. निविदा सं. : टी-202324-2-010, अथारिटी : को-आर्ड, कार्य का विवरण : नांदेड डिवीजन : आरडीएसओ अनुमोदित ट्रांसलेमेटिक रोबोटिक वेल्डिंग टेक्नोलॉजी का उपयोग करते हुए ट्रैफिक कंडीशन के अंतर्गत सभी प्रकार के रेल सेक्शन्स 'इन-सिटु' पर सभी प्रकार के घिसे-पिटे सीएमएस (कास्ट मैंगनीज स्टील) क्रासिंग्स की रिकंडीशनिंग। निविदा मूल्य : रु. 66,15,099.00, पूर्व धरोहर राशि : रु. 1,32,300.00, पूरा करने की अवधि : बारह महीने, निविदा प्रपत्र का मूल्य : 0 समानान्तर स्वभाव का कार्य (रु. 50 लाख से अधिक लागत के लिए) : आरडीएसओ अनुमोदित ट्रांसलेमेटिक रोबोटिक टेक्नोलॉजी का उपयोग करते हुए क्रासिंग्स/ टंग रेल्स की रीकंडीशनिंग से युक्त कोई भी कार्य।

उपरोक्त निविदा 31-05-2023 को 15.00 बजे बंद होगी।

AO638 सीनि. डीईएन/को-आर्ड/नांदेड़

अतिरिक्त निविदा शर्तों/विवरणों के लिए और निविदा दस्तावेजों को डाउनलोड करने के लिए, कृपया वेबसाइट www.ireps.gov.in' या http://www.scr.indianrailways.gov.in देखें

किसानों से खरीदी जाएगी वर्षा से खराब धान : रविंदर सिंह

नागरिक आपूर्ति अध्यक्ष ने किया धान खरीदी केंद्र का निरीक्षण

यदाद्री-भोंगिर, 4 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष रविंदर सिंह ने गुरुवार को स्पष्ट किया कि राज्य सरकार किसानों से आखिरी दाने तक धान की खरीद करेगी। जिले के बीबीनगर मंडल के गुडूर में धान खरीदी केंद्र का निरीक्षण करते हुए उन्होंने कहा कि बेमौसम बारिश से धान की फसल खराब होने से किसानों को डरने की जरूरत नहीं है

क्योंकि सरकार उनके हितों की रक्षा के लिए तैयार है। मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के निर्देशानुसार बेमौसम बारिश से भीगने वाले धान को किसानों से खरीदा जाएगा। मुख्यमंत्री किसानों के कल्याण और हर कीमत पर उनके हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने अधिकारियों को धान उपार्जन केंद्रों पर धान खरीद कर जल्द से जल्द मिलों में स्थानांतरित करने के भी निर्देश दिए।

हाईकोर्ट के पास दिनदहाड़े हत्या से सनसनी

हैदराबाद, 4 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बीच शहर में तेलंगाना उच्च न्यायालय के पास एक व्यक्ति की दिनदहाड़े हत्या कर दी गई। हाईकोर्ट भवन के गेट नंबर 6 के पास एक अज्ञात व्यक्ति ने पीड़ित पर चाकू से हमला कर दिया। हमलावर ने पीड़ित को सड़क पर चाकू मार दिया, जिससे राहगीरों में दहशत फैल गई। मृतक सुलभ कॉम्प्लेक्स में काम करने वाला बताया जा रहा है। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हमलावर वारदात को अंजाम देने के बाद फरार हो गया। स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच कर रही है। आरोपी और पीड़ित के बीच 10 हजार रुपये के भुगतान को लेकर हुए विवाद के कारण हत्या की आशंका जताई जा रही है।

टीएस आईसेट-2023 का संचालन करेगा काकतीय विश्वविद्यालय

हैदराबाद, 4 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना स्टेट काउंसिल ऑफ हायर एजुकेशन ने शैक्षणिक वर्ष 2023-24 के लिए एमबीए व एमसीए पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए काकतीय विश्वविद्यालय, वारंगल को टीएस आईसेट-2023 परीक्षा आयोजित करने की जिम्मेदारी सौंपी है। टीएस आईसेट-2023 परीक्षाओं के लिए पंजीकरण और ऑनलाइन आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 6 मई है, जबकि पंजीकरण और 250 रुपये के विलंब शुल्क के साथ ऑनलाइन आवेदन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि 12 मई है और 500 रुपये विलंब शुल्क के साथ अंतिम तिथि 18 मई है। उम्मीदवारों को 12 मई से 15 मई तक जमा किए गए ऑनलाइन आवेदनों में कोई भी सुधार करने की अनुमति होगी।

प्रो. पी. वरलक्ष्मी, संयोजक, टीएस आईसेट-2023 ने कहा कि 20 ऑनलाइन क्षेत्रीय केंद्रों (तेलंगानामें 16 और आंध्र प्रदेश में 4) में 75 परीक्षा केंद्रों की पहचान चार सत्रों में 26 और 27 मई को परीक्षा आयोजित करने के लिए की गई है। अंतिम वर्ष की डिग्री परीक्षा में बैठने वाले उम्मीदवार भी टीएसआईसीईटी- 2023 के लिए उपस्थित होने के पात्र होंगे, एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है।

CLASSIFIEDS

New flats for sale

New Apartments, 3BHK Super Deluxe Flats, Ready to Occupy, GHMC & RERA Approved Project, Good Vastu, OC Received Bank Loan available, @ Pragati Colony, Near Aram Ghar X Roads, Before Shamshabad International Airport. Contact: 9100015559, 9100015558.

CHANGE OF NAME

I, Bibhuti BHusan Harichandan Mishra S/o. Lt. Priya Sundar Mishra, Aged 39 Years, Address: Flat 1105, Tower 14, Prajay Megapolis, KPHB Ph 9, Hyderabad, have changed my Name from Bibhuti Bhusan Harichandan Mishra to Bibhuti Bhusan Mishra vide Affidavit Number: 63AA470617, sworn before Executive Magistrate, Bhubaneswar dated-19/01/2023

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

सड़क हादसे में तीन किशोरों की मौत

जगतियाल, 4 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मल्लियाल मंडल के कोनापुर के बाहरी इलाके में हुए सड़क हादसे में तीन किशोरों की मौत हो गयी। भीमाराम मंडल मुख्यालय के एमडी मोहिन खान (18), रागोजीपेट के गोकुला अभिषेक (17) और मेडिपल्ली मंडल मुख्यालय के बोंगोनी वरुण संदेश (15) बुधवार को एक समारोह में खानपान के काम में शामिल होने के लिए मल्लियाल गए थे। शाम को अपने पैतृक स्थानों पर लौटते समय, किशोर एक दुर्घटना का शिकार हो गए जब वे जिस दोपहिया वाहन पर जा रहे थे, वह विपरीत दिशा से आ रही एक डीसीएम वैन से टकरा गया। चूंकि वे गंभीर रूप से घायल हो गए थे, स्थानीय लोगों ने उन्हें जगतियाल अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया, जहां रात में इलाज के दौरान मोहिन खान और अभिषेक की मौत हो गई। जैसे ही उनकी हालत बिगड़ी, वरुण संदेश को करीमनगर अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया, जहां इलाज के दौरान उन्होंने भी अंतिम सांस ली।

मंत्री श्रीनिवास गौड ने महबूबनगर नगर पालिका से जुड़े मुद्दों की समीक्षा की

हैदराबाद, 4 मई (स्वतंत्र वार्ता)। आबकारी और मद्य निषेध मंत्री वी. श्रीनिवास गौड़ ने सचिवालय में महबूबनगर नगरपालिका से संबंधित मुद्दों पर एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। समीक्षा बैठक के दौरान चर्चा किए गए मुद्दों में बाढ़ के पानी के चैनलों की बहाली और विस्तार, भूमिगत जल निकासी व्यवस्था का आधुनिकीकरण, मिनी टैंक बंड में सीवेज के अतिप्रवाह को रोकने के लिए किए जा रहे उपाय और शहर में सीवेज उपचार संयंत्रों की स्थापना भी शामिल है। बैठक में राज्य लोक स्वास्थ्य एसई रामनमूर्ति, सिंचाई एसई चक्रधर व नगर आयुक्त प्रदीप कुमार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने नई दिल्ली में बीआरएस भवन का किया उद्घाटन

नई दिल्ली, 4 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने राजधानी के वसंत विहार स्थित बीआरएस भवन का उद्घाटन किया। दिल्ली स्थित बीआरएस भवन पार्टी का केन्द्रीय कार्यालय है।

मुख्यमंत्री ने वैदिक रीति से पूजा-अर्चना की। इसके बाद कार्यालय परिसर में ध्वजारोहण किया। वैदिक मंत्रोच्चारण और स्तोत्र पाठ के बीच उन्होंने एक बजकर पांच मिनट पर फीता काटकर राजधानी में बीआरएस भवन का विधिवत उद्घाटन किया। इस अवसर पर विधान सभा स्पीकर पोच्चारम श्रीनिवास रेड्डी, राज्य सभा में बीआरएस संसदीय दल के नेता के. केशव राव, लोक सभा में बीआरएस संसदीय दल के नेता नामा नागेश्वर राव, आईटी मंत्री केटी रामाराव, सड़क और भवन मंत्री प्रशांत रेड्डी, सांसद जोगिनापल्ली संतोष कुमार, बीबी पाटिल, वी रविचंद्र, वेंकटेश नेता, मालोत कविता, बि. लिंगैया यादव, एमएलसी पल्ला राजेश्वर रेड्डी, विशेष प्रतिनिधि मल्ला जगन्नाथ और बीआरएस किसान सेल के अध्यक्ष गुरनाम सिंह चढूनी उपस्थित थे।

बीआरएस भवन के उद्घाटन के बाद मुख्यमंत्री केसीआर ने प्रथम तल पर बने पार्टी अध्यक्ष के कार्यालय में पदभार संभाला और दस्तावेज पर दस्तखत किए। दिल्ली के वसंत विहार स्थित बीआरएस केन्द्रीय कार्यालय कक्ष में पदभार ग्रहण करने के समय विधान सभा अध्यक्ष पोच्चारम श्रीनिवास रेड्डी, मंत्री प्रशांत रेड्डी,

केटी रामाराव, जोगिनपल्ली संतोष कुमार और प्रभाकर रेड्डी उपस्थित थे। उन्होंने कामकाज भी किया। इसके बाद पार्टी के वरिष्ठ नेताओं द्वारा उन्हें बधाई देने का तांता लगा रहा। बधाई देने वालों में सभी सांसद, मंत्री और पार्टी कार्यकर्ता शामिल थे। बीआरएस केन्द्रीय कार्यालय परिसर में यज्ञ और स्तोत्र पाठ सबह शुरू हो गया।

भारी संख्या में बीआरएस कार्यकर्ता कार्यालय परिसर में सुबह से मौजूद थे। परिसर में गहमा गहमी का वातावरण रहा। तेलंगाना पुलिस के साथ दिल्ली पुलिस ने बीआरएस भवन के पास भारी सुरक्षा इंतजाम किया था। वसंत विहार मेट्रो स्टेशन से बीआरएस भवन तक सरक्षा घेरा कड़ा था। सामान्य वाहन का परिचालन बंद रहा। कडी सुरक्षा व्यवस्था के बीच बीआरएस केन्दीय कार्यालय का उद्घाटन समारोह आयोजित हुआ। बीआरएस भवन को वास्तु के अनुरूप बनाया गया है। इसके प्रथम तल पर पार्टी अध्यक्ष का कार्यालय है।

अध्यक्ष और कार्यकारी अध्यक्ष के विशेष कक्ष हैं। इसके अलावा कुल अठारह कमरों के साथ ही कांफ्रेस हॉल भी है। वसंत विहार स्थित केन्द्रीय कार्यालय से बीआरएस पार्टी के काम काज में तेजी आएगी और पार्टी के विस्तार का काम तेज होगा।

वोट डालने के बाद सीएम योगी का खास अंदाज, तस्वीरों में देखें मुस्कुराते हुए मुख्यमंत्री ने क्या कहा?

गोरखपुर, 4 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निकाय चुनाव के लिए गोरखपुर की वार्ड संख्या-797 में मतदान किया। वोट डालने के बाद सीएम योगी ने विक्ट्री साइन दिखाकर अपनी प्रतिक्रिया दी। विक्ट्री का साइन दिखाते हुए सीएम योगी ने कहा, नगर निकाय के चुनाव के प्रथम चरण का आज मतदान प्रारंभ हो चुका है। वोट डालने के बाद सीएम योगी का खास अंदाज, तस्वीरों में देखें मुस्कुराते हुए मुख्यमंत्री ने क्या कहा? मुख्यमंत्री ने कहा, प्रदेश में 4.32 करोड़ से अधिक मतदाता भाग ले रहे हैं और वह नगरीय व्यवस्था को सुदृढ़ और सुंदर बनाने के लिए मतदान करेंगे। वोट डालने के बाद सीएम योगी का खास अंदाज, तस्वीरों में देखें मुस्कुराते हुए मुख्यमंत्री ने क्या कहा? सीएम ने आगे कहा, प्रदेश में राज्य निर्वाचन आयोग ने चुनाव को सकुशल कराने की सारी व्यवस्थाएं की हैं। वोट डालने के बाद सीएम योगी का खास अंदाज, तस्वीरों में देखें मुस्कुराते हुए मुख्यमंत्री ने क्या कहा? उन्होंने कहा, मुझे विश्वास है कि यह चुनाव शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न होंगे। मतदान हमारा कर्तव्य है जिसका बेहतर उपयोग किया जाना चाहिए इसलिए मेरी प्रदेश के मतदाताओं से अपील है कि मतदान अवश्य करें। वोट डालने के बाद सीएम योगी का खास अंदाज, तस्वीरों में देखें मुस्कुराते हुए मुख्यमंत्री ने क्या कहा? वहीं वोट डालने से पहले सीएम योगी ने कहा, अपने नगर निकाय को और अधिक सशक्त करने के लिए आप भी मतदान अवश्य करें।

मथुरा के इस उम्मीदवार के समर्थन में एक साथ क्यों आए अखिलेश-जयंत और प्रियंका?

लखनऊ, 4 मई (एजेंसियां)। मथुरा समेत 37 जिलों में नगर निकाय चुनाव के लिए मतदान जारी हैं। पहले चरण में नामांकन से लेकर प्रचार अभियान तक सबसे अधिक चर्चा में मथुरा नगर निगम ही रहा। यहां पर कांग्रेस, सपा और आरएलडी में बड़ा उलटफेर हुआ। इतना ही नहीं, अंत में ऐसा राजनीतिक समीकरण बना कि पहली बार आरएलडी, सपा और कांग्रेस एक साथ आ गई। दरअसल, राजनीतिक उलटफेर में मथुरा नगर निगम के निर्दलीय उम्मीदवार राजकुमार रावत को कांग्रेस, सपा और आरएलडी ने समर्थन दिया है। रावत चुनाव की घोषणा से पहले मायावती की पार्टी बीएसपी में थे। दिलचस्प बात है कि सपा और कांग्रेस के सिंबल पर यहां पहले से ही प्रत्याशी चुनावी मैदान में हैं। हालांकि, अखिलेश, प्रियंका और जयंत का समर्थन मिलने के बाद रावत मुख्य विपक्षी उम्मीदवार हो गए हैं। रावत का यहां सीधा मुकाबला बीजेपी के विनोद अग्रवाल से हैं, जो पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव सुनील बंसल के रिश्तेदार हैं। मथुरा-वृंदावन नगर निगम का गठन साल 2017 में हुआ। उस साल हुए चुनाव में बीजेपी के मुकेश आर्यबंधु ने जीत दर्ज कर मेयर की कुर्सी संभाली थी।

कौन हैं राजकुमार रावत?

राजकुमार रावत की पहचान मथुरा में एक कद्दावर स्थानीय नेता की है। रावत की राजनीति में एंट्री ब्लॉक प्रमुख के तौर पर हुई थी। साल 1995 में राया ब्लॉक के प्रमुख का चुनाव जीतकर सक्रिय पॉलिटिक्स में आए थे। 58 साल के रावत 2 बार विधानसभा के सदस्य रह चुके हैं। 2012 में उन्होंने बलदेव सीट से और 2017 में गोवर्धन सीट से जीत दर्ज की थी। 2022 में भी बीएसपी के टिकट पर उन्होंने किस्मत अजमाया था, लेकिन हार गए थे। 2022 में दाखिल हलफनामे के मुताबिक 12वीं पास रावत पर कोई भी आपराधिक मुकदमा नहीं है। पॉलिटिक्स में रावत का परिवार भी सक्रिय है और उकी पत्नी 2001 में राया से ब्लॉक प्रमुख रह चुकी हैं। अप्रैल में बीएसपी छोड़ रावत कांग्रेस में शामिल हो गए थे, लेकिन पार्टी की आंतरिक गुटबाजी की वजह से कांग्रेस सिंबल पर चुनाव नहीं लड़ पाए।

दरअसल, कांग्रेस ने श्याम सुंदर बिट्टू और रावत दोनों को सिंबल दे दिया, जिसके बाद चुनाव आयोग ने बिट्टू को कांग्रेस का अधिकृत प्रत्याशी घोषित कर दिया। चुनाव आयोग के फैसले के बाद खुद प्रियंका गांधी ने रावत के समर्थन में पत्र जारी किया था। इतना ही नहीं, बिट्टू को कांग्रेस ने 6 साल के लिए निलंबित कर दिया। कांग्रेस ने मथुरा जीतने की जिम्मेदारी दीपेंद्र हुड्डा और तौकीर आलम को सौंपी है।

कैमूर में पति ने पत्नी को मार डाला, तीन बच्चों के पिता ने अपना भी गला काटा

कैमूर, 4 मई (एजेंसियां)। कुदरा थाना क्षेत्र के खरहना गांव में एक शख्स ने अपनी पत्नी की हत्या कर दी। तीन बच्चों के पिता ने उसी चाकू से अपना भी गला काट लिया। घटना रात की है। अपना गला काटने के बाद वह छटपटाते हुए गेट खोलकर बाहर निकला और चिल्लाने लगा। ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। उसे उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (कुदरा) लाया गया। यहां चिकित्सकों ने पति की स्थिति को गंभीर देखते हुए सदर अस्पताल रेफर कर दिया। पत्नी की मौत के बाद कागजी कार्रवाई पूरा करते हुए पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा। पति-पत्नी की उम्र 30 से 35 साल बताई जा रही है। दो बेटी और एक बेटा है। इन सबकी उम्र 10 साल से कम बताई जा रही है। गांव पर पति-पत्नी और तीनों बच्चे रहते थे। बाकी सदस्य कोलकाता में रहकर काम करते हैं। घटना के बारे में कोई खुलकर बताने को तैयार नहीं है।

निकाय चुनाव में ड्यूटी के दौरान मैनपुरी एसडीएम का निधन, अचानक खराब हुई थी तबीयत

लखनऊ, 4 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में निकाय चुनाव के पहले चरण में प्रदेश के नौ मंडलों के 37 जिलों में सुबह सात बजे से मतदान जारी है। गुरुवार को शाम छह बजे तक वोटिंग होगी। हालांकि सुबह नौ बजे तक औसतन करीब 10 प्रतिशत तक मतदान हो चुका है। लेकिन मैनपुरी से वोटिंग के दौरान एक बड़ी दुखद घटना हुई है। ड्यूटी के दौरान मैनपुरी एसडीएम का निधन हो गया है। निकाय चुनाव के लिए गुरुवार को सुबह सात बजे से वोटिंग हो रही है। लेकिन मैनपुरी के एसडीएम और पीसीएस अधिकारी वीरेंद्र कुमार मित्तल का निधन हो गया है। यूपी नगर निकाय चुनाव में ड्यूटी का फर्ज निभा रहे मैनपुरी के डिप्टी कलेक्टर पीसीएस वीरेंद्र कुमार मित्तल की तबीयत खराब होने के कारण निधन हो गया। मैनपुरी एसडीएम के निधन के बाद अधिकारियों में हड़कंप मच गया। एसडीएम के निधन पर समाजवादी पार्टी ने शोक जताया है।

इन मंडलों में हो रही वोटिंग

पहले चरण में सहारनपुर, मुरादाबाद, आगरा, झांसी, प्रयागराज, लखनऊ, देवीपाटन, गोरखपुर और वाराणसी मंडल के 37 जिलों में वोट डाले जा रहे हैं। इन जिलों में 2.40 करोड़ से अधिक मतदाता अपने मत का प्रयोग कर सकेंगे। पहले चरण में नगर निगमों के 10 महापौर और 820 पार्षदों, 103 नगर पालिका परिषद अध्यक्षों, 2,740 नगर पालिका परिषद सभासदों, 275 नगर पंचायत अध्यक्षों और 3,645 नगर पंचायत सदस्यों समेत कुल 7,593 पदों के लिए 44 हजार से अधिक उम्मीदवार अपना भाग्य आजमा रहे हैं। आयोग के बयान के अनुसार नगर निगमों के 10 पार्षदों समेत कुल 85 प्रतिनिधि पहले ही निर्विरोध चुने जा चुके हैं। हालांकि अगले वर्ष होने वाले लोकसभा चुनाव से पहले हो रहे नगर निकाय चुनावों को शहरी मतदाताओं के बीच राजनीतिक दलों के असर के आकलन की कसौटी माना जा रहा है। बता दें कि निर्वाचन आयोग के मुताबिक प्रदेश में दो चरणों में चार मई और 11 मई को नगर निकाय चुनाव के लिए मतदान होगा और 13 मई को मतगणना होगी।

घर से खींचकर ले गए जंगल, शराब पिलाई फिर गैंगरेप, तीन युवकों पर लगा आरोप

बांदा, 4 मई (एजेंसियां)। यूपी के बांदा में गैंगरेप का सनसनीखेज मामला सामने आया है। युवती का आरोप है कि तीन युवक उसे घर से अपने साथ ले गए फिर बारी-बारी से उसका गैंगरेप किया। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी पीड़िता को पुलिस चौकी के पास छोड़ कर गए। किसी को घटना के बारे में बताने पर जान से मारने की धमकी भी दी। पीड़ित का कहना है कि जब परिवार के साथ स्थानीय थाने में गैंगरेप की शिकायत की तो पुलिस ने लापरवाही दिखाई। अब पीड़ित परिवार ने एसपी से न्याय की गुहार लगाई है। एएसपी ने मामले में संज्ञान लेकर थाना प्रभारी को कानूनी कार्रवाई करने के आदेश दिए हैं। डीएसपी सिटी का कहना है कि जांच कराई जा रही है।

वोटिंग के बीच अपर्णा यादव का दावा बढ़ाएगा अखिलेश यादव की परेशानी

लखनऊ, 4 मई (एजेंसियां)। मुलायम सिंह यादव की छोटी बहू और बीजेपी नेता अपर्णा यादव ने यूपी निकाय चुनाव 2023 के लिए मतदान कर दिया है। उन्होंने कहा कि नगर निकाय चुनाव 2023 में भाजपा को विजयी बनाने व अपने प्रदेश में विकास कार्यों को गति देने वाले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली सरकार को मजबूत करने के लिए अपना मतदान किया। अपर्णा यादव ने कहा कि "बीजेपी ने पूरे देश में अपने प्रति विश्वास जगाया है। बीजेपी की कथनी-करनी में कोई फर्क नहीं है। जो हम कहते हैं बीजेपी ऐसी पार्टी है जो साल के 365 दिन जनता और कार्यकर्ताओं के बीच रहती है और उनके सुख दुख में शामिल होती है। कंधे से कंधा मिलाकर जनता के साथ खड़ी रहती है।" उन्होंने कहा कि "निकाय चुनाव में वोट डालना बहुत जरूरी है। बीजेपी पूरी ताकत के साथ प्रचार प्रसार में लगी थी। आज का दिन लोग उत्सव के रूप में मना रहे हैं।" महिलाओं और लड़कियों से अपील करते हुए अपर्णा यादव ने कहा कि "देश में प्रदेश में सुरक्षा की भावना के लिए, गुंडे बदमाशों को जेल में भेजने के लिए जिस तरीके से सीएम योगी आदित्यनाथ ने काम किया है और निर्णायक फैसले दिए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीन तलाक जैसी कुरीति को खत्म करके महिलाओं के लिए काम किया है, इसलिए उनका साथ देना चाहिए।"

गोवा के मुख्यमंत्री के खिलाफ पटना में मुकदमा

प्रमोद सावंत पर बिहारियों का अपमान करने का आरोप

पटना, 4 मई (एजेंसियां)। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत के खिलाफ पटना में केस दर्ज कराया गया है। सीएम प्रमोद सावंत के खिलाफ बिहारियों पर आपत्तिजनक टिप्पणी किए जाने का आरोप हैं। जेडीयू नेता मनीष सिंह ने ये मामला दर्ज कराया है और मांग की है कि गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत अपने विवादित टिप्पणी के लिए बिहार आकर बिहारियों से माफी मांगे। जेडीयू नेता ने कहा कि सीएम जैसे जिम्मेदार पद पर बैठे व्यक्ति को इस तरह के बयान नहीं देने चाहिए और लोगों को आपस में लड़ाने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। जेडीयू नेता ने कहा कि अगर वह माफी नहीं मांगते हैं तो उन्हें कोर्ट में आकर जवाब देना होगा। जेडीयू नेता ने कहा कि बिहार के लोग अपनी काबिलियत के बल पर बाहर रहते हैं। वह अपने टैलेंट के बल पर भारत ही नहीं पूरी दुनिया में अपनी पहचान बनाने में कामयाब हुए हैं। बिहार से सबसे ज्यादा आईएएस, आईपीएस और आईआईटी इंजीनियर बनते हैं। गोवा के सीएम को यह बात जाननी चाहिए

तेजस्वी ने कहा बयान शर्मनाक

दरअसल गोवा के सीएम प्रमोद सावंत ने कहा था कि गोवा में होने वाले ज्यादातर अपराध यूपी- बिहार के लोग करते हैं। उन्होंने कहा कि यहां 90 प्रतिशत से ज्यादा अपराध में यूपी बिहार के मजदूर लोग शामिल हैं। गोवा के सीएम के इस बयान की आलोचना हो रही है। इस बयान का बिहार के राजनीतिक दल विरोध कर रहे हैं। बिहार के उममुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने गोवा के सीएम के बयान की कड़ी निंदा की है।

बीजेपी बिहार के लोगों से करती है नफरत

तेजस्वी यादव ने ट्वीट किया- केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल के बाद अब गोवा के सीएम ने बिहार के लोगों का अपमान किया है। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत का यह बयान शर्मनाक है। उन्होंने बिहार और बिहार के लोगों का अपमान किया है। तेजस्वी ने सवाल किया- बीजेपी नेताओं को बिहार के लोगों से इतनी नफरत क्यों है? केंद्र की बीजेपी सरकार भी बिहार के हकों और अधिकारों की मांग को लेकर उदासीन रहती है।

गैंगस्टर अनिल दुजाना मेरठ में पुलिस मुठभेड़ में ढेर, 64 से ज्यादा मुकदमे हैं दर्ज

मेरठ, 4 मई (एजेंसियां)। मेरठ में गैंगस्टर अनिल दुजाना को एसटीएफ ने मुठभेड़ में ढेर कर दिया है। जानकारी के अनुसार कुख्यात अनिल दुजाना के मेरठ में भोला झाल पर सक्रिय होने की पुख्ता जानकारी होने के बाद एसटीएफ ने उसे चारों ओर से घेर लिया। बताया गया कि पुलिस पर फायरिंग करते हुए वह फरार होने की कोशिश कर रहा था। इसी बीच पुलिस की गोली लगने से उसकी मौत हो गई।

50 से ज्यादा मुकदमे हैं दर्ज

अनिल दुजाना पर यूपी समेत अन्य राज्यों में 64 हत्या, रंगदारी, फिरौती आदि के केस दर्ज हैं। बादलपुर का दुजाना गांव कभी कुख्यात सुंदर नागर उर्फ सुंदर डाकू के नाम से जाना जाता था। सत्तर और अस्सी के दशक में सुंदर का दिल्ली-एनसीआर में खौफ था।

इंदिरा गांधी को भी दी थी जान से मारने की धमकी

उसने तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी तक को जान से मारने की धमकी दे दी थी। इसी दुजाना गांव का है अनिल नागर उर्फ अनिल दुजाना। पुलिस रिकॉर्ड में 2002 में गाजियाबाद के कवि नगर थाने में इसके खिलाफ हरबीर पहलवान की हत्या का पहला मुकदमा दर्ज हुआ। मुजफ्फरनगर के रोहाना में भी एक हत्या के मामले में वह शामिल रहा था। अनिल दुजाना वेस्ट यूपी में खौफ का पर्याय बना हुआ था। उस पर लूट डकैती हत्या समेत तकरीबन मुकदमे दर्ज थे। मेरठ में एसटीएफ के एसपी बृजेश सिंह के नेतृत्व में टीम ने उसे गंगनहर पर लोकेशन मिलने के बाद घेर लिया, अनिल दुजाना ने एसटीएफ की टीम पर फायरिंग की, जवाबी फायरिंग में वह मारा गया। वेस्ट यूपी के कुख्यात बदमाश अनिल दुजाना के पिछले दिनों जेल से बाहर आने की सूचना मिलने के बाद कई दिन से मेरठ एसटीएफ और वेस्ट यूपी की पुलिस उस की तलाश में जुटी हुई थी। कुख्यात बदमाश अनिल दुजाना पिछले काफी समय से दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद था, लेकिन कुछ समय पहले वह जमानत पर बाहर आ गया। बताया जाता है कि इसकी जानकारी मॉनिटरिंग सेल के द्वारा पुलिस को भेजी गई थी, लेकिन स्थानीय पुलिस ने इसमें संज्ञान नहीं लिया।

जेल से बाहर आते ही देने लगा था हत्या की धमकी, हाल में दर्ज हुए थे दो मुकदमे

जेल से बाहर आते ही अनिल दुजाना ने जयचंद प्रधान मर्डर केस में उसकी पत्नी और गवाह संगीता को धमकी दी। जिसके बाद उच्च अधिकारियों ने एक्शन लेते हुए अनिल दुजाना के खिलाफ पिछले सप्ताह में 2 मुकदमे दर्ज किए। गुरुवार दोपहर को मेरठ एसटीएफ की टीम को अनिल दुजाना के गंग नहर पर होने की सूचना मिली, जिसके बाद टीम ने घेराबंदी करने के बाद अनिल दुजाना को भोला की झाल पर मुठभेड़ में मार गिराया।

दुजाना ने मुजफ्फरनगर में की थी छपार के खाद व्यापारी की हत्या

मुजफ्फरनगर में छपार के खाद व्यापारी राजीव त्यागी की हत्या के मामले में कुख्यात अनिल दुजाना को आरोपी बनाया गया था। मुकदमा कोर्ट में विचाराधीन है और 11 मई को सुनवाई होनी है। छपार के खाद व्यापारी राजीव गर्ग अपने भाई संजीव त्यागी की हत्या के मामले में गवाह थे। साल 2013 में राजीव त्यागी की हत्या कर दी गई थी। वारदात में अनिल दुजाना और जोगेंद्र जुगाला समेत कई आरोपियों को नामजद किया गया था।

अतीक के गढ़ में फर्जी वोटिंग

बुर्का पहने 3 महिलाएं वोट डालने पहुंचीं फेक आधार कार्ड संग पकड़ी गईं

प्रयागराज, 4 मई (एजेंसियां)। यूपी में निकाय चुनाव के पहले चरण में 37 जिलों में आज वोटिंग हो रही है। इन 37 जिलों में 10 नगर निगम की सीटें हैं। इन्हीं में से एक प्रयागराज नगर निगम की सीट है। यहां मतदाता अपना नया मेयर चुनने के लिए सुबह से ही पोलिंग बूथ पर वोट डालने के लिए पहुंच रहे हैं। इसी बीच करेली इलाके में पुलिस ने बुर्का पहने तीन महिलाओं को फर्जी आधार कार्ड के साथ वोट डालते समय पकड़ लिया। पुलिस तीनों से पूछताछ कर रही है। करेली पूर्व बाहुबली सांसद अतीक अहमद का इलाका है। हालांकि इस चुनाव से कुछ दिन पहले ही अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की प्रयागराज में पुलिस कस्टडी में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। निकाय चुनाव से पहले ही अतीक अहमद की पत्नी शाइस्ता परवीन ने बसपा का दामन थाम लिया था, लेकिन बसपा ने शाइस्ता को टिकट नहीं दिया। इसका सबसे बड़ा कारण यह था कि इसी साल 24 फरवरी को प्रयागराज के घूमनगंज इलाके में बसपा विधायक राजू पाल हत्याकांड के मुख्य गवाह उमेश पाल की भी गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस हत्याकांड का एक सीसीटीवी फुटेज सामने आया था, जिसमें अतीक का बेटा असद और उसके गुर्गे उमेश पाल पर फायरिंग करते दिखाई दे रहे थे। फायरिंग में उमेश की सुरक्षा में तैनात यूपी पुलिस के दो जवानों की भी मौत हो गई थी। जब इस हत्याकांड की साजिश में अतीक का नाम आया तो बसपा बैकफुट आ गई। आनन-फानन में बसपा को सफाई देनी पड़ी की अगर इस कांड में अतीक के परिवार की संलिप्तता पाई जाती है तो उसके परिवार पर बीएसपी कार्रवाई करेगी।

बैंक मैनेजर बोला- बच्चा पैदा नहीं हो सकता तो पत्नी का खर्चा क्यों उठाऊं; साथ रखने से किया इनकार

बरेली, 4 मई (एजेंसियां)। बरेली में निजी बैंक का शाखा प्रबंधक शारीरिक दिक्कतों की वजह से पिता नहीं बन सका तो उसने पत्नी को ही प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। वो दूसरी शादी करने की धमकी देकर दहेज की मांग करने लगा। पत्नी ने पति के खिलाफ सुभाषनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। कहा है कि पति ने संतान न होने की स्थिति में उसका खर्चा उठाने से भी इनकार कर दिया है। करगैना की तिरुपति धाम कॉलोनी निवासी महिला ने बताया कि 2014 में उसकी शादी बैंक कर्मी रामगोपाल सोनकर से हुई थी। पति दहेज से खुश नहीं था और कुछ दिन बाद ही सात लाख रुपये मांगने लगा। इस बीच महिला के पति का स्थानांतरण फर्रुखाबाद और फिर बरेली हो गया। बरेली आकर भी पति उसे प्रताड़ित करता रहा। पंचायत के बाद महिला के परिजनों ने उसके पति को 50 हजार रुपये दिए और परिवार को आगे बढ़ाने की सलाह दी। काफी समय बाद भी पत्नी को गर्भधारण नहीं हुआ। जांच कराने पर पति को शारीरिक दिक्कत बताई गई। डॉक्टरों ने कृत्रिम गर्भाधान की सलाह दी। मगर महिला को ही उसकी ननद ताना मारने लगी।

तो ये है नीतीश कुमार के विपक्षी दलों को एकजुट करने की वजह, सीएम ने भाजपा पर लगाए आरोप

पटना, 4 मई (एजेंसियां)। विपक्षी एकजुटता की मुहिम छेड़ने की वजह पर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बयान दिया है। नीतीश कुमार ने भाजपा को घेरते हुए कहा कि वे लोग देश का इतिहास बदलना चाहते हैं, इसलिए हम विपक्षी दलों को एकजुट कर रहे हैं। नीतीश कुमार ने आगे कहा कि इसमें मेरा कोई व्यक्तिगत एजेंडा नहीं है। मैं अपने लिए कुछ नहीं कर रहा बल्कि ये सभी लोगों के लिए है। उन्होंने आगे कहा कि विपक्ष के नेताओं से बातचीत हुई है। बातचीत सकरात्मक रही है। आगे एक साथ बैठकर निर्णय लिया जाएगा, तभी मीडिया को सारी जानकारी दे देंगे। बिहार में इन दोनों विपक्षी एकता की अगुवाई और आनंद मोहन की रिहाई की खबरें सुर्खियों है। दोनों मामलों में नीतीश कुमार की ही चर्चा है। एक ओर आनंद मोहन को रिहा करने पर नीतीश कुमार सवालों के घेरे में हैं। वहीं, विपक्ष को एकजुट करने की मुहिम में बिहार के मुखिया की भूमिका अहम मानी जा रही है। इसी विपक्षी एकता का संदेश लेकर जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव रंजन उर्फ ललन सिंह मंगलवार को झारखंड गए थे, जहां उन्होंने झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात की। हाल ही में जदयू के राज्यसभा सदस्य खीरू महतो भी हेमंत सोरेन से मिले थे। दोनों की मुलाकात के बाद राजनीतिक गलियारों में चर्चा तेज है। बता दें कि इससे पहले नीतीश कुमार दिल्ली जाकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे और अरविंद केजरीवाल से मुलाकात कर चुके हैं। इसके अलावा उन्होंने लखनऊ में अखिलेश यादव से मुलाकात की थी। इस दौरान तेजस्वी यादव भी मौजूद थे। अब चर्चा है कि नीतीश कुमार ओडिशा भी जा सकते हैं और नवीन पटनायक से मुलाकात कर सकते हैं। वहीं, एक चर्चा ये भी है कि देशभर के विपक्षी नेताओं की बैठक बिहार की राजधानी पटना में हो सकती है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने विपक्षी नेताओं की बैठक को लेकर भी बयान दिया था। उन्होंने कहा कि कर्नाटक चुनाव होने दीजिए, इसके बाद तय होगा कि विपक्षी एकता को लेकर बैठक कहां होगी। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि बहुत लोगों की राय है कि पटना में बैठक हो। ये अच्छी बात है। बातचीत कर सबकुछ तय किया जाएगा।

'भाजपाई किसी के भी सगे नहीं

लालू की पार्टी बोली- तानाशाह कथित हिंदू सरकार अन्याय कर रही

पटना, 4 मई (एजेंसियां)। यौन उत्पीड़न के आरोपों के संबंध में भारतीय कुश्ती महासंघ के प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह की गिरफ्तारी की मांग को लेकर जंतर-मंतर पर प्रदर्शन जारी है। इस मामले में लालू प्रसाद यादव की पार्टी आरजेडी ने बीजेपी पर करारा हमला किया है। आरजेडी ने एक के बाद एक कई ट्वीट करते हुए कहा है कि भाजपाई किसी के भी सगे नहीं हैं। जंतर-मंतर पर लड़ाके हिंदू लड़के और लड़कियों के साथ तानाशाह कथित हिंदू सरकार अन्याय कर रही है। आरजेडी ने अपने ट्वीट में कहा- वैसे अब अक्ल इन नासमझ नादान हिंदू बच्चों को भी आ गई होगी जो हर बात पर संघियों का साथ देकर दूसरों के अन्याय पर खिल्ली उड़ाते थे। कहां है अब हिंदू-हिंदू चिल्लाने वाले कमलगट्टे? मुसलमान, किसान, दलित के बाद अब पहलवान खिलाड़ी, इसलिए कहते हैं ये भाजपाई किसी के भी सगे नहीं हैं।

संविधान-आरक्षण को भी ये तानाशाह खत्म करना चाहते हैं। कोई इनके खिलाफ बोलेगा तो ये जुल्म करेंगे। जुल्म करने के लिए इन्होंने छद्म राष्ट्रवाद और धर्म को कवच बना रखा है। आरजेडी ने कहा कि 70 सालों में पहली बार अंतरराष्ट्रीय पदक विजेताओं को मोदी सरकार पिटवा रही है। किसानों के यही बेटे और बेटियां जब मेडल जीतकर आते हैं तो एक दाढ़ी वाले भाजपाई उनका भी श्रेय लेने में लग जाते हैं। किसानों के बाद अब भाजपाइयों द्वारा अपनी पुलिस से अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के साथ मारपीट कराना अति निंदनीय और शर्मनाक है। दूसरे एक ट्वीट के जरिए आरजेडी ने कहा- किसान, पशुपालक, शिल्पकार और कामगार कौमों को संघियों-भाजपाइयों व इनके धर्म के धंधे न पड़कर अपनी नस्ल बचाने के लिए एक होकर लड़ना पड़ेगा तभी देश बचेगा। हम किसानों, गरीबों की बात करने वाले समाजवादी न्यायप्रिय दल हैं।

गुरुग्राम में पति का बवाल बेटी पर गर्म दूध फेंका, चेहरा जल गया, बीवी को पीटा, खोपड़ी डैमेज

गुरुग्राम, 4 मई (एजेंसियां)। गुरुग्राम में एक व्यक्ति पर अपनी बेटी और पत्नी के साथ क्रूरता का आरोप लगा है। उसने अपनी नौ साल की बेटी पर गर्म दूध फेंक दिया और उसे इस कदर पीटा कि उसकी खोपड़ी की हड्डी तब टूट गई। पुलिस ने बताया कि आरोपी शख्स पर अपनी पत्नी को भी पीटने का आरोप है। यह मामला गुरुग्राम के भोंडसी इलाके का है। जानकारी के मुताबिक वह यहां किराए के मकान में पिछले तीन साल से अपने परिवार के साथ रहता आ रहा था। 19 अप्रैल को उसने इस घटना को अंजाम दिया था।

नगर निगम शिमला पर कांग्रेस का कब्जा

24 वार्डों में लहराया जीत का परचम

शिमला, 4 मई अप्रैल (एजेंसियां)। शिमला नगर निगम चुनाव में कांग्रेस ने 24 वार्डों में जीत का परचम लहराकर पूर्ण बहुमत हासिल कर लिया है। वहीं भाजपा दहाई का आंकड़ा भी पार नहीं कर पाई है। भाजपा ने 9 वार्डों में जीत दर्ज की है। भाजपा प्रत्याशी और पूर्व मेयर सत्या कौंडल भी चुनाव हार गई हैं। माकपा को एक सीट पर जीत मिली है। नगर निगम शिमला के 34 वार्डों के लिए दो मई को मतदान हुआ तथा 102 प्रत्याशी चुनाव मैदान में थे। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने नगर निगम शिमला के चुनावों में भारी जीत हासिल करने पर शिमला की जनता, प्रत्याशियों, कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को बधाई दी है।

इन 24 वार्डों में कांग्रेस को मिली जीत

वार्ड नंबर 3 कैथू से कांग्रेस की कांता सुयाल, वार्ड नंबर 4 अनाडेल से कांग्रेस की उर्मिला कश्यप, वार्ड नंबर 6 टुटू से कांग्रेस की मोनिका भारद्वाज, वार्ड नंबर 7 मज्याठ से कांग्रेस की अनिता शर्मा, वार्ड नंबर 8 बालूगंज से कांग्रेस के दलीप थापा, वार्ड नंबर 9 कच्चीघाटी से कांग्रेस की किरण शर्मा, वार्ड नंबर 10 टूटीकंडी से कांग्रेस की उमा कौशल, वार्ड नंबर 11 नाभा से कांग्रेस की सिमी नंदा, वार्ड नंबर 14 रामबाजार से कांग्रेस की सुषमा कुठियाला, वार्ड नंबर 15 लोअर बाजर से कांग्रेस की उमंग बांगा और वार्ड नंबर 16 जाखू से कांग्रेस के अतुल गौतम चुनाव जीते हैं। वार्ड नंबर 17 बैनमोर से कांग्रेस की शीनम कटारिया, वार्ड नंबर 18 इंजनघर से कांग्रेस के अंकुश वर्मा, वार्ड नंबर 19 संजौली चौक से कांग्रेस की ममता चंदेल चुनाव, वार्ड नंबर 21 लोअर ढली से कांग्रेस की विशाखा मोदी और वार्ड नंबर 22 शांति विहार से कांग्रेस के विनीत शर्मा चुनाव जीते हैं। वार्ड नंबर 23 भट्ठाकुफर से कांग्रेस के नरेंद्र ठाकुर, वार्ड नंबर 24 सांगटी से कांग्रेस के कुलदीप ठाकुर, वार्ड नंबर 25 मल्याणा से कांग्रेस की शांता वर्मा, वार्ड नंबर 28 छोटा शिमला से कांग्रेस के सुरेंद्र चौहान, वार्ड नंबर 29 विकास नगर से कांग्रेस की रचना भारद्वाज, वार्ड नंबर 30 कंगना धार से कांग्रेस के रामरत्न शर्मा, वार्ड नंबर 33 खलीनी से कांग्रेस के चमन प्रकाश और वार्ड नंबर 34 कनलोग में कांग्रेस के आलोक पठानिया चुनाव जीते हैं। माकपा को एक सीट पर जीत मिली है। वार्ड नंबर 5 समरहिल से माकपा प्रत्याशी वीरेंद्र ठाकुर चुनाव जीते हैं।

किश्तवाड़ और बारामुला में 16 जगहों पर एनआईए का छापा

आतंकी फंडिंग मामले में कार्रवाई

जम्मू कश्मीर, 4 मई (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने गुरुवार को जम्मू संभाग के किश्तवाड़ और कश्मीर घाटी के बारामुला जिले में 16 अलग-अलग स्थानों पर दबिश दी। बताया जा रहा है कि दोनों जिलों में अलग-अलग स्थानों पर एजेंसी की टीमें सुरक्षाबलों के साथ पहुंची। बताया जा रहा है कि जमात-ए-इस्लामी टेरर फंडिंग मामले में जांच की जा रही है। इससे पहले पाकिस्तान प्रायोजित आतंकी साजिश के सिलसिले में एनआईए ने प्रदेश में 12 स्थानों पर छापा मारा। इनमें घाटी में 11 तथा जम्मू संभाग के पुंछ में एक जगह पर कार्रवाई की गई है। एक महिला समेत दो लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया। एनआईए प्रवक्ता के अनुसार कश्मीर में पुलवामा जिले में आठ, कुलगाम, अनंतनाग व बडगाम जिले में एक-एक स्थानों पर दबिश दी गई। इसके अलावा पुंछ में भी एक स्थान पर कार्रवाई की गई है। छापे की कार्रवाई सुबह साढ़े पांच से छह बजे के बीच की गई। सूत्रों ने बताया कि श्रीनगर के सोजेथ इलाके से इशाक अहमद भट को हिरासत में लिया गया। वह मजदूरी करता है। उसके पिता मोहम्मद रमजान भट ने बताया कि हमारा आतंकवाद या पत्थरबाजी से कोई संबंध नहीं है।

विपक्ष को एकजुट करने, कांग्रेस को पुनर्जीवित करने, जी23 पर क्या बोल गए कपिल सिब्बल

नई दिल्ली, 4 मई (एजेंसियां)। कपिल सिब्बल देश के एक अनुभवी और कद्दावर राजनेता ही नहीं, वो कानून के गिने-चुने जानकारों में से भी एक हैं। यही वजह है कि जब वह कुछ बोलते हैं तो उनके बोलने के अपने अलग मायने होते हैं। चाहे बात विपक्ष को एक जुट करने की हो, कांग्रेस को पुनर्जीवित करने या जी-23 यानी कांग्रेस के असंतुष्ट गुट के असफल प्रयास की बात हो, हर मसले पर वह नाप तौलकर बोलते हैं, जिसे खारिज करना लगभग मुश्किल होता है। हाल ही में उन्होंने एबीपी लाइव से बातचीत में पूर्व केंद्रीय मंत्री कपिल सिब्बल ने खुलकर अपनी बातें रखी थीं। उन्होंने वर्तमान सरकार की कार्यशैली और विपक्षी एका के सवाल पर कहा कि जहां तक मोदी सरकार के कार्यकाल के दौरान

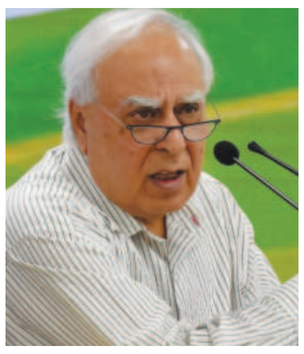

भारतीय लोकतंत्र के समक्ष उत्पन्न चुनौतियों से पार पाने के लिए विपक्षी एकता की बात है तो इसको लेकर उन्होंने सबसे खुद भी पहल की थी। गौतम अडानी मसले पर भी उनका कहना है कि अगर पूरा विपक्ष जेपीसी चाहता है तो जेपीसी गठित होनी चाहिए। लेकिन अहम सवाल यह है कि विपक्ष की एकता का कन्वीनर कौन बने। इस पर फैसला होना जरूरी है। कन्वीनर कौन बने, इसके बारे में निजी तौर पर मैं कुछ नहीं कह सकता। इस मसले पर तो विपक्ष को मिलकर तय करना होगा। सभी सियासी दलों यह तय करना है कि बीजेपी के नापाक मंसूबों के खिलाफ कैसे आगे बढ़ा जाए? हां, इस राह में मैं एक साधन बनने के लिए तैयार हूं।

डबल इंजन नहीं, डबल बैरल की सरकार

स मसले पर बातचीत के क्रम में उन्होंने बताया कि मैं चाहता हूं विपक्ष एक मंच पर आए। मैंने इसको लेकर एक शुरुआत की भी थी। इस दिशा में आगे बढ़ने के लिए इंसाफ के सिपाही। नाम से एक प्लेटफॉर्म भी लॉन्च किया था। इंसाफ के सिपाही इसलिए कि हर पॉलिटिकल पार्टी के खिलाफ अन्याय हो रहा है। मोदी सरकार का नाम लिए बगैर उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार कानून का सीमा से परे जाकर दुरुपयोग करने पर उतारू है। पीएम नरेंद्र मोदी सभी जगह जाकर कहते हैं कि हम डबल इंजन सरकार चाहते हैं। जिस तरह ईडी और सीबीआई का दुरुपयोग हो रहा है, यह डबल बैरल सरकार है।

सही नहीं, जो हो रहा है वो गलत है

इसी तरह मनीष सिसोदिया को जेल भेजने पर कांग्रेस के नेताओं का यह बयान कि जो हो रहा है वो ठीक हो रहा है, के जवाब में उन्होंने कहा कि हाल ही में खड़गे साहब ने कहा है कि जो हो रहा है, गलत हो रहा है। बेल न देने का क्या मतलब है? सिसोदिया के मसले पर सुनवाई ही नहीं हो रही है। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने ऑर्डर किया है कि कम से कम उसे सुनो तो सही। एक आदमी पर चार्जशीट फाइल हो गई तो आप उसे अंदर ही रखोगे? इसलिए ऐसा हो रहा है ताकि सरकार ही चल न सके। आपने सरकार के दोनों प्रमुख मंत्रियों को अंदर रखा है और कोई इन्वेस्टिगेशन होना नहीं है। अब आप उन्हें और कितने दिन अंदर रख सकोगे? इस मसले पर विपक्ष को एक सुर में बात करने की जरूरत है।

पहले आपने जो किया वही आज बीजेपी कर रही है

अगर, उनपर लगे आरोपों की बात है तो इस तरह के आरोप कांग्रेस पर भी लगे थेत्र तब वह भी सरासर गलत था। तब जन लोकपाल बिल की बात कही जाती थी, आज जन लोकपाल का क्या हुआ? वर्तमान सरकारों की यह राजनीतिक खोखलापन है। पहले जो आरोप आप लगा रही थी, आज वही काम बीजेपी कर रही है। भ्रष्टाचार तो तब माना जाएगा जब जब कोर्ट में आरोप साबित हो जाए।

क्या कांग्रेस पर लगे आरोप साबित हुए

आप के कौन से आरोप सही साबित हुए। कांग्रेस के का काल में टेलीकॉम घोटाले की बात कही जा रही थी, जिसके खिलाफ बहुत रोष था। क्या वह सही साबित हुआ? इस देश में लोकतंत्र की बुनियाद आज बदल चुकी है। जांच एजेंसियों का दुरुपयोग हो रहा है। कहने का मतलब यह है कि उस समय कुछ गलत हुआ था तो आज भी वही होना चाहिए क्या? यह कैसा तर्क है? पहले और अब को बात छोड़ दो। क्या पहले कभी ऐसे एनकाउंटर होते थे? क्या कभी इतना ईडी और सीबीआई का दुरुपयोग हुआ? साल 2017 से लेकर अब तक करीब 125 लोगों की जांच हो रही है। इसमें 118 लोग विपक्ष के हैं। आपको दुनिया भर में ऐसा कोई शासन नहीं मिलेगा, जहां गलत काम न हुए हों। खास यह है कि आज विपक्ष एक साथ बोल रहा है, लेकिन सरकार सही ट्रैक पर चलने के लिए तैयार नहीं है। स्पीकर साहब सदन को चलने नहीं देते। क्या कभी पहले ऐसा हुआ है कि फाइनेंस एक्ट में ऐसा कानून पारित करवाया गया, जिसका फाइनेंस से कोई लेना-देना ही न हो। मैं आपको कई ऐसी बातें बता सकता हूं जो कभी पहले हुई ही नहीं।

मेरी विचारधारा आज भी कांग्रेस ही है

इसी तरह कांग्रेस के असंतुष्टा गुट जी-23 को लेकर उनका कहना है कि उसमें तो कुछ नहीं हुआ। कुछ हुआ होता, तो यह नतीजा नहीं होता। हां, इस मसले पर आज में बात नहीं कर सकता। तब मैं कांग्रेस में था। आज कांग्रेस में नहीं हूं। मेरा कांग्रेस के बारे में बोलना उचित नहीं होगा। इतना जरूर कहूंगा, मेरी विचारधारा आज भी कांग्रेस से ही जुड़ी हुई है। हो सकता है कि मैं पार्टी में नहीं हूं, लेकिन मेरी विचारधारा कांग्रेस की ही है। मैं उस विचारधारा की हमेशा रक्षा करूंगा। मुझे किसी के बारे में कोई टिप्पणी नहीं करनी। राजनीति में ऐसा नहीं होना चाहिए। वर्तमान में जिस तरह का माहौल है, वैसा नहीं होना चाहिए। देश एक परिवार जैसा होता है। एक छोटा-सा परिवार है। परिवार में जब लोग एक साथ नहीं चलेंगे तो परिवार कभी सफल नहीं हो सकता।

डीएमके सांसद कनिमोझी को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत

निर्वाचन को चुनौती देने वाली याचिका रद्द

नई दिल्ली, 4 मई (एजेंसियां)। डीएमके सांसद कनिमोझी को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। 2019 के लोकसभा चुनाव में तूतीकोरिन सीट से उनके निर्वाचन को चुनौती देने वाली याचिका सुप्रीम कोर्ट ने रद्द कर दी है। इससे पहले मद्रास हाई कोर्ट ने भी उनके खिलाफ दायर की गई याचिका को रद्द कर दिया था। कनिमोझी ने बताया था कि याचिका इस आधार पर दाखिल की गई थी कि उन्होंने नामांकन भरते समय अपने पति का पैन नंबर नहीं लिखा। जबकि उनके पति सिंगापुर के नागरिक हैं। उनके पास पैन कार्ड है ही नहीं।

सुप्रीम कोर्ट की डबल बेंच ने दी कनिमोझी को राहत

जस्टिस अजय रस्तोगी और जस्टिस बेला त्रिवेदी की खंडपीठ ने 2019 के आम चुनाव में थूथुकुडी लोकसभा क्षेत्र से उनके

चुनाव को लेकर विवादित चुनाव याचिकाओं को खारिज करने की अपील स्वीकार कर ली। मद्रास हाईकोर्ट ने इससे पहले उनकी अपील स्वीकारने से मना कर दिया था। मामले की सुनवाई के दौरान कनिमोझी की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता पी विल्सन ने कहा, क्या मुझे यूं ही अदालत में भटकना चाहिए? मेरे खिलाफ किस मामले के तहत कार्रवाई होनी चाहिए? आखिर मैंने क्या छुपाया है? मेरे मतदाताओं ने मुझको 55 प्रतिशत से अधिक वोटों से चुनकर भेजा है, और वह मेरी जानकारी से संतुष्ट भी हैं।

अदालत में पेश किया संपत्ति का हर ब्यौरा

कनिमोझी के वकील ने कहा, चूंकि मेरे पति सिंगापुर के नागरिक हैं, इसलिए नामांकन भरते समय मैंने उनके पैन कॉर्ड के सामने लागू नहीं होता है का विकल्प चुना है। क्योंकि उनके पास सिंगापुर का नागरिक होने के कारण पैन कॉर्ड नहीं है। हालांकि हमने उनकी संपत्ति का हर ब्यौरा अदालत के सामने पेश किया है।

फिल्म देखते वक्त चूहे ने काटा

अब सिनेमा हॉल को देने पड़ेंगे 67 हजार रुपए

असम की एक कंज्यूमर कोर्ट ने एक सिनेमा हॉल मालिक को मुआवजा देने का आदेश दिया है। कोर्ट ने स्क्रीनिंग के दौरान चूहे के काटने की वजह सिनेमा हॉल के मालिक को ये निर्देश दिया।

गुवाहाटी, 4 मई (एजेंसियां)। कामरूप डिस्ट्रिक्ट कंज्यूमर डिस्प्यूट रिड्रेसल कमीशन के अध्यक्ष एएफए बोरा और सदस्यों अर्चना डेका लखर और तूतुमोनी देवा गोस्वामी की बेंच ने कहा कि सफाई बनाए रखना सिनेमा हॉल के मालिक का कर्तव्य है। जानकारी के मुताबिक शिकायतकर्ता ने गवाही में कहा था कि सिनेमा हॉल साफ नही था और पॉपकॉर्न और दूसरा खाने का सामान जमीन में पड़ा था, जिसकी वजह से चूहे घूम रहे थे। कोर्ट ने

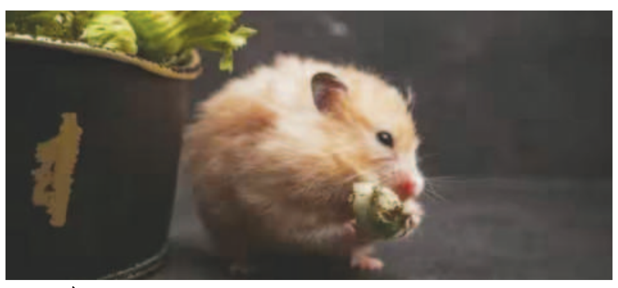

25 अप्रैल को आदेश सुनाया कि इस शिकायतकर्ता की गवाही से ये लगता है कि सिनेमा हॉल में हर शो के बाद नियमित रूप से झाड़ू नहीं लगाई जाती है और सिनेमा हॉल की सुरक्षा और स्वच्छता की स्थिति सुनिश्चित करने के लिए कोई इंतजाम नहीं किया गया था।

20 अक्टूबर 2018 की है घटना

यह घटना 20 अक्टूबर, 2018 को गुवाहाटी के भंगागढ़ में गैलेरिया सिनेमा में हुई थी। उपभोक्ता फोरम के सामने शिकायत पांच महीने बाद स्वीकार की गई थी। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि फिल्म की स्क्रीनिंग के समय उसे एहसास हुआ था कि उसके पैरों से खून बह रहा था। जिसके बाद उसे दो घंटे तक निगरानी में रखा गया, क्योंकि यह पता नहीं चल पाया था कि उस समय उसे किसने काटा था। जिसके बाद महिला को कई दिक्कतों का सामना करना पड़ा था।

6 लाख का मांगा था मुआवजा

महिला ने सिनेमा हॉल के मालिक से 6 लाख रुपये का मुआवजा मांगा था। मूवी हॉल के मालिक ने तर्क दिया कि शिकायत योग्य नहीं थी और महिला का उस समय इलाज भी किया गया था। इसका विरोध करते हुए महिला ने कहा कि जब वे सिनेमा हॉल के मालिक के पास इस बात को लेकर गई थी तब उन्होंने उनकी अगली फिल्म के लिए मुफ्त टिकट की पेशकश की थी। कोर्ट ने इस मामले में कहा कि इस घटना में सिनेमा हॉल की लापरवाही है। साथ ही निर्देश दिया कि 67,000 रुपये के मुआवजे का भुगतान 45 दिनों के भीतर किया जाए। कोर्ट ने बताया कि अगर भुगतान 45 दिनों के बाद किया जाएगा तो राशि के भुगतान तक 12 प्रतिशत प्रति वर्ष के हिसाब से ब्याज जोड़कर देना होगा।

बदमाशों के हौंसले बुलंद, ड्यूटी पर जा रहे 33 वर्षीय युवक की सुआ घोंपकर हत्या

नई दिल्ली, 4 मई (एजेंसियां)। दिल्ली के गोविंदपुरी थाना क्षेत्र में बर्फ तोड़ने वाले सुआ घोंपकर एक युवक की हत्या कर दी गई है। पूरी घटना गुरुवार सुबह 5:30 बजे की बताई जा रही है। दरअसल युवक ड्यूटी के लिए जा रहा था, उसी दौरान बदमाशों द्वारा सुआ घोंपकर पीड़ित को मौत के घाट उतार दिया गया। मृतक की पहचान 33 वर्षीय वीरू के रूप में हुई है। मृतक की मां ने बताया कि मेरा बेटा ड्यूटी पर जा रहा था, उसी दौरान उसे खींचकर सुआ घोंपकर तीन बार हमला किया गया। जिससे उसकी मौत हो गई है। उन्होंने बताया कि घटना के बाद मृतक को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

संदिग्धों के बारे में खुफिया सूचना के बाद जम्मू-पठानकोट हाईवे पर हाई अलर्ट

नई दिल्ली, 4 मई (एजेंसियां)। खुफिया सूचना के बाद जम्मू से पठानकोट तक सुरक्षा बल हाई अलर्ट पर हैं। सुरक्षा बलों को ऐसे इनपुट मिले थे कि कुछ संदिग्ध दिखे हैं और वे कुछ कर सकते हैं। इसी को देखते हुए जम्मू-पठानकोट राष्ट्रीय राजमार्ग पर चौकसी बढ़ा दी गई है। कई जगहों पर तलाशी अभियान भी चलाया गया पर अभी तक कुछ भी संदिग्ध नहीं दिखा। खुफिया एजेंसियों को यह भी खबर मिली है कि आतंकी 5 मई या उससे पहले जम्मू कश्मीर में किसी बड़े हमले की तैयारी कर रहे हैं। ऐसी भी रिपोर्ट है कि आतंकी पुलवामा हमले की तरह ही सुरक्षाबलों के काफिले पर हमला कर सकते हैं या फिर उरी आतंकी हमले की भांति किसी सैन्य शिविर को निशाना बना सकते हैं। इसे देखते हुए सुरक्षा बल कोई रिस्क लेने के मूड में नहीं हैं। यही वजह है कि पठानकोट से लेकर जम्मू कश्मीर तक सुरक्षा बल एहतियात के तौर पर अलर्ट पर हैं। पूरे जम्मू कश्मीर में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पुलिस, एसओजी सेना और अर्धसैनिक बलों के जवानों को राष्ट्रीय राजमार्ग पर तैनात किया गया है।

कई दिनों से जादू टोना केंद्र में बंद थी दो महिलाएं और बच्चा, पुलिस ने छुड़ाया

पठानमथिट्टा, 4 मई (एजेंसियां)। (केरल) दो महिलाओं और एक बच्चे को अवैध रूप से इस दक्षिणी केरल जिले के मलयालप्पुझा में एक जादू टोना केंद्र में कैद कर लिया गया था। जिसके बाद सभी को स्थानीय निवासियों और पुलिस की मदद से बचाया गया था। वहीं अब पुलिस इस मामले में उस पति पत्नी तलाश कर रहे हैं जिन्होंने इन्हें कैद किया था। मलयालप्पुझा पुलिस थाने के एक अधिकारी ने कहा कि दंपति और हिरासत में ली गई एक महिला के पति के बीच आर्थिक विवाद के बाद महिलाओं और 8 साल के बच्चे को बंद करके रखा गया था। पुलिस ने कहा कि हालांकि, परिवार पर कोई जादू टोना या काला जादू नहीं किया गया था। फरार चल रहे दंपति के खिलाफ अवैध हिरासत, चोट पहुंचाने और दंड संहिता के अन्य लागू आपराधिक प्रावधानों के लिए मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने कहा कि जिस व्यक्ति के साथ दंपति का आर्थिक विवाद था, वह भी लापता है। अधिकारी ने कहा कि शिल्प केंद्र से परिवार को बचाने वाले स्थानीय लोगों ने ही इसे भी ध्वस्त कर दिया। पुलिस ने कहा कि जोड़े को पिछले साल जादू टोना गतिविधियों के लिए गिरफ्तार किया गया था और बाद में जमानत पर रिहा कर दिया गया था।

यूनानी डॉक्टर ने अपनाया डिलीवरी का गलत तरीका, नवजात को गंवानी पड़ी आंख की रौशनी

इंदौर, 4 मई (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के इंदौर से गलत डिलीवरी का मामला निकलकर सामने आया है, जहां पात्रता नहीं होने के बावजूद यूनानी डॉक्टर ने फोन पर सलाह लेकर डिलीवरी कर दी, जिसके बाद नवजात की आंखों की रोशनी चली गई। नवजात के परिजनों ने यूनानी डॉक्टर पर गलत तरीके से डिलीवरी करने का आरोप लगाया है। बताया जाता है कि, गलत तरीके से डिलीवरी करने के कारण बच्चे के घुटने और पसलियों में इंफेक्शन हुआ। साथ ही बच्चे की आंखों की रोशनी चली गई। इतना ही नहीं बच्चा मानसिक विकृति का शिकार भी हो गया है। मामले में अस्पताल संचालक की लापरवाही सामने आई है। इस घटनाक्रम के लगभग 5 माह के बाद महिला डॉक्टर और संचालक के खिलाफ पुलिस ने केस दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

हेलंग के पास यात्रियों की कार पर गिरा बोल्डर हनुमान चट्टी में बाइक सवार की मौत, हाईवे बंद

चमोली, 4 मई अप्रैल (एजेंसियां)। बदरीनाथ हाईवे पर गुरुवार शाम हादसा हो गया। हेलंग के पास जोशीमठ से चमोली की ओर आते समय यात्रियों की चलती कार के ऊपर पहाड़ी से बड़ा बोल्डर गिर गया। इस दौरान वाहन में सवार दो लोगों को चोट आई हैं। यात्री चंडीगढ़ के बताए जा रहे हैं। वाहन में दो ही लोग सवार थे। हादसा होते ही उन्होंने गाड़ी रोक दी। और बाहर निकलकर पुलिस को सूचना दी। हादसे के बाद पहाड़ी से लगातार पत्थर गिर रहे हैं। जिसके करण बदरीनाथ हाईवे हेलंग में बंद हो गया है।

होटल में चल रहा था सेक्स रैकेट

उज्बेकिस्तान और दिल्ली से बुलाई लड़की, पुलिस ने कर लिया गिरफ्तार

नागपुर, 4 मई (एजेंसियां)। नागपुर के वर्धा रोड स्थिति एक फाइव स्टार होटल में चल रहे सेक्स रैकेट का पुलिस ने पर्दाफाश किया है। नागपुर पुलिस की क्राइम ब्रांच टीम ने इस मामले में संलिप्त 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस छापेमारी के दौरान तीन युवतियों को भी हिरासत में लिया गया। जानकारी के मुताबिक इस धंधे में शामिल युवतियों में एक उज्बेकिस्तान की रहने वाली है। जबकि 2 लड़कियां दिल्ली की हैं। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ नागपुर के सोनेगांव पुलिस थाने में मामला दर्ज कर लिया है।

कैसे हुआ खुलासा

नागपुर पुलिस की क्राइम ब्रांच

टीम को पांच सितारा होटल में सेक्स रैकेट चलाए जाने की जानकारी मिली। इस जानकारी में पुलिस को बताया गया कि कुछ लोग शहर में व्हाट्सऐप के जरिए ऑनलाइन देह का व्यापार कर रहे हैं। सबकुछ व्हाट्सऐप पर ही फिक्स हो रहा है। ग्राहक से लेकर इस व्यवसाय में शामिल सबी लोग इसी माध्यम से हाई प्रोफाइल सेक्स रैकेट चला रहे हैं जो कि नागपुर के बड़े लोगों को लड़कियां सप्लाई कर रहे हैं। इस सूचना के आधार पर पुलिस ने पहले तो बोगस ग्राहक को भेजकर इस मामले को कंफर्म किया।

रैकेट में शामिल उजबेकिस्तान की लड़की

इस दौरान पुलिस को पता चला कि 3 युवतियों का सौदा 2 अलग-अलग दलालों ने किया है। जैसे ही दलालों ने बोगस ग्राहकों को वर्धा रोड स्थित एक होटल में बुलाया तो वहां घात लगाकर बैठी नागपुर क्राइम ब्रांच की टीम और सामाजिक सुरक्षा विभाग की टीम ने इन्हें पकड़ लिया। इस दौरान बंटी उर्फ बिलाल अहमद और राजकुमार गडलेवार नाम के दलाल पुलिस के हत्थे चढ़ गए। वहीं होटल के दो अलग अलग कमरों से 3 युवतियों को भी हिरासत में लिया गया है। इनमें से 2 युवतियां दिल्ली की रहने वाली हैं जबकि एक उज्बेकिस्तान की रहने वाली है जो इस गोरखधंधे के लिए नागपुर बुलाई गई थी।

'दिल्ली को चारों तरफ से बंद करना पड़ेगा'

पहलवानों के समर्थन में अभय सिंह चौटाला का बड़ा बयान

नई दिल्ली, 4 मई (एजेंसियां)। इनेलो नेता और ऐलनाबाद से विधायक अभय सिंह चौटाला ने जंतर मंतर पर धरने पर बैठे पहलवानों का समर्थन किया है। रोहतक में एक मीडिया से बातचीत के दौरान चौटाला ने खाप पंचायतों और राजनीतिक दलों से आह्वान किया है कि इस मामले में एक बैठक बुलाकर कोई बड़ा फैसला लिया जाना चाहिए। ताकि प्रदेश की बेटियों को न्याय मिल सके। साथ ही चौटाला ने बीजेपी और जेजेपी की गठबंधन सरकार पर जमकर निशाना साधा।

'अक्ल ठिकाने लगाई जा सकती है'

अभय सिंह चौटाला ने कहा कि भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण बीजेपी के सांसद हैं, इसलिए केंद्र सरकार उनको बचाने में लगी हुई है। लेकिन प्रदेश की बेटियों को न्याय दिलाने के लिए बड़ी लड़ाई लड़नी पड़ेगी। दिल्ली को चारों तरफ से बंद करके सरकार की अक्ल ठिकाने लगाई जा सकती है। उन्होंने खाप पंचायतों और राजनीतिक दलों से बैठक कर कोई बड़ा फैसला लेने की गुहार लगाई है, उन्होंने कहा कि प्रदेश की बेटियों की इज्जत की बात है। चौटाला ने कहा कि जंतर-मंतर पर कल जिस तरह से धरने पर बैठे खिलाड़ियों के साथ किया गया वह सरासर गलत है। जंतर मंतर अपनी आवाज उठाने के लिए निर्धारित किया गया है। वे भी खिलाड़ियों से बात करेंगे, साथ ही उन्होंने कांग्रेस पर कटाक्ष करते हुए कहा कि जंतर-मंतर पर खिलाड़ियों के साथ फोटो खिंचवाने से कुछ होने वाला नहीं है और दीपेंद्र हुड्डा तो पहलवानी के लायक भी नहीं है।

स्वतंत्र वार्ता

शुक्रवार, 5 मई- 2023

फांसी का विकल्प क्या हो?

दुनिया ने जैसे-जैसे सभ्यता का विकास हुआ , वैसे-वैसे समाज के सोच-विचार और व्यवहार में लगातार ज्यादा मानवीय बदलाव आता गया। मानव सभ्यता में लोग न सिर्फ नेक सामाजिक बनते गए बल्कि उनकी जीवनशैली और सोचने-समझने में संवेदनशीलता भी आती गई। यहां तक कि व्यवस्था परिवर्तन कर अपराधों के लिए निर्धारित सजा के मामले में क्रूरता जैसे तत्वों को कम करने की निरंतर कोशिश की गई। किसी जमाने में कोई सजा उस समय के समाज के हिसाब से बेहतर माना गया तो समय बीतने के साथ ही जैसे-जैसे समाज विकसित होता गया तो उसके स्वरूप पर भी विचार किया गया। ऐसे ही किसी दौर में सजा में बदलाव की गुंजाइशें भी तलाशी गई होंगी। अब एक बार फिर सजा में बदलाव का समय आया है जब मौत की सजा के तरीके को लेकर बहस चल पडी है। इसी क्रम में सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका पर सुनवाई भी की जा रही है। अब तक इस तरह की कडी सजा के लिए फांसी पर लटकाने की व्यवस्था बेहतर मानी जाती थी लेकिन इसमें बेहतर बदलाव की पक्षधर अब सरकार भी है। बता दें कि मार्च में सुप्रीम कोर्ट ने सरकार को एक विशेषज्ञ समिति बना कर इस बारे में अध्ययन और जानकारी इकट्ठा करने के लिए कहा था। अब केंद्र की ओर से सुप्रीम कोर्ट को बताया गया है कि वह इसके लिए एक समिति गठित करने के बारे में सोच रहा है, ताकि कानून के मुताबिक मौत की सजा देने के लिए कोई कम दर्दनाक तरीका खोजा जा सके। बता दें कि यहां मौत की सजा देने के लिए फिलहाल फांसी पर लटकाने के अलावा और कोई रास्ता नहीं है। देखा जाए तो मानवीयता के लिहाज से यह बेहद क्रूर तरीका है। भारत में किसी अपराध के 'दुर्लभ से दुर्लभतम मामले' में ही फांसी की सजा दी जाती है, लेकिन फैसले में यह भी कहा जाता है कि 'जब तक मौत न हो जाए, तब तक कैदी को फांसी पर लटकाए रखा जाए'। ऐसी सजा के तहत फांसी के बाद भी सजा पाने वाले को आधे घंटे तक लटकाए रखा जाता है। इस प्रक्रिया को बहुत लंबी और अमानवीय बताते हुए याचिका में मांग की गई है कि अगर किसी दोषी को मृत्युदंड देना ही हो तो उसके लिए फांसी पर लटकाने के बजाय उसकी मृत्यु के लिए कोई अन्य और आसान तरीका अपनाया जाए। विकल्प के रूप में जहर का इंजेक्शन देने, गोली मारने या फिर विद्युत के करंट वाली कुर्सी पर बिठाने का तरीका बताया गया है। बताना जरूरी है कि पिछले करीब साढ़े चार दशक से दुनिया के नब्बे से ज्यादा देशों ने सभी तरह के अपराधों के लिए मृत्युदंड को समाप्त कर दिया है। इसके बावजूद कुछ देशों में अभी भी इस सजा का प्रावधान बरकरार है। इस मसले पर भारत भी अब तक फांसी की सजा का पक्ष लेता रहा है। लगभग चार महीने पहले संयुक्त राष्ट्र महासभा में जब एक सौ पच्चीस देशों ने मृत्युदंड पर रोक के पक्ष में मतदान किया था, तब भारत ने इसके खिलाफ वोट दिया था। इसी तरह, 2021 में भी मृत्युदंड पर रोक लगाने के लिए संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद में लाए गए एक मसविदा प्रस्ताव का भी भारत ने समर्थन नहीं किया था। समय-समय पर इस मसले को लेकर दुनिया भर के कानूनविद लंबे समय से बहस करते रहे हैं कि किसी अपराध के बदले क्या केवल फांसी की सजा ही आखिरी विकल्प है। यह भी एक प्रश्न रहा है कि सजा का मकसद अगर सुधार या फिर दोषी को अपने अपराध के बारे में अहसास कराना है तो उसे मृत्युदंड क्यों देना चाहिए! जहां तक भारत का सवाल है, यहां मौत की सजा देने के तरीके को लेकर बहस हो रही है। सभ्यता के इस मानवीय दौर में क्रूरतम अपराध की सजा फांसी की व्यवस्था भी अब लोगों को अखरने लगी है। वर्तमान में नीतिनियंताओं को अपना ऐसा मानवीय चेहरा दर्शाने की कोशिश है जिसमें क्रूरता का कहीं नामोनिशान तक न दिखाई देता हो।

कर्नाटक चुनाव में ऊंट किस करवट बैठेगा

डॉ. चक्रपाल सिंह

कर्नाटक विधान सभा का चुनाव प्रचार अपने अंतिम चरण में है. मतदान में कुछ ही दिन बाकी हैं। अंतिम चुनाव परिणाम तो 13 मई 2023 को ही आएंगे। लेकिन उससे पहले आलम ये है कि नित्य नए सर्वेक्षण और उनके निष्कर्ष प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में आना शुरू हो चुके हैं। कुछ के आना बाकी हैं. ये सिलसिला चुनाव तिथियों की औपचारिक घोषणा होने से पूर्व जारी है तथा अंतिम चुनाव परिणाम आने तक जारी रहेगा . चुनावपूर्व सर्वेक्षणों की बाढ़ के मध्य पढ़ा लिखा मध्यम वर्ग खुले मस्तिष्क से वस्तुस्थिति का आकलन व समय का इंतजार करने की बजाय सर्वेक्षणों के निष्कर्षों पर उलझा हुआ है। यह जानते समझते हुए भी कि जिन निष्कर्षों पर वह अपनी बौद्धिक ऊर्जा एवं समय बर्बाद कर रहा है, वे लक्षित राजनीतिक उद्देश्यों एवं निजी स्वार्थों के लिए भी हो सकते हैं। या फिर पूरी तरह प्रयोजित भी। यहाँ यह स्पष्ट करना जरूरी है कि प्रस्तुत लेख में चुनावी हवा के रुख को परखने के लिए किसी गणितीय अथवा अर्थशास्त्रीय मॉडल का प्रयोग नहीं किया गया है। इसके लिए विभिन्न दलों के राजनीतिज्ञों की भाषा, दावे, वादे, दूरदर्शन, यू-ट्यूब, व्हाट्स एप, तथा मुख्याधारा के मीडिया के आगे और पीछे व्यक्त किए जा रहे सार्वजनिक एवं व्यक्तिगत बयानों, विचारों, फुसफुसाहटों, राजनैतिक पर्यवेक्षक, बुद्धिजीवी, लेखक, पत्रकारों की बहसों तथा विभिन्न संस्थानों के सेफ़ॉलॉजिस्ट द्वारा प्रायोजित चुनाव पूर्व सर्वेक्षणों के निष्कर्षों का समाजशास्त्रीय तथा मनोवैज्ञानिक शल्यमेज पर विच्छेदन कर चुनावी हवा का रुख जानने का प्रयास किया गया है . चुनाव प्रचार के दौरान विभिन्न राष्ट्रीय व क्षेत्रीय दलों में दावे, प्रति दावे एवं आरोप-प्रत्यारोपों की गला काट चुनावी प्रतियोगिता के मध्य, नित-रोज भाषाई मर्यादा एवं उसकी गरिमा को पूरी बेशर्मी के साथ रुसवा किया जा रहा है। चुनावी आपाधापी के गलगंजन में बुनियादी जन समस्याओं की आवाज़ गुम है या फिर सिरे से गायब हैं। चुनाव में एक बार फिर क्षेत्र, धर्म, जाति एवं सांप्रदायिकता आधारित समीकरण 21 वीं सदी की गंभीर होती समस्याओं-असमान शिक्षा, बढ़ती जनसंख्या, गरीबी, बेरोजगारी, भारतीय कृषि, किसान एवं उद्योग पर कसते भूमंडलीकरण के शिकंजे पर हावी हैं। इन को लेकर चुनावी मुद्दा बनाना किसी की प्राथमिकता में नहीं है। सिर्फ और सिर्फ भावनात्मक मुद्दों के द्वारा जनता को छल, चुनावी वैतरणी पार करने की नापाक कोशिशें जारी हैं. जनता में इनकी अपीलों के प्रति उदासीनता छाई हुई है। प्रधानमंत्री जी को दी गयी कथित गाली या फिर धर्म आधारित भावुक अपीलें भी इस निराशाजनक उदासीनता को नहीं तोड़ पा रही हैं। इसके कारण भी ठोस हैं। बार बार, हर बार वही थोती घोषणाएं तथा झूठे वायदों के चलते जनता की नजरों में जनप्रतिनिधियों की साख इस स्तर तक गिर चुकी है कि अब उनकी बातों, वादों , भाषणों व विचारों को जनता गंभीरता से सुनने व उस पर ऐतबार करने को कतई राजी नहीं है। आज सिद्धांत-विदांत, आदर्श-वादर्श की बात करना जनता की नजर में घोर अनैतिक, बौद्धिक बेईमानी व जालसाजी साबित हो चुके हैं. आएं सबसे पहले सत्ता पक्ष के प्रवक्ताओं, स्थानीय तथा शीर्षस्थ केन्द्रीय नेताओं के व्यक्तव्यों तथा उनकी भाषा पर एक नज़र डालते हैं. लगभग 9 वर्ष तक केंद्र तथा तीन से चार वर्ष तक राज्य में सत्ता में रहने के बाद, सत्ता पक्ष के प्रवक्ताओं से धीर गंभीर व्यवहार की न्यूनतम अपेक्षा के साथ पूरी शालीनता से अपनी सरकार की उपलब्धियों के रखने तथा विपक्ष द्वारा उठाए गए प्रश्नों के जवाब देने की जनता अपेक्षा करती है। परन्तु ठीक इसके विपरीत ये प्रवक्ता किसी प्रश्न पर न केवल उखड़ते व भड़कते दिखते हैं, बल्कि गुस्से में आकर असहज व्यवहार करते नजर आते हैं। राजनैतिक बहसों में इनके व्यवहार तथा भाषा में सत्ता का ग़रूर साफ़ झलकता है। यही नहीं, जब केंद्र के शीर्षस्थ नेता भी एक उत्पीड़ित की तरह विपक्ष द्वारा की गयी आलोचना को बार बार गाली के रूप में जनता के सामने उल्लेखित करते हुए भावुकता में बताते हैं कि अब तक उन्हें (प्रधानमंत्री जी) को 91 बार गाली दी गयी हैं; जिनमें नालायक बेटा , कब्र खोदने, मौत का सौदागर, बिषैला सांप, नीची जाति आदि आदि शामिल हैं। निःसंदेह किसी भी लोकतांत्रिक सभ्य समाज में देश के प्रधानमंत्री या फिर किसी भी राजनेता के लिए इस तरह के शब्दों का, किसी के भी द्वारा प्रयोग किया जाना सर्वथा न केवल निंदनीय है वल्कि घोर भर्त्सनीय भी है। यह भाषाई मर्यादा का तिरस्कार तथा गिरते राजनैतिक चरित्र का द्योतक है। वहीं विपक्ष द्वारा हिन्डनबर्ग रिपोर्ट, पहलवानों द्वारा लगाए गए आरोपों, या फिर भ्रष्टाचार के प्रश्नों पर रहस्यमय चुप्पी को जनता संदेह की नजर से देखती मालूम होती है। सत्ता अपनी नीतियों के परिणामों के प्रति भी असमंजस की स्थिति में है। स्वयं रेबडी संस्कृति की सार्वजनिक तौर पर आलोचना करने के बावजूद अपने घोषित मैनीफेस्टो में जनता को सुविधाएं देने के नाम पर उसी "रेबडी संस्कृति" को प्रमुखता देना बताता है कि कहीं न कहीं सत्ता पक्ष आर्थिक नीतियों की असफलता को न केवल दबी जुबान से स्वीकार कर रहा है, वल्कि उनकी नीति एवं नियत के अंतर्विरोध को भी दर्शाता है. इतना ही नहीं, सारे मुद्दे छोड़ पूरे के पूरे प्रचार का आख़िरी वक्त में धर्म, जाति व बजरंगबली जैसे भावनात्मक व धार्मिक मुद्दों पर आकर टिक जाना बताता है कि सरकार द्वारा गिनाई जा रही बहुप्रचारित उपलब्धियों पर जनता विश्वास नहीं कर रही है। इस स्थिति में पुष्प वर्षा के बीच लगभग प्रायोजित सी लगने वाली चुनावी सभाओं में उमड़ने वाली भीड़ भी इन्हें आश्वस्त नहीं कर पा रही है। वहीं सत्ता विरोधी रुख अनिश्चितता की आग में घी का काम करता नजर रहा है; जिसकी पुष्टि सत्ता पक्ष के स्थानीय नेताओं की पीठ पीछे की फुसफुसाहट से की जा सकती है। यहाँ इतिहास अपने आप को दोहराता नजर आ रहा है। जिस तरह अन्ना आन्दोलन के वक्त कांग्रेस की स्थिति थी, वही स्थिति आज कमोवेश कर्नाटक चुनाव में सत्ता पक्ष की नजर आ रही है। घोषित अनुशासनबद्ध पार्टी में चुनाव के ऐनवक्त पर आपसी कलह तथा भगदड़ इसकी पुष्टि करती है। ऐसा भी नहीं है कि सिर्फ विपक्ष ही अमर्यादित टिप्पणियों के लिए बदनाम है। सत्ता पक्ष और उसके नेता भी पीछे नहीं हैं। सत्ता पक्ष द्वारा विपक्ष की नेता के लिए कांग्रेस की विधवा, जर्सी गाय, बिष कन्या, चीन और पाकिस्तान का एजेंट तथा कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद राज्य में दंगे होने जैसी टिप्पणियाँ भी उतनी ही शर्मनाक और निंदनीय हैं जितनी कि विपक्ष द्वारा प्रधानमंत्री के लिए की गयी टिप्पणियाँ हैं। हाँ अबकी बार एक फर्क जरूर नजर आ रहा है। वह यह कि राहुल एवं प्रियंका गांधी की सभाओं में उमड़ने वाली भीड़ भावनाओं के स्तर पर जुड़ने के संकेत देती है। इसमें सामान्य से मानहानि के मामले में राहुल गांधी को दो वर्ष की सजा तथा उसके बाद आनन-फानन में उनकी संसद की सदस्यता समाप्त करने जैसी घटनाओं ने कांग्रेस तथा गांधी परिवार के प्रति एक सहानुभूति जरूर पैदा की है। इसके अलावा प्रियंका गांधी द्वारा अपनी दादी के गेटअप में चुनावी साभाओं में भावनात्मक भाषण देना शामिल है। इसका ज्वलंत उदाहरण कर्नाटक की एक सभा में एक वृद्धा द्वारा प्रियंका गांधी से लिपट कर भावुकता में यह कहना कि " बिल्कुल अपनी दादी जैसी दिखती हो। " यदि सच में इंदिरा जी के अक्श प्रियंका गांधी में दिखने का भावनात्मक सन्देश जनता में नीचे तक चला गया है, तो इसका बहुत गहरा अर्थ है।

इसका चुनाव में दूरगामी सकारात्मक असर होने की संभावनाओं से कतई इंकार नहीं किया जा सकता है। ये कुछ ऐसे संकेत हैं जो कर्नाटक की चुनावी हवा का कांग्रेस के पक्ष में स्पष्ट इशारा करते हैं। बशर्ते कांग्रेस के नेता और प्रवक्ता अचानक खुद कोई सेल्फ गोल कर सत्ता पक्ष को मौक़ा नहीं देते हैं।

शोक मनाइए ! प्रेस की आज़ादी में हम और नीचे गिर गए हैं !

श्रवण गर्ग

एक ऐसा दुर्भाग्यपूर्ण कालखंड जिसमें प्रजातांत्रिक संसार के बचे थोड़े से मुल्क भी एक-एक करके तानाशाही व्यवस्थाओं में बदलते जा रहे हैं, 'विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस '(तीन मई) के अवसर पर हमारे आसपास के ही दो मुल्कों के जाँबाज़ पत्रकार-फ़ोटोग्राफ़रों की कहानी से रूबरू होना ज़रूरी है। एक मुल्क भारत की पूर्वी सीमा से लगा म्यांमार(बर्मा) है और दूसरा पूर्व एशिया में स्थित 'उगते सूर्य का देश' जापान है।

म्यांमार इस समय सैन्य तानाशाही की गिरफ़्त में है। जापान में भरपूर प्रजातंत्र है। कहानी की शुरुआत पंद्रह साल पहले से होती है। जापान की एक छोटी सी वीडियो-फोटो एजेंसी एपीएफ़ न्यूज़ के लिए काम करने वाले तब पचास वर्षीय केनजी नागाई 27 सितंबर 2007 के दिन म्यांमार की पुरानी राजधानी यंगून (रंगून) में एक महत्वपूर्ण जगह पर पहुँचे हुए थे। वे वहाँ के एक ख्यात पैगोडा के नज़दीक की सड़क पर बौद्ध भिक्षुओं द्वारा सैन्य ज़्यादतियों के ख़िलाफ़ किए जाने शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन की वीडियोग्राफ़ी के लिए वहाँ गए थे। यंगून के स्थानीय पत्रकार और फोटोग्राफर्स भी वहाँ जमा थे। बौद्ध भिक्षुओं का 'सैफ़रॉन रिवोल्यूशन' नामक शांतिपूर्ण प्रदर्शन अभी प्रारंभ ही हुआ था कि पहले पुलिस ने रास्ता बंद कर दिया और फिर सैन्य शासन के बंदूक़धारी जवान ट्रकों में भर कर वहाँ पहुँच गए और उन्होंने भीड़ पर गोलियाँ बरसाना शुरू कर दिया। एक सैनिक ने वीडियोग्राफ़ी कर रहे नागाई को भी नज़दीक पहुँचकर गोली मार दी। नागाई की वहीं मृत्यु हो गई।

उस दिन के सैन्य गोली चलन में नागाई सहित दस लोगों की जानें गईं थी।म्यांमार के पत्रकारों की गिनती के अनुसार, आँग सू ची की चुनी गई सरकार का 2021 में तख्ता पलट दिए जाने के बाद क़ायम हुए सैन्य सेशन में अब तक उनके तीन साथियों की जानें जा चुकी हैं और डेढ़ सौ से ज़्यादा हिरासत में हैं। इस समय हालात 2007 से ज़्यादा ख़राब हैं। सितंबर 2007 की घटना के अगले पंद्रह सालों तक इस बात का कोई पता नहीं चल पाया कि नागाई के उस वीडियो कैमरे का क्या हुआ जिसमें वे भिक्षुओं पर हुई सैन्य कार्रवाई को क़ैद कर रहे थे ! हुआ यह था कि सैन्य शासन की सख़्त निगरानी के बावजूद वह कैमरा म्यांमार के पत्रकारों की हिफ़ाज़त में सुरक्षित रहा फिर उसे एक हाथ से दूसरे हाथ देते हुए बैंकॉक पहुँचा दिया गया। जापान में निवासरत नागाई की बहन को म्यांमार के एक मीडिया संगठन की ओर से जब कैमरे के बारे में सूचित किया गया तो वे यक़ीन नहीं कर पाईं। मीडिया संगठन द्वारा बहन से निवेदन किया गया कि नागाई का छोटा सा सोनी हेंडीकेम पत्रकार उन्हें समरोहपूर्वक सौंपना चाहते हैं।बहन ने बैंकॉक पहुँचने की स्वीकृति दे दी।छब्बीस अप्रैल को बैंकॉक में हुए एक समारोह में जब डेमोक्रेटिक वॉइस ऑफ़ बर्मा के प्रमुख आय चान नेंग ने नागाई का वीडियो कैमरा उनकी बहन नोरोकी ओगावा को सौंपा तो वे यक़ीन ही नहीं कर पाईं। कैमरे के सभी टेप्स और नागाई द्वारा क़ैद किए दृश्य ज्यों के त्यों सुरक्षित थे। बैंकॉक के समारोह में उन दृश्यों का प्रदर्शन किया गया। स्पष्ट दिखाई दे रहा था कि यंगून के प्राचीन सुले पैगोडा के नज़दीक की सड़क पर मंत्रोच्चार करते हुए बौद्ध भिक्षुओं पर सैनिकों द्वारा कैसे गोलियाँ चलाई गईं !

कैसे नागाई ने कैमरे का लेंस अपनी ओर कर लिया जिसमें भीड़ का तीतर-बितर होना नज़र आ रहा था। कैसे नागाई को गोली लगी और उनके नीचे गिरते ही उनका कैमरा बंद हो गया ! कहानी का क्लायमैक्स यह है कि जैसे ही एक सैनिक ने नागाई को नज़दीक पहुँचकर गोली मारी और वे सड़क पर गिरे डेमोक्रेटिक वॉइस ऑफ़ बर्मा संगठन से संबद्ध और फोटो एजेंसी रायटर के फोटोग्राफर अदरिस लतीफ़ ने उस मार्मिक क्षण को कहीं दूर से अपने कैमरे में क़ैद कर लिया। लतीफ़ को उस चित्र के लिए 2008 का प्रतिष्ठित पुलित्ज़र पुरस्कार प्राप्त हुआ था।'विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस' के मौक़े पर क्या हम सैन्य तानाशाही के बीच भी बहादुरी के साथ अपना फ़र्ज़ अदा कर रहे मायंमार के बहादुर पत्रकारों और फ़ोटोग्राफ़रों के बुलंद हौसलों को सलाम नहीं करेंगे ? उपसंहार : 'रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स' द्वारा जारी '2023 विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक' में दुनिया के 180 मुल्कों के बीच भारत और नीचे खिसककर 161 वें क्रम पर पहुँच गया है। पिछले साल हम 150 वें और 2016 में 133 वें क्रम पर थे। पाकिस्तान 2022 के 157वें क्रम से 150 वें पर आ गया है। उत्तरी कोरिया 180 वें क्रम पर है।

(चित्र में : नागाई की बहन वीडियो कैमरा स्वीकार करते हुए और गोली लगने के साथ ही नीचे गिरते हुए नागाई)

http://shravangarg1717.blogspot.com

भारत कैसे आएं बुद्ध के अनुयायी

आपको राजधानी दिल्ली के कुछ बुद्ध विहारों में बुद्ध पूर्णिमा के पावन अवसर पर भारत में कार्यरत विभिन्न देशों के राजनयिक और नागरिक पूजा-अर्जना करते हुए मिल जाएंगे। भगवान बुद्ध के भले ही अनुयायी सारे संसार में हों, पर वे हैं तो हमारे ही। भारत में बुद्ध से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण स्थल जैसे लुम्बिनी – जहां भगवान बुद्ध का जन्म हुआ, बोधगया – जहां बुद्ध ने ज्ञान प्राप्त हुआ, सारनाथ – जहां से बुद्ध ने दिव्यज्ञान देना प्रारंभ किया, कुशीनगर – जहां बुद्ध का महापरिनिर्वाण हुआ और दीक्षाभूमि, नागपुर – जहां भारत में बौद्ध धर्म का पुनरुत्थान हुआ मौजूद हैं। लुम्बिनी भगवान बुद्ध के जन्म के समय भारत का ही अंग था। बाद में गोरखा रायफल्स की वीरता से प्रभावित होकर अंग्रेजों ने तराई के कुछ भागों को पूर्व गोरखा सैनिकों के पुनर्वास के लिए तराई के एक भाग को भारत से अलग कर नेपाल को सौंप दिया था जिसमें बुद्ध का जन्म स्थान लुम्बिनी भी चला गया था। इतना सब कुछ होने के बवाजूद हमारे यहां दुनियाभर के बुद्ध धर्म के अनुयायी काफी कम संख्या में आते हैं। यह स्थिति हर हाल में बदलनी होगी। भारत में बौद्ध के जीवन से जुड़े कई महत्वपूर्ण स्थलों के साथ एक समृद्ध प्राचीन बौद्ध विरासत है। भारत बौद्ध विरासत दुनिया भर में बौद्ध धर्म के अनुयायियों के लिए बहुत रुचिकर है। यह तो पूरी दुनिया को बताना तो होगा ही। भगवान बुद्ध को मानने वाले देशों से पर्यटकों को भारत लाना ही होगा। यह पर्यटकों का एक बहुत बड़ा समूह है। दुनियाभर में फैले करोड़ों बौद्ध धर्म के अनुयायियों को अभी तक तो हम भारत के प्रमुख बौद्ध तीर्थ स्थलों की तरफ लाने में कोई बहुत सफल नहीं रहे हैं। यह एक सच्चाई है। हमें भगवान बुद्ध से जुड़े कुछ नए और हाल ही में विकसित स्थलों में भी पर्यटकों को लाना होगा। मैं यहां इस बाबत राजधानी दिल्ली के बुद्ध जयंती पार्क का उदाहरण देना चाहता हूं। जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा बीते कुछ हफ्ते पहले अपने राजधानी प्रवास के दौरान भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ बुद्ध जयंती पार्क में गए थे। दरअसल बुद्ध जयंती पार्क भगवान बुद्ध के निर्वाण के 2500वें वर्ष के स्मरणोत्सव के समय 1959 में तैयार किया गया था। बुद्ध जयंती पार्क में एक पीपल का वृक्ष भी है जिसका संबंध भगवान बुद्ध से माना जाता है। जिस पीपल के पेड़ के नीचे भगवान बुद्ध ने ज्ञान प्राप्त किया था, उसकी एक टहनी सम्राट अशोक के पुत्र द्वारा श्रीलंका में भी रोपित की गई थी। श्रीलंका की तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती सिरिमाओ भंडारनायके ने इस वृक्ष की एक टहनी भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री को 1964 में भेंट की थी। उन्होंने उसी टहनी को 25 अक्तूबर 1964 को यहां रोपित किया था। आज यह वृक्ष पूर्ण रूप से हरा भरा है। इसके ही भारत और जापान के प्रधानमंत्रियों ने दर्शन किए। इसके पास बैठकर जो सुख मिलता है उसे शब्दों में व्यक्त करना असंभव है। यहां पर बुद्ध धर्म को मानने वाले देशों के राजनयिक और पर्य़टकों को लाना होगा। तिब्बत के आध्यात्मिक गुरु दलाई लामा ने बुद्ध जयंती पार्क में स्थापित भगवान बुद्ध की सुंदर प्रतिमा को भेंट किया था। भगवान बुद्ध की यह प्रतिमा बैठी हुई अवस्था में है। दलाई लामा भी इधर बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर कई बार आ चुके हैं। वे जब यहां पर आते हैं तो हजारों तिब्बती भी उनके दर्शन करने के लिए पहुंच जाते हैं।राजधानी के मंदिर मार्ग पर स्थित महाबोधि मंदिर बुद्ध पूर्णिमा पर जापान, कोरिया, थाईलैंड, श्रीलंका, वियतनाम जैसे बुद्ध धर्म को मानने वाले देशों के राजनयिक आते हैं। दिल्ली के इस पहले बुद्ध विहार का उदघाटन महात्मा गांधी ने 1939 में किया था। इस मंदिर का उदघाटन करते हुए गांधी जी ने कहा था कि यहां पर किसी भी इंसान को उसकी जाति या अन्य किसी कारण से नहीं रोका जाए। यह बिड़ला मंदिर के ठीक साथ में है। इसके निर्माण में आई सारी लागत उद्योगपति जुगल किशोर बिड़ला ने वहन की थी। महाबोधि मंदिर में डॉ. राजेन्द्र प्रसाद, डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन, डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर, श्रीमती इंदिरा गांधी जैसी शख्सियतें भी विशेष अवसरों पर आती रही हैं। इधर भगवान बुद्ध की एक सुंदर मूर्ति स्थापित है,जो पंडित नेहरू ने बुद्ध विहार को भेंट की थी। यह मूर्ति म्यांमार के मूर्तिशिल्पियों ने बनाई थी। महाबोधि मंदिर में काफी संख्या में श्रीलंका के पर्यटक आते रहे हैं। पर बड़ा सवाल यह है कि राजधानी के महाबोधि मंदिर में और दूसर तमाम बुद्ध विहारों में बुद्ध धर्म के करोड़ों अनुयायियों ने क्यों नहीं आना शुरू किया है? अभी तो बुद्ध धर्म को मानने वाले देशों स बहुत कम पर्य़टक हमारे यहां आते हैं। कभी थाईलैंड या श्रीलंका जाइये।

फेक न्यूज प्रसार पर निजी जिम्मेदारियां तय हों

ऋतुपर्ण दवे

जितनी रफ्तार से हम विज्ञान के साथ रचते-बसते और जीने की नई-नई तरकीबें सीखते जा रहे हैं, ठीक वैसे ही तमाम चुनौतियां मुंह बाएं आ खड़ी हैं। वास्तव में यह दौर इण्टरनेट मीडिया का है जिससे हर हाथ को दुनिया तक अपने संदेशों को पहुंचाने की बहुत बड़ी ताकत मिली। अक्सर यही स्वतंत्रता के उपयोग और दुरुपयोग से झूठे संदेश या फेक न्यूज समाज, देश और दुनिया के लिए बड़ी चुनौती बन जाती हैं। इस पर लगाम या कहें झूठे प्रसार को लेकर भारत सहित दुनिया भर में तमाम जतन किए जा रहे हैं, लेकिन सच यही है कि ये बड़ी चुनौती है। तमाम तरह के कानूनों के बावजूद अक्सर लोग उनके मोबाइल में आए या बनाए मैसेजों को बिना सोचे, समझे और बुध्दि, विवेक से काम लिए सीधे आगे बढ़ा देते हैं या फॉरवर्ड कर देते हैं।

बस इसी खेल के चलते बेहद कामियाब इण्टरनेट तकनीक बड़ी चुनौती बन गयी है।जब इण्टरनेट नहीं था तब लोग अखबारों पर ही खबरों के लिए निर्भर थे और विश्वनीयता इतनी कि कभी भी इतने और अब जैसे रोजाना सवालिया निशान नहीं लगे। रियल टाइम खबरों के इस दौर में सच कम झूठ ज्यादा है। स्थिति कितनी भयावह और अलग है कि लोग पहले अखबारों को ढ़ूढ़कर कतरनों की फोटो कॉपी करा प्रसारित करते थे। आज ठीक उलट है जहां झूठी खबरें पलक झपकते ही लाखों लोगों द्वारा बिना सत्यता जांचे शेयर या ट्वीट-रिट्वीट हो जाती हैं। इसी आड़ में अक्सर लोग अपनी निजी दुश्मनी तक भंजा लेते हैं और दुनिया झूठ के फरेब को काफी देर बाद समझ पाती है। लेकिन तक नफा-नुकसान का बड़ा खेल अपना गुल खिला चुका होता है। सोशल कहें या इन्टरनेट मीडिया जो भी, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का जरिया मान लेना भी कुतर्क है क्योंकि इसका जितना बड़ा दायरा है उतने ही बंधन। ऐसी स्वतंत्रता व अनाप-शनाप कुछ भी लिख, पढ़ और बोलने की आजादी किसी को नहीं है जो किसी दूसरे के मान-सम्मान या निजता को चोट पहुंचाती हो।

इसका ताजा उदाहरण हाल ही में राहुल गांधी लोकसभा सदस्यता खत्म कर देने के उदाहरण से समझा जा सकता है। अक्सर गैर भरोसेमंद स्त्रोतों और आधी-अधूरी जानकारियों के चलते ही फेक न्यूज या झूठी खबर इतनी तेजी से फैलती यानी वायरल होती हैं कि अक्सर समझदार लोग भी गच्चा खा जाते हैं। कई मौकों पर देखने में आता है कि ऐसी खबरों से शहर से लेकर गांव और घर-घर लोग बेचैन हो जाते हैं। उत्तेजना फैल जाती है और लोग और समूह बे सिर पैर की बातों के चलते गुस्से में आकर बड़ी-बड़ी घटनाएं तक कर बैठते हैं। ऐसे तमाम और दर्जनों क्या लाखों उदाहरण मिलेंगे जहां दुनिया भर में के कई प्रान्त और देश तक झूठी खबरों की झुलसन में बदहाल और बेहाल होते देखे गए। वाकई में सोशल मीडिया एक ऐसा बिना बारूद का बम गोला बन चुका है जिससे शहर के शहर आग के शोलों से जल उठते हैं। सरकारों और जिम्मेदारों के लिए सूचना का यह सोशल तंत्र नॉन सोशल होकर वो रूप दिखाता है कि एक निर्जीव साधन जिन्दा और समझदार लोगों की आपसी टकराहट में आग में घी और पेट्रोल का काम करता है। करीब सवा दो बरस पहले दुनिया ने खास उदाहरण देखा जिसमें दुनिया का दारोगा कहलाने वाले अमेरिकी संसद परिसर में हुई हिंसा के बाद माइक्रो ब्लॉगिंग वेबसाइट ट्विटर ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पर्सनल अकाउंट को स्थायी रूप से सस्पेंड कर दिया क्योंकि आशंका थी कि आगे भी उनके हैण्डल से हिंसा के और भड़काने की जोखिम का खतरा था।

आधुनिकता का अभिशाप

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

एक दिन भगवान बुद्ध अपनी तपोभूमि के दर्शन करने और वहाँ का हालचाल जानने धरती पर पधारे। उन्हें देख आधुनिक युवक अंकमाल इस अवसर का लाभ उठाना चाहता था। वैसे भी लाभ उसी का उठाया जा सकता है जो कुछ देने की स्थिति में हो। और फिर बुद्ध तो वे होते हैं जो सिर्फ देना जानते हैं, लेना नहीं। सो उसने कहा, "भगवन्! मेरी इच्छा है कि मैं संसार की कुछ सेवा करूँ, आप मुझे जहाँ भी भेजना चाहें भेज दें ताकि मैं लोगों को धर्म का रास्ता दिखाऊँ?" बुद्ध हँसे और बोले- "वत्स! संसार को कुछ देने से पहले अपने पास कुछ होना आवश्यक है, जाओ पहले अपनी योग्यता बढ़ाओ फिर संसार की भी सेवा करना।"अंकमाल वहाँ से चल पड़ा और आधुनिक कलाओं के अभ्यास में जुट गया। लंबी-लंबी फेंकने से लेकर तू-तड़ाक कला तक पीटने से लेकर बुलडोजर चलाने तक उसने जितनी भी कलाएँ हो सकती हैं उन सबका उसने कुछ महीनों तक कठोर अभ्यास किया। अंधभक्त के रूप में सारे देश में उसकी ख्याति फैल गई।

अपनी प्रशंसा से आप प्रसन्न होकर अंकमाल अभिमानपूर्वक लौटा और भगवान बुद्ध की सेवा में जा उपस्थित हुआ। अपनी योग्यता का बखान करते हुए उसने कहा- "भगवन्! अब मैं संसार के प्रत्येक व्यक्ति को कुछ न कुछ सिखा सकता हूँ। जोड़-तोड़ से बिगड़े काम बना और सुधरे काम बिगाड़ सकता हूँ। अब मैं राजकाज करने की कला का पंडित हूँ।"भगवान बुद्ध मुस्कराये और बोले- "अभी तो तुम कलाएँ सीख कर आये हो परीक्षा दे लो तब उन पर अभिमान करना।" अगले दिन भगवान बुद्ध एक साधारण नागरिक का वेश बदलकर अंकमाल के पास गये और उससे बढ़ते पेट्रोल-डीजल की कीमतों, बेतहाशा महंगाई के बारे में पूछ बैठे। अंकमाल क्रुद्ध होकर मारने दौड़ा तो बुद्ध वहाँ से मुस्कराते हुये वापस लौट पड़े। उसी दिन मध्याह्न फिर से बुद्ध भेष बदलकर अंकमाल के समीप जाकर बोले- "क्या तुम संन्यासी भेष की आड़ में रंगासियार बन राजपाट करना चाहोगे? लाल बत्ती वाली गाड़ी और बड़े से भवन में रहना चाहोगे?"अंकमाल को लोभ आ गया उसने कहा- "हाँ-हाँ अभी चलो।" भगवान बुद्ध मुस्करा दिये और चुपचाप लौट आये। अंकमाल हैरान था- 'बात क्या है?'थोड़ी देर बाद भगवान बुद्ध पुनः उपस्थित हुए। उनके साथ आजकल की बॉलीवुड आम्रपाली थीं। अंकमाल जितनी देर भगवान बुद्ध के साथ रहा आम्रपाली को ही घूरता रहा। बात समाप्त कर बुद्ध आश्रम लौटे। सायंकाल अंकमाल को बुद्ध देव ने पुनः बुलाया और पूछा- "वत्स! क्या तुमने क्रोध, काम और लोभ पर विजय की विद्या भी सीखी है?"

बुद्ध पूर्णिमा पर राशि अनुसार करें शुभ काम

मेष राशि के लोग दूध का और कर्क राशि के लोग जल का दान करें, मिथुन राशि के लोग किसी मंदिर में पौधा लगाएं

आज वैशाख मास की पूर्णिमा है। इसी दिन बुद्ध जयंती और उपछाया चंद्र ग्रहण भी है। चंद्र ग्रहण उपछाया है, इस कारण इसकी धार्मिक मान्यता नहीं है। वैशाख पूर्णिमा पर पवित्र नदियों में स्नान और दान-पुण्य करने की परंपरा है। इस दिन भगवान सत्यनारायण की कथा पढ़नी-सुननी चाहिए। पूजा-पाठ के साथ ही राशि अनुसार कुछ खास शुभ काम करेंगे तो कुंडली के कई ग्रह दोष शांत हो सकते हैं।

5 मई को पर हनुमान जी के सामने दीपक जलाएं और हनुमान चालीसा का पाठ करें

भगवान विष्णु और देवी लक्ष्मी की पूजा करें। दक्षिणावर्ती शंख में केसर मिश्रित भरें और भगवान का अभिषेक करें। भगवान को पीले चमकीले वस्त्र अर्पित करें। ॐ नमो भगवते वासुदेवाय मंत्र का जप करें। तुलसी के साथ मिठाई का भोग लगाएं।

शिवलिंग के पास दीपक जलाकर ॐ नमः शिवाय मंत्र का जप करें। देवी पार्वती को सुहाग का सामान जैसे चूड़ी, लाल साड़ी, कुमकुम आदि चीजें अर्पित करें।

शुक्रवार (5 मई) को शुक्र ग्रह के लिए दूध का दान करें। शुक्र की

मेष– घर के आसपास जरूरतमंद लोगों को दूध या खीर बांटें।
वृष– दही और गाय का घी छोटे बच्चों को दान करें।
मिथुन– घर के आसपास किसी मंदिर में छायादार वृक्ष का पौधा लगाएं।
कर्क– जल का दान करें। किसी प्याऊ में पानी से भरा मटका दान कर सकते हैं।
सिंह– गुड़ का दान करें।
कन्या– घर के आसपास छोटी कन्याओं को पढ़ाई से जुड़ी चीजें जैसे कॉपी, पेन आदि दान करें।
तुला– दूध, चावल और शुद्ध घी का दान करें।
वृश्चिक– लाल मसूर की दाल का दान करें।
धनु– चने की दाल पीले कपड़े में बांधकर दान करें।
मकर और कुंभ– काले तिल, तेल, जूते–चप्पल, छाता और नीले कपड़ों का दान करें।
मीन– रोगियों को फल और दवाओं का दान करें।
वैशाख पूर्णिमा पर कर सकते हैं ये शुभ काम भी

बुद्ध पूर्णिमा पर इन राशियों की लगेगी लॉटरी 130 साल बाद बन रहा महासंयोग

वैशाख शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा को बुद्ध पूर्णिमा यानी बुद्ध भगवान का जन्मोत्सव भारत के साथ-साथ विश्व भर में मनाया जाता है। बौद्ध धर्म से जुड़े लोग भगवान बुद्ध का जन्म दिवस बहुत उत्साह से मनाते हैं। मान्यता है कि इसी दिन बुद्ध भगवान का जन्म हुआ था और इसी दिन उन्हें ज्ञान की भी प्राप्ति हुई थी। वहीं इसी दिन उन्होंने अपनी देह को भी त्यागा था। पंचांग के अनुसार साल 2023 में 5 मई को बुद्ध पूर्णिमा पर महासंयोग बन रहा है, जिस कारण लोगों को कई लाभ होने वाले हैं।

बुद्ध पूर्णिमा पर बनने वाला महासंयोग करीब 130 साल बाद बन रहा है, जिसमें लोगों द्वारा गंगा स्नान करने, पूजा-पाठ, जप तप आदि करने से कई लाभ होंगे। बुद्ध पूर्णिमा पर बनने वाले महासंयोग से कुछ राशियों के जातकों की लॉटरी लगेगी, तो बाकी राशियों के जातकों को कर्म के आधार पर

फल मिलने की धार्मिक मान्यता बताई जा रही है।

बुद्ध पूर्णिमा पर बन रहे महासंयोग के बारे में हमने ज्योतिष शास्त्र की जानकारी हेमा शुक्ला से बातचीत की। उन्होंने बताया कि बुद्ध पूर्णिमा पर महात्मा बुद्ध का जन्म हुआ था। महात्मा बुद्ध ज्ञान और अध्यात्म के सबसे बड़े अवतार हैं। महात्मा बुद्ध नारायण के अवतार थे, जिन्होंने मानव कल्याण के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया था। वैशाख शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा को नारायण का कुर्मावतार भी हुआ था, इसीलिए बुद्ध पूर्णिमा पर कुर्मावतार संयोग बन रहा है।

बुद्ध पूर्णिमा पर इस बार सिद्धि योग भी बन रहा है। सिद्धि योग में किए गए पुण्य कार्यों का हजार गुना फल लोगों को मिलेगा। किसी विशेष दिन सिद्धि योग बनने का विशेष महत्व होता है।

बुद्ध पूर्णिमा तुला राशि में होगी। **पूर्णिमा पर तुला राशि के जातकों को काफी लाभ होगा। वहीं सिंह, मेष, कुंभ और मकर राशि के जातकों की भी मौज रहेगी**, जबकि अन्य राशियों के जातकों को कर्म के आधार पर फल प्राप्त होगा। उन्होंने कहा कि बुद्ध पूर्णिमा पर सभी राशि के लोग अगर अध्यात्म ज्ञान से जुड़ेंगे, तो उन पर भगवान की असीम कृपा बनी रहेगी। इस दिन बनने वाले महासंयोग से सनातन धर्म का उत्थान होगा।

एक ऐसा मंदिर जहां के दर्शनों के लिए तरस जाते हैं श्रद्धालु

मदिरा पीने की वजह से हुए थे देवता कैद

चमोली। उत्तराखंड के चमोली जिले में रहस्य से भरा एक ऐसा मंदिर है जहां श्रद्धालु भगवान के दर्शन के लिए तो आते हैं लेकिन फिर भी दर्शन नहीं कर पाते हैं। तो चलिए इस खास रिपोर्ट में उसी मंदिर के बारे में बताते है।

चमोली जिले के देवाल विकासखंड के वाण गांव में क्षेत्रपाल देव लाटू देवता का मंदिर है। यह मंदिर साल में सिर्फ एक दिन खुलता है। वहीं, मंदिर के दर्शन बाहर से तो सभी श्रद्धालु कर सकते हैं, लेकिन मंदिर के अंदर प्रवेश करना वर्जित है।यह मंदिर सिर्फ एक दिन वैशाख पूर्णिमा के दिन ही खुलता है और उसी दिन मंदिर में ब्राह्मण आंखों पर काली पट्टी और मुंह पर कपड़ा बांधकर मंदिर में पूजा अर्चना करते हैं।

जान लीजिए वजह

ऐसा माना जाता है कि नागराज अद्भुत मणि के साथ मंदिर में रहते हैं। मणि का तेज इतना अधिक होता है कि जो मनुष्य की आंखों की रोशनी को भी खत्म कर सकता है, इसलिए मंदिर में जाना वर्जित है।

कब खुलते हैं कपाट ?

मंदिर के पुजारी खेम सिंह नेगी बताते हैं कि मंदिर के कपाट वर्ष में सिर्फ एक ही बार भक्तों के लिए वैशाख पूर्णिमा को खोल दिए जाते हैं। कपाट खुलने के बाद श्रद्धालु दूर से ही देवता के दर्शन करते हैं। इस वर्ष लाटू देवता के कपाट 5 मई को खुलेंगे। कपाट खुलने पर श्रद्धालुओं और महिलाओं द्वारा पारंपरिक परिधानों/ आभूषणों के साथ झोड़ा, चांचड़ी लोकनृत्य प्रस्तुत किया जाता है।

लाटू देवता का मां नंदा से है यह रिश्ता

पौराणिक कथाओं के अनुसार, लाटू देवता उत्तराखंड की आराध्या देवी नंदा देवी के धर्म भाई हैं। जब भगवान शिव का माता पार्वती के साथ विवाह हुआ, तो पार्वती (नंदा देवी) को विदा करने के लिए सभी भाई कैलाश की ओर चल पड़े। इसमें उनके चचेरे भाई लाटू भी शामिल थे। रास्ते में लाटू देवता को प्यास लगी। वह पानी के लिए इधर-उधर भटकने लगे। उन्हें एक कुटिया दिखी, तो लाटू वहां पानी पीने चले गए। कुटिया में एक साथ दो मटके रखे थे, एक में पानी था और दूसरे में मदिरा थी। लाटू देवता ने गलती से मदिरा पी ली और उत्पात मचाने लगे। इससे नंदा देवी को गुस्सा आ गया और उन्होंने लाटू देवता को श्राप दे दिया। मां नंदा देवी ने गुस्से में लाटू देवता को बांधकर कैद करने का आदेश दिया।

वाण गांव से हेमकुंड तक जाते हैं लाटू देवता

लाटू देवता के पश्चाताप करने की वजह से मां नंदा देवी ने कहा कि वाण गांव में उसका मंदिर होगा और वैशाख महीने की पूर्णिमा को ही उसकी पूजा होगी। यही नहीं, हर 12 साल में जब नंदा राजजात जाएंगी, तो लोग लाटू देवता की भी पूजा करेंगे। तभी से नंदा राजजात के वाण गांव में पड़ने वाले 12वें पड़ाव में लाटू देवता की पूजा की जाती है। लाटू देवता वाण गांव से हेमकुंड तक अपनी बहन नंदा को भेजने के लिए उनके साथ जाते हैं। हर वर्ष वैशाख पूर्णिमा भगवान लाटू देवता के कपाट खोले जाते हैं। हर साल स्थानीय मेला लगता है, जिसमें दूर-दूर से लोग आकर शामिल होते हैं। माना जाता है कि लाटू देवता इस मंदिर में नागराज के रूप में कैद हैं।

कैसे पहुंचे लाटू देवता मंदिर ?

दिल्ली से चमोली के लाटू देवता का मंदिर 431।1 किलोमीटर दूर है। इसका यानी आपको दिल्ली से चमोली के लाटू देवता मंदिर तक पहुंचने के लिए करीब 10 घंटे लग जाएंगे।

पूर्वमुखी भवन बनवाते समय इन बातों का रखें ध्यान

जानिए पूर्वमुखी भवन की विभिन्न स्थितियों में भवन निर्माण करवाते समय शुभ- अशुभ परिणामों के बारे में। किसी भी दिशा में भवन बनवाते समय उसके शुभ-अशुभ परिणामों के बारे में अच्छे से विचार कर लेना चाहिए।

भवन की शुभ स्थिति को बनाए रखने के लिए क्या करना चाहिए और अशुभता से बचाव के लिए किन बातों का ध्यान रखना चाहिए, ये जानना बहुत जरूरी है। आज हम सबसे पहले पूर्वमुखी भवन की शुभता हेतु अपनाए जाने वाले पहलुओं पर चर्चा करेंगे।

पूर्व मुखी भवन में पूर्व और उत्तर दिशाओं में खाली स्थान हो तो भवन स्वास्थ्य और आर्थिक लाभ की दृष्टि से बहुत ही हितकारी है। अतः पूर्व, उत्तर या उत्तर-पूर्व दिशाओं में खाली स्थान जरूर छोड़ना चाहिए। ऐसा करने से धन और वंश के साथ-साथ स्वास्थ्य भी अच्छा बना रहेगा।

भूलकर भी तिजोरी के पास न रखें यह चीज

वास्तु शास्त्र में घर से लेकर ऑफिस तक के लिए कुछ ऐसे नियम बताए गए हैं जो हमारी मेहनत का बेहतर फल दिलाने में मदद करते हैं। हालांकि कई बार हम जाने अनजाने में ऐसी गलतियां कर जाते हैं जो हमारे दुर्भाग्य का कारण बन जाती हैं।

तिजोरी के पीछे न रखें झाड़ू

सबसे पहले बात तिजोरी के पास या उसके पीछे रखी झाड़ू के बारे में। जिस तिजोरी या अलमारी में आप अपने पैसे या पूंजी रखते हैं और उसी के पीछे अगर झाड़ू भी रखते हैं तो यह बिल्कुल भी ठीक नहीं है। ऐसा करने से धन में कमी होती है।

किचन में भूलकर भी न रखें दवाई

इसके अलावा किचन में दवाई का बॉक्स रखना भी ठीक नहीं होता। इससे परिवार के सदस्यों की सेहत पर असर पड़ता है। उनके स्वास्थ्य में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिलता है।

बाथरूम का दरवाजा रखें बंद

साथ ही घर में बाथरूम व शौचालय के दरवाज़ों को आवश्यकता न होने पर खुला नहीं छोड़ना चाहिए। इन्हें यूज़ करने के बाद तुरंत बंद कर दें। अन्यथा इससे घर और बिजनेस में लगातार पैसों का नुकसान होता रहता है।

बुद्ध पूर्णिमा पूजा के 2 शुभ मुहूर्त

वैशाख माह की पूर्णिमा को भगवान बुद्ध का जन्म हुआ था। अंग्रेजी कैलेंडर के अनुसार इस बार यह पूर्णिमा 5 मई 2023 शुक्रवार को रहेगी। इस बार गौतम बुद्ध की 2585वां जयन्ती मनाई जाएगी। इसी दिन चंद्र ग्रहण भी रहेगा। 3 मंत्र और उपाय के साथ जानते हैं कि इस दिन पूजा के 2 शुभ मुहूर्त कौन से हैं और क्या है योग संयोग।

चंद्र ग्रहण : 5 मई 2023 शुक्रवार के दिन रात्रि 8:45 पर पहला चंद्र ग्रहण लगेगा जो उपछाया चंद्र ग्रहण होगा। यह ग्रहण रात्रि 1 बजे समाप्त होगा।

5 मई 2023 पूजा के 2 शुभ मुहूर्त पंचांग:
अभिजित मुहूर्त : दोपहर 12:10 से 01:01 तक।
विजय मुहूर्त : दोपहर 02:44 से 03:36 तक।
इस दिन रात्रि 09:15 तक सिद्ध योग रहेगा।

पूजा के लिए 3 शुभ मंत्र:
- ॐ मणि पद्मे हूँ
- बुद्धं शरणं गच्छामि, धम्मं शरणं गच्छामि, संघं शरणं गच्छामि।
- ॐ तारे तुतारे तुरे सोहा

इसके अलावा अन्य दो मंत्र भी है-
- ॐ अमि देवा ह्रीः
- तयता ॐ बेकंजे बेकंजे महा बेकंजे राद्जा समुद्गते सोहा

बुद्ध पूर्णिमा के उपाय-

1. दान : इस दिन गरीबों को अन्न और वस्त्र का दान करने से पुण्य की प्राप्ति होती है। पुण्य प्राप्ति के लिए बुद्ध पूर्णिमा के दिन सत्तू, मिष्ठान्न, जल पात्र, अन्न, भोजन और वस्त्र दान करें। इस दिन तिल एवं शहद का दान करने से पापों से मुक्ति मिलती है।

2. स्नान : इस दिन पवित्र नदियों में स्नान करने का महत्व है। स्नान करने से पापों से मुक्ति मिलती है।

3. खीर : इस दिन खीर पीना और पिलाने से भगवान बुद्ध का आशीर्वाद मिलता है और सेहत भी भी लाभ मिलता है।

4. तर्पण : स्नान के बाद पितरों का तर्पण करने से पितृदोष से मुक्ति मिलती है और पितरों का आशीर्वाद प्राप्त होता है। चंद्र देव को अर्ध्य भी दें।

लोटा या गिलास किस बर्तन में पानी पीना है बेहतर?

पानी को जिसके साथ रखा जाए उसमें वैसे ही गुण आते हैं। पानी जिसमें डाल दो उसी के गुण आ जाते हैं। दही में मिला दो तो छाछ बन गया, तो वो दही के गुण ले लेगा। दूध में मिलाया तो दूध का गुण। लोटे में पानी अगर रखा तो बर्तन का गुण आएगा। अब लोटा गोल है तो वो उसी का गुण धारण कर लेगा और अगर थोड़ा भी गणित आप समझते हैं तो हर गोल चीज का सरफेस टेंशन कम रहता है। क्योंकि सरफेस एरिया कम होता है तो सरफेस टेंशन कम होगा। तो सरफेस टेंशन कम हैं तो हर उस चीज का सरफेस टेंशन कम होगा और स्वास्थ्य की दृष्टि से कम सरफेस टेंशन वाली चीज ही आपके लिए लाभदायक है।

गिलास के पानी और लोटे के पानी में जमीं आसमान का अंतर है। इसी तरह कुंए का पानी, कुंआ गोल है इसलिए सबसे अच्छा है। कुंआ गोल है और उसका सरफेस एरिया कम है। सरफेस टेंशन कम है।

सरफेस टेंशन कम होने से पानी का एक गुण लम्बे समय तक जीवित रहता है। पानी का सबसे बड़ा गुण है सफाई करना। अब वो गुण कैसे काम करता है वो आपको बताते है।

आपकी बड़ी आंत है और छोटी आंत है, आप जानते हैं कि उसमें मेम्ब्रेन है और कचरा उसी में जाके फंसता है। पेट की सफाई के लिए इसको बाहर लाना पड़ता है. ये तभी संभव है जब कम सरफेस टेंशन वाला पानी आप पी रहे हो। अगर ज्यादा सरफेस टेंशन वाला पानी है तो ये कचरा बाहर नहीं आएगा, मेम्ब्रेन में ही फंसा रह जाता है।

लोटे का पानी पेट में कैसे क्रिया करता है? आपने पेट में पानी डाला तो बड़ी आंत और छोटी आंत का सरफेस टेंशन कम हुआ और वो खुल गयी और खुली तो सारा कचरा उसमें से बाहर आ गया। जिससे आपकी आंत बिल्कुल साफ़ हो गई। अब इसके विपरीत अगर आप गिलास का हाई सरफेस टेंशन का पानी पीयेंगे तो आंतें सिकुडेंगी क्योंकि तनाव बढ़ेगा। तनाव बढते समय चीज सिकुड़ती है और तनाव कम होते समय चीज खुलती है। अब तनाव बढेगा तो सारा कचरा अंदर जमा हो जायेगा और वो ही कचरा भगन्दर, बवासीर, मुल्व्याद जैसी पेट की बीमारियां उत्पन्न करेगा।

इसलिए कम सरफेस टेंशन वाला ही पानी पीना चाहिए।

प्रकृति में देखेंगे तो बारिश का पानी गोल होकर धरती पर आता है। मतलब सभी बूंदे गोल होती है क्योंकि उसका सरफेस टेंशन बहुत कम होता है तो गिलास की बजाय पानी लोटे में पीयें।

गौतम बुद्ध के 12 प्रेरक विचार

1. बुद्ध कहते हैं अतीत पर ध्यान मत दो, भविष्य के बारे में मत सोचो, अपने मन को वर्तमान क्षण पर केंद्रित करो।
2. सत्यवाणी ही अमृतवाणी है, सत्यवाणी ही सनातन धर्म है। सत्य, सदर्थ और सधर्म पर संतजन सदैव दृढ़ रहते हैं।
3. ये लोग भी कैसे हैं। साम्प्रदायिक मतों में पड़कर अनेक तरह की दलीलें पेश करते हैं और सत्य और असत्य दोनों का ही प्रतिपादन कर देते हैं, अरे! सत्य तो जगत में एक ही है, अनेक नहीं।
4. जिसे जान–बूझकर झूठ बोलने में लज्जा नहीं, वह कोई भी पाप कर सकता है, इसलिए तू यह हृदय में अंकित कर ले कि मैं हंसी–मजाक में भी कभी असत्य नहीं बोलूंगा।
5. असत्यवादी नरकगामी होते हैं और वे भी नरक में जाते हैं, जो करके 'नहीं किया' कहते हैं।
6. जिसे जान–बूझकर झूठ बोलने में लज्जा नहीं, उसका साधुपना औंधे घड़े के समान है। साधुता की एक बूंद भी उसके हृदय–घट के अंदर नहीं है।
7. सभा में, परिषद में अथवा एकांत में किसी से झूठ न बोलें। झूठ बोलने के लिए दूसरों को प्रेरित न करें और न झूठ बोलने वाले को प्रोत्साहन दें। असत्य का सर्वांश में परित्याग कर देना चाहिए।
8. जीवन में हजारों लड़ाइयां जीतने से अच्छा है कि तुम स्वयं पर विजय प्राप्त कर लो। फिर जीत हमेशा तुम्हारी होगी, इसे तुमसे कोई नहीं छीन सकता।
9. हम जब भी क्रोधित होते हैं सच का मार्ग छोड़ देते हैं।
10. संतोष सबसे बड़ा धन है, वफादारी सबसे बड़ा संबंध है और स्वास्थ्य सबसे बड़ा उपहार है।
11. आपको अगर मोक्ष पाना है तो खुद ही मेहनत करनी होगी, दूसरों पर निर्भर मत रहिए।
12. हजारों खोखले शब्दों से अच्छा वह एक शब्द है जो शांति लाएं।

'लखनऊ से हूं वहां तू नहीं आप कहते हैं', कंगना के आरोपों पर बोले जावेद अख्तर

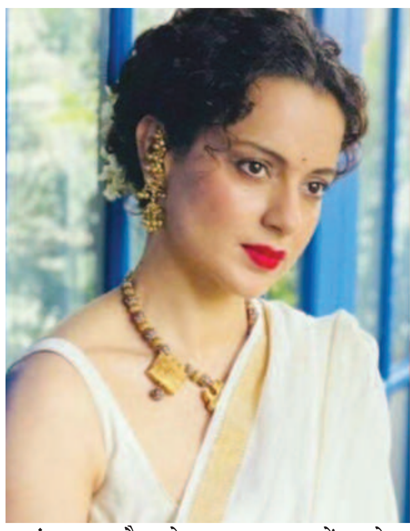

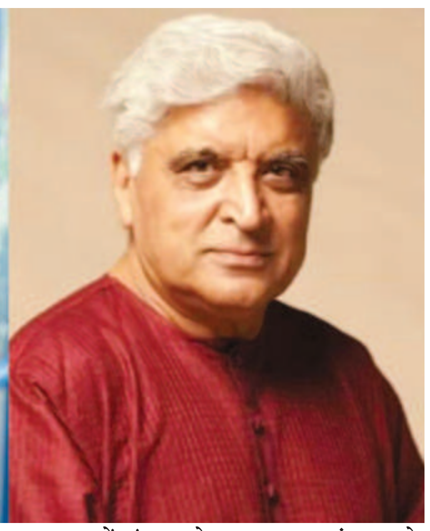

कंगना रणौत ने साल 2020 में जावेद अख्तर पर इंटरव्यू के दौरान यह आरोप लगाया था कि गीतकार ने उनको धमकी दी है। लेकिन उस दौरान उन्होंने इस बात पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया और मामले को इग्नोर किया। लेकिन जब कंगना रणौत ने सुशांत सिंह राजपूत के निधन के बाद एकबार फिर इस बात को उठाया तो जावेद अख्तर ने कंगना के बयानों को देखते हुए कोर्ट तक पहुंच गए। इस मामले पर अब बीते 3 मई को सुनवाई हुई, जिसमें जावेद अख्तर ने कहा है कि यह आरोप उनके लिए बेहद अपमानजनक रहा है।

जावेद अख्तर ने मजिस्ट्रेट के समक्ष अपना पक्ष रखा इस दावे को झूठा बताया। उन्होंने कहा, मैं लखनऊ से हूं और वहां किसी को तू करके नहीं बल्कि आप करके बुलाया जाता है। कोई मुझसे 30-40 साल छोटा ही क्यों ना हो, मैं उसे भी आप कहकर ही संबोधित करता हूं. मैंने कभी अपने वकील से तक तू करके बात नहीं की। मैं हैरान हूं, जितने भी आरोप मुझ पर लगाए गए हैं, उन्हें लेकर शॉक्ड हूं।'

जावेद अख्तर ने आगे कहा कि 'फरवरी 2020 में कंगना ने मुझपर एक इंटरव्यू के दौरान आरोप लगाए थे, इसके कुछ महीने बाद सुशांत सिंह राजपूत ने आत्महत्या कर ली। कंगना का एक इंटरव्यू चर्चा में आ गया, हालांकि मैंने उस पर अपनी कोई प्रतिक्रिया नहीं दी, लेकिन जब उन्होंने मुझ पर सुसाइड करने के लिए उकसाने का आरोप लगाया तब मुझे अपमानित महसूस हुआ।'

जावेद अख्तर ने कहा, इतना ही नहीं उन्होंने यह तक कहा कि मैं किसी सुसाइड ग्रुप का हिस्सा हूं और इसी तरह लोगों को आत्महत्या के लिए उकसाता हूं, लेकिन यह सच बिल्कुल भी नहीं है। जावेद अख्तर को इस केस में सुनवाई के लिए अगली डेट 12 जून दी गई है। इस दिन कंगना के वकील उनसे क्रॉस क्वेश्चन करेंगे। जावेद और कंगना का यह विवाद साल 2020 से चल रहा है। जावेद अख्तर ने साल 2020 में कंगना के खिलाफ अर्जी दाखिल की थी। इसमें उन्होंने बताया था कि वो केवल ऋतिक रोशन और कंगना के बीच सुलह कराने के लिए गए थे, वो भी डॉक्टर रमेश अग्रवाल के कहने पर।

प्रियंका चोपड़ा ने को-स्टार सैम ह्युगन को किया किस, केमिस्ट्री देख दंग रह जाएंगे निक

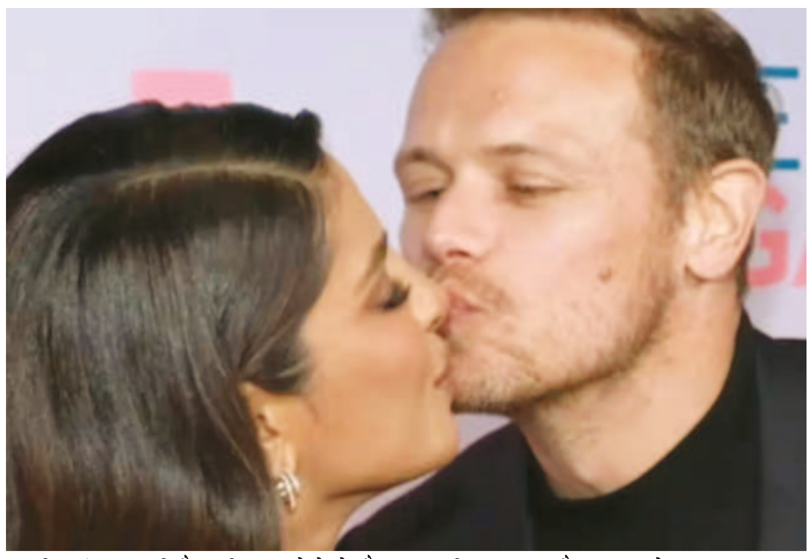

प्रियंका चोपड़ा ने जहां हाल ही में नेट गाला में अपना जादू चलाया वहीं इन दिनों उनकी वेब सीरीज सिटाडेल की चर्चा भी दूर-दूर तक हो रही है. हाल ही में मशहूर बिजनेसमैन आनंद महिंद्रा ने भी प्रियंका के काम की तारीफ है. ऐसे में अब प्रियंका अपने दूसरे काम में व्यस्त हैं और अब जल्द ही उनकी फिल्म लव अगेन रिलीज होने वाली है. हॉलीवुड फिल्म लव अगेन का न्यूयॉर्क में प्रीमियर रखा गया. जहां प्रियंका चोपड़ा पति निक जोनस के साथ पहुंची थीं. रेड कार्पेट पर प्रियंका ने अपने को-स्टार सैम ह्यूगन ने नाक पर प्यार भरा किस दिया. ये वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है.

रेड कार्पेट पर प्रियंका को देखते ही हॉलीवुड स्टार सैम ह्यूगन ने उन्हें एक स्वीट किस किया. किस करते वक्त प्रियंका ने पाउट बनाया, लेकिन सैम ने उनकी गर्दन पर किस कर दिया. फैंस को दोनों की शानदार कैमिस्ट्री काफी पसंद आ रही है. वहीं एक फोटो में सैम प्रियंका की नाक पर किस करते दिख रहे हैं. वीडियो में आप दखे सकते हैं कि प्रियंका हॉलीवुड स्टार सैम ह्यूगन के साथ नजर आ रही हैं. रेड कार्पेट पर जैसे ही सैम आते हैं प्रियंका उन्हें देखकर काफी खुश होती हैं और स्माइल के साथ उनका वेलकम करती हैं.

लव अगेन के प्रीमियर में प्रियंका निक के हाथों में हाथ डालकर पहुंची थीं. प्रियंका ने ब्लश ब्लू गाउन के साथ हाई हील्स कैरी की थीं, जिसमें वो बेहद कमाल की लग रही थीं. स्ट्रेट बाल और ऑफ शोल्डर गाउन उनकी खूबसूरती में चार-चांद लगा रहा था. वहीं प्रियंका के लुक को कंप्लीट करने के लिए निक जोनस ने ग्रे सूट पहना था. दोनों साथ में काफी स्मार्ट लग रहे थे. वहीं, निक ग्रे कलर के सूट में दिखाई दिए.

आपको बता दें प्रियंका चोपड़ा की इस फिल्म में उनके पति निक जोनस भी नज़र आने वाले हैं. फिल्म में निक ने कैमियो रोल किया है. निक के रोल के बारे में बात करते हुए प्रियंका ने कहा कि 'कोविड के दौरान कोई दूसरा एक्टर मेरे फेस लिक करे मैं इसके लिए तैयार नहीं थी, इसलिए मैने निक से बात की क्या तुम ये रोल कर सकते हो. निक इसके लिए तैयार हो गए.'

रश्मिका मंदाना को डेट करने के रुमर्स पर श्रीनिवास बेलमकोंडा ने तोड़ी चुप्पी

रश्मिका मंदाना और श्रीनिवास बेलमकोंडा को हाल के दिनों में एक साथ कुछ इवेंट्स और मुंबई एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया था. इसके बाद दोनों के डेटिंग के रूमर्स उड़ने लगे. वहीं 'छत्रपति' के साथ बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रहे श्रीनिवास ने अब फाइनली रश्मिका को डेट करने की अफवाहों पर चुप्पी तोड़ी है और बताया है कि आखिर सच क्या है.

हाल की रिपोर्टों में दावा किया गया था कि एक्टर विजय देवरकोंडा के साथ अपने कथित रिश्ते को खत्म करने के बाद रश्मिका श्रीनिवास बेलमकोंडा को डेट कर रही हैं. हालांकि रश्मिका ने ना तो अभी तक विजय के साथ अपने कथित ब्रेकअप और ना ही श्रीनिवास के साथ अपने कथित रिलेशनशिप पर रिएक्ट किया है. इन सबके बीच बेलमकोंडा ने ये कंफर्म कर दिया है कि वे रश्मिका को डेट नहीं कर रहे हैं.

सिद्धार्थ कन्नन के चैट शो पर बात करते हुए श्रीनिवास बेलामकोंडा ने कहा, मुझे नहीं पता कि यह कैसे आया, मुझे लगता है कि यह बिल्कुल बेसलेस है क्योंकि हम सिर्फ अच्छे दोस्त थे और हम वास्तव में एयरपोर्ट पर एक-दूसरे से टकरा गए थे. हम दोनों हैदराबाद से हैं और हम मुंबई आते रहते हैं इसलिए ऐसा लगता है कि हम कई बार एक-दूसरे से टकराते रहते हैं. लेकिन शायद ही एक या दो बार उन्होंने (पैपराज़ी) हमें एयरपोर्ट से बाहर आते हुए देखा हो. यही है बस.

रश्मिका के बारे में श्रीनिवास ने क्या कहा?

रश्मिका के बारे में बोलते हुए तेलुगु एक्टर ने आगे कहा कि हमेशा एनर्जेटिक रहें. हमेशा उस एनर्जी को लाएं. जब भी वह एक कमरे में होती हैं, तो वह बहुत एनर्जी लेकर आती हैं. वह इतनी वाइब्रेंट हैं कि मुझे लगता है कि उन्हें इसे खोना नहीं चाहिए.

बता दें कि रश्मिका को आखिरी बार विजय-स्टारर तमिल फिल्म 'वारिसु' में देखा गया था. उनके पास पाइपलाइन में संदीप रेड्डी वांगा की हिंदी फिल्म 'एनिमल है'. इस फिल्म में वह रणबीर कपूर के साथ नजर आएंगी. वहीं श्रीनिवास बेलमकोंडा 'छत्रपति' के साथ बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रहे हैं. इस फिल्म का निर्देशन वीवी विनायक ने किया है और इसे एसएस राजामौली के पिता और अनुभवी लेखक वी विजयेंद्र प्रसाद ने लिखा है. यह एसएस राजामौली की 2005 की इसी नाम की फिल्म का ऑफिशियल रीमेक है. ओरिजनल फिल्म में प्रभास मुख्य भूमिका में थे।

शाहरुख के साथ गाने की शूटिंग के लिए मुंबई में हैं नयनतारा?

फिल्म 'पठान' के बाद शाहरुख खान इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'जवान' की तैयारियों में जुटे हुए हैं। एटली द्वारा निर्देशित इस फिल्म के जरिए साउथ एक्ट्रेस नयनतारा बॉलीवुड जगत में कदम रखने जा रही हैं। इन दिनों 'जवान' की टीम शूटिंग में बिजी है। इस बीच खबर आ रही है कि शूटिंग के सिलसिले में इन दिनों नयनतारा भी मुंबई में हैं।

मुंबई में हैं नयनतारा?

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक नयनतारा फिल्म के एक गाने की शूटिंग के लिए मायानगरी आई हुई हैं। खबरों के मुताबिक आज यानि मंगलवार को शाहरुख खान और नयनतारा को मुंबई के बांद्रा में स्पॉट किया गया है। दोनों फिल्म 'जवान' के गाने की शूटिंग के सिलसिले में साथ देखे गए। कहा तो यह भी जा रहा है कि दोनों ने गाने की शूटिंग पूरी कर ली है और इसे फराह खान ने कोरियोग्राफ किया है।

राजस्थान में होगी कुछ सीन की शूटिंग

बता दें कि बीते महीने भी नयनतारा फिल्म की शूटिंग के लिए मुंबई आई थीं। रिपोर्ट्स के मुताबिक एक्ट्रेस ने नौ दिन शहर में रहकर इस फिल्म की शूटिंग पूरी की। कहा जा रहा है कि एक्ट्रेस ने शाहरुख खान के साथ कुछ महत्वपूर्ण सीन की शूटिंग पूरी कर ली है। वहीं, कुछ सीन अभी राजस्थान में शूट किए जाने बाकी हैं। एक्ट्रेस की पर्सनल लाइफ की बात करें तो इन दिनों वह अपने पति और फिल्म निर्माता विग्नेश शिवन और अपने जुड़वा बच्चों के साथ क्वालिटी वक्त बिता रही हैं।

आपको बता दें कि शाहरुख खान और नयनतारा के अलावा इस फिल्म में विजय सेतुपति, प्रियमणि, योगी बाबू और सुनील ग्रोवर जैसे सितारे भी नजर आएंगे। यह फिल्म हिंदी, तमिल, तेलुगू, मलयालम और कन्नड़ भाषाओं में 2 जून 2022 को रिलीज होगी।

बीते एक साल से काम की तलाश में थी मिर्जापुर की ईशा तलवार

अब डिंपल संग दिखाएंगी एक्शन

बॉलीवुड में हर साल, हर महीने तमाम फिल्में बनती हैं और रिलीज होती हैं। हालांकि इसके बाद भी अनुभवी और बेहतरीन एक्टर्स को आसानी से मौका नहीं मिलता है। दरअसल, वेब सीरीज मिर्जापुर में नजर आ चुकी एक्ट्रेस ईशा तलवार ने हाल ही में फिल्मों में काम न मिलने को लेकर बात की है। एक्ट्रेस ने बताया कि अच्छी फिल्म और वेब सीरीज में काम करने के बाद भी आपको लंबा इंतजार करना पड़ता है।

एक साल तक नहीं मिला काम

दरअसल, हाल ही में दिए एक इंटरव्यू के दौरान एक्ट्रेस ने बताया कि मिर्जापुर में काम करने के लिए उन्हें दस साल का इंतजार करना पड़ा था। उन्हें लगा था कि बेहतरीन वेब सीरीज मिर्जापुर में काम करने के बाद संघर्ष थोड़ा कम हो जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ था। एक्ट्रेस ने बताया कि मिर्जापुर वेब सीरीज में काम करने के बाद भी उन्हें पूरे एक साल तक अगले ऑफर का इंतजार करना पड़ा था। एक्ट्रेस ने बताया कि लंबे इंतजार के बाद उन्हें सास बहू और फ्लामिंगों में काम मिला है, जिसमें डिंपल कपाड़िया लीड रोल में है।

एक्ट्रेस ने बताया कि उन्होंने अभी तक हर बड़े और छोटे डायरेक्टर के साथ ऑडिशन दिए हैं। एक्ट्रेस ने बताया कि उन्होंने अपनी वेब सीरीज सास बहू और फ्लामिंगों के लिए भी ऑडिशन दिया था। उन्होंने जब सीरीज के डायरेक्टर होमी अदजानिया से कहा कि उनके पास 500 से भी ज्यादा ऑडिशन की रिकॉर्डिंग हैं, जो उन्होंने बीते कई वर्षों में दिए हैं। ईशा ने होमी को सलाह दी कि आप वे मिर्जापुर के कुछ सीन्स देखकर उन्हें रोल के लिए सिलेक्ट कर लें। हालांकि इसके बाद भी होमी नहीं माने और एक्ट्रेस ने इसके लिए भी ऑडिशन दिया। एक्ट्रेस ने आगे कहा कि आपको इंडस्ट्री में सब्र रखने की जरूरत है, देर सवेर ही सही अच्छे रोल्स हाथ लगेंगे।

एक्शन करती दिखेंगी ईशा

आपको बता दें कि एक्ट्रेस सास बहू और फ्लामिंग की रिलीज का इंतजार कर रही हैं। इस सीरीज में वह दमदार किरदार में नजर आने वाली हैं। सीरीज का ट्रेलर लोगों को काफी पसंद आया है। वहीं, एक्ट्रेस का रोल सीरीज की लीड किरदार डिंपल पर भारी पड़ता दिख रहा है।

'सरथ बाबू मरे नहीं हैं जिंदा हैं', साउथ एक्टर के निधन के रुमर्स पर फैमिली ने किया रिएक्ट, हेल्थ अपडेट भी दिया

सरथ बाबू का मल्टी ऑर्गन डैमेज का चल रहा इलाज

साउथ के वेटरन एक्टर सरथ बाबू के निधन के रुमर्स सोशल मीडिया पर छाए हुए हैं वहीं उनके पीआर ने अब इन अफवाहों पर अब चुप्पी तोड़ी है और क्लियर किया है कि एक्टर मरे नहीं हैं जिंदा है और रिकवर कर रहे हैं. एक्टर की फैमिली ने भी सभी से रिक्वेस्ट की है कि सोशल मीडिया पर चल रही किसी भी खबर पर विश्वास न करें. सरथ बाबू की पीआर और उनकी बहन ने उनकी हेल्थ का अपडेट शेयर किया है. उन्होंने कहा ₹सरथ बाबू के बारे में सोशल मीडिया पर सभी खबरें गलत आ रही हैं. सरथ बाबू थोड़ा ठीक हो गए हैं और रूम शिफ्ट कर दिया गया है. मुझे उम्मीद है कि सरथ बाबू पूरी तरह से ठीक हो जाएंगे और जल्द ही मीडिया से मुखातिब होंगे. मेरा अनुरोध है कि सोशल मीडिया पर किसी भी खबर पर विश्वास न करें.

इससे पहले पिछले हफ्ते सरथ बाबू को हैदराबाद के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था और उनकी हालत गंभीर बताई जा रही थी. 71 साल के एक्टर अस्पताल में वेंटिलेटर पर थे और उनका मल्टी ऑर्गन डैमेज का इलाज चल रहा था. गौरतलब है कि ये दूसरी बार है जब उन्हें इस साल मार्च में चेन्नई के एक अस्पताल में भर्ती होने और इलाज कराने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया है.

सरथ बाबू को मिले हैं कई अवॉर्ड

सरथ बाबू का असली नाम सत्यम बाबू दीक्षितुलु है. उन्होंने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत 1973 में एक तेलुगु फिल्म से की थी. वह मेनली तेलुगु और तमिल फिल्मों में अपने काम के लिए जाने जाते हैं. सरथ ने कुछ कन्नड़, मलयालम और हिंदी फिल्मों में भी काम किया. उन्हें सपोर्टिंग रोल में बेस्ट एक्टर के लिए नौ बार नंदी पुरस्कार से सम्मानित किया गया है.

इलियाना डिक्रूज ने पहली बार फुल बेबी बंप फ्लॉन्ट करते हुए शेयर की वीडियो

इलियाना डिक्रूज ने पिछले महीने एक इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए अपनी प्रेग्नेंसी अनाउंस करके सभी को चौंका दिया था. इसके बाद वह अपनी प्रेग्नेंसी जर्नी की झलकियां शेयर करती रही हैं. वहीं अब एक्ट्रेस ने पहली बार अपने लेटेस्ट इंस्टाग्राम पोस्ट में अपना बेबी बंप फ्लॉन्ट करते हुए तस्वीरें शेयर की हैं.

इलियाना ने बेबी बंप फ्लॉन्ट करते शेयरी की वीडियो

36 साल की एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक वीडियो शेयर किया है जिसमें वह अपने पेट डॉग के साथ बिस्तर पर आराम करती नजर आ रही हैं. वह कॉफी की चुस्कियां लेते हुए गाउन पहने नजर आईं. वीडियो में इलियाना ने अपने बेबी बंप की झलक भी दिखाई और वीडियो को कैप्शन दिया, जिंदगी हाल ही में.

इलियाना ने अपनी प्रेग्नेंसी क्रेविंग्स की दी थी झलक

कुछ हफ़्ते पहले, इलियाना ने अपनी प्रेग्नेंसी क्रेविंग्स की एक झलक शेयर की थी और अपनी बहन द्वारा बनाए गए केक की एक तस्वीर पोस्ट की थी. बता दें कि पिछले साल दिसंबर में इलियाना को एक आईवीएफ अस्पताल से बाहर निकलते देखा गया था, जिसने सोशल मीडिया पर कई तरह की अटकलों को हवा दे दी थी. हालांकि एक्ट्रेस ने अभी तक अपने होने वाले बच्चे के पिता की आइडेंटीटी या उसकी प्रेग्नेंसी नेचर का खुलासा नहीं किया हा.

इलियाना अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर रही हैं काफी प्राइवेट

इससे पहले ऐसी अटकलें थीं कि इलियाना को कथित तौर पर कैटरीना कैफ के भाई और लंदन बेस्ड मॉडल सेबेस्टियन लॉरेंट मिशेल में फिर से प्यार मिला है. दोनों न्यूली वेड कैटरीना और विक्की के साथ मालदीव में छुट्टियां मनाने गए थे. हालांकि इनके रोमांटिक रिश्ते की कोई ऑफिशियल कंफर्मेशन नहीं है.इलियाना इससे पहले फोटोग्राफर एंड्रयू नीबोन के साथ काफी सालों तक रिलेशनशिप में थीं.

सनी देओल के बेटे करण देओल ने की सगाई

धर्मेन्द्र-प्रकाश कौर की शादी की सालगिरह के दिन हुई सगाई, जून में गर्लफ्रेंड से करेंगे शादी

सनी देओल के बेटे करण देओल ने सगाई कर ली है। जून में करण देओल अपनी गर्लफ्रेंड से शादी करने वाले हैं। करण की गर्लफ्रेंड के बारे में ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। पिंकविला की रिपोर्ट के मुताबिक करण देओल ने अपने दादा-दादी धर्मेन्द्र और प्रकाश कौर की शादी की सालगिरह के दिन ही सगाई की है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक करण देओल की शादी में सिर्फ क्लोज फ्रेंड्स और फैमिली के लोग शामिल होंगे। करण देओल की गर्लफ्रेंड फिल्म इंडस्ट्री का हिस्सा नहीं है। रिपोर्ट के मुताबिक दोनों परिवार इस शादी के लिए काफी एक्साइटेड हैं।

करण देओल ने 2019 में सनी देओल की डायरेक्ट की गई फिल्म पल पल दिल के पास से एक्टिंग डेब्यू किया था। करण देओल ने फिल्म यमला पगला दीवाना में असिस्टेंट डायरेक्टर के तौर पर काम किया था। जल्द ही करण धर्मेंद्र, सनी देओल और बॉबी देओल के साथ अपने-2 में नजर आएंगे।

इनके चार बच्चे हैं- अजय सिंह (सनी देओल), विजय सिंह (बॉबी देओल), विजेता और अजेता देओल। धर्मेंद्र ने 1980 में हेमा मालिनी से दूसरी शादी की। उनकी दो बेटियां हैं- इशा और आहना। धर्मेंद्र और प्रकाश के बेटे सनी देओल ने पूजा से शादी की।

इनके दो बेटे हैं- करण और राजवीर। वहीं, बॉबी देओल ने अपने बचपन की दोस्त तान्या आहूजा से लव मैरिज की। इनके दो बेटे हैं- आर्यमान और धर्म।

कभी प्रियंका को इंडस्ट्री में इस वजह से नहीं मिल रहा था काम, डिप्रेशन में चली गई थीं एक्ट्रेस

ग्लोबल स्टार बन चुकी बॉलीवुड एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा इन दिनों लगातार लाइमलाइट बटोर रही हैं। एक्ट्रेस की हॉलीवुड सीरीज 'सिटाडेल' 28 अप्रैल को ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम पर रिलीज हो चुकी है। सिटाडेल में अपनी दमदार एक्टिंग के लिए अभिनेत्री की जमकर तारीफ हो रही है। सीरीज के प्रमोशन के लिए प्रियंका ने कई देशों की यात्रा की हैं। इस दौरान एक्ट्रेस ने एक इंटरव्यू में अपनी नाक की सर्जरी और डिप्रेशन को लेकर बात की।

उन्होंने कहा कि एक सर्जरी की वजह से उन्हें तीन बड़ी फिल्मों से हाथ धोना पड़ गया था, जिसके चलते एक्ट्रेस डिप्रेशन में आ गई थीं। एक मीडिया संस्थान से बातचीत करने के दौरान उन्होंने कहा था कि नाक में कुछ परेशानी होने लगी थी, जिसके बाद उन्होंने डॉक्टर को दिखाया तो पता लगा। इसके बाद पता चला कि नाक के अंदर टीश्यू बढ़ गए हैं और सर्जरी करनी होगी।

एक्ट्रेस ने खुलासा किया कि सर्जरी तो हुई, लेकिन उसमें कुछ गड़बड़ी हो गई और उनकी नाक का ब्रिज शेव हो गया। एक्ट्रेस ने आगे कहा कि इसके बाद उनका चेहरा बिल्कुल बदल गया और फिर उन्हें

तीन फिल्मों से भी बाहर कर दिया गया। 'सिटाडेल' एक्ट्रेस ने आगे कहा कि फिल्मों से बाहर होने के बाद उन्हें लगा कि करियर शुरू होने से पहले ही खत्म हो गया।

प्रियंका इसकी वजह से काफी परेशान थीं और डिप्रेशन में चली गईं। प्रियंका ने बताया, लेकिन इस परिस्थिती से निकाले में उनेक दिवंगत पिताअशोक चोपड़ा ने काफी मदद की। एक्ट्रेस ने कहा, 'यह चीजें हुईं, मेरा चेहरा बदल गया और मैं गहरे, बहुत गहरे डिप्रेशन में चली गई। तीन फिल्मों से बाहर कर दिया गया, मैं डर गई थी लेकिन मेरे डैड ने कहा, 'मैं तुम्हारे साथ उस कमरे में रहूंगा।'

प्रियंका चोपड़ा ने अपनी सफलता का श्रेय बॉलीवुड डायरेक्टर अनिल शर्मा को देते हुए कहा, वो एक फिल्म में लीड निभा रही थीं, लेकिन उन्हें सपोर्टिंग रोल में शिफ्ट कर दिया गया। फिल्ममेकर अनिल शर्मा बहुत अच्छे हैं, जब पूरी दुनिया उनके खिलाफ थी तब वह साथ थे।

उन्होंने एक्ट्रेस से कहा था कि यह एक छोटा-सा रोल है, लेकिन तुम अपना बेस्ट देना। प्रियंका ने आगे कहा, 'उन्होंने फिल्ममेकर की बात मानकर वैसा ही किया और अपनी एक्टिंग से लोगों का दिल जीत लिया। वर्कफ्रंट की बात करें तो एक्ट्रेस की हालिया बेव सीरीज 'सिटाडेल' ओटीटी पर धूम मचा रही है।

किसी की रोजी-रोटी छीनना सही नहीं : सलमान

अगर इंसान पसंद नहीं तो खुद हट जाता हूं

सलमान खान इंडस्ट्री में न्यूकमर्स को मौके देने के लिए जाने जाते हैं। एक रिसेंट इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि वो नहीं चाहते कि पर्सनल खुन्नस की वजह से किसी की रोजी रोटी छीन ली जाए। सलमान ने कहा कि इंडस्ट्री में उन्हें जो लोग पसंद नहीं हैं उनके साथ उन्होंने कभी काम नहीं किया। हालांकि उन्होंने कभी उनका काम भी नहीं छीना। सलमान ने कहा कि उन्हें जो लोग पसंद नहीं हैं उनके साथ काम करने से परहेज करते हैं लेकिन अगर प्रोजेक्ट अच्छा है तो वे कोशिश करते हैं कि मामला सुलझा लिया जाए।

सलमान खान ने हाल ही में आप की अदालत में शिरकत की थी। इस दौरान उन्होंने कहा, 'मैं भाग्यशाली रहा हूं कि मैंने अपने करियर में कुछ खास फिल्म मेकर्स, एक्टर्स और एक्ट्रेसेस के साथ काम किया है। मुझे इन सभी के साथ काफी प्यार मिला है। जिन लोगों के साथ मेरे संबंध अच्छे नहीं थे उनके साथ मैंने काम करने से परहेज किया। लेकिन मेरा मानना है कि अगर स्क्रिप्ट अच्छी है और वो इंसान उस फिल्म में है तो आप उसे बाहर नहीं निकाल सकते। मैं चाहूं

तो वहां से पीछे हट सकता हूं लेकिन अगर मुझे भी प्रोजेक्ट पसंद आ गया तो फिर सही यही है कि मामले को सुलझा कर साथ में काम कर लेना चाहिए।'

सलमान ने पिछली बार आप की अदालत में ये बात कही थी कि वो चाहते तो जॉन अब्राहम को एक फिल्म से बाहर निकलवा सकते थे लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। दरअसल खबरें थीं कि अनुराग बसु की सुपर नेचुरल फिल्म साया में पहले कटरीना कैफ कास्ट होने वाली थीं, लेकिन जॉन अब्राहम के प्रेशर के बाद उन्हें इस फिल्म से रिप्लेस कर दिया गया था। कटरीना इस बात से काफी आहत हुई थीं।

सलमान ने उस इंटरव्यू में कहा कि ये कटरीना का बड़प्पन था कि उन्होंने जॉन से कभी इस बात का बदला नहीं लिया। सलमान के मुताबिक, 'कटरीना चाहतीं तो जॉन को कबीर खान की फिल्म न्यूयॉर्क से हटवा सकती थीं लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। वो फिल्म आगे चलकर जॉन के करियर की सबसे बड़ी हिट बनी।' सलमान भले कह रहे हो कि वो किसी का काम छीनने में यकीन नहीं करते हैं, लेकिन मीडिया में कुछ ऐसी खबरें आईं जो उनके स्टेटमेंट के साथ न्याय नहीं कर रही थी। विवेक ओबरॉय ने एक इंटरव्यू में बताया था कि जब उनका और सलमान का विवाद हुआ तो इंडस्ट्री में उन्हें काम मिलना बंद हो गया था। विवेक ने उस वक्त सलमान का सीधे तौर पर नाम तो नहीं लिया लेकिन उन्होंने कहा कि जब वो काम मांगने जाते थे तो लोग कहते कि 'मैं तुम्हारे साथ काम तो करना चाहता हूं कि लेकिन मुझे एक लॉबी से प्रेशर है।' वहीं एक अवॉर्ड शो में अरिजीत की एक बात सलमान को रास नहीं आई थी। उसके बाद अरिजीत को सलमान की फिल्मों में कभी गाने का मौका नहीं मिला। अरिजीत और विवेक दोनों ने पब्लिकली सलमान से माफी भी मांगी थी। हालांकि सलमान की तरफ से कभी कोई रिएक्शन नहीं आया।

सलमान की दरियादिली भी कम नहीं

इस एक विवाद को छोड़ दिया जाए तो सलमान ने कई लोगों की मदद भी की है। उन्होंने कई न्यू कमर्स को फिल्मों में लॉन्च किया है। आयुष शर्मा, डेजी शाह, जरीन खान, स्नेहा उलाल, सूरज पंचोली और अथिया शेट्टी जैसे एक्टर्स को सलमान ने ही इंडस्ट्री में मौका दिया था। यहां तक कि कटरीना कैफ को बॉलीवुड में स्थापित का क्रेडिट सलमान खान को ही जाता है।

शीजान को कोर्ट से मिली देश से बाहर जाने की इजाजत, अब स्टंट शो का बनेंगे हिस्सा!

वसई कोर्ट ने सुनवाई के दौरान शीजान खान को उनकी प्रोफेशनल लाइफ को देखते हुए उन्हें काम के सिलसिले में देश से बाहर जाने की इजाजत दे दी है। मामले में उनके वकिल शैलेंद्र मिश्रा ने कहा, 'हम हॉनरेबल कोर्ट का बहुत बहुत शुक्रिया करना चाहेंगे कि उन्होंने शीजान को 'खतरों के खिलाड़ी' शो के लिए अब्रॉड ट्रैवल करने की इजाजत दी है।

शीजान ने कही यह बड़ी बात

वहीं, शीजान का कहना है, 'मुझे कोर्ट पर पूरा विश्वास था। जस्टिस कभी नहीं मरता।' कोर्ट की सुनवाई के दौरान शीजान की बहन फलक नाज भी मौजूद थीं। उन्होंने कहा, 'मैं बहुत खुश हूं कि मेरा भाई एक बार फिर से अपने पैरों पर खड़ा हो रहा है और वह अब अपने आने वाले जीवन के लिए कमाई कर पाएगा।'

रोहित शेट्टी के स्टंट शो में आएंगे नजर

खबरों के मानें तो, शीजान खान जल्द ही रोहित शेट्टी के स्टंट शो 'खतरों के खिलाड़ी' सीजन 13 का हिस्सा बन सकते हैं। एक्टर कोर्ट के फैसले का इंतजार कर रहे थे, क्योंकि वो शो के मेकर्स को कोई जवाब नहीं दे पा रहे थे।

यह था पूरा मामला

बता दें, शीजान खान अपनी को-स्टार तुनिषा शर्मा सुसाइड केस में आरोपी बनाए गए थे। तुनिषा की मां ने उनके के खिलाफ मामला दर्ज कराया था। एक्टर पर आरोप लगाए गए थे कि उनकी वजह से ही तुनिषा ने आत्महत्या की है। कथित तौर पर एक टीवी शो के सेट पर एक्ट्रेस ने सुसाइड कर लिया था। घटना के 70 दिनों के बाद शीजान को बेल पर रिहा हुए हैं।

रील बनाने पर ट्रोल होती हैं रामायण एक्ट्रेस दीपिका चिखलिया

रामानंद सागर की रामायण में सीता का किरदार निभाने वाली एक्ट्रेस दीपिका चिखलिया ने हाल ही में बताया कि अक्सर उन्हें रील और डांस वीडियोज बनने के लिए सोशल मीडिया पर ट्रोल किया जाता है। लोग उन्हें सीता मां के रूप में देखते हैं और इसलिए उन्हें ऐसे वीडियोज से दूर रहने की सलाह देते हैं। दीपिका कहती हैं कि बतौर पब्लिक फिगर वो हमेशा कोशिश करती हैं कि उनके किसी भी काम से लोगों की भावनाएं आहत न हों, लेकिन बतौर एक्टर उनकी भी कुछ इच्छाएं हैं।

मैं कोशिश करती हूं कि फैंस की भावनाएं आहत न हों

एक इंटरव्यू में दीपिका ने कहा- 'एक पब्लिक फिगर होने के नाते मैं यह कोशिश करती हूं कि मैं अपने फैंस और उनकी भावनाओं को ठेस न पहुंचाऊं। लेकिन, मुझे अभी भी मैसेज आते हैं कि हम आपको सीता माता के रूप में देखते हैं, आप ऐसे रील न बनाएं।' उन्होंने कहा- 'मुझे पता है कि मेरी छवि और चेहरा देवी सीता के किरदार के लिए जाना जाता है।इसलिए मैं ऐसा कुछ भी करने बचती हूं। मैं अपने फैंस को ध्यान में रखते हुए सरल और अच्छे वीडियोज बनाती हूं। मैंने हमेशा उस मर्यादा का सम्मान किया है।'

फैंस को मेरी पसंद का भी सम्मान करना चाहिए- दीपिका

दीपिका ने आगे कहा- ' लोग फिर भी वीडियो देखकर आहत हो जाते हैं। लोगों को यह समझना चाहिए कि मैं एक एक्ट्रेस हूं और एक इंसान भी। मैं हर समय एक जैसी नहीं रह सकती हूं।'

काम के बारे में बात करते हुए दीपिका ने कहा- ' मैंने हाल ही में अरुण गोविल के साथ एक फिल्म की, जिसमें मैंने एक गुस्सैल हाउस वाइफ की भूमिका निभाई है। वह हमेशा अपने पति के साथ लड़ती है। एक एक्ट्रेस के तौर पर मैं हमेशा अलग-अलग किरदारों की खोज करती रहूंगी। मुझे इस फ्रीडम की जरूरत है। मैं अपने फैंस की अपेक्षाओं को पूरा करने की कोशिश जरूर करती हूं, लेकिन उन्हें भी मेरी पसंद का भी सम्मान करना चाहिए।'

रामायण के अलावा इन फिल्मों- टीवी शोज में काम कर चुकी हैं दीपिका

दीपिका ने 80 के दशक में प्रसारित रामानंद सागर की रामायण में सीता की भूमिका निभाई थी। इस शो के जरिए उन्हें देशभर में मां सीता की छवि के रूप में पहचान मिली। हालांकि, इसका असर दीपिका के करियर पर भी पड़ा। सीरियल के बाद उन्हें मॉर्डन लड़कियों के किरदार मिलने बंद हो गए।

बता दें कि रामायण के अलावा दीपिका रामानंद सागर के सीरियल विक्रम और वेताल, दादा दादी की कहानी, लव कुश,

द स्वोर्ड ऑफ सुलतान जैसे शोज में काम किया है।

1983 में की थी करियर की शुरुआत

उन्होंने अपने करियर की शुरुआत साल 1983 में आई फिल्म सुन मेरी लैला से की थी, इसके बाद वो 1986 में आई फिल्म भगवान दादा, 1989 में बंगाली फिल्म आशा ओ भालोबाशा, 1984 में खुदाई, 1986 में चीख, 1987 में रात के अंधेरे में और 1992 में नांगल(तमिल) फिल्मों नजर आईं। दीपिका की आखिरी फिल्म गालिब थी, जिसमें उन्होंने मुस्लिम महिला की भूमिका निभाई थी। इसके अलावा साल 2019 में एक्ट्रेस ने आयुष्मान खुराना की फिल्म बाला में काम किया था इस फिल्म में दीपिका ने यामी गौतम की मां का किरदार निभाया था। कोरोनाकाल के दौरान एक बार फिर दूरदर्शन पर पुराने कार्यक्रमों को दिखाने का फैसला किया गया। इसके जरिए एक बार फिर रामायण को जबरदस्त लोकप्रियता मिली।

रोहित शेट्टी के शो की तैयारियों में जुटी यह हसीना

रोहित शेट्टी का चर्चित शो खतरों के खिलाड़ी का 13वां सीजन शुरू होने वाला है। इस शो में प्रतिभागी खतरनाक स्टंट करते नजर आते हैं। इस बार भी शो में कई नामी सितारे खतरों का सामना करते नजर आएंगे। इनमें से एक मॉडल-एक्ट्रेस साउंडूस मौफकीर भी होंगी। साउंडूस डेटिंग बेस्ड शो 'एमटीवी स्प्लिट्सविला 14' की विनर रह चुकी हैं। 'खतरों के खिलाड़ी 13' के लिए साउंडूस खास तैयारी कर रही हैं।

साउंडूस मौफकीर स्टंट आधारित शो में हिस्सा लेने के लिए बेहद उत्साहित हैं। इस शो का हिस्सा बनने के लिए वह तैयारियों में जुटी हुई हैं। यहां तक कि वह हिंदी भी सीख रही हैं। साउंडूस ने एक मीडिया इंटरव्यू के दौरान यह कहा। उन्होंने कहा, ' शो 'खतरों के खिलाड़ी 13' मेरे लिए सिर्फ एक शो नहीं है, बल्कि एक ऐसा प्लेटफॉर्म है, जहां मैं अपनी क्षमताओं और सीमाओं का परीक्षण करूंगी।'

साउंडूस ने कहा कि वह ऑडियंस से जुड़ने के लिए हिंदी सीख रही हैं। उन्होंने कहा, 'मेरा मानना है कि भाषा कभी भी खुद को अभिव्यक्त करने के लिए बाधा नहीं बननी चाहिए और मैं ऑडियंस के साथ अच्छे से कनेक्ट होना चाहती हूं। मैं इस शो के प्रति शुक्रगुजार हूं, जिसने मुझे एक नई भाषा सीखने का अवसर दिया और मैं इसका फायदा उठाने की पूरी कोशिश ूंगी।' साउंडूस ने कहा, 'मुझे उम्मीद है कि हिंदी स्किल्स को सुधारने और बेहतर करने की मेरी मेहनत को दर्शक पसंद करेंगे और शो में मेरे डर से सामना करने के मोमेंट को एंजॉय करेंगे।' आपको बता दें कि साउंडूस मौफकीर रियलिटी शो 'रोडीज' में भी नजर आ चुकी हैं। बात करें इस चर्चित शो की तो बता दें कि 17 जुलाई को इस शो का प्रीमियर कलर्स चैनल पर किया जाएगा। इसके बाद हर शनिवार-रविवार रात 9:30 बजे दर्शक इसे देख सकेंगे। साउंडूस के अलावा इस शो के लिए शिव ठाकरे, अंजलि आनंद, रूही चतुर्वेदी, अंजुम फकीह, अर्जित तनेजा, मधुर मौफकीर, अर्चना गौतम, नायरा बनर्जी और सुमेध मुद्गलकर के नाम कंफर्म हो गए हैं।

आरआरआर व बाहुबली 2 पर रिलीज से पहले ही भारी पड़ी 'पुष्पा 2'

साउथ सुपरस्टार अल्लू अर्जुन की फिल्म 'पुष्पा' के दूसरे पार्ट 'पुष्पाः द रूल' को लेकर फैंस का बज काफी ज्यादा हाई है। इस फिल्म से जुड़ा हर एक अपडेट लोगों का ध्यान बखूबी अपनी ओर खींच लेता है। इसी कड़ी में इसका इंतजार कर रहे फैंस के लिए एक बड़ी खुशखबरी सामने आई है। साथ ही मेकर्स और स्टार की भी चांदी हो गई है। रिपोर्ट की मानें तो, 'पुष्पा 2' ने रिलीज से पहले ही 'आरआरआर' और 'बाहुबली 2' जैसी फिल्मों का रिकॉर्ड तोड़ दिया है।

65 करोड़ में बिके 'पुष्पा 2' के ऑडियो राइट्स

'पुष्पा 2' के ऑडियो राइट्स को लेकर एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इसका सौदा 65 करोड़ रुपये में हुआ है। इस तरह फिल्म ने रिलीज से पहले ही 'आरआरआर' और 'बाहुबली 2' जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों को धूल चटा दी है। जहां 'बाहुबली 2' के ऑडियो राइट्स 10 करोड़ रुपये में बिके थे। तो वहीं, 'आरआरआर' के ऑडियो राइट्स का सौदा 25 करोड़ रुपये में किया गया था।

'पुष्पा 2' में क्या होगा खास

रिपोर्ट के मुताबिक, 'पुष्पाः द रूल' में दर्शकों को काफी कुछ नया देखने को मिलने वाला है। फिल्म की कहानी को पहले पार्ट में पुष्पा के जरिए शेखावत को दी गई धमकी के बाद से आगे बढ़ाया जाएगा। पुष्पा ने शेखावत से कहा था कि उसके शरीर पर वर्दी तो होगी लेकिन कोई भी उसकी एक नहीं सुनेगा। दूसरे पार्ट में पुष्पा जेल में बंद नजर आएगा, जिसे लेकर गांववाले बखेड़ा खड़ा कर देंगे। पूरा गांव पुलिस प्रशासन के खिलाफ होगा और ढेरों दंगे होंगे।

'पुष्पाः द रूल' का संगीत

वहीं, संगीतकार डीएसपी ने हाल ही में 'पुष्पा 2' के संगीत को लेकर कहा था, 'हर कोई पुष्पा 2 फिल्म और इसके संगीत का इंतजार कर रहा है। मैं वास्तव में उस प्यार के लिए शुक्रगुजार हूं जो सभी ने हम पर बरसाया है। जिस तरह से निर्देशक सुकुमार सर ने कहानी लिखी है वह अद्भुत है। हम हमेशा की तरह इस फिल्म के लिए बहुत मेहनत और लगन से काम कर रहे हैं।' डीएसपी ने यह भी जानकारी दी थी कि सेकेंड पार्ट के लिए कुछ गाने तैयार भी कर लिए गए हैं।

निर्मला सीतारमण बोलीं- क्षेत्रीय विकास के लिए बदलाव के रुख वाले मजबूत एडीबी की जरूरत

नई दिल्ली, 4 मई (एजेंसियां)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने एक मजबूत एशियाई विकास बैंक (एडीबी) की जरूरत पर जोर दिया है। सीतारमण ने गुरुवार को कहा कि हमें ऐसे एडीबी की जरूरत है जो सतत और जुझारू क्षेत्रीय विकास के लिए वृद्धिशील नहीं, बल्कि बदलाव वाला रुख अपनाए। सीतारमण ने कहा कि आज दुनिया ईंधन, भोजन, उर्वरक, ऋण, ऊर्जा, आपूर्ति श्रृंखला, वित्तीय स्थिरता आदि के 'पुनर्स्थापना' के दौर से गुजर रही है। ऐसे में हमें एक मजबूत एडीबी की आवश्यकता है जो

वृद्धिशील के बजाय बदलाव वाला रुख अपनाए। सीतारमण यहां एडीबी की 56वीं वार्षिक बैठक में भाग लेने आई हैं। भारत 1966 में गठित इस बहुपक्षीय वित्तीय एजेंसी का न केवल संस्थापक सदस्य है बल्कि चौथा सबसे बड़ा शेयरधारक भी है। एशियाई विकास बैंक के गवर्नर बोर्ड की बैठक को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि सालाना बैठक का विषय 'रिबाउंडिंग एशिया: रिकवर, रिकनेक्ट एंड रिफॉर्म' है जो भारत की जी20 की अध्यक्षता की भावना और विषय 'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य' के अनुरूप है। उन्होंने कहा कि कोविड के बाद की दुनिया में विकासशील देशों के सदस्यों (डीएमसी) को एडीबी से अधिक संसाधनों और परिचालन दक्षता की उम्मीद है। सीतारमण ने कहा कि ऐसे में सरकारी और निजी दोनों क्षेत्रों से नए सिरे से जुड़ाव जरूरी है। उन्होंने कहा कि एडीबी को गरीबी कम करने और कम आय वाले देशों (एलआईसी) के विकास के अपने मुख्य एजेंडा पर ध्यान केंद्रित करते हुए वैश्विक सार्वजनिक वस्तुओं (जीपीजी) पर भी गौर करना चाहिए। भारतीय अर्थव्यवस्था के बारे में वित्त मंत्री ने कहा कि मौजूदा आर्थिक अनिश्चितताओं के बावजूद यह मजबूत है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि भारत जलवायु वित्त सहित अन्य मुद्दों पर एडीबी का समर्थन देता रहेगा।

ऊंची पेंशन के लिए नियोक्ता के खाते से होगा भुगतान

श्रम मंत्रालय ने जारी किया बयान

नई दिल्ली, 4 मई (एजेंसियां)। ईपीएफओ में ऊंची पेंशन का विकल्प चुनने वाले अंशधारकों के हिस्से का भुगतान नियोक्ता द्वारा दिए जाने वाले योगदान से होगा। बता दें कि ऊंची पेंशन के लिए अंशधारकों के मूल वेतन का 1.16 प्रतिशत हिस्सा लिया जाएगा।

श्रम मंत्रालय ने बुधवार शाम को बयान जारी कहा कि भविष्य निधि में नियोक्ताओं के कुल 12 प्रतिशत योगदान में से ही 1.16 प्रतिशत अतिरिक्त अंशदान लेने का फैसला किया गया है। श्रम मंत्रालय ने कहा कि ईपीएफ और एमपी अधिनियम के साथ-साथ सामाजिक सुरक्षा संहिता कर्मचारियों से पेंशन कोष में योगदान की परिकल्पना नहीं करती है। बता दें कि सरकार, कर्मचारी पेंशन योजना (ईपीएस) में योगदान के लिए सब्सिडी के रूप में 15 हजार तक के मूल वेतन वाले कर्मचारियों का 1.16 प्रतिशत भुगतान करती है। ईपीएफओ द्वारा संचालित सामाजिक सुरक्षा योजनाओं में नियोक्ता मूल वेतन के 12 प्रतिशत का योगदान देते हैं। नियोक्ता के 12 प्रतिशत हिस्से में से 8.33 प्रतिशत ईपीएस में और बाकी 3.67 प्रतिशत कर्मचारी भविष्य निधि में जमा किया जाता है। अब ईपीएफओ के अंशधारक ऊंची पेंशन पाने के लिए 15 हजार की सीमा से ज्यादा के मूल वेतन पर योगदान का विकल्प चुन सकते हैं। इसके लिए कर्मचारियों को योगदान नहीं देना होगा और नियोक्ता के 12 प्रतिशत हिस्से में से ही मूल वेतन का 1.16 प्रतिशत का योगदान लिया जाएगा। श्रम मंत्रालय ने कहा कि उच्चतम न्यायालय के चार नवंबर 2022 के फैसले के सभी निर्देशों का पालन पूरा कर लिया गया है।

61,000 के रिकॉर्ड स्तर के पार हुआ सोना

चांदी में तेजी जारी, जानिए देश के बड़े शहरों के ताजा दाम

नई दिल्ली, 4 मई (एजेंसियां)। सोने की कीमत में गुरुवार को जबरदस्त बढ़त देखने को मिली है. आज सोना जहां 61,000 के पार चला गया, वहीं चांदी 76,000 के ऊपर कारोबार कर रहा है. 4 मई, 2023 को सोना 61,200 रुपये पर खुला था, लेकिन बाद में यह 61,400 के रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच गया था। सुबह 11.25 मिनट तक सोना कल के मुकाबले 0.69 फीसदी यानी 363 रुपये प्रति 10 ग्राम की बढ़त के साथ 61,328 रुपये पर कारोबार कर रहा है. कल सोना 60,965 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था।

क्या है चांदी का हाल?

सोने के अलावा चांदी के दाम में भी आज बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है. चांदी 76,284 रुपये प्रति किलोग्राम पर खुली है. इसके बाद सुबह 11.30 मिनट तक इसकी कीमत में कुछ गिरावट आई है और यह 800 रुपये या 1.06 फीसदी की तेजी के साथ 76,200 रुपये प्रति किलोग्राम पर कारोबार कर रही है।

इंटरनेशनल बाजार में क्या है हाल?

सोने की कीमत में घरेलू के साथ-साथ इंटरनेशनल मार्केट में भी तेजी दर्ज की जा रही है. कई ब्रोकरेज फर्म ने अनुमान जताया है कि सोना साल के अंत तक 63,000 के स्तर को पार कर जाएगा.एचडीएफसी सिक्योरिटीज का कहना है कि सोने की कीमत इस साल तक 65,000 रुपये प्रति 10 ग्राम रह सकती है। आज इंटरनेशनल मार्केट में सोना 2,040.46 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा है. वहीं चांदी के दाम की बात करें तो यह 25.82 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा है।

देश के प्रमुख शहरों में सोने-चांदी के दाम-

नई दिल्ली- 22 कैरेट सोना 57,150 रुपये प्रति 10 ग्राम, चांदी 77,100 रुपये प्रति किलोग्राम मुंबई- 22 कैरेट सोना 57,000 रुपये प्रति 10 ग्राम, चांदी 77,100 रुपये प्रति किलोग्राम चेन्नई-22 कैरेट सोना 57,500 रुपये प्रति 10 ग्राम, चांदी 82,800 रुपये प्रति किलोग्राम कोलकाता- 22 कैरेट सोना 57,000 रुपये प्रति 10 ग्राम, चांदी 77,100 रुपये प्रति किलोग्राम।

यूएस फेड ने ब्याज दरों को और 25 बेसिस प्वाइंट बढ़ाया

पॉवेल बोले- हालिया बैंकिंग संकट से हालात बिगड़े

नई दिल्ली, 4 मई (एजेंसियां)। अमेरिका की मॉनेटरी पॉलिसी कमिटी (यूएस फेडरल रिजर्व) ने महंगाई को दो फीसदी पर ले जाने के लक्ष्य को हासिल करने के लिए प्रमुख ब्याज दरों को और 25 बेसिस प्वाइंट बढ़ा दिया है। यूएस फेड ने यह फैसला 2-3 मई को हुई बैठक के बाद लिया है। ब्याज दरों को 25 बेसिस प्वाइंट बढ़ाकर 5 प्रतिशत से 5.25 प्रतिशत कर दिया गया है। समिति ने कहा कि वह मुद्रास्फीति के जोखिम को लेकर 'अत्यधिक चौकस' है। ताजा बढ़ोतरी मार्च की बैठक में पिछली दर वृद्धि के समान ही थी और इसने लगातार दसवीं दर वृद्धि को चिह्नित किया। इससे पहले मार्च में भी ब्याज दरों में समान इजाफा किया गया है।

फेड ने लगातार दसवीं बार ब्याज दरों में किया है इजाफा

फेड की ओर से लगातार दसवीं बार ब्याज दरों में वृद्धि की गई है। अमेरिकी फेडरल रिजर्व के अध्यक्ष जेरोम पॉवेल ने दो दिवसीय मौद्रिक नीति समीक्षा बैठक के बाद कहा कि अमेरिका में हालिया बैंकिंग संकट के कारण ऋण की स्थिति और सख्त करनी पड़ी है। इससे आर्थिक गतिविधियों पर असर पड़ सकता है। पॉवेल ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि महंगाई से निपटने के लिए पिछले एक साल से पहले से ही मौद्रिक नीति में सख्ती बरती जा रही है।

बैंकिंग सेक्टर में उभरे तनाव के कारण फेड को होना पड़ा और सख्त

फेड प्रमुख के अनुसार मार्च की शुरुआत में बैंकिंग क्षेत्र में उभरे तनाव के कारण चीजें और कठिन हुई हैं। इसके परिणामस्वरूप परिवारों और व्यवसायों के लिए ऋण की स्थिति और सख्त।की गई है। उन्होंने कहा कि ऋण की सख्त स्थिति का असर आर्थिक गतिविधियों, रोजगार और मुद्रास्फीति पर पड़ने की आशंका है। पॉवेल ने कहा कि इन प्रभावों की सीमा अनिश्चित बनी हुई है।

कौन हैं वर्ल्ड बैंक के नए मुखिया अजय बंगा

रोज कमाते हैं 52 लाख रुपये, मैगी वाली कंपनी से शुरू किया था काम

नई दिल्ली, 4 मई (एजेंसियां)। दुनिया में एक बार फिर भारतीय टैलेंट का डंका बजा है। इस बार विश्व बैंक ने भारतीय मूल के अजय बंगा को अपना मुखिया चुना है। विश्व बैंक ने बुधवार को ऐलान किया कि अजयपाल सिंह बंगा को नया अध्यक्ष बनाया जाएगा. वह 2 जून से इस पद को संभालेंगे। बंगा विश्व बैंक के निवर्तमान मुखिया डेविड मालपास की जगह लेंगे। पहली बार भारतीय मूल के व्यक्ति के तौर पर यह पद संभालने वाले बंगा ने अपने करियर की शुरुआत मैगी बनाने वाली कंपनी नेस्ले में बतौर सेल्स की थी। विश्व बैंक बोर्ड ने फैसला किया है कि बंगा को 5 साल के लिए मुखिया बनाया जाएगा। बोर्ड ने विश्व बैंक ग्रुप के सतत विकास की प्रक्रिया को आगे बढ़ाते हुए अजयपाल सिंह बंगा को यह बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है. अब वह साल 2028 तक विश्व बैंक की अगुवाई करेंगे। लंबे समय से उनके नाम की चर्चा विश्व बैंक के अगले मुखिया के तौर पर की जा रही थी और आखिरकार बोर्ड ने अब इस पर मुहर लगा दी है। 63 वर्षीय अजयपाल सिंह बंगा भारतीय-अमेरिकी नागरिक हैं, जो अभी इक्विटी कंपनी जनरल अटलांटिक के वाइस चेयरमैन हैं। इससे पहले अजय ने सिटीग्रुप और नेस्ले कंपनी के साथ भारत में भी काम किया है। इसके बाद मास्टरकार्ड के साथ भी लंबे समय तक जुड़े रहे। डच इन्वेस्टमेंट होल्डिंग फर्म एक्जॉर के चेयरमैन पद को भी उन्होंने लंबे समय तक संभाला। अजय बंगा के पिता हरभजन बंगा भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट थे और उनका लगातार ट्रांसफर होता रहता था। यही कारण रहा कि अजय की परवरिश भी भारत के विभिन्न शहरों में हुई।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

३ मंगल	२ गुरु सूर्य राहु बुध	१२	११ शनि
४			१०
५	७ चंद्र केतु		९
६		८	

ग्रह स्थिति

ग्रह	राशि	लग्नारंभ समय	
सूर्य-	मेष में	मेष-	04-44 बजे
चंद्र-	तुला में	वृष-	06-28 बजे
मंगल-	मिथुन में	मिथुन-	08-28 बजे
बुध-	मेष में	कर्क-	10-41 बजे
गुरु-	मेष में	सिंह-	12-52 बजे
शुक्र-	मिथुन में	कन्या-	15-00 बजे
शनि-	कुंभ में	तुला-	17-05 बजे
राहु-	मेष में	वृश्चिक-	19-15 बजे
केतु-	तुला में	धनु-	21-28 बजे
		मकर-	23-35 बजे
		कुंभ-	01-25 बजे
		मीन-	03-03 बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2080
शक संवत् -1945, सूर्य उत्तरायणे,ऋतु- ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् -2549,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426876
सूर्योदय- 05-52 सूर्य अस्त- 18-33
कलियुग संवत् -5124 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949124
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885124
दिशाशूल -- पश्चिम - दही खाकर घर से निकल
तिथि- पूर्णिमा - 23 -03 तक उपरान्त प्रतिपदा
मास - वैशाख शुक्ल पक्ष , शुक्रवार May 05
नक्षत्र - स्वाति - 21- 39 - तक उपरान्त विशाखा
योग - सिद्ध - 09 - 15 - तक उप - व्यतिपात
करण- विष्टि - 11 - 28 - तक उप- बव
विशेष:- पीपल पूर्णिमा व्रत,
व्रत -त्योहार - श्री बुध जं.,श्री कूर्म जं.

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए ।

राहुकाल 10:37 से 12:13 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
चंचल	05:52 - 07:25 शुभ	रोग.	18:33 - 20:00 अशुभ
लाभ	07:25 - 09:01 शुभ	काल.	20:00 - 21:24 अशुभ
अमृत	09:01 - 10:37 शुभ	लाभ	21:24 - 22:49 शुभ
काल	10:37 - 12:13 अशुभ	उत्पात	22:49 - 00:13 अशुभ
शुभ	12:13 - 13:49 शुभ	शुभ	00:13 - 01:37 शुभ
रोग	13:49 - 15:25 अशुभ	अमृत	01:37 - 03:01 शुभ
उत्पात	15:25 - 17:00 अशुभ	चंचल	03:01 - 04:25 शुभ
चंचल	17:00 - 18:33 शुभ	रोग	04:25 - 05:52 अशुभ

मंदी का असर? अब कॉग्निजेंट ने 3500 कर्मचारियों को निकालने का किया एलान

नई दिल्ली, 4 मई (एजेंसियां)। अमेरिका और यूरोप देशों में मंदी की आशंका के कारण कई कंपनियां प्रभावित हुई हैं। भारत समेत ग्लोबल स्तर पर छंटनी का दौर जारी है। पिछले साल की तुलना में साल 2023 में छंटनी ज्यादा हुई है। जनवरी से लेकर अप्रैल तक कई दिग्गज कंपनियों ने कर्मचारियों को निकाला है और अब एक और कंपनी का नाम इस लिस्ट में जुड़ चुका है. अमेरिका की बड़ी कंपनी कॉग्निजेंट अब 3,500 कर्मचारियों को निकालने का फैसला किया है. इससे पहले फेसबुक, माइक्रोसॉफ्ट और अमेजन समेत कई आईटी कंपनियों ने 1.5 लाख से ज्यादा कर्मचारियों को बाहर का रास्ता दिखाया है। भारत के कर्मचारियों पर भी इसका असर हुआ है। जानकार के रेवेन्यू में साल दर साल 0.3 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है और रेवेन्यू 4.81 अरब डॉलर पर पहुंच चुका है। कंपनी का मुनाफा साल दर साल बढ़ा है, जिसने करीब 3 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की है। तिमाही के लिए कंपनी की बुकिंग पिछले बारह महीने के आधार पर 25.6 अरब डॉलर रही है, जो Q4FY22 में 24.1 अरब डॉलर से ज्यादा थी। कंपनी अपने खर्चों को मैनेज करने के लिए छंटनी का फैसला किया है. फिलहाल कॉग्निजेंट में 3 लाख 55 हजार 300 कर्मचारी हैं। कॉग्निजेंट ने छंटनी एक्सेंचर के बाद हुई, जिसने घोषणा की थी कि 19,000 लोगों निकाला जाएगा. कॉग्निजेंट ने इस फैसले का जिम्मेदार नेक्स्टजने प्रोग्राम को दिया है, जिसके तहत कंपनी ने कहा है कि वह अपने ऑपरेटिंग मॉडल को सरल करना चाहता है। ईबीएम ने फैसला किया है कि वह अब कर्मचारियों की हायरिंग नहीं करेगी।

बैंकिंग-एनबीएफसी स्टॉक्स में तेजी की बदौलत 550 अंकों के उछाल के साथ बंद हुआ सेंसेक्स

निफ्टी में 150 अंकों की तेजी

नई दिल्ली, 4 मई (एजेंसियां)। बैंकिंग और एनबीएफसी शेयरों में जबरदस्त खरीदारी की बदौलत भारतीय शेयर बाजार शानदार तेजी के साथ बंद हुआ है। वैसे भारतीय बाजारों में एफएमसीजी सेक्टर को छोड़ सभी सेक्टर के शेयरों में खरीदारी देखी गई। फेड के ब्याज दरें बढ़ाने का भारतीय बाजारों के सेंटीमेंट पर कोई नेगेटिव असर नहीं हुआ। आज का कारोबार खत्म होने पर बीएसई सेंसेक्स 556 अंकों के उछाल के साथ 61,749 और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 166 अंकों के उछाल के साथ 18,255 अंकों पर क्लोज हुआ है। आज के कारोबार में बैंकिंग, आईटी, फार्मा, मेटल्स, एनर्जी, इंफ्रा, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, हेल्थकेयर, ऑयल एंड गैस सेक्टर के शेयर तेजी के साथ बंद हुआ जबकि केवल एफएमसीजी स्टॉक्स में गिरावट देखने को मिली है। स्मॉलकैप और मिडकैप स्टॉक्स में भी खरीदारी देखी गई। सेंसेक्स के 30 शेयरों में 21 शेयर तेजी के साथ और 9 गिरकर बंद हुए। जबकि निफ्टी के 50 शेयरों में 37 शेयर तेजी के साथ और 13 गिरकर बंद हुए।

चढ़ने-गिरने वाले शेयर्स

आज के ट्रेड में बजाज फाइनैंस 3.43 फीसदी, एचडीएफसी 2.64 फीसदी, एचडीएफसी बैंक 2.08 फीसदी, बजाज फिनसर्व 2.06 फीसदी, एशियन पेंट्स 1.82 फीसदी, एसबीआई 1.72 फीसदी, टीसीएस 1.26 फीसदी, रिलायंस 1.16 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ है। जबकि इंडसइंड बैंक 0.98 फीसदी, नेस्ले 0.76 फीसदी, टाटा मोटर्स 0.65 फीसदी, आईटीसी 0.62 फीसदी, पावर ग्रिड 0.40 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ है।

निवेशकों की संपत्ति में जबरदस्त उछाल

आज के कारोबार में शेयर बाजार में तेजी की बदौलत निवेशकों की संपत्ति में 2 लाख करोड़ रुपये का उछाल देखने के मिला है। बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप 275.16 लाख करोड़ रुपये पर जा पहुंचा जो बुधवार को 273.24 लाख करोड़ रुपये रहा था। यानि आज के ट्रेड में निवेशकों की संपत्ति में 1.92 लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई है।

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
यदि आपका बच्चा परीक्षा में अच्छा नहीं कर पाता है तो उसे डांटे नहीं। बल्कि आपको उसे अगली बार अच्छा करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। आपको याद रखना चाहिए कि सभी एक जैसे नहीं होते। यदि आप एक अच्छा जीवन व्यतीत करना चाहते हैं और एक स्थिर जीवन स्तर बनाए रखना चाहते हैं।

वृष ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो,
कुल मिलाकर स्वास्थ्य ठीक रहेगा लेकिन यात्रा भागदौड़ भरी और तनावपूर्ण साबित होगी। मुमकिन है कि आज आपको पैसों से जुड़ी परेशानी का सामना करना पड़े, लेकिन अपनी सूझबूझ और सूझबूझ से आप अपने नुकसान को फायदे में बदल सकते हैं। आपका आकर्षण और व्यक्तित्व आपको कुछ नए दोस्त बनाने में मदद करेगा।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, हा,
काम का दबाव आज कुछ तनाव और तनाव ला सकता है। आज आपको जमीन-जायदाद या सांस्कृतिक परियोजनाओं से जुड़े मुद्दों पर ध्यान देना चाहिए। अपने जीवनसाथी के साथ अपनी गोपनीय जानकारी साझा करने से पहले सोच-विचार लें। हो सके तो इससे बचने की कोशिश करें क्योंकि वह इसे किसी और को बता सकता है।

कर्क ही, हू, हे, हो, डा , डी, डू, डे, डो,
लंबी बीमारी से मुक्ति मिल सकती है। जिन लोगों ने किसी अनजान व्यक्ति की सलाह पर पैसा लगाया था उन्हें आज लाभ मिलने की प्रबल संभावना है। कुछ लोग आपको परेशान कर सकते हैं, बस उन्हें नजरअंदाज करें। जो लोग अभी तक अविवाहित हैं उन्हें आज किसी खास से मुलाकात होने की संभावना है।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
धार्मिक भावनाओं का उदय होगा जिसके कारण आप किसी पवित्र व्यक्ति से कुछ दैवीय ज्ञान प्राप्त करने के लिए किसी धार्मिक स्थान पर जाएंगे। बिना किसी पूर्व सूचना के आज आपके घर आया कोई मेहमान आपकी आर्थिक परेशानी बढ़ा सकता है।

कन्या टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ट, पे ,पो,
आपका आवेगी स्वभाव आपके लिए गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं पैदा कर सकता है। यदि आप यात्रा कर रहे हैं तो अपने कीमती सामान का विशेष ध्यान रखें। लापरवाही से कार्य करने से आपकी वस्तुओं की चोरी या खो जाने की संभावना बढ़ सकती है। बच्चे और परिवार दिन का फोकस हैं।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आर्थिक तंगी आपको कुछ अवसाद देगी। जिन लोगों ने किसी रिश्तेदार से उधार लिया था उन्हें आज वह पैसा किसी भी हालत में वापस करना पड़ सकता है। आपके परिवार के सदस्य राई का पहाड़ खड़ा कर सकते हैं। अपने प्रेमी को आज बेवजह की मांग न करने दें।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, या, यी ,यू,
एक संतुष्ट जीवन के लिए अपनी मानसिक दृढ़ता में सुधार करें। पैसों के मामले में आज जीवनसाथी के साथ आपका झगड़ा हो सकता है। हालांकि आप अपने शांत रवैये से सब कुछ ठीक कर लेंगे। अपने घर में ज्यादा कुछ न करते हुए दूसरों का ध्यान आकर्षित करने के लिए, यह उपयुक्त दिन है।

धनु ये, यो,य, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
अपने स्वास्थ्य के प्रति अतिरिक्त सावधानी बरतें, विशेषकर रक्तचाप के रोगी। आज आप अपने कारोबार को मजबूत करने के लिए कुछ महत्वपूर्ण फैसले ले सकते हैं, जिसके लिए आपका कोई करीबी आर्थिक मदद कर सकता है। किसी दूर के रिश्तेदार से मिली अप्रत्याशित खबर आपके दिन को खुशनुमा बना देगी।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, ग, गी
जीवनसाथी का स्वास्थ्य तनाव और चिंता की वजह बन सकता है। आर्थिक कठिनाइयों आलोचना और तर्क-वितर्क का कारण बन सकती हैं- ऐसे लोगों को ना कहने के लिए तैयार रहें जो आपसे बहुत अधिक उम्मीद रखते हैं। एक दूसरे की बातों को समझकर निजी समस्याओं का समाधान करें।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सि, सू, से, सो, द,
आपके आस-पास के लोगों का समर्थन मिलने से आप खुश होंगे। आपकी अवास्तविक योजना के कारण धन की कमी होगी। बच्चे कुछ असंतोष का कारण बन सकते हैं क्योंकि वे अपने दोस्तों के साथ अधिक जुड़ते हैं और घर पर या अपनी पढ़ाई में कम ध्यान देते हैं।

मीन दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
खेलों और अन्य बाहरी गतिविधियों में भाग लेने से आपको अपनी खोई हुई ऊर्जा वापस पाने में मदद मिलेगी। अगर आप अपने दोस्तों के साथ कहीं घूमने का प्लान बना रहे हैं तो सोच समझकर पैसा खर्च करें, क्योंकि आपको धन हानि होने की संभावना है। बहन का स्नेह आपको प्रोत्साहित करेगा।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

रिलायंस के शेयरधारकों को सौगात

मिलेगा जियो फाइनेंशियल सर्विसेज का शेयर, डिमर्जर पर लगी मुहर

नई दिल्ली, 4 मई (एजेंसियां)। देश की सबसे बड़ी निजी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरधारकों और क्रेडिटर्स ने फाइनेंशियल सर्विसेज कारोबार वाली कंपनी रिलायंस स्ट्रैटजिक वेंचर्स के डिमर्जर को मंजूरी दे दी है। इस वित्तीय कंपनी का नाम जियो फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड रखा जाएगा. डिमर्जर के पक्ष में 100 फीसदी वोट पड़े हैं। और अब इसी के साथ जियो फाइनेंशियल सर्विसेज के स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्टिंग का रास्ता भी साफ हो गया है। लेकिन इस डिमर्जर के चलते सबसे बड़ा लाभ रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरधारकों को होगा। उन्हें हर एक रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर के बदले में

जियो फाइनेंशियल सर्विसेज का एक शेयर अलॉट किया जाएगा। दिग्गज बैंकर के वी कामथ डिमर्जर के बाद नए एनटीटी के नॉन-एग्जीक्यूटिव चेयरमैन होंगे। रिलायंस इंडस्ट्रीज अक्टूबर 2022 में नतीजों के एलान के साथ ही फाइनेंशियल सर्विसेज से जुड़ी कंपनी के डिमर्जर का एलान किया था। नई कंपनी को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट कराया जाएगा। इस बात के कयास लगाये जा रहे हैं कि रिलायंस इंडस्ट्रीज दिवाली से पहले अक्टूबर महीने में जियो फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड की स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्टिंग करा सकती है। हालांकि इस प्रक्रिया को पूरा करने से पहले रेग्यूलेट से मंजूरी की आवश्यकता होगी। ब्रोकरेज हाउसेज इस डिमर्जर को लेकर बेहद उत्साहित है। जेफ्रीज के मुताबिक जियो फाइनेंशियल सर्विसेज का नेटवर्थ 28,000 करोड़ रुपये है साथ ही कंपनी का पास रिलायंस इंडस्ट्रीज की 6.1 फीसदी हिस्सेदारी है जिसका वैल्यू 96000 करोड़ रुपये से ज्यादा है। जेपी मार्गन ने अपने एक नोट में कहा था कि डिजिटल और रिटेल सेक्टर में रिलायंस की मजबूती का जियो फाइनेंशियल सर्विसेज को बहुत लाभ मिलेगा।

मदर डेयरी ने धारा कुकिंग ऑयल के दाम घटाए

अब 15 से 20 रुपये प्रति लीटर सस्ता मिलेगा

नई दिल्ली, 4 मई (एजेंसियां)। मदर डेयरी ने धारा ब्रांड के तहत बेचे जाने वाले अपने खाद्य तेलों के अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) में तत्काल प्रभाव से भारी कटौती कर दी है। अब इनके दाम में 15 से 20 रुपये प्रति लीटर की कटौती की गई है। कम एमआरपी वाले स्टॉक के अगले सप्ताह बाजार में आने की उम्मीद है। दरअसल, खाद्य मंत्रालय ने खाद्य तेल उद्योग निकाय एसईए को खाना पकाने वाले तेल के एमआरपी में संशोधन की आवश्यकता के संबंध में निर्देश दिए थे। इसके बाद ही यह फैसला लिया गया है।मदर डेयरी के प्रवक्ता ने बताया कि धारा खाद्य तेलों के एमआरपी में तत्काल प्रभाव से विभिन्न प्रकारों में 15-20 रुपये प्रति लीटर कम की जा रही है। यह कमी मोटे तौर पर सोयाबीन तेल, राइसब्रान तेल, सूरजमुखी और मूंगफली के तेल जैसे वैरिएंट के लिए की गई है। ऐसा अंतरराष्ट्रीय बाजारों में प्रभाव में कमी और घरेलू फसल की उपलब्धता में आसानी की वजह से किया गया है।धारा रिफाइंड सोयाबीन तेल (1 लीटर पॉली पैक) का एमआरपी 170 रुपये से घटाकर 150 रुपये कर दिया गया है। धारा रिफाइंड राइस ब्रान ऑयल का एमआरपी अब 190 रुपये प्रति लीटर से घटाकर 170 रुपये प्रति लीटर हो जाएगा। कंपनी ने धारा रिफाइंड सूरजमुखी तेल का एमआरपी 175 रुपये प्रति लीटर से घटाकर 160 रुपये कर दिया है। धारा मूंगफली तेल का एमआरपी 255 रुपये प्रति लीटर से घटाकर 240 रुपये कर दिया गया है खाद्य तेल उद्योग निकाय सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एसईए) ने अपने सदस्यों को खाद्य तेलों की गिरती कीमतों के अनुरूप एमआरपी कम करने की सलाह दी थी।

बेटी या भतीजा, किधर खड़े हैं पवार

पार्टी अध्यक्ष पद से इस्तीफे का ऐलान या पकड़ मजबूत बनाने का प्लान

मुंबई, 4 मई (एक्सक्लूसिव डेस्क)। 17 अप्रैल 2023। शरद पवार की बेटी सुप्रिया सुले ने कहा कि 15 दिन में महाराष्ट्र की राजनीति में दो बड़े विस्फोट होंगे। इसके ठीक 10 दिन बाद यानी 27 अप्रैल को शरद पवार ने कहा कि रोटी सही समय पर न पलटे तो कड़वी हो जाती है। रोटी पलटने का वक्त आ गया है। ये दोनों बयान जिस तरफ संकेत दे रहे थे, वो अब हो गया है।

शरद पवार ने राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी का अध्यक्ष पद छोड़ने का ऐलान कर दिया। इस ऐलान के बाद शरद पवार के भतीजे अजित पवार ने कहा- नए चेहरों को आगे लाना एनसीपी की परंपरा रही है। इन सभी बयानों से साफ पता चलता है कि यह फैसला बेहद सोच-समझकर लिया गया है और इसके बारे में दोनों संभावित राजनीतिक वारिस सुप्रिया सुले और अजित पवार को भी मालूम था। आइए जानते हैं कि शरद पवार ने अभी ही क्यों किया इस्तीफे का ऐलान? इसके पीछे की वजहें क्या हो सकती हैं?

बढ़ती उम्र और बीमारी, अपने सामने पार्टी लीडरशिप का ट्रांसफर करना चाहते हैं। ये संभावना सबसे मजबूत है। शरद पवार कैंसर सर्वाइवर हैं और उम्र 82 पार हो चुकी है। माना जा रहा है कि वो अपने सामने पार्टी लीडरशिप का ट्रांसफर देखना चाहते हैं।

अप्रैल 2021 में शरद पवार के पेट में तेज दर्द होने की वजह से उनका ऑपरेशन किया गया था। जनवरी 2022 में शरद पवार कोरोना संक्रमित हो गए थे। 1 नवंबर 2022 को अचानक से तबीयत बिगड़ गई थी। इसके बाद उन्हें कैंडी अस्पताल में भर्ती किया गया था। शरद पवार के इस्तीफे के बाद उनके भतीजे अजित पवार ने भी कहा कि 'उम्र और स्वास्थ्य की वजहों से पवार साहब ने अपना पद छोड़ा है। वे अब अपना फैसला वापस नहीं लेंगे। कुछ दिनों पहले ही उन्होंने पार्टी के नेतृत्व को बदलने की बात कही थी।'

सुप्रीम कोर्ट में सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली 5 जजों की बेंच ने पिछले दिनों उद्धव सरकार गिरने के मामले में उद्धव गुट, शिंदे गुट और राज्यपाल की ओर से दलीलें सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था। इसके बाद से महाराष्ट्र में सियासी हलचल तेज है। सियासी गलियारों में चर्चा है कि अजित पवार, प्रफुल्ल पटेल और सुनील तटकरे जैसे नेताओं ने शरद पवार से मुलाकात की और कहा कि हमें बीजेपी के साथ जाना चाहिए। अगर सुप्रीम कोर्ट शिंदे गुट के विधायकों को अयोग्य करार देती है तो सरकार बचाने के लिए एनसीपी विधायकों की जरूरत भी होगी। साथ ही बीजेपी को लोकसभा चुनाव में 40% वोट चाहिए तो भी एनसीपी की जरूरत होगी। माना जाता है कि शरद पवार इसके लिए तैयार नहीं थे। इसके बाद 18 अप्रैल को खबर आई कि अजित पवार 10 से 15 विधायकों के साथ बीजेपी में जा सकते हैं। इसी बीच अजित पवार ने अपने ट्विटर बायो से एनसीपी का चुनाव चिह्न हटा लिया।

इसके बाद शिवसेना सांसद संजय राउत कहते हैं कि शरद पवार हमारे अलायंस के गार्जियन हैं। हम सब उनके साथ हैं। उद्धव ठाकरे भी उनके साथ हैं। हमारी इस बारे में बातचीत भी हो गई है। कोई गलतफहमी में ना रहे कि महाविकास आघाड़ी टूट जाएगा। राउत के इस बयान को अजित पवार पर हमला माना गया।

इसके बाद अजित पवार का बयान आया कि हम कहीं नहीं जा रहे हैं। अजित ने राउत पर तंज कसते हुए कहा कि अन्य दलों के नेता एनसीपी के प्रवक्ताओं की तरह व्यवहार कर रहे हैं। पॉलिटिकल एक्सपर्ट शरद पवार के इस्तीफा देने के फैसले को दबाव की राजनीति से जोड़ रहे हैं। उनका मानना है कि शरद पवार के कहने पर ही संजय राउत ने ऐसा बयान दिया था। एक थ्योरी दी जा रही है कि शरद पवार सुप्रिया सुले के हाथ पार्टी की कमान सौंप देंगे। इससे नाराज अजित पवार बीजेपी की तरफ जा सकते हैं। इससे सुप्रिया सुले को पार्टी की कमान मिल जाएगी और अजित पवार को पार्टी से बगावत का बहाना।

21 अप्रैल को एनसीपी ने कर्नाटक चुनाव के लिए अपने स्टार प्रचारकों की सूची जारी की, लेकिन इसमें वरिष्ठ नेता अजित पवार का नाम नहीं था। इसी दिन अजित मुंबई में एनसीपी की एक बैठक में भी शामिल नहीं हुए।

इस बैठक में एनसीपी अध्यक्ष शरद पवार, महाराष्ट्र एनसीपी के अध्यक्ष जयंत पाटिल, प्रफुल्ल पटेल, सुप्रिया सुले, सुनील तटकरे और छगन भुजबल जैसे वरिष्ठ नेता शामिल हुए। इसी वजह से यह चर्चा है कि पवार परिवार में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। ऐसे में माना जा रहा है कि शरद पवार ने अध्यक्ष पद से इस्तीफा देकर पार्टी को एकजुट रखने के लिए एक इमोशनल कार्ड चला है। शरद पवार के इस्तीफा देने के बाद अजित ने बयान भी दिया कि हम सब एक परिवार हैं और हम चाचा शरद पवार से अपने फैसले पर फिर से विचार करने के लिए कहेंगे। पवार परिवार में एनसीपी पर वर्चस्व को लेकर भी घमासान है। एक ओर जहां शरद पवार की बेटी सुप्रिया सुले दावेदार हैं तो वहीं दूसरी तरफ भतीजे अजित पवार भी पार्टी पर दावा ठोकते रहते हैं। संभव है कि शरद पवार अपने इस इमोशन फैसले के जरिए परिवार के विवाद को खत्म करने की कोशिश कर रहे हों।

बालासाहेब ठाकरे की स्ट्रैटजी पर अब पवार

साल 1992 की बात है। बाला साहेब ठाकरे के पुराने साथी और शिवसैनिक माधव देशपांडे ने कहा कि बाला साहेब के बेटे उद्धव ठाकरे और भतीजे राज ठाकरे पार्टी के मामलों में दखलअंदाजी कर रहे हैं। ये बात बाला साहेब को नागवार गुजरी। यह पहली बार था, जब किसी शिवसैनिक ने उन पर सवाल खड़े किए थे। बाला साहेब के परिवार पर जो आरोप लगाया गया था, वह उनको बिल्कुल पसंद नहीं था।

उन्होंने सामना में एक लेख के जरिए परिवार समेत शिवसेना पार्टी छोड़ने का ऐलान कर दिया। जैसे ही ये बात सामने आई, शिवसैनिक घरों से निकलकर प्रदर्शन करने लगे। वे बाला साहेब के घर के सामने आत्महत्या करने की धमकी देने लगे। मुंबई की सड़कें जाम हो गईं।

पार्टी में बाला साहेब के विरोध के स्वर थम गए। उन्हें मनाने की कोशिशें शुरू हो गईं। आखिरकार बाला साहेब ने शिवसैनिकों की अपील मान ली। उनके इस फैसले से शिवसेना महाराष्ट्र की राजनीति में पहले से और ज्यादा मजबूत पार्टी बनकर सामने आई।

शरद पवार अध्यक्ष पद छोड़ने का ऐलान कर अपनी ताकत को परखना चाहते हैं। वे यह देखना चाहते हैं कि जिस पार्टी को उन्होंने बनाया, आज उसमें उनके साथ कितने लोग खड़े हैं। सारी परिस्थितियों का आकलन करने के बाद वे कोई बड़ा फैसला ले सकते हैं। शिवसेना सांसद संजय राउत का कहना है कि बाला साहेब की तरह ही इस बार शरद पवार ने भी फैसला लिया है।

आईएएस पति को छोड़ नौकर से शादी

नौकर ने 600 करोड़ की प्रॉपर्टी हड़प आंगन में जिंदा दफनाया

मैसूर, 4 मई (एक्सक्लूसिव डेस्क)। बीते 21 अप्रैल को वेब सीरीज 'डांसिंग ऑन द ग्रेव' रिलीज हुई। 4 पार्ट में बनी इस सीरीज में एक रईसजादी शकीरा खलीली के अपने नौकर श्रद्धानंद से बेइंतिहा इश्क, उसके अचानक लापता होने और फिर उसकी हत्या को दिखाया गया। इसकी कहानी खुद डायरेक्टर पैट्रिक ग्राहम ने लिखी है। ये सीरीज भारत सहित करीब 250 देशों में रिलीज की गई। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने शकीरा की हत्या के आरोप में उम्रकैद की सजा काट रहे श्रद्धानंद की पैरोल पर जेल से बाहर आने की अर्जी नामंजूर कर दी।

मैसूर के दीवान की बेटी शाकिरा खलीली ने की थी आईएएस से पहली शादी

मैसूर राजघराने के दीवान की बेटी और सर मिर्जा इस्माइल की पोती शकीरा खलीली बेहद खूबसूरत और स्टाइलिश थी। उसका अंदाज राजसी था।

कम उम्र में ही उसकी शादी एक आईएफएस अफसर अकबर मिर्जा खलीली के साथ हो गई। अकबर ऑस्ट्रेलिया में भारत के हाई कमिश्नर रह चुके थे और एक दमदार शख्सियत के मालिक थे।

वक्त जैसे पंख लगाकर उड़ रहा था। उनकी शादी को 25 साल का अरसा बीत गया। दोनों की 4 बेटियां थीं। उनकी जिंदगी खुशहाल तरीके से बीत रही थी। मगर शकीरा को किसी बात की कमी खल रही थी।

मुरली पर फिदा हो गई थी शकीरा

शादी के 25 साल बाद शकीरा की जिंदगी में उस वक्त अचानक एक नया मोड़ आ गया, जब उसकी मुलाकात एक पार्टी में मुरली मनोहर मिश्रा नाम के शख्स से हुई। शकीरा ने अकबर खलीली को तलाक दे दिया और 1986 में मुरली मनोहर मिश्रा से शादी कर ली। इसके बाद मुरली मनोहर मिश्रा ने अपना नाम बदलकर श्रद्धानंद रख लिया।

शकीरा अचानक गायब हुई, बेटी ने पुलिस में दर्ज कराई रिपोर्ट

अप्रैल 1991 में श्रद्धानंद ने पत्नी शकीरा की करोड़ों की प्रॉपर्टी हड़पने के लिए पहले चाय में नींद की दवा देकर उन्हें बेहोश किया, फिर बेंगलुरु की रिचमंड रोड पर बने बंगले में ले जाकर ताबूत में बंद कर जिंदा दफना दिया। मां के अचानक गायब होने पर बेटी मुंबई से बेंगलुरु पहुंची। बेटी ने श्रद्धानंद से मां के संबंध में पूछा तो उसने कहा- शकीरा प्रेग्नेंट है और अमेरिका के रुजवेल्ट हॉस्पिटल में चेकअप के लिए गई है।

बेटी ने अमेरिका में पता लगाया, लेकिन मां वहां नहीं मिली। इसके बाद बेटी ने मां की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। राजघराने से जुड़ा मामला होने के कारण पुलिस ने तेजी से जांच शुरू की, लेकिन कुछ पता नहीं चला। इस केस को बंद करने की नौबत आई गई थी, लेकिन ठीक 3 साल बाद ऐसा कुछ हुआ, जिसने पुलिस को कातिल तक पहुंचा दिया।

नशे में धुत नौकर ने शराब के ठेके पर कही ऐसी बात, मामला खुलता चला गया

पुलिस को पहला शक श्रद्धानंद पर ही था, उससे पूछताछ भी की गई, लेकिन उसके रसूख के कारण पुलिस सख्ती नहीं बरत पा रही थी। वो 29 अप्रैल 1994 की रात थी। बेंगलुरु क्राइम ब्रांच का कॉन्स्टेबल शराब के ठेके पर बैठा था, तभी शराब के नशे में धुत एक शख्स आया। वह कॉन्स्टेबल के सामने ही डींगे हांकने लगा। कहने लगा कि जिस शकीरा को पुलिस ढूंढ रही है, वो तो जिंदा ही नहीं है। पुलिस ने उसे कस्टडी में लेकर पूछताछ की। ये शख्स श्रद्धानंद का नौकर था। उसने बताया कि श्रद्धानंद ने शकीरा को जिंदा ही ताबूत में बंद कर दफना दिया है। सख्ती से पूछताछ की तो उसने श्रद्धानंद की करतूत का खुलासा कर दिया। नौकर की बताई कहानी की पुष्टि के बहाने पुलिस टीम श्रद्धानंद के घर पहुंची।

बंगले में जमीन खोदकर निकाला था शव

यह अपराध शकीरा की 600 करोड़ रुपए की संपत्ति हड़पने के लिए किया गया था, जिसे अप्रैल-मई 1991 में किसी समय नशीला पदार्थ देकर जिंदा दफन कर दिया गया। लाश निकाली गई और 30 अप्रैल, 1994 को श्रद्धानंद को गिरफ्तार कर लिया गया। साल 2000 में एक निचली अदालत ने उसे मृत्युदंड की सजा सुनाई थी। 2005 में कर्नाटक हाईकोर्ट ने सजा-ए-मौत को कायम रखा। इसके बाद श्रद्धानंद की अपील पर सुप्रीम कोर्ट ने 2008 में मौत की सजा को बिना किसी छूट के उम्र कैद में बदल दिया।

बहरहाल, इस सीरीज के जरिए पूरी कहानी को फिर से दुनिया के सामने लाने की कोशिश की गई है। इसमें उन लोगों के बयान देखने को मिल सकते हैं, जो इस केस से जुड़े रहे या फिर इसमें शामिल थे।

सुप्रीम कोर्ट में रिहाई के लिए दे चुका है अर्जी

दरअसल, 81 साल का श्रद्धानंद अपनी पत्नी शकीरा खलीली की हत्या के आरोप में 1994 से उम्रकैद की सजा काट रहा है। पिछले साल उसकी तरफ से सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की गई याचिका में कहा गया कि जिस तरह राजीव गांधी के हत्यारों को रिहा किया गया है, उसे भी 29 साल कैद में रहने के बाद अब जेल से रिहा किया जाए।

सड़क हादसे में 11 लोगों की मौत

सभी एक ही परिवार के, शादी में जा रहे थे, मृतक के परिजनों को 4-4 लाख मुआवजे का ऐलान

बालोद/धमतरी/कांकेर, 4 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में बुधवार रात हुए भीषण सड़क हादसे में एक ही परिवार के 11 लोगों की मौत हो गई है। सभी शादी समारोह में बोलेरो से जा रहे थे। रास्ते में ट्रक ने गाड़ी को टक्कर मार दी। इसके चलते मौके पर ही सभी की मौत हो गई। एक घायल डेढ़ साल की बच्ची ने रायपुर ले जाते वक्त दम तोड़ा है। सीएम बघेल ने मृतक के परिजनों को 4-4 लाख रुपए मुआवजे का ऐलान किया है।

जानकारी के मुताबिक, धमतरी जिले के सोरेम गांव का साहू परिवार कांकेर जा रहा था। बुधवार रात को करीब 9.30 बजे इनकी गाड़ी नेशनल हाईवे-30 पर बालोद के जगतरा पहुंची। इसी दौरान सामने से आ रहे ट्रक ने बोलेरो को टक्कर मार दी। मौके पर ही एक बच्चे, 5 महिला और 4 पुरुषों की मौत हो गई। फरार ट्रक चालक की तलाश जारी है।

घटना के बाद हाईवे से गुजर रहे लोगों की सूचना पर पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। फिर सभी को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। साथ ही घायल बच्ची को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया था। जहां से उसकी हालत को देखते हुए उसे रायपुर रेफर कर दिया गया था, लेकिन रास्ते में हो उसने दम तोड़ दिया। मृतक परिवारों से जब बात की गई तो पता चला कि यह सब सामान्य परिवार के थे और रोजी मजदूरी कर अपना जीवन यापन कर रहे थे, जिसके कारण आने वाले समय में उन्हें आर्थिक समस्याओं से भी जूझना पड़ सकता है। गुरूर के सऊदी में 3 डॉक्टरों की टीम पोस्टमार्टम कर रही है। यहां प्रशासनिक अधिकारी भी मौके पर मौजूद है।

प्रक्रिया जल्द पूरी होने के बाद शवों को उनके गृह ग्राम के लिए रवाना किया जाएगा। एसपी डॉक्टर जितेंद्र ने बताया घटना की जांच के लिए एक स्पेशल टीम का गठन किया गया है। जल्द से जल्द फरार ट्रक चालक को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

नक्सलियों के खिलाफ लॉन्च होगा बड़ा ऑपरेशन

अरनपुर की घटना के बाद डीजीपी ने ली हाईलेवल मीटिंग, अब अटैकिंग मोड पर काम करेगी फोर्स

दंतेवाड़ा/सुकमा, 4 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में दंतेवाड़ा जिले के अरनपुर में हुई नक्सल घटना के बाद फोर्स अब अटैकिंग मोड पर काम करेगी। बस्तर में नक्सलियों के खिलाफ अब संयुक्त रूप से बड़ा ऑपरेशन लॉन्च किया जाएगा। दंतेवाड़ा, बीजापुर, नारायणपुर, सुकमा में फोर्स को नक्सलियों के कोर इलाके में भेजने की तैयारी की जा रही है। दरअसल, डीजीपी अशोक जुनेजा ने पुलिस अफसरों की हाईलेवल मीटिंग ली। इस मीटिंग में 10 डीआरजी जवानों और एक वाहन चालक की शहादत का बदला लेने गोपनीय रणनीति बनाई गई है।

दरअसल, छत्तीसगढ़ के डीजीपी अशोक जुनेजा पिछले 2 दिनों से बस्तर में ही हैं। बुधवार को उन्होंने सुकमा में अफसरों की बैठक ली थी। वहीं आज गुरुवार को वे दंतेवाड़ा पहुंचे हैं। यहां भी उन्होंने दंतेवाड़ा, सुकमा, बीजापुर और बस्तर जिले के पुलिस अधिकारियों की बैठक ली है। हालांकि, बैठक में जो भी निर्णय लिया गया और रणनीतियां बनी है यह पूरी तरह से गोपनीय है। यदि सूत्रों की माने तो इस बैठक में नक्सली गतिविधियों और पुलिस की इंटेलिंजेस टीम के कामों की समीक्षा की गई है।

चूक कहां हुई?

अरनपुर में आईईडी ब्लास्ट कर नक्सलियों ने डीआरजी जवानों से भरी वाहन को उड़ाया था। सुरक्षाबलों के 2 कैंपों के बीच नक्सलियों ने वारदात की थी। फोर्स की चूक कहां हुई? डीजीपी समेत पुलिस के अफसर इस बात का पता लगाने में जुटे हुए हैं। पिछले 4 सालों से दंतेवाड़ा जिला शांत था। यहां से नक्सलियों के बैकफुट होने की बात कही जा रही थी। आखिर इस जिले में नक्सलियों ने कैसे इतनी बड़ी वारदात कर दी इस बात का भी पता लगाया जा रहा है। डीजीपी अशोक जुनेजा ने पुलिस जवानों का हौसला भी बढ़ाया है। साथ ही नक्सलियों के टीसीओसी को देखते पूरे बस्तर में फोर्स को अलर्ट कर दिया है।

बताया जा रहा है कि इस बैठक में डीजीपी अशोक जुनेजा ने पुलिस अफसरों को निर्देश दिया है कि, सरहदी इलाकों में एक दूसरे जिले की फोर्स का सहयोग करें। यदि सरहदी इलाकों में नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना मिलती है तो दोनों तरफ से नक्सलियों को घेरने की तैयारी की जाए। डीजीपी ने बस्तर में सुरक्षा के बीच चल रहे सड़क निर्माण कार्यों की भी जानकारी ली। साथ ही सर्चिंग बढ़ाने के निर्देश दिए हैं।

गैंगस्टर फहीम खान के बेटे इकबाल पर हमला सीने में लगी दो गोली

धनबाद, 4 मई (एजेंसियां)। धनबाद में एक बार फिर गोली की आवाज गूंजी है। बुधवार की रात नौ बजे गैंगस्टर फहीम खान के बड़े बेटे इकबाल खान और उसके साथी बबलू उर्फ ढोलू मियां को निशाना बनाकर फायरिंग की गयी है। ढोलू मियां को आंख में गोली लगी और घटनास्थल पर उसकी मौत हो गयी। इकबाल को सीने में दो गोलियां लगी है उसे दुर्गापूर मिशन रेफर किया गया है। इकबाल के सीने में दो गोली लगी है। उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें दुर्गापुर मिशन रेफर किया गया है।

ढोलू की आंख में गोली लगी, नन्हे हत्याकांड का चश्मदीद ढोलू ही था जिसकी अब हत्या कर दी गयी । फहीम गैंग के खास नन्हें की हत्या 24 नवंबर 2021 को की गयी थी। इस हत्याकांड की जानकारी मिलने के बाद फहीम गैंग से जुड़े सभी लोग अस्पताल पहुंचे। घटना बुधवार रात लगभग 9.30 बजे की बताई जा रही है।

'नंदकुमार के फैसले से बीजेपी को कोई फर्क नहीं पड़ेगा'

सांसद विजय बघेल बोले- कांग्रेस के कई बड़े नेता भाजपा में होने वाले हैं शामिल

दुर्ग, 4 मई (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के वरिष्ठ आदिवासी नेता नंदकुमार साय के पार्टी छोड़ने के निर्णय पर दुर्ग सांसद ने आश्चर्य जताया है। उन्होंने कहा कि पता नहीं उनको क्या हो गया, किस सोच के साथ उन्होंने कांग्रेस का दामन थाम लिया, जबकि उनकी मानसिकता कहीं से भी कांग्रेस की रीति-नीति से नहीं मिलती है।

नंद कुमार साय 1 मई को छत्तीसगढ़ में कांग्रेस में शामिल हो गए। रायपुर में कांग्रेस मुख्यालय में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और पार्टी अध्यक्ष मोहन मरकाम की मौजूदगी में साय को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता दिलाई गई। बघेल ने साय का पार्टी में स्वागत किया और कहा था कि इनका कांग्रेस प्रवेश यहां के आदिवासियों के हित के लिए है। इसके बाद से भाजपा के अलग-अलग नेताओं के इस मामले पर बयान आ रहे हैं। दुर्ग सांसद विजय बघेल ने साय के इस निर्णय को पूरी तरह से गलत बताया है।

दुर्ग में पत्रकारों से चर्चा के दौरान उन्होंने कहा कि साय छत्तीसगढ़ के सम्मानीय नेता है। भाजपा ने उन्हें राष्ट्रीय और राज्य स्तर में कई बड़ी जिम्मेदारी दी थी। अविभाजित मध्यप्रदेश के समय उन्हें मुख्यमंत्री के समकक्ष नेता प्रतिपक्ष जैसी जिम्मेदारी दी गई थी। पता नहीं उनको क्या हो गया, किस सोच के साथ उन्होंने कांग्रेस का दामन थाम लिया, जबकि उनकी मानसिकता कहीं से भी कांग्रेस की रीति-नीति से नहीं मिलती है। सांसद ने कहा कि साय हमेशा से देश हित राष्ट्र हित में और छत्तीसगढ़ का कैसे विकास हो इस पर लड़े।

उन्होंने छत्तीसगढ़ में शराब खोरी न हो, सट्टा खोरी न हो इसके लेकर लड़ाई लड़ी, लेकिन जो सरकार शराबखोरी, सट्टाखोरी, गुंडागर्दी और भ्रष्टाचार में डूबी है, ऐसी सरकार की पार्टी में मिलना, पता नहीं कौन सी सोच रही होगी कि साय उनसे जुड़े। मैं उनसे निवेदन करता हूं कि इस उम्र आपने जो निर्णय लिया है उसमें विचार करना चाहिए। मेरे दिल में उनके प्रति बहुत सद्भावना है लोग मुझसे सवाल कर रहे हैं, इसलिए मैं ये बात बोल रहा हूं। नंदकुमार साय दो बार के पूर्व लोकसभा सांसद और तीन बार के विधायक रह चुके हैं। पूर्व में अविभाजित मध्यप्रदेश और बाद में छत्तीसगढ़ राज्य में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष के रूप में भी काम किया है। साय को सरगुजा संभाग (उत्तरी छत्तीसगढ़) के आदिवासी बहुल हिस्सों में एक प्रभावशाली नेता माना जाता है। उत्तरी छत्तीसगढ़ से ताल्लुक रखने वाले साय पहली बार 1977 में मध्यप्रदेश में तपकरा सीट (अब जशपुर जिले में) से जनता पार्टी के विधायक चुने गए थे। सांसद विजय बघेल ने कहा कि साय एक बड़े और सम्मानीय नेता हैं, लेकिन बीजेपी एक महा सागर है। उसमें कई बड़े और छोटे नेता आते हैं और जाते हैं। साय के जाने से पार्टी को कोई फर्क नहीं पड़ने वाला है, लेकिन इतना जरूर है कि साय का निर्णय पूरी तरह से गलत है।

सांसद बघेल ने कहा कि साय को पार्टी में जॉइन कराकर कांग्रेस अधिक खुश न हो। जल्द ही बीजेपी में कांग्रेस से कई बड़े चेहरे भाजपा में जॉइन करने वाले हैं। ये कौन हैं इसकी जानकारी जल्द ही उनके पार्टी जॉइन करते ही पता चल जाएगी।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को सीबीआई का समन

रांची, 4 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को सीबीआई की विशेष अदालत ने समन भेजा है। सीबीआई ने उन्हें पूर्व राष्ट्रीय शूटर तारा शाहदेव और रंजीत कोहली उर्फ रकीबुल हसन के मामले में समन किया है। यह मामला धर्म परिवर्तन, यौन उत्पीड़न और दहेज प्रताड़ना का है जिसमें मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के गवाह बनाया गया है। रंजीत कोहली उर्फ रकीबुल हसन इस मामले में लंबे समय से जेल में बंद हैं। मामले में मुख्य आरोपी रंजीत कोहली उर्फ रकीबुल हसन के बचाव पक्ष की ओर से अदालत को गवाहों की सूची में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को नाम है। रंजीत कोहली की वकील की तरफ से दी गयी सूची को सीबीआई के विशेष न्यायाधीश पीके शर्मा की अदालत में मंजूर भी कर लिया गया है। साथ ही, राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को गवाह के रूप में समन भी जारी कर दिया गया है। अभियोजन की ओर से 26 गवाहों की गवाही पूरी होने के बाद अदालत की ओर से रंजीत कोहली उर्फ रकीबुल हसन को सूची देने का आदेश दिया गया था। बताया जाता है कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन रंजीत कोहली उर्फ रकीबुल हसन के घर के एक आयोजन में शामिल हुए थे। उस वक्त वह विपक्ष के नेता थे। इसी आयोजन को आधार बनाते हुए रंजीत कोहली ने हेमंत सोरेन का नाम दिया है।

रूसी सांसद की जेलेंस्की पर हमले की मांग

पूर्व प्रेसिडेंट मेदवेदेव ने कहा- उन्हें मारने के अलावा कोई रास्ता नहीं, वो हिटलर जैसे हैं

मॉस्को, 4 मई (एजेंसियां)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के घर क्रेमलिन पर बुधवार को हुए हमले के बाद रूस की संसद में जेलेंस्की पैलेस पर हमले की मांग उठने लगी है। रूस के पूर्व राष्ट्रपति और पुतिन के करीबी दिमित्री मेदवेदेव ने कहा- अब हमारे पास जेलेंस्की को मारने के अलावा कोई रास्ता नहीं बचा है।

तास न्यूज एजेंसी के मुताबिक, अपने टेलीग्राम चैनल पर मेदवेदेव ने लिखा- जेलेंस्की को बिना शर्त आत्मसमर्पण करने की भी जरूरत नहीं है। हिटलर ने भी ऐसा नहीं किया था। जेलेंस्की उनके ही सब्स्टिट्यूट हैं। वहीं हमले के बाद सुरक्षा प्रोटोकॉल को देखते हुए पुतिन को उनके घर नोवो- ओगारेवो के बंकर में शिफ्ट कर दिया गया है। वो वहीं से आज अपने काम निपटाएंगे।

अमेरिका बोला- अटैक की बात कंफर्म नहीं कर सकते

रूसी संसद में भी हमले के बाद जेलेंस्की को जवाब देने की मांग उठ रही है। क्रीमिया क्षेत्र के राज्य ड्यूमा के डिप्टी मिखाइल शेरेमेट ने कहा कि ड्रोन अटैक के बदले रूस को भी कीव में वोलोदिमीर जेलेंस्की के घर पर मिसाइल से

हमला करना चाहिए।

वहीं अमेरिका ने क्रेमलिन पर हमले की बात की पुष्टि करने से इनकार कर दिया है। विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा- हमने अटैक की रिपोर्ट देखी है। हम नहीं कंफर्म कर सकते कि ये सही है या नहीं। हमें इस बारे में नहीं पता है। मॉस्को के जंगल में मिले तीसरे ड्रोन के टुकड़े।

दूसरी तरफ, क्रेमलिन पर 2 ड्रोन से स्ट्राइक के कुछ ही देर बाद मॉस्को में एक और ड्रोन मिला था। रूसी इमरजेंसी सर्विस को कोलोम्ना के एक जंगल में ड्रोन के विंग्स, इंजन और छोटा फनल मिला। इन सभी टुकड़ों को जांच के लिए भेज दिया गया है।

इससे पहले यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने साफ कर दिया था कि क्रेमलिन पर ड्रोन अटैक यूक्रेन ने नहीं किए। उन्होंने कहा- ये रूस का नाटक था। हमे अपने सैनिकों को सिर्फ यूक्रेन की रक्षा करने के आदेश दिए हैं। उन्हें रूस पर अटैक की इजाजत नहीं है।

बुधवार शाम को रूसी राष्ट्रपति पुतिन के घर क्रेमलिन पर 2 ड्रोन से अटैक किया गया था। दोनों ड्रोन क्रेमलिन के डोम पर क्रैश हुए थे। हालांकि, हमले के वक्त पुतिन वहां मौजूद नहीं थे। अटैक के बाद रूस ने कहा था- हम इसे आतंकी हमला मानते हैं। यह प्रेसिडेंट को जान से मारने की साजिश थी। रूस के पास इस हमले का जवाब देने का अधिकार है। इसके लिए जगह और वक्त का चुनाव भी रूस ही करेगा।

रूस की इस धमकी के बाद यूक्रेन की राजधानी कीव में एयर अटैक के अलार्म एक्टिव कर दिए गए थे। क्रेमलिन पर ये अटैक 9 मई को होने वाली विक्ट्री डे परेड से 6 पहले किया गया। स्पोक्सपर्सन दिमित्री पेस्कोव ने कहा- इस तरह की हरकतों से हम डरने वाले नहीं हैं। हमारे रडार और ट्रैकिंग सिस्टम से ड्रोन का पता लगा लिया और उन्हें नष्ट कर दिया गया। पेस्कोव ने कहा- हम साफ कर देना चाहते हैं कि विक्ट्री डे परेड भी शेड्यूल के मुताबिक ही होगी। कुछ दिन पहले रूस ने आशंका जताई थी कि पुतिन पर हाईटेक ड्रोन से हमला किया जा सकता है।

चार्ल्स के राज्याभिषेक से ठीक पहले तेज हुई उपनिवेशवादी दौर के लिए माफी की मांग

लंदन, 4 मई (एजेंसियां)। उपनिवेशवाद के लिए ब्रिटेन से माफी मांगने की तेज होती मांग में अब ऑस्ट्रेलिया के मूलवासी भी शामिल हो गए हैं। उन्होंने ब्रिटिश राजा चार्ल्स थर्ड से औपचारिक रूप से माफी मांगने के साथ ही ब्रिटिश राजशाही के धन का उनके बीच बंटवारा करने और उपनिवेशवाद के दौरान लूटी गई कलाकृतियों एवं मानव अवशेषों को लौटाने की मांग की है। चार्ल्स के राज्याभिषेक से ठीक पहले तेज हुआ यह अभियान अब तक 12 देशों में फैल चुका है। इन देशों के मूलवासी नेताओं ने किंग चार्ल्स को पत्र लिख कर उनसे औपचारिक माफी मांगने और अधिराज्य देशों को ब्रिटिश विरासत से मुक्त कर गणराज्य घोषित करने की मांग की है। इनमें सबसे ताजा नाम ऑस्ट्रेलियाई मूलवासियों का जुड़ा है।

ऑस्ट्रेलिया की एबऑरिनिजल (मूलवासी) ओलिंपिक एथलीट नोवा पेरिस ने कहा है- 'हमें मालूम है कि यह राजपरिवार के लिए कठिन संवाद है। लेकिन बदलाव की शुरुआत दूसरों की बात सुनने से ही होती है।' नोवा अपने देश में लेबर पार्टी की तरफ से सीनेटर भी रह चुकी हैं।

जंग में रूस की तरफ से पत्रकार ने दागी मिसाइल

कहा- ये यूक्रेन को मेरी तरफ से हैलो, हम नाजियों से लड़ रहे

मॉस्को, 4 मई (एजेंसियां)। रूस-यूक्रेन जंग में सिर्फ सैनिक ही नहीं बल्कि मौका मिलने पर पत्रकार भी रॉकेट दाग रहे हैं। जंग को कवर कर रहे रूस के एक ऐसे ही रिपोर्टर का वीडियो वायरल हो रहा है। इसमें वो रूस की तरफ से रॉकेट को लोड और फायर करते हुए दिख रहा है।

वीडियो को यूक्रेन के एक पूर्व प्रोसिक्यूटर ग्यूंदुज मामेदोव ने शेयर किया है। उन्होंने पत्रकार के इस तरह जंग में हिस्सा लेने की आलोचना की है। वहीं, कुछ लोग इसे रूस का प्रोपेगैंडा भी बता रहे हैं।

रिपोर्टर ने कहा ये यूक्रेन को मेरी तरफ से 'हैलो' है

वायरल वीडियो में दिख रहा है कि पहले रिपोर्टर रूसी सैनिकों से बातचीत कर रहा है। इसके बाद वो सैनिकों की रॉकेट लोड करने में मदद करने लग जाता है। इस दौरान वो कहता है कि जंग में इस तरह से किसी पत्रकार का मदद करना गलत है। हालांकि, ये एक स्पेशल केस है।

ये कहने के बाद वो मल्टिपल लॉन्च रॉकेट सिस्टम में एक रॉकेट फिट करता है और कहता है कि ये उसकी तरफ से यूक्रेन को हैलो है।

अपनी इस हरकत को जायज ठहराने के लिए वो कहता है कि रूस अपनी मातृभूमि के लिए लड़ रहा है। वो यूक्रेनी सैनिकों को नाजी भी कहता है।

जंग में रूस के 1 लाख से ज्यादा सैनिकों की मौत

रूस-यूक्रेन जंग को लेकर सोमवार को अमेरिका कि इंटेलिजेंस एजेंसी ने नई जानकारियां रिलीज की थी। इसमें दावा किया गया था कि जंग में अब तक रूस के एक लाख से ज्यादा सैनिक मारे जा चुके हैं। वहीं पिछले 5 महीनों में 80 हजार घायल हुए हैं।

अमेरिका के नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के प्रवक्ता जॉन किर्बी ने इंटेलिजेंस के हवाले से बताया था कि पिछले 5 महीनों में 20 हजार से ज्यादा सैनिकों की मौत हुई है। इनमें आधे से ज्यादा प्राइवेट मिलिट्री ग्रुप वैनगर के लड़ाके थे। जिन्होंने यूक्रेन के बाखमुत इलाके में लड़ते हुए जान गंवाई है।

पोप फ्रांसिस जंग खत्म करने के लिए सीक्रेट मिशन चला रहे

दुनिया के सबसे बड़े ईसाई धर्म गुरु पोप फ्रांसिस ने कहा है कि वो रूस-यूक्रेन जंग को रुकवाने के लिए एक सीक्रेट मिशन पर काम कर रहे हैं। इसकी जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि बिना बातचीत के शांति कायम नहीं हो सकती है। एक मिशन चलाया जा रहा है। अभी उसे सार्वजनिक नहीं किया जा सकता है।

सर्बिया के स्कूल में फायरिंग, 9 स्टूडेंट्स की मौत

> मारे गए स्टूडेंट्स एक ही क्लास के
>14 साल का आरोपी गिरफ्तार

बेलग्रेड, 4 मई (एजेंसियां)। सर्बिया की राजधानी बेलग्रेड के एक स्कूल में बुधवार को एक स्टूडेंट ने फायरिंग कर दी। इससे एक ही क्लास के 9 स्टूडेंट्स की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कुछ गंभीर रूप से घायल हो गए। इन्हें हॉस्पिटल में एडमिट कराया गया है। फायरिंग 14 साल के लड़के ने की। वह 7वीं क्लास में पढ़ता है। उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने स्कूल खाली कराने के बाद उसे सील कर दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक हमले में छात्रों के साथ कुछ टीचर्स भी घायल हुए हैं। उन्होंने भागने की कोशिश जरूर की, लेकिन नाकाम रहे। एक सिक्योरिटी गार्ड भी घायल हुआ है। होम मिनिस्ट्री ने इस घटना की पुष्टि की है। उसने कहा कि मामले की जांच की जा रही है।

एक स्टूडेंट के पिता ने कहा- मैं खुशकिस्मत हूं कि मेरी बेटी इस हमले में बच गई। वो फायरिंग के वक्त क्लास में ही मौजूद थी। उसने मुझे बताया कि जैसे ही आरोपी स्टूडेंट ने सबसे पहले टीचर पर फायरिंग की तो वो वहां से भागने में कामयाब हो गई। उसने बाद में खिड़की से हत्याकांड देखा। पुलिस ने आठ स्टूडेंट्स के मारे जाने की पुष्टि की है। हालांकि ज्यादातर मीडिया रिपोर्ट्स में मरने वाले स्टूडेंट्स की तादाद 9 बताई गई है। पुलिस ने कहा- आरोपी इसी स्कूल की सातवीं कक्षा का छात्र है। फायरिंग के बाद उसने मौके से भागने की कोशिश की। बाद में उसे स्कूल के बाहर से गिरफ्तार कर लिया गया।

गिरफ्तारी के लिए पुलिस और स्कूल के सिक्योरिटी स्टाफ ने काफी मशक्कत की। एक पुलिस अफसर ने कहा- मैंने देखा कि एक सिक्योरिटी गार्ड टेबल के नीचे छिपा था। उसे भी गोली लगी है। दो लड़कियां क्लास रूम के बाहर घायल मिलीं। स्कूल मैनेजमेंट ने कहा- हम नहीं जानते कि घटना किस वजह से हुई। आरोपी का स्कूल में ट्रैक रिकॉर्ड बहुत अच्छा है। वो कुछ दिन पहले ही इस स्कूल में आया था।

बांग्लादेश को प्रेस की आजादी का पाठ क्यों पढ़ाया अमेरिका ने?

ढाका, 4 मई (एजेंसियां)। बांग्लादेश स्थित अमेरिकी दूतावास ने वर्ल्ड प्रेस फ्रीडम डे के मौके पर प्रेस की स्वतंत्रता पर चर्चा आयोजित कर एक नए विवाद को जन्म दे दिया है। पिछले कुछ महीनों से बांग्लादेश की सत्ताधारी पार्टी अवामी लीग को शिकायत रही है कि अमेरिका बांग्लादेश के अंदरूनी मामलों में दखल दे रहा है। गुजरे समय में अवामी लीग सरकार पर प्रेस की आजादी का दमन करने के आरोप लगते रहे हैं। ढाका स्थित अमेरिकी दूतावास की पहल पर बुधवार को आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न देशों के राजनयिकों को आमंत्रित किया गया। राजनयिकों ने लोकतांत्रिक व्यवस्था में स्वतंत्र प्रेस की भूमिका पर जोर दिया।

जर्मन एयरलाइन पर गो फर्स्ट जैसा संकट

कहा- खराब इंजन के कारण हमारे विमान भी नहीं भर पा रहे उड़ान

नई दिल्ली, 4 मई (एजेंसियां)। गो फर्स्ट ने 9 मई तक उड़ानें रद्द कर दी हैं। इस गंभीर संकट के लिए एयरलाइन ने अमेरिकी कंपनी प्रैट एंड व्हिटनी (पीएंडडब्ल्यू) को कसूरवार बताया था। वहीं, अब जर्मन एयरलाइंस लुफ्थांसा ने भी गो फर्स्ट के बयान का समर्थन किया है।

दरअसल, लुफ्थांसा ने गुरुवार को कहा कि ज्यूरिख में उसके एयरबस एसई ए220 के एक तिहाई बेड़े को प्रैट एंड व्हिटनी इंजन की खराबी के कारण अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है। गौरतलब है, जर्मन एयरलाइंस लुफ्थांसा आजकल विमानों की देरी को लेकर घिरा

हुआ है। हाल ही में आईटी सिस्टम में कुछ समस्या की वजह से दुनिया भर में इस एयरलाइंस के विमानों की उड़ान में देरी हुई थी। गो फर्स्ट के सीईओ कौशिक खोना ने अपने कर्मचारियों से कहा कि एयरलाइन में आई गड़बड़ी का कारण प्रैट एंड व्हिटनी इंजन हैं। इनके बार-बार खराब होने की वजह से एयरलाइन में समस्या आई है। वहीं उन्होंने लीज देने वाले लोगों (पट्टेदार) द्वारा सख्ती करने की बात भी कही। सीईओ ने कहा कि एयरलाइन का बेड़ा घटता जा रहा है। ऐसे में हम पट्टेदारों के भुगतान के लिए राजस्व उत्पन्न करने में असमर्थ हैं। ऐसे में पट्टेदार कठोर कदम उठा रहे हैं। उन्होंने कर्मचारियों को तसल्ली दी। उन्होंने कहा कि हम सभी कर्मचरियों को देखते हुए बहुत सावधानी और चिंता के साथ स्थिती को संभालने की कोशिश कर रहे हैं। गौरतलब है, बुधवार यानी आज सुबह अमेरिकी कंपनी पीएंडडब्ल्यू ने कहा था कि प्रैट एंड व्हिटनी हमारे एयरलाइन ग्राहकों की सफलता के लिए प्रतिबद्ध है।

पहली बार नहीं हुई व्लादिमिर पुतिन की हत्या की कोशिश

हर साजिश को कैसे किया गया नाकाम

मॉस्को, 4 मई (एजेंसियां)। रूस-यूक्रेन के बीच जारी युद्ध में बुधवार को रूस की तरफ से बड़ा दावा किया गया। मॉस्को ने कहा कि यूक्रेन ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन की हत्या की साजिश रची। इसने क्रेमलिन पर ड्रोन से हमला करने की कोशिश की। रूस ने इसे आतंकवादी कृत्य करार दिया। दूसरी ओर कीव ने इन आरोपों को खारिज कर दिया। यह पहली बार नहीं है जब पुतिन पर हमले की कोशिश की गई हो, इससे पहले भी पुतिन के दुश्मन इस तरह की कोशिशें कर चुके हैं।

रूस ने आरोप लगाया कि पुतिन की हत्या करने की साजिश के तहत रूसी राष्ट्रपति के आवास पर ड्रोन से हमले की कोशिश की गई। रूस ने एक बयान में कहा कि दो मानवरहित व्हीकल (ड्रोन) को रूस की ओर भेजा गया था। उनके निशाने पर राष्ट्रपति पुतिन का आवास था। इन्हें को मार गिराया गया है।

पाकिस्तान में 50 हिंदुओं का धर्मांतरण

1 साल की बच्ची भी शामिल, 4 महीने सेंटर में इस्लाम की ट्रेनिंग दी गई, सांसद भी मौजूद रहे

इस्लामाबाद, 4 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के मीरपुरखास में 10 परिवारों के 50 हिंदुओं को मुसलमान बनाया गया है। इनमें 1 साल की बच्ची भी शामिल है। इस मौके पर मजहबी मामलों के मंत्री मोहम्मद ताल्हा महमूद के बेटे मोहम्मद शमरोज खान भी मौजूद रहे। वो खुद भी सांसद हैं।

हिंदुओं का सामूहिक धर्मांतरण कराने के लिए एक स्पेशल सेरेमनी ऑर्गेनाइज की गई। जिन लोगों का मजहब बदलवाया गया है, उन्हें चार महीने तक एक जगह रखा गया, इसे आम बोलचाल में इस्लामी ट्रेनिंग सेंटर कह सकते हैं।

करीब एक महीने पहले हिंदू सांसद दानिश कुमार ने सदन में यह कहकर सबको चौंका दिया था कि उनके सहयोगी सांसद उन्हें इस्लाम अपनाने के लिए लालच देते हैं या दबाव डालते हैं। अब हिंदुओं के सामूहिक धर्मांतरण का मामला सामने आया है।

संगठन ने खुद की पुष्टि

हिंदुओं को मुस्लिम बनाने की इस घटना का खुलासा पाकिस्तान के ही अखबार 'द एक्सप्रेस ट्रिब्यून' ने एक स्पेशल रिपोर्ट में किया है। इसके मुताबिक यह प्रोग्राम बैतुल इमान न्यू मुस्लिम कॉलोनी के एक मदरसे में किया गया। शाहबाज शरीफ सरकार में मजहबी मामलों के मंत्री मोहम्मद ताल्हा महमूद के बेटे और सांसद मोहम्मद शमरोज खान खुद भी इसका हिस्सा बने।

जिस संगठन ने यह धर्मांतरण कार्यक्रम आयोजित किया, उसके केयरटेकर कारी तैमूर राजपूत ने कहा- कुल 10 परिवारों को इस्लाम में शामिल किया गया है। वो मर्जी से मुस्लिम बनने को राजी हुए। हमने कोई दबाव नहीं डाला। इस मौके पर कई स्थानीय लोग मौजूद थे।

एक साल की बच्ची भी अब मुस्लिम

कारी ने कहा- 10 परिवारों के कुल 50 लोगों ने इस्लाम कबूल किया है। इनमें 23 महिलाओं के

अलावा एक साल की बच्ची भी शामिल है। इन सभी लोगों को एक खास सेंटर में रखा गया था। ये सेंटर 2018 में उन लोगों के लिए बनाया गया था, जो दूसरे मजहबों को छोड़कर इस्लाम अपनाते हैं।

कारी ने बताया कि सभी लोगों को इस सेंटर में चार महीने रखा गया। इस दौरान उन्हें मजहबी ट्रेनिंग दी गई और उनकी हर जरूरत पूरी की गई। सेंटर में उन्हें भोजन, कपड़े और दवाइयां भी मुहैया कराई गईं। पिछले 5 साल में अनगिनत लोगों ने दूसरे धर्म छोड़कर इस्लाम अपनाया है।

उन्होंने कहा कि आमतौर पर हम पूरे परिवार को इस्लाम में कन्वर्ट कराते हैं। अगर किसी एक शख्स का धर्मांतरण कराया जाए तो विवाद हो जाता है। चार महीने सेंटर में रहने के दौरान उन्हें कहीं भी आने-जाने की इजाजत होती है। वो चाहें तो ये जगह भी छोड़कर जा सकते हैं।

हिंदू नेता बोले- हम मजबूर हैं

पाकिस्तान के हिंदू एक्टिविस्ट फाकिर शिवा ने इस सामूहिक धर्मांतरण का विरोध किया है। शिवा ने कहा- बिल्कुल साफ नजर आ रहा है कि अब सरकार ही दूसरे मजहब के लोगों का इस्लाम में धर्मांतरण करा रही है। माइनॉरिटीज के लोग कई साल से मांग कर रहे हैं कि इस तरह के कन्वर्जन के खिलाफ सख्त कानून बनाया जाए, लेकिन हमारी बात सुनेगा कौन? सिंध में तो यह बहुत बड़ा मसला बन चुका है। अब तो कैबिनेट मिनिस्टर का सांसद बेटा भी इस तरह के प्रोग्राम में शामिल हो रहा है।

शिवा ने आगे कहा- हमारे लिए ये बहुत फिक्र की बात है कि धर्मांतरण किस पैमाने पर हो रहा है, लेकिन क्या करें? हम मजबूर हैं। हमारी कम्युनिटी में पहले ही बहुत गरीबी है। इसका फायदा मजहबी नेता उठा रहे हैं। लोगों को लालच दिया जाता है, फिर उन्हें कन्वर्ट कराया जाता है।

हिंदू सांसद का दर्द

करीब एक महीने पहले पाकिस्तान के एक हिंदू सांसद ने अपने साथी सांसदों पर धर्म परिवर्तन करने के लिए दबाव बनाने का आरोप लगाया था। बलूचिस्तान के नेता दानिश कुमार ने संसद में कहा था- मुझे इस्लाम के उपदेश न दिए जाएं। पहले अपराधी मुसलमानों को इस्लाम सिखाओ, फिर मुझसे मेरा धर्म बदलने के लिए कहना।

उन्होंने आगे कहा- यहां पर मेरे दोस्त हैं जो मुझसे कहते हैं कि दानिश कुमार कलमा पढ़ लो, मुसलमान हो जाओ। मैं इन लोगों से कहना चाहता हूं कि पहले आप उन शैतानों को इस्लाम का पालन करने के लिए कहें जो मुनाफाखोर हैं। फिर दानिश कुमार के ऊपर आकर तबलीग करें। मैं चाहता हूं कि मुझसे ये वादा किया जाए कि जब तक ये उन लोगों से इस्लाम का पालन नहीं करवाते, तब कर मुझ पर तब्लीग नहीं करेंगे।

कार दुर्घटना में एक सिख दंपती की मौत

वॉशिंगटन, 4 मई (एजेंसियां)। अमेरिका में पिछले हफ्ते सड़क दुर्घटना के दौरान एक सिख दंपत्ति की मौत हो गई। यह घटना पिछले शुक्रवार की है, जब एक कार चालक ने सिख दंपत्ति की वाहन को टक्कर मार दी। इस दौरान दंपत्ति और उनकी पत्नी की मौत हो गई। परमिंदर सिंह बाजवा और उनकी पत्नी हरप्रीत कौर बाजवा अपने बच्चों को स्कूल बस स्टॉप से लेने जा रहे थे। तभी वॉशिंगटन राज्य के एक उपनगर केंट में एक कार चालक ने उन्हें टक्कर मार दी। वाशिंगटन स्टेट पेट्रोल टूपर रिक जॉनसन ने बताया कि कार चालक अपने फोन के लिए पहुंचा था और वह अचानक आने वाले ट्राफिक के बीच ही कार चला दी और दोनों पति- पत्नि को टक्कर मार दी। परमिंदर और हरप्रीत की मौके पर ही मौत हो गई और उन्हें कार चालक को तुरंत पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया। सिख दंपत्ति अपने दो बच्चो के साथ रहते थे, जिसमें आठ साल की बेटी और एक पांच साल का बेटा है। ये दोनों ही बच्चे अब अपने माता-पिता के बिना ही जीवन गुजारने वाले हैं।

भारतीय कंपनियों ने अमेरिका में दी 4.25 लाख नौकरियां

40 अरब डॉलर का किया निवेश

वॉशिंगटन, 4 मई (एजेंसियां)। एक रिपोर्ट में बताया गया है कि भारतीय कंपनियों ने अमेरिका में करीब 40 अरब डॉलर का निवेश किया है। साथ ही इन कंपनियों ने अमेरिका में करीब 4.25 लाख नौकरियां दी हैं। एक सर्वेक्षण में इस बात का खुलासा हुआ है। अमेरिका में भारत के राजदूत तरनजीत सिंह संधू ने यह रिपोर्ट जारी की। इस दौरान भारत में अमेरिका के राजदूत एरिक गार्सेटी भी मौजूद रहे। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) ने 'इंडियन रूट्स, अमेरिकन सॉयल' शीर्षक एक सर्वे रिपोर्ट तैयार की है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि 163 भारतीय कंपनियों ने अमेरिका में अभी तक 40 अरब डॉलर से अधिक का निवेश किया है, जिससे देश में

4,25,000 नौकरियां पैदा हुई हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय कंपनियों ने सामाजिक दायित्व भी बखूबी निभाया है और इस पर करीब 18.5 करोड़ डॉलर खर्च किए हैं। अमेरिका में शोध और विकास परियोजनाओं पर भी इन कंपनियों ने एक अरब डॉलर की फंडिंग की है। अमेरिका में भारतीय राजदूत तरनजीत सिंह संधू ने कार्यक्रम में मौजूद भारतीय कंपनियों के प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए कहा कि 'अमेरिका में भारतीय कंपनियां मजबूती, जुझारूपन और प्रतिस्पर्धा ला रही हैं। ये रोजगार पैदा कर रही हैं और स्थानीय समुदायों को समर्थन भी दे रही हैं।' सीआईआई के महानिदेशक चंद्रजीत बनर्जी ने कहा, 'भारतीय कंपनियों ने अमेरिकी बाजार में अपनी जुझारू क्षमता और प्रतिबद्धता का प्रदर्शन किया है। उन्होंने यहां निवेश बढ़ाने के साथ रोजगार का भी सृजन किया है और विभिन्न क्षेत्रों में विविधीकरण किया है।'

भारतीय कंपनियों द्वारा सृजित नौकरियों से लाभान्वित होने वाले शीर्ष दस राज्यों में टेक्सास (20,906 नौकरियां), न्यूयॉर्क (19,162 नौकरियां), न्यू जर्सी (17,713 नौकरियां), वॉशिंगटन (14,525 नौकरियां), फ्लोरिडा (14,418 नौकरियां), कैलिफोर्निया (14,334 नौकरियां), जॉर्जिया (13,945 नौकरियां), ओहियो (12,188 नौकरियां), मोंटाना (9,603 नौकरियां), इलिनॉयस (8,454 नौकरियां) हैं।

आम चुनाव की तारीख पर जारी है विवाद

पाकिस्तान में बनते-बनते बिगड़ गई बात?

इस्लामाबाद, 4 मई (एजेंसियां)। ऐसा लगता है कि पाकिस्तान में चुनाव के समय को लेकर सत्ता पक्ष और पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के बीच बात फिर बिगड़ गई है। मंगलवार रात दोनों पक्षों ने कहा था कि नेशनल असेंबली और चारों प्रांतीय असेंबलियों के चुनाव साथ-साथ पर उनके बीच सहमति बन गई है। तब सिर्फ यह तय नहीं हो सका था कि ये चुनाव कब होंगे। लेकिन बुधवार को इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने मांग कर दी कि पंजाब में प्रांतीय चुनाव पहले से तय तारीख यानी 14 मई को कराए जाएं।

इस बीच पाकिस्तान के निर्वाचन आयोग ने सुप्रीम कोर्ट में अर्जी देकर उससे पंजाब के चुनाव के बारे में दिए गए आदेश को वापस लेने की गुजारिश की है। 14 मई को चुनाव कराने का आदेश सुप्रीम कोर्ट ने ही दिया था। बाद में सुप्रीम कोर्ट ने संकेत दिया था कि अगर सत्ताधारी गठबंधन पाकिस्तान डेमोक्रेटिक मूवमेंट (पीडीएम) और पीटीआई पूरे देश में एक साथ चुनाव कराने पर राजी हो जाएं, तो वह पंजाब में चुनाव के बारे में अपना आदेश वापस ले सकता है।

बुधवार को पीटीआई ने 13 दलों के गठबंधन पीडीएम के साथ चुनाव के समय के बारे में हुई अपनी बातचीत का ब्योरा सुप्रीम कोर्ट को दिया। उसने बताया कि चुनाव की तारीख के बारे में सहमति नहीं बनी है, इसलिए पंजाब में चुनाव पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुरूप होना चाहिए। पीटीआई अध्यक्ष इमरान खान ने बुधवार को एक वीडियो भी जारी किया, जिसमें उन्होंने अपने समर्थकों से शनिवार को सड़कों पर उतर कर सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस उमर अता बंदियाल के प्रति समर्थन जताने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि देश में कानून के राज की रक्षा के लिए चीफ जस्टिस के साथ सभी लोगों को एकजुटता जाहिर करनी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट में पेश अपनी रिपोर्ट में पीटीआई ने कहा कि कोर्ट के निर्देश के मुताबिक उसने पीडीएम के साथ बातचीत में चुनाव की तारीख पर सहमति बनाने की पूरी कोशिश की। लेकिन इसमें सफलता नहीं मिली। पीटीआई ने बताया कि उसने पूरे देश में एक साथ चुनाव कराने के बारे में सत्ता पक्ष के सामने कुछ शर्तें रखी हैं। उनमें यह शामिल है कि नेशनल असेंबली और सिंध एवं बलूचिस्तान की प्रांतीय असेंबलियों को तुरंत भंग किया जाए। इन सबके भंग होने के बाद 60 दिन के अंदर नेशनल असेंबली और चारों प्रांतीय असेंबलियों के चुनाव कराए जाएं। पंजाब और खैबर पख्तूनवा की प्रांतीय असेंबलियां पहले से ही भंग अवस्था में हैं।

छात्रा ने सीएम से पूछा-आप सच में जादूगर थे ?

जवाब में कहा- पिता जादूगर थे, मैं तो साथ जाता था

उदयपुर, 4 मई (एजेंसियां)। सीएम अशोक गहलोत को उदयपुर दौरे पर थे। इस दौरान एक स्टूडेंट ने सवाल किया- क्या आप सच में जादूगर थे ? इस पर पहले सीएम अशोक गहलोत हंसे और बोले- ये तुम्हें किसने बताया। लेकिन, जब बच्ची सवाल के जवाब को लेकर जिद पर अड़ गई तो जवाब दिया- मेरे पिताजी जादूगर थे। मैं तो साथ में जाता था।

उदयपुर नगर परिषद के ऑडिटोरियम में स्टूडेंट संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। इस कार्यक्रम में सरकार की ओर से चल रही निशुल्क कोचिंग योजना और स्पोर्ट्स से जुड़ी छात्राएं मौजूद थी।

कार्यक्रम में छात्राओं ने स्कूल में फैकल्टी से लेकर कई सवाल किए, जिसके जवाब सीएम अशोक गहलोत ने दिए।

सीएम बोले: दोस्तों को भी जादू दिखाया तो छाप पड़ गई जादूगर की

कार्यक्रम में करौली निवासी भूमिका ने सीएम के जादूगर होने का सवाल किया। भूमिका मीणा निशुल्क कोचिंग योजना के तहत नीट की तैयार कर रही है। भूमिका ने सवाल पूछा तो सीएम ने जवाब दिया कि- मेरे फादर अच्छे जादूगर थे। मैं उनके साथ कभी-कभी भाग लेने चला जाता था। उनके साथ विदेश में जापान और हांगकांग भी गया। हांगकांग में वर्ल्ड सरप्राइज शो था, जिसमें दुनियाभर के जादूगर सरप्राइज वाला जादू दिखाने आए थे। मैंने भी अपने पिता के साथ वहां भाग लिया।

इसके बाद जब कॉलेज में आया तो वहां कॉलेज और दोस्तों के बीच जादू दिखाया तो मुझ पर भी जादूगर की छाप पड़ी।

आगे वे बोले- हमने अभी बजट पेश किया तो लोग बोले- बजट बहुत शान है लेकिन ये लागू कैसे होगा...तो मैंने कहा- मैं जादूगर हूं...सब हो जाएगा।

स्टूडेंट बोलीः मेरे गांव की बच्चियां 5 किमी दूर पढ़ने जाती है, सीएम ने कर दी घोषणा

कार्यक्रम के दौरान उदयपुर में मेडिकल की कोचिंग कर रही डूंगरपुर निवासी शिल्पा डामोर ने सीएम को कहा कि मैं 8वीं तक जिस स्कूल में पढ़ी, वहां टीचर कम थे। इस वजह से माता-पिता आगे नहीं पढ़ाना चाहते थे, लेकिन मेरे टीचर मामा ने मुझे दूसरी जगह 10वीं तक पढ़ाया।

छात्रा ने सीएम से रिक्वेस्ट करते हुए कहा कि आप मेरे गांव के स्कूल को 12वीं तक कर दीजिए, क्योंकि छात्राओं को 8वीं बाद 5किमी दूर पढ़ने जाना पड़ता है और दूरी की वजह से लड़कियों को नहीं भेजते।

इस पर सीएम ने कार्यक्रम में ही स्कूल को 12वीं तक करने की घोषणा की।

इन स्टूडेंट्स ने भी सीएम ने रखी विभिन्न मांग

उदयपुर के रिषभदेव की 11वीं की छात्रा इंदु मीणा ने सीएम से खेल मैदान उपलब्ध कराने का आग्रह किया। इंदु बोली- मैं बॉलीवॉल प्लेयर हूं, हमारे लिए मैदान है लेकिन छोटा है। इसलिए बड़ा मैदान मिले तो अच्छे से खेल सकेंगे।

इस पर सीएम ने संभागीय आयुक्त को समाधान के निर्देश दिए। जावरमाइंस निवासी भूमिका मीणा ने कहा कि मेरे गांव सिंघटवाड़ा के सरकारी स्कूल में 11वीं व 12वीं में साइंस फैकल्टी नहीं है। कई बच्चों की साइंस में रुचि थी लेकिन वे नहीं पढ़ पाए। छात्रा ने सीएम से साइंस फैकल्टी खोलने का निवेदन किया।

अंतरराष्ट्रीय तीरंदाज लिम्बाराम की भतीजी उदयपुर के झाड़ोल निवासी सारा हिरावत ने कहा कि मैं भी उनकी तरह अंतरराष्ट्रीय प्लेयर बननकर गांव और देश का नाम रोशन करना चाहती हूं। सीएम ने लिम्बाराम की तारीफ करते हर बेटी को हर संभव मदद देने का आश्वासन दिया।

अल्टो कार पर पलटा टैंकर, 8 की मौत

दरगाह जियारत को जा रहे थे कार सवार; जयपुर-अजमेर हाईवे पर हुआ हादसा, 3 गंभीर घायल

दूदू, 4 मई (एजेंसियां)। जयपुर-अजमेर हाईवे पर टायर फटने से एक टैंकर अल्टो कार पर पलटा गया। हादसा इतना जबरदस्त था कि कार बुरी तरह से पिचक गई। हादसे में 8 लोगों की मौत और 3 गंभीर घायल हो गए। कार सवार लोग अजमेर दरगाह जियारत के लिए जा रहे थे।

हादसा दूदू के के रामनगर इलाके में दोपहर करीब 12.30 बजे हुआ। एएसआई राजेंद्र सिंह ने बताया कि कार सभी मृतक फागी के रहने वाले थे। उन्होंने बताया कि टैंकर का टायर फटते ही वह डिवाइड तोड़ते हुए अल्टो पर पलट गया। इसमें सात की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं एक गंभीर घायल को जयपुर एसएमएस हॉस्पिटल में रेफर किया गया। बताया जा रहा है कि रास्ते में उसकी भी मौत हो गई।

इस दौरान टैंकर ने एक मोटर साइकिल सवार युवक को भी चपेट में ले लिया था।

हादसे में इनकी हुई मौत

हसीना (35) पत्नी हनीफ, इसराइल (20) पुत्र हनीफ, आरती सालासर जाना (20) पत्नी इसराइल, मुराद (12), रोहिना (8) पुत्री हनीफ, शकील (23) पुत्र तौफीक और सोनू (14) पुत्र सलीम की मौके पर ही मौत हो गई।

सीएम गहलोत ने उदयपुर के कोटड़ा में मनाया 72वां जन्मदिन

आदिवासी परिवार के घर खाए पकोड़े-लापसी

राहत कैंप में लाभार्थियों से किया संवाद

उदयपुर, 4 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बुधवार को उदयपुर के आदिवासी क्षेत्र कोटड़ा में पहुंचकर अपना 72वां जन्मदिन मनाया। कोटड़ा पहुंचने पर आदिवासी युवक-युवतियों द्वारा पारंपरिक नृत्य-गीतों की प्रस्तुति से गहलोत की अगवानी की गई। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कोटड़ा के घाटा में राहत कैंप का निरीक्षण किया। कैंप में लाभ लेने आए लाभार्थिओं से बात की। लाभार्थी मीठीबाई को 5 योजनाओं, लक्ष्मीबाई को 8 योजनाओं और लसीबाई को 6 योजनाओं का लाभ लेने की बधाई दी। मुख्यमंत्री गांव के धर्माराम गरासिया के घर पहुंचे, जहां उन्होंने पकौड़े और लापसी खाई। परिवार से बातचीत भी की।

दरअसल, चुनाव के महज 6 माह पहले मुख्यमंत्री के इस दौरे को आदिवासी वोट बैंक साधने के तौर पर देखा जा रहा है। क्योंकि मेवाड़ की 28 सीटें जनजाति क्षेत्र के हिसाब से अहम हैं। वर्तमान में कांग्रेस की यहां 11 सीटें हैं ऐसे में इस साल के चुनाव में कांग्रेस इससे ज्यादा सीट लाने की जोड़-तोड़ में जुटी है।

केक की जगह छुआरे बांटकर मनाया जन्मदिन

सीएम गहलोत ने विद्या भवन मैदान पर महंगाई राहत कैंप का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने केक की जगह छुआरे बांटकर अपना जन्मदिन मनाया। इस दौरान गहलोत ने चिरंजीवी, योजना, 40 लाख महिलाओं का फ्री मोबाइल देने, लम्पी से मृत गायों पर मुआवजा देने सहित अन्य योजनाओं के लाभ का जिक्र किया। इस दौरान टीमड़ी में सब सेंटर से पीएचसी बनाने और खेड़ा में पुलिस चौकी बनाने की घोषणा भी की।

पाक रेंजर्स ने माना पाकिस्तान से आए थे घुसपैठिए

बॉर्डर पार करने के दौरान बीएसएफ ने मारी थी गोली, 10 करोड़ की ड्रग्स लेकर आए थे

बाड़मेर, 4 मई (एजेंसियां)। बाड़मेर-मुनाबाव इंटरनेशनल बॉर्डर पर सोमवार रात तारबंदी कर रहे दो घुसपैठियों को सीमा सुरक्षा बल ने गोली मार दी थी। जवानों ने पहले दोनों को चेतावनी दी, जब वे नहीं रुके तो ढेर कर दिया।

ऐसा माना जा रहा था कि दोनों संदिग्ध करीब तीन किलो हेरोइन की खेप लेकर तारबंदी क्रॉस कर भारत में घुसे थे। लेकिन, पाक रेंजर्स इसे मानने को तैयार ही नहीं हुए।

लेकिन, गुरुवार सुबह तक चली तीसरे दौर की फ्लैग वार्ता में पाक रेंजर्स ने भी ये मान लिया कि ये दोनों पाकिस्तान से आए थे।

इससे पूर्व बुधवार को दोनों के शवों का मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवाया गया। इसके बाद गुरुवार सुबह 4 बजे पुलिस की कड़ी सुरक्षा के बीच बीएसएफ के जवान दोनों के शवों को मु ना बा व बॉर्डर लेकर रवाना हुए है। सुबह करीब साढ़े 10 बजे मु ना बा व बॉर्डर पर शवों को सुपुर्द किया गया।

य हां भारत-पाक के बीच फ्लैग मीटिंग के बाद शव तीसरे दिन पाकिस्तान रेंजर्स व पुलिस को सुपुर्द किए गए, जहां से शवों को जीरों पाइंट से लेकर पाकिस्तान रवाना हो गए।

तारबंदी पार कर आ रहे थे बॉर्डर पार, चेतावनी के बाद भी नहीं माने

दरअसल, बाड़मेर-मुनाबाव इंटरनेशनल बॉर्डर पर सोमवार रात तारबंदी पार कर रहे दो घुसपैठियों को सीमा सुरक्षा बल ने गोली मार दी। जवानों ने पहले दोनों को चेतावनी दी और जब वे नहीं रुके तो ढेर कर दिया।

इसके बाद रात को बीएसएफ और पाक रेंजर्स के बीच फ्लैग मीटिंग हुई। पाक रेंजर्स को दोनों तस्करों की सूचना दी गई। लेकिन, पाकिस्तान रेंजर्स मानने को तैयार नहीं थे कि ये पाकिस्तान से बॉर्डर क्रॉस कर यहां आए थे। तस्करों के पास तीन पैकेट हेरोइन, एक मोबाइल, टॉर्च, सहित टॉफियां मिली थी।

भारत-पाक के बीच हुई फ्लैग मीटिंग

बुधवार को दूसरे दौर की फ्लैग मीटिंग मुनाबाव में आयोजित हुई। इस मीटिंग में भारत और पाक के ऑफिसर भी शामिल थे। इसी मीटिंग में दोनों के पाकिस्तानी होने की पाक रेंजर्स ने पुष्टि की और इनकी पहचान भी की।

पाक रेंजर्स ने बताया कि मरने वाल रमजान (51) पुत्र मजीब, शहाबुद्दीन (28) पुत्र अनवर खान निवासी खोखरापार के थे।

एएसपी सतेंद्रपालसिह ने बताया कि पाक घुसपैठिए के शवों को बाड़मेर मॉर्च्युरी से रवाना किया गया। गुरुवार सुबह 10:30 बजे कागजी कार्रवाई कर पाक शवों को अमरकोट के पुलिस व पाक रेंजर्स को सुपुर्द कर दिया गया है।

10 करोड़ इंटरनेशल मार्केट में कीमत

जानकारी के अनुसार पाकिस्तानी तस्कर तीन हेरोईन के पैकेट लेकर मुनाबाव से 10 किलोमीटर दूर इंटरनेशनल बॉर्डर के पास से निकलने की कोशिश कर रहे थे। इस दौरान 13 बटालियन बीएसएफ के जवानों को संदिग्ध एक्टिविटी दिखने पर ऑपरेशन पार्टी ने घुसैपठियों को चुनौती दी थी। इसकी कीमत इंटरनेशनल मार्केट में करीब दस करोड़ रुपए बताई जा रही है।

राजस्थान में लू की जगह चक्रवात 'मोचा' की एंट्री संभव

इस बार 4 गुना ज्यादा बरसात; तीन दिन की बारिश में 2 महीने का कोटा पूरा

जयपुर, 4 मई (एजेंसियां)। राजस्थान में इस बार मार्च से अब तक लगातार आ रहे वेस्टर्न डिस्टर्बेंस और दक्षिण राजस्थान में बने दो से ज्यादा साइक्लोनिक सिस्टम के कारण अच्छी बारिश हुई है। मौसम विभाग की रिपोर्ट देखें तो एक मार्च से लेकर 3 मई तक राजस्थान में सामान्य से चार गुना ज्यादा पानी बरस चुका है।

इधर, मौसम विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक मई के दूसरे सप्ताह तक लू का असर नहीं रहेगा, लेकिन बंगाल की खाड़ी के दक्षिण-पूर्व में 9 मई तक चक्रवात बनने की संभावना है। मौसम विज्ञान विभाग के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्र ने कहा कि 9 मई को चक्रवात आने की संभावना है और जल्द ही इसके रूट की भविष्यवाणी की जाएगी।

एक्सपर्ट्स के अनुसार पिछले साल आए ताऊते चक्रवात की तरह इस साल आने वाले मोचा का असर राजस्थान के कुछ हिस्सों पर भी हो सकता है। हालांकि, इसको लेकर अभी आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। चक्रवात के उत्तर की ओर बढ़ने की संभावना है। महापात्र ने कहा- 6 मई को बंगाल की खाड़ी में कम दबाव का क्षेत्र बन रहा है। चक्रवात का नाम मोचा होगा। यह नाम यमन ने लाल सागर के एक पोर्ट सिटी के नाम पर रखा है।

तीन दिन की बारिश में 2 महीने का कोटा पूरा

इन 64 दिन के अंदर पूरे राजस्थान में औसत बारिश 10.1MM बरसात होती है, लेकिन इतनी बरसात तो एक से 3 मई के दौरान ही हो गई। पूरे 64 दिन की रिपोर्ट देखें तो औसतन 43MM पानी गिर चुका है। बारिश-आंधी का ये सिलसिला फिलहाल दो-तीन दिन और बना रहेगा। मौसम केंद्र जयपुर ने 6 मई तक राजस्थान के कई शहरों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। राजसमंद, अलवर, नागौर, बूंदी, जयपुर समेत 10 जिलों में औसत बारिश 50 मि.मी से ज्यादा हुई। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक राजस्थान में बारिश की सबसे बड़ी वजह इस बार साउथ राजस्थान पर बने दो बड़े सिस्टम रहे हैं। गुजरात, राजस्थान की सीमा पर बने साइक्लोनिक सर्कुलेशन के कारण इन सिस्टम को अरब सागर से अच्छी नमी मिली, इसके कारण दक्षिण-पूर्वी राजस्थान में बरसात हुई। इसके अलावा उत्तर भारत में आए बैक टू बैक वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के साथ ही पंजाब-पाकिस्तान एरिया में भी साइक्लोनिक सर्कुलेशन और ट्रफ लाइन बनी। इसके असर से उत्तर-पश्चिम राजस्थान में पिछले दिनों में तेज बारिश हुई।

ट्रेलर-वैन में भिड़ंत, जीजा-साले सहित 4 लोगों की मौत

ट्रेलर अनियंत्रित होकर हाईवे पर पलटा, वैन के परखच्चे उड़े

चूरू, 4 मई (एजेंसियां)। चूरू के रतनगढ़ थाना क्षेत्र में मेगा हाईवे पर ट्रेलर और वैन की आमने-सामने की भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि वैन के परखच्चे उड़ गए। वैन में बैठे 3 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 1 गंभीर रूप से घायल हो गया।

उसे रतनगढ़ के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां इलाज के दौरान उसने भी दम तोड़ दिया। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। रतनगढ़ पुलिस मौके पर पहुंची और चारों मृतकों के शव को मॉर्च्युरी में रखवाया। एक्सीडेंट बुधवार देर रात करीब साढ़े दस बजे हुआ।

सीआई सुभाष बिजारणिया ने बताया कि अनाज से भरा एक ट्रेलर सुजानगढ़ से रतनगढ़ की तरफ आ रहा था। वैन रतनगढ़ से सुजानगढ़ की ओर जा रही थी। मेगा हाईवे पर

नेमीचंद नायक — दिलीप कुमार — कालूराम नायक

गांव पड़िहारा और लोहा के बीच दोनों वाहन भिड़ गए। अनाज से भरा ट्रेलर बेकाबू होकर सड़क पर पलट गया।

हादसे में मरने वाले 3 लोगों की पहचान भोजलाई निवासी कालूराम नायक (30), दिलीप कुमार (25) और कनवारी निवासी नेमीचंद नायक (27) के रूप में हुई। चौथा मृतक 23 वर्षीय प्रभुराम मेघवाल टीडियासर का रहने वाला था। ट्रेलर के पलटने से काफी देर तक ट्रैफिक जाम रहा। ड्राइवर ट्रेलर छोड़कर भाग गया।

बाद में पुलिस ने मेगा हाईवे पर पलटे दोनों वाहनों को साइड में कर ट्रैफिक चालू कराया। हादसे की सूचना मिलने के बाद मृतकों के रिश्तेदार और परिवार के लोग भी देर रात अस्पताल में पहुंच गए हैं। पुलिस ने शिनाख्त के बाद शवों के पोस्टमार्टम की कार्रवाई शुरू कर दी है। दोपहर के बाद शव परिजनों को सौंप दिए जाएंगे।

दो युवक रिश्ते में जीजा-साले, दो अन्य दोस्त थे

हादसे का शिकार हुआ नेमीचंद, दलीप कुमार का जीजा था। गांव के लोगों ने बताया कि नेमीचंद बुधवार को अपने ससुराल भोजलाई आया हुआ था। वैन उसका साला दलीप कुमार चला रहा था। वह उसकी खुद की है। तीन भाइयों में दलीप सबसे छोटा था। इसके पिता का पहले देहांत हो चुका है। वहीं, नेमीचंद तीन भाइयों में दो नंबर पर था। वह ठेकेदार की दाना मशीन चलाता था। इसके दो बेटे व एक बेटी हैं। तीसरा मृतक कालूराम नायक शादीशुदा था। वह घरों में रंग रोगन करने का काम करता था और दो भाइयों में बड़ा था।

2 लाख नहीं देने पर युवक पर फायरिंग

इंस्टाग्राम पर रील बनाकर दे रहे जान से मारने की धमकी

भरतपुर, 4 मई (एजेंसियां)। भरतपुर में कुछ बदमाश एक युवक से 2 लाख की फिरौती मांग रहे हैं। बदमाश फिरौती के लिए युवक पर कई बार फायरिंग भी कर चुके हैं। इसके अलावा बदमाशों ने युवक को धमकी भी दी है कि, अगर वह उन्हें 2 लाख रुपए नहीं देगा तो वह उसे जान से मार देंगे। बदमाशों ने धमकी देते हुए एक वीडियो सोशल मीडिया पर भी डाली है।

इसकी शिकायत पीड़ित विकांशु ने मथुरा गेट थाने में दर्ज करवाई है। विकांशु ने मामला दर्ज करवाते हुए बताया कि दीपक चाहर, भरत चौधरी, मोहित चाहर, कान्हा, अभिषेक उसके पीछे 1 साल से लगे हुए हैं। पुलिस में दर्ज रिपोर्ट के मुताबिक आरोपी दीपक चाहर अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर हथियारों के साथ वीडियो शेयर करता है। वह युवकों में अपनी दहशत फैलाना चाहता है। उसी की वजह से वह युवक से 2 लाख की फिरौती मांग रहा है। विकांशु के पिता महावीर एक महावीर चाट भंडार के नाम से दुकान चलाते हैं। दीपक चाहर विकांशु से कहता है कि तेरा बाप चाट बेचकर बहुत पैसे कमा रहा है इसलिए उसे फिरौती चाहिए। आरोपी दीपक चाहर अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर हथियारों के साथ वीडियो शेयर करता है।

नाबालिग लड़की से पशुओं के बाड़े में किया था रेप

रात को घर से ले गए थे, एक को 10, दूसरे को 4 साल की सजा

अलवर, 4 मई (एजेंसियां)। अलवर के मांढ़ण थाना इलाके में रात को नाबालिग को घर से उठाकर दूर पशुओं के बाड़े में ले जाकर रेप के मामले में कोर्ट ने एक आरोपी को 10 साल तो दूसरे सहयोगी को 4 साल की सजा सुनाई है। विशिष्ट लोक अभियोजक राजकुमार गंगावत ने बताया कि पॉक्सो कोर्ट नंबर तीन के न्यायाधीश ने गुरुवार को फैसला सुनाया। नाबालिग को बहला-फुसला कर रात को बाइक से उठाकर ले जाने वाले दो आरोपियों को सजा सुनाई है। मुख्य आरोपी मोहित पुत्र रामवतार जिसने नाबालिग से पशुओं के बाड़े में रेप किया। उसे कोर्ट ने 10 साल की सजा सुनाई है। वहीं बाइक पर आए उसके सहयोगी भपेंद्र पुत्र बिल्लू को 4 साल की सजा सुनाई है। इसके अलावा जुर्माना से भी दंडित किया है। विशिष्ठ लोक अभियोजक गंगावत ने बताया कि यह 2022 का मांढ़ण थाना क्षेत्र का मामला है।

हड़ताल से सरकारी खजाने पर असर: मंत्रालयिक कर्मचारियों के काम नहीं करने से रजिस्ट्री से रेवेन्यू आधा रह गया

जयपुर, 4 मई (एजेंसियां)। राजस्थान में चल रही मंत्रालयिक कर्मचारियों की हड़ताल का असर अब सरकार के खजाने पर पड़ने लगा है। कर्मचारियों के काम न करने के कारण पिछले 15 दिन से राज्य में मकान-दुकान समेत दूसरी अचल सम्पत्तियों की रजिस्ट्री कम होने लगी है। अप्रैल में आखिरी 15 दिन की रिपोर्ट देखे तो राज्य में रजिस्ट्रार ऑफिसों में रजिस्ट्री करवाने वालों की संख्या आधी रह गई है। इसके कारण सरकार को रेवेन्यू का नुकसान हो रहा है।

राज्य में करीब पिछले 25 दिन से मंत्रालयिक कर्मचारी हड़ताल पर है। इन कर्मचरियों की हड़ताल के कारण रेवेन्यू डिपार्टमेंट में काम-काज ठप्प पड़ा है। हड़ताल का सबसे ज्यादा प्रभाव 21 अप्रैल से दिखने लगा है, जब पूरे प्रदेश में रजिस्ट्री से होने वाली इनकम गिरकर आधी रह गई। 20 अप्रैल तक प्रदेश में हर रोज औसतन 21 करोड़ रुपए का रेवेन्यू सरकार को रजिस्ट्री के जरिए मिल रहा था, लेकिन पिछले 14 दिन में ये रेवेन्यू घटकर 10 करोड़ रुपए से भी कम हो गया। राजस्थान के अधिकांश रजिस्ट्रार ऑफिसों में कम्प्युटर पर काम करने वाले सूचना सहायक भी मंत्रालयिक कर्मचारियों के साथ हड़ताल पर थे, जिसके कारण भी रजिस्ट्री का काम प्रभावित हो गया था। हालांकि ये कर्मचारी अब काम पर लौट आए है, लेकिन अब भी मंत्रालयिक कर्मचारियों के नहीं आने से काम का असर रहेगा।

तेलंगाना में सभी धर्मों का सम्मान : तलसानी

आचार्य श्री महाश्रमणजी का 50वां दीक्षा दिवस मनाया गया

हैदराबाद, 4 मई (स्वतंत्र वार्ता)। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के तत्वावधान एवं हैदराबाद तेरापंथ युवक परिषद के आयोजकत्व में साध्वीश्री डॉ मंगल प्रज्ञा जी के पावन सान्निध्य में, महातपस्वी "युगप्रधान" आचार्यश्री महाश्रमण जी का "संयम स्वर्णोत्सव" को 'युवा दिवस' के रूप में मनाया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पशुपालन, मत्स्य और डेयरी विकास और छायांकन मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने कहा कि तेलंगाना राज्य ने विकास और कल्याण कार्यक्रमों के कार्यान्वयन में देश के लिए एक उदाहरण पेश किया है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना राज्य बनने के बाद मुख्यमंत्री केसीआर के नेतृत्व में राज्य के सभी वर्गों के लोग बहुत खुश हैं। उन्होंने बताया कि शिक्षा, नौकरी और व्यवसाय के लिए तेलंगाना राज्य में रहने वाले सभी लोगों का उनके बच्चों की तरह ख्याल रखा जाता है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना देश में कानून व्यवस्था बनाए रखने में बहुत अच्छा है। उन्होंने जैन समाज की प्रशंसा की, जो विभिन्न व्यवसाय चलाता है, और कई सामाजिक सेवा कार्यक्रम आयोजित करके कई लोगों का समर्थन करता है। तेलंगाना सरकार एकमात्र राज्य है जो गरीब और मध्यम वर्ग की लड़कियों की शादी के लिए कल्याण लक्ष्मी और शादी मुबारक के तहत एक लाख 116 रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान कर रही है। इस भव्य आयोजन में उपस्थित विशाल जनसभा को प्रेरणा पाथेय प्रदान करते हुए साध्वीश्री डॉ मंगल प्रज्ञा जी ने कहा कि आज के दिन एक महान व्यक्तित्व तेरापंथ के भावी आचार्य शुभभवीस्य के रूप में आचार्य श्री तुलसी की प्रवर शासना में दीक्षित हुआ जो तेरापंथ का सरताज बन गया। आध्यात्मिक शक्ति के कारण विश्व गुरु और सोने की चिड़िया कहलाने वाला भारत विविध उत्सव मनाता रहा है। आचार्य महाश्रमण जी का संयम का स्वर्णोत्सव संयम की प्रेरणा के रूप में हमारे समक्ष उपस्थित है। वर्तमान में आचार्यश्री अणुव्रत के महायात्री के रूप में यात्रायित है। अणुव्रत अनुशास्ता आचार्य श्री तुलसी ने मानवता के नाम एक महान अवदान अणुव्रत दिया, यह अवदान मात्र जैन सम्प्रदाय तक ही सीमित नहीं रहा, अनेक राष्ट्रीय समस्याओं का समाधायक भी बना। देश के पूर्व प्रधानमंत्रीगण एवं राष्ट्र के अनेक राजनेताओं ने अणुव्रत को जन-जन के मार्गदर्शक एवं विकास का महान पंथ बताया। साध्वीश्री जी ने कहा आज के मुख्य अतिथि माननीय मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव जी का आगमन उनकी श्रद्धा अभिव्यक्त कर रहा है। तेरापंथ युवक परिषद के अध्यक्ष विरेंद्र घोषल आचार्य श्री महाश्रमण जी का अभिनंदन किया व स्वागत स्वर प्रस्तुत किए। तेरापंथी सभा अध्यक्ष बाबुलाल बैद ने अपने दिली भावना व्यक्त की एवं संपूर्ण सभा का स्वागत किया। महासभा की ओर से ललित बैद ने अपने विचार व्यक्त किए। महिला मंडल अध्यक्ष अनिता गिडीया, अणुव्रत समिति अध्यक्ष प्रकाश जी भंडारी, टी पी एफ अध्यक्ष पंकज संचेती, अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद की ओर से मनीष पटावरी ने शक्ति प्रदायक महामनिषी महाश्रमण जी का अभिनंदन किया। जैन सेवा संघ की ओर से उपाध्यक्ष विनोद संचेती ने महाश्रमण प्रवर का वर्धापन किया।

'डायमन्ड्स आर फोर एवर' पुस्तक का लोकार्पण 7 को

कार्यक्रम में भाग लेने के लिए अतिथियों को आमंत्रित किया गया

हैदराबाद, 4 मई (स्वतंत्र वार्ता)। डायमन्ड किंग के नाम से प्रसिद्ध समाजसेवी गोविन्दभाई ढोलकिया की जीवनी पर आधारीत पुस्तक डायमन्ड्स आर फोर एवर पुस्तक का लोकार्पण आगामी 7 मई 2023 को किया जायेगा। लव फॉर काऊ फाउंडेशन की ट्रस्टी रंजना शाह एवं परमेश्वरी शर्मा ने बताया कि श्री राम कृष्ण एक्सपोर्ट्स लिमिटेड के चेयरमैन, श्री रामकृष्ण चेरिटेबल ट्रस्ट के चेयरमेन, मातुश्री संतोकबा लालजीभाई ढोलकिया चेरीटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष तथा समस्त पाटीदार आरोग्य ट्रस्ट के अध्यक्ष, प्रमुख समाजसेवी, डायमन्ड किंग गोविन्दभाई ढोलकिया की पुस्तक का लोकार्पण समारोह में भाग लेने हेतु पोट मार्केट असोसियेशन के अध्यक्ष अशोक जैन, तेलंगाना ज्वेलर्स पाउन ब्रोकर्स असोसियेशन के अध्यक्ष पारसमल रांका, तेलंगाना बुलियन ज्वेलरी फेडरेशन के अध्यक्ष जगदीश वर्मा, जीतो के पूर्व अध्यक्ष कुशल जैन, कैलाश चरण, अविनाश गुप्ता, राजेशकुमार नरेडी, जैन इंटरनेशनल ट्रेड ओर्गनाईजेशन के चेयरमेन सुशील संचेती, श्री कच्छी मित्र मंडल के अध्यक्ष एवं महावीर अस्पताल के ट्रस्टी सुशील कापडिया, आल इंडिया जैन माईनोरिटी फेडरेशन तेलंगाना तथा प्राणी मित्र रमेश जागीरदार मेमोरियल फाउंडेशन के रिद्धीश जागीरदार, जैन माईनोरिटी काउंसील के संयोजक दिनेश गोसर आदि को आल इंडिया जेम एन्ड ज्वेलरी डोमेस्टीक काउन्सील के मोहनलाल जैन, लव फॉर काऊ फाउंडेशन के चेयरमेन तथा श्री गुजरात समाज के वरिष्ठ सदस्य गौभक्त जसमतभाई पटेल, दक्षिण दर्शन साप्ताहिक पत्रिका की संपादीका बीना विक्रम महेता, आल इंडिया ओल्ड टेम्पल रिनोवेशन ट्रस्ट के चेयरमैन आर.के. जैन, श्री गुजराती ब्राह्मण समाज हैदराबा सिकंदराबाद के अध्यक्ष तरूण महेता व मंत्री अजय ओझा ने निमंत्रण पत्र देकर कार्यक्रम मे पधारने का निवेदन किया गया। अवसर पर मिश्री, अक्षत अभय चौधरी, आर.के. जैन आदि उपस्थित थे।

रेवंत ने सरकार से ओआरआर निविदाओं को रद्द करने की मांग की

हैदराबाद, 4 मई (स्वतंत्र वार्ता)। टीपीसीसी के अध्यक्ष ए. रेवंत रेड्डी ने आज राज्य सरकार से ओआरआर निविदाओं को तुरंत रद्द करने की मांग की। एक प्रेस मीट को संबोधित करते हुए, उन्होंने कहा कि कोई भी बैंक ऋण के रूप में 15,000 करोड़ रुपये देगा यदि राज्य सरकार ओआरआर परियोजना को गिरवी रखे। उन्होंने राज्य सरकार से पूछा कि सरकारी संपत्तियों को बेचने में जल्दबाजी क्यों दिखाई जा रही है? उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार ने निविदाओं पर एनएचएआई की आपत्तियों को नजरअंदाज किया है। उन्होंने राज्य सरकार से पूछा कि कंपनी को मिला टेंडर को ब्लैक लिस्ट कैसे हो गया। उन्होंने सीएम केसीआर और राज्य के मंत्री केटीआर से पूछा कि वे इस मुद्दे पर चुप क्यों हैं? उन्होंने कहा कि वे मामले की जांच एजेंसियों से शिकायत करेंगे। उन्होंने कहा कि एचएमडीए द्वारा प्राप्त 6696 करोड़ का ऋण 31 मार्च, 2022 को समाप्त हो गया था। उन्होंने कहा कि ओआरआर परियोजना में अब 1 लाख करोड़ रुपये की संपत्ति है और कहा कि राज्य सरकार को 30 वर्षों की अवधि में 22,000 करोड़ रुपये की आय प्राप्त होगी। उन्होंने कहा कि वह एचएमडीए को 15,000 करोड़ रुपये का ऋण लेने के लिए तैयार हैं।

गुरुवार को श्री नरसिम्हा स्वामी जन्मोत्सव पर यूथ कांग्रेस के पूर्व प्रवक्ता एस.पी.क्रांति कुमार ने शालिग्राम श्री नरसिम्हा स्वामी मंदिर, मोगलपुर में नरसिम्हा स्वामी की विशेष पूजा की। इस अवसर पर मंदिर के पुजारी सुनील दांडे सहित स्थानीय श्रद्धालु उपस्थित रहे।

महिला पहलवानों को न्याय दिलाने की मांग

हैदराबाद, 4 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बिहार सहयोग समिति, तेलंगाना के अध्यक्ष व समाजसेवी बिनय कुमार यादव ने केन्द्र सरकार से आंदोलनरत महिला पहलवानों को न्याय दिलाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि कई दिनों से दिल्ली के जंतर-मंतर पर अपनी मांगों को लेकर महिला पहलवान और अन्य पहलवान धरना दे रहे है। केन्द्र सरकार के अधिकांश मंत्री कर्नाटक चुनावों में व्यस्त है। दिल्ली पुलिस धरनारत महिला पहलवानों के साथ धक्का-मुक्की है। यह देश की महिलाओं के सम्मान के खिलाफ है। इन महिला पहलवानों ने कठिन परिश्रम करके देश के लिए कई गौरवपूर्व पदक जीता है। देश को सम्मान और पदक देने वालों को न्याय नहीं मिल रहा है, तो आम जनता को कैसे इंसाफ मिलेगा। खिलाड़ियों की बातों को गंभीरता से विचार करना चाहिए।

गुरुवार को एआईसीसी के पूर्व सचिव व सांसद वी. हनुमंत राव ने कर्नाटक के गुलबर्गा में एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से मुलाकात की तथा सम्मान किया।

टंकी से अज्ञात व्यक्ति का शव मिला

संगारेड्डी, 4 मई (स्वतंत्र वार्ता)। संगारेड्डी मंडल के कलाबगूर गांव के मोगुल्ला चेरुवु टैंक में गुरुवार को एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिला।

युवक की उम्र करीब 35 वर्ष है और उसने काली शर्ट व काली पैंट पहन रखी है। पुलिस ने बताया कि शव करीब एक पखवाड़ा पुराना है। संगारेड्डी ग्रामीण पुलिस ने मामला दर्ज किया है। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सरकारी अस्पताल संगारेड्डी भेज दिया गया।

किसान, खेत, मजदूर कांग्रेस पार्टी के पूर्व आन्ध्रा एवं तेलंगाना प्रभारी सुरेश कौशिक का स्वागत करते हुए बी.पी. सिंघल, श्रीनिवास बल्देवा एवं समाजसेवी श्याम सुन्दर अग्रवाल।

सिटी पुलिस के वरिष्ठ आई.पी.एस. अतिरिक्त सीपी कानून-व्यवस्था विक्रम सिंह मान आईपीएस (1998 बैच) को एडीजी के पद पर पदोन्नत किया गया है। पी. विश्व प्रसाद आईपीएस (2005 बैच), संयुक्त पुलिस आयुक्त विशेष शाखा, को आईजीपी के पद पर पदोन्नत किया गया है। इन दोनों अधिकारियों की पदोन्नति पर नगर पुलिस ऑयुक्त सीवी आनंद से मुलाकात की और श्री आनंद ने दोनों अधिकारियों को बधाई दी।

कांग्रेस दफ्तर में घुसे बजरंग दल कार्यकर्ता, जमकर की तोड़फोड़

जबलपुर, 4 मई (एजेंसियां)। कर्नाटक में कांग्रेस के घोषणा पत्र में बजरंग दल को बैन करने की बात पर बजरंग दल के कार्यकर्ता भड़क गए। मध्यप्रदेश के जबलपुर में गुरुवार को बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने जिला कांग्रेस कार्यालय पर धावा बोल दिया। जबरन दफ्तर में घुसे प्रदर्शनकारियों ने जमकर तोड़फोड़ की। कार्यालय के बाहर लगा कांग्रेस की सीनियर लीडर सोनिया गांधी का पोस्टर भी फाड़ दिया। घटना के बाद कांग्रेस दफ्तर के बाहर पुलिस बल तैनात किया गया है।

कांग्रेस ने इस घटनाक्रम की निंदा की है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने तोड़फोड़ करने वालों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। पूर्व मंत्री तरुण भनोट ने लार्डगंज थाने में शिकायत दर्ज कराई। इस मामले में पुलिस ने पांच लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है।

कांग्रेस ने चेतावनी दी है कि लार्डगंज और कोतवाली थाना प्रभारी को सस्पेंड नहीं किया, तो जबलपुर बंद किया जाएगा। गुरुवार दोपहर बजरंग दल के करीब सौ से ज्यादा कार्यकर्ता जिला कांग्रेस कमेटी दफ्तर के बाहर इकट्ठे हुए। यहां कांग्रेस के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। फिर कार्यालय के बाहर ताला तोड़कर अंदर घुस गए। सभी के हाथ में लाठी और डंडे थे। उन्होंने कार्यालय के गेट पर लातें भी मारी। फिर अंदर घुसकर हंगामा किया। इस बीच, कुछ प्रदर्शनकारियों ने सीढ़ियों पर चढ़कर टीनशेड को उखाड़ना शुरू कर दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को वहां से खदेड़ा। बजरंग दल के पदाधिकारी सुमित ठाकुर ने उल्टा कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर ही आरोप लगाया है। उन्होंने बताया कि कांग्रेस दफ्तर में तोड़फोड़ और हंगामा कांग्रेस के ही कार्यकर्ताओं ने किया है। बजरंग दल कार्यकर्ता जब वहां प्रदर्शन करने पहुंचे, तभी भगवा वेशभूषा में कांग्रेस कार्यकर्ता वहां पहुंच गए। साथ ही, दफ्तर में घुसकर तोड़फोड़ शुरू कर दी। उन्होंने बताया कि बजरंग दल कभी भी इस तरीके की हरकतें नहीं करता।

थाने पहुंचे कांग्रेसी, कार्रवाई की मांग :

घटना के बाद कांग्रेस विधायक और पूर्व मंत्री तरुण भनोट, लखन घनघोरिया, विधायक विनय सक्सेना समेत महापौर और कांग्रेस अध्यक्ष जगत बहादुर सिंह अन्नू कोतवाली थाने भी पहुंचे। यहां शहर के तीन एडिशनल एसपी समेत एसडीएम मौके पर मौजूद थे। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने तोड़फोड़ करने वालों पर कार्रवाई की मांग की है।

एसपी तुषारकांत विद्यार्थी ने बताया कि कांग्रेस दफ्तर का ताला तोड़ने और तोड़फोड़ करने वालों के खिलाफ केस दर्ज कर रहे हैं। आरोपियों की पहचान वीडियो फुटेज देखकर की जा रही है।

कमलनाथ बोले- क्या सरकार ने कांग्रेस पर सीधे हमले का मन बना लिया है :

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने जबलपुर में कांग्रेस दफ्तर पर हमले की कड़ी शब्दों में निंदा की है। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस ने बजरंग दल के कार्यकर्ताओं को रोकने में कोई विशेष कार्रवाई नहीं की। कमलनाथ ने पूछा कि क्या सरकार और भाजपा ने सभी लोकतांत्रिक तरीके छोड़ दिए हैं और जनता के बीच पूरी तरह से पैर उखड़ने के बाद कांग्रेस पार्टी के ऊपर सीधा हमला करने का मन बना लिया है? कमलनाथ ने हमलावरों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। नेता प्रतिपक्ष डॉ. गोविंद सिंह ने आरोप लगाया कि मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान आतंक फैलाने वालों को संरक्षण दे रहे हैं। बजरंग दल के कार्यकर्ता, जिस पार्टी की सत्ता है, उसी दल के कार्यकर्ता तोड़फोड़ करें, आतंक करें और उसके खिलाफ कार्रवाई न हो। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा के लोग राइफल लेकर हमला कर रहे हैं। मुख्यमंत्री कार्रवाई करने के लिए तैयार नहीं, बल्कि उनको संरक्षण दे रहे हैं। वह प्रजातंत्र का गला घोंट कर लाठी के बल पर चुनाव लड़ना चाहते हैं। जनता इनको अगले चुनाव में करारा जवाब देगी।

कांग्रेस बोली, हरकतों का जवाब दिया जाएगा :

मप्र कांग्रेस कमेटी के प्रदेश महामंत्री सौरभ शर्मा ने कहा कि इस हरकत का जवाब दिया जाएगा। जनता को बताया जाएगा कि कैसे यह लोग धर्म के नाम पर हंगामा करते हैं। उन्होंने पुलिस को घटना के वीडियो फुटेज भी दिए हैं। उन्होंने कहा कि बजरंग दल कार्यकर्ता बिना सूचना के कांग्रेस दफ्तर में घुसे। यह गलत है। पार्टी इस हरकत की निंदा करती है।

सिद्दीपेट में टैंक में डूबे हैदराबाद के तीन लोग

सिद्दीपेट, 4 मई (स्वतंत्र वार्ता)। सिद्दीपेट जिले के वारगल में गुरुवार को एक जलाशय के किनारे खड़े होकर सेल्फी लेने की कोशिश में तीन लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, जिसमें एक तीन साल का बच्चा भी शामिल है। वारंगल पुलिस के अनुसार, हैदराबाद के तीन लोग वारगल मंडल में नेंतुरु टैंक में डूब गए। तीनों की पहचान शेख खैसर (26), उनके भतीजे शेख मुस्तफा (03) और उनके चचेरे भाई मोहम्मद सोहेल (17) के रूप में हुई है। जहां खैसर और मुस्तफा हैदराबाद के याकूतपुरा के रहने वाले थे, वहीं सोहेल जगदगिरिगुट्टा के रहने वाले थे। सोहेल के पिता मोहम्मद महबूब द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार, तीनों अपने परिवार के सदस्यों के साथ एक समारोह में शामिल होने के लिए मक्था मसानपल्ली पहुंचे थे। बाद में, आराम करने के लिए, वे नेंतुरु के पास एक टैंक में गए, जहां खैसर ने मुस्तफा को अपने मोबाइल फोन पर एक सेल्फी लेने के लिए टैंक के अंदर कदम रखा। जब वे पानी में फिसल गए तो सोहेल ने उन्हें बचाने का प्रयास किया और तीनों डूब गए। न तो खैसर और न ही सोहेल को तैरना आता था। वारंगल पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

नरसिंह जयंती पर खैरताबाद स्थित नरसिम्हा स्वामी मंदिर में पूजा-अर्चना करते सतीश जाजू, धीरज महाराज, गिरीधर, अर्जुन व अन्य।

बुद्धवनम आज भव्यता से मनाएगा बुद्ध जयंती

हैदराबाद, 4 मई (स्वतंत्र वार्ता)। नागार्जुन सागर में बौद्ध विरासत थीम पार्क बुद्धवनम शुक्रवार को बुद्ध जयंती को भव्य पैमाने पर मनाने के लिए तैयार है। समारोह के हिस्से के रूप में, हुसैन सागर में डॉ बीआर अंबेडकर की 125 फीट ऊंची प्रतिमा से बुद्धवनम तक 200 कारों के साथ एक विशाल कार रैली आयोजित की जाएगी।

यह पहली बार बुद्धिस्ट सोसाइटी ऑफ इंडिया-तेलंगाना शाखा द्वारा आयोजित किया जा रहा है और पर्यटन मंत्री वी. श्रीनिवास गौड़ सुबह 7.45 बजे रैली को हरी झंडी दिखाएंगे। बुद्धवनम परियोजना के विशेष अधिकारी मल्लेपल्ली लक्ष्मैया ने कहा कि बुद्ध जयंती को भव्य पैमाने पर मनाने के लिए सभी इंतजाम किए गए हैं। यूजीसी के पूर्व अध्यक्ष प्रो. सुखदेव थोराट ने कहा कि बुद्धवनम में समारोह सुबह 10 बजे महाबोधि बुद्धविहार, महेंद्र हिल्स, सिकंदराबाद के बौद्ध भिक्षुओं और बैलुकुप्पे, मैसूरके तिब्बती बौद्ध भिक्षुओं द्वारा जप और बुद्धवंदन प्रार्थना के साथ शुरू होगा। समारोह का शाम का सत्र शाम 5 बजे बौद्ध मंत्रोच्चारण के साथ शुरू होगा, जिसके बाद श्रद्धेय संघपाल भंते द्वारा बुद्ध जयंती के महत्व पर व्याख्यान दिया जाएगा, 'बौद्ध धर्म का दर्शन: भारत में समाज समावेशी राष्ट्रीयता और लोकतंत्र के लिए इसकी प्रासंगिकता' पर एक विशेष वार्ता। थोराट द्वारा।

यह आयोजन गणमान्य व्यक्तियों द्वारा बुद्धवनम की रोशनी के साथ समाप्त होगा जिसमें बड़ी संख्या में बौद्ध और आम जनता भाग लेगी। भारत में अपनी तरह का पहला, थीम पार्क में परिवेशी बौद्ध मूर्तियों के साथ एक प्रवेश द्वार शामिल है, बुद्ध चरितवनम जिसमें सिद्धार्थ-गौतम के जीवन की पांच महान घटनाओं को कांस्य मूर्तियों में प्रदर्शित किया गया है, जातकवनम में 40 आख्यानों की पत्थर की मूर्तियां हैं।

प्रसिद्ध नागार्जुन सागर कोंडा और नागार्जुन सागर में आने वाले बौद्ध पर्यटकों के अनुभव को बढ़ाने के उद्देश्य से भूतल में एक क्षेत्रीय बौद्ध विरासत संग्रहालय है।

लक्ष्मैया ने मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव और पर्यटन मंत्री वी. श्रीनिवास गौड़ को बुद्धवनम परियोजना के लिए धन जारी करने और तेलंगाना में संरक्षण कार्यों के लिए और खम्मम में नेलकोंडापल्ली बौद्ध स्तूप में पर्यटक सुविधाएं प्रदान करने और कोत्तागुडेम जिले के करुकोंडा में रॉक-कट बौद्ध गुफाओं और स्तूपों को प्रदान करने के लिए धन्यवाद दिया।

सिंगरेनी ने अप्रैल के दौरान कोयला उत्पादन व परिवहन में वृद्धि दर्ज की

हैदराबाद, 4 मई (स्वतंत्र वार्ता)। सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) ने पिछले साल की समान अवधि की तुलना में अप्रैल के दौरान कोयले के परिवहन में 5.7 प्रतिशत की वृद्धि, कोयला उत्पादन में 4.7 प्रतिशत की वृद्धि और ओवरबर्डन हटाने में 12.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है।

सिंगरेनी के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक एन श्रीधर, जिन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की, ने बताया कि कंपनी ने 108 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 60 लाख टन कोयले का परिवहन किया है, कोयला उत्पादन 4.7 वृद्धि के साथ 55.7 लाख टन और 422 लाख घन मीटर ओवरबर्डन रहा है। अप्रैल के दौरान 410 लाख क्यूबिक मीटर ओवरबर्डन हटाने के लक्ष्य को पार करते हुए 102 प्रतिशत के साथ हटाया गया। उन्होंने अधिकारियों को माह के दौरान कोयले का उत्पादन बढ़ाकर 67.58 लाख टन करने के लिए कदम उठाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि लक्ष्य हासिल करने के लिए रोजाना कम से कम 2.20 लाख टन कोयले का उत्पादन किया जाना है। उन्होंने अधिकारियों को महीने के दौरान 48.05 मिलियन क्यूबिक मीटर के लक्ष्य तक पहुंचने के लिए हर दिन 15.5 क्यूबिक मीटर ओवरबर्डन हटाने के लिए भी कहा। निदेशक (वित्त) एन बलराम और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

अगवा की गई महिला की मौत, परिजनों ने लगाया प्रताड़ना और दुष्कर्म का आरोप

खम्मम, 4 मई (स्वतंत्र वार्ता)। वारंगल जिले के चेन्नारावपेट मंडल के रमन्नागुट्टा थंडा की एक महिला, बी. नीला (45), जिसे 27 अप्रैल को कथित रूप से अगवा कर लिया गया था, कई चोटों के साथ बेहोशी की हालत में अस्पताल में भर्ती कराने के बाद उसकी मौत हो गई। पता चला है कि नीला अपनी सास मल्ली के साथ 27 अप्रैल को एक निजी अस्पताल में इलाज के लिए खम्मम आई थी। अपने गांव लौटने के लिए बस स्टैंड। रास्ते में, जैसा कि मल्ली शौच के लिए जाना चाहता था, ऑटो-रिक्शा को स्थानीय बाईपास रोड पर रोक दिया गया। ऐसा कहा जाता है कि ऑटो चालक ने मल्ली को छोड़कर नीला को अपने वाहन में अगवा कर लिया। मल्ली, जिसे मौके से कोई मदद नहीं मिली, पैदल ही रेलवे स्टेशन पहुंचा। हालाँकि, उसके पास पैसे नहीं थे, उसने यात्रियों से पैसे की भीख माँगी और अगले दिन अपने गाँव पहुँचने में सफल रही और परिवार के सदस्यों को नीला के लापता होने की सूचना दी। इस बीच, कथित तौर पर ऑटो चालक नीला को बेहोशी की हालत में 28 अप्रैल को खम्ममके सरकारी सामान्य अस्पताल में ले आया। उसके सिर और सीने पर भी चोटें आई हैं। इसके बाद ऑटो चालक मौके से फरार हो गया। उसी दिन शाम को नीला की मौत हो गई। चूंकि उसके साथ कोई अटेंडेंट नहीं था, इसलिए शव को अस्पताल की मोर्चरी में स्थानांतरित कर दिया गया। नीला के परिवार के सदस्य, जो उसकी तलाश कर रहे थे, दो दिन बाद खम्मम पहुंचे। कहा जाता है कि वे उसके लापता होने की शिकायत दर्ज कराने के लिए स्थानीय पुलिस थानों के चक्कर लगा चुके थे, लेकिन पुलिस ने कथित तौर पर उनकी शिकायत लेने से इनकार कर दिया। एक प्रशिक्षु आईपीएस अधिकारी की पहल के बाद, वन-टाउन पुलिस ने नीला के पति की शिकायत के आधार पर गुमशुदगी का मामला दर्ज किया। इस बीच सरकारी अस्पताल में अज्ञात शव मिलने की सूचना मिलने पर पुलिस ने नीला के परिजनों की मदद से शिनाख्त की। नीला के परिवार के सदस्यों और आदिवासी संगठन के नेताओं ने आरोप लगाया है कि ऑटो चालक ने उसे प्रताड़ित किया और उसके साथ बलात्कार किया।

संन्यास लेने वाले खिलाड़ी पर लगेगा 82 लाख का जुर्माना, 8 हफ्ते का बैन!

खेल डेस्क, 4 मई (एजेंसियां)। पूर्व इंग्लिश खिलाड़ी गैरी बैलेंस ने पिछले महीने क्रिकेट से संन्यास ले लिया था, मगर अब उन्हें डबल झटका लग सकता है. उन पर भारी जुर्माने लग सकता है. नई दिल्ली.पिछले महीने ही क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास लेने वाले क्रिकेटर गैरी बैलेंस को डबल झटका लगने वाला है. उन पर 82 लाख के जुर्माने के साथ ही 8 हफ्ते के बैन का खतरा भी मंडरा रहा है. इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने यॉर्कशर नस्लीय कांड के बाद जिम्बाब्वे के खिलाड़ी बैलेंस पर जुर्माने और 8 सप्ताह के बैन की सिफारिश की है.

दरअसल यॉर्कशर के पूर्व गेंदबाज अजीम रफीक ने कुछ समय पहले नस्लवाद को लेकर चौंकाने वाले खुलासे किए थे. उन्होंने आरोप लगाया था कि मुस्लिम होने के कारण उन्हें बाहरी व्यक्ति की तरह महसूस कराया गया था. बैलेंस उन 6 खिलाड़ियों में से एक हैं, जिन पर नस्लवादी भाषा का इस्तेमाल करने का आरोप लगा था.

बैलेंस को हुआ नुकसान

हालांकि उनके वकील क्रेग हैरिस का कहना है कि द वेस्ट ऑस्ट्रेलियन की रिपोर्ट के अनुसार सुनवाई में शामिल होने के खर्च के कारण जुर्माना कम करना चाहिए. उन्होंने साथ ही ये भी कहा कि बैलेंस यॉर्कशर में अपनी जगह, एक स्पॉन्सरशिप कॉन्ट्रैक्ट भी गंवा चुके हैं. उन्होंने पिछले महीने संन्यास भी ले लिया. 33 साल के बैलेंस ने अपने करियर का आगाज 2013 में इंग्लैंड की तरफ से किया था. इंग्लैंड के लिए वो 23 टेस्ट मैच भी खेले.

2 देशों से खेले बैलेंस

इसके बाद उन्होंने इस साल जिम्बाब्वे की तरफ से अपने करियर की एक नई शुरुआत की थी. वो 2 देशों के लिए टेस्ट क्रिकेट में शतक जड़ने वाले दुनिया के दूसरे बल्लेबाज हैं. उनसे पहले केपलर वेसल्स ये कमाल कर चुके हैं. उन्होंने ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका की तरफ से शतक ठोका था. बैलेंस ने नैदरलैंड्स के खिलाफ वनडे मैच में नाबाद 64 ठोकने के बाद संन्यास लेने का फैसला लिया था.

केएल राहुल-उनादकट आईपीएल से बाहर

दोनों डब्ल्यूटीसी फाइनल की टीम में, लेकिन खेलने पर संशय, आईपीएल से अब तक 16 खिलाड़ी बाहर

मुंबई, 4 मई (एजेंसियां)। लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान केएल राहुल और तेज गेंदबाज जयदेव उनादकट इंडियन प्रीमियर लीग के मौजूदा सीजन से बाहर हो गए हैं। केएल लखनऊ के खिलाफ मैच में चोटिल हो गए थे। उनादकट को नेट्स के दौरान चोट लगी थी। लखनऊ ने राहुल को 17 करोड़ में रिटेन किया है। उनादकट को 2022 में हुए मिनी ऑक्शन में लखनऊ ने 50 लाख की बेस प्राइस पर खरीदा था।

ये दोनों खिलाड़ी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल की टीम में शामिल हैं। अब इन दोनों के फाइनल मैच खेलने पर भी संशय है। फाइनल मैच इंग्लैंड में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 7 से 11 जून के बीच होना है। आईपीएल की बात करें तो अब तक इस टूर्नामेंट से 16 खिलाड़ी बाहर हो चुके हैं। इनमें मुंबई इंडियंस के जसप्रीत बुमराह, गुजरात टाइटंस के केन विलियम्सन और कोलकाता नाइट राइडर्स के कप्तान श्रेयस अय्यर जैसे बड़े नाम भी शामिल हैं।

उनादकट नेट्स के दौरान बॉलिंग करते हुए गिर पड़े थे

लखनऊ की टीम रविवार को प्रैक्टिस कर रही थी। जयदेव उनादकट नेट्स पर बॉलिंग कर रहे थे। इस दौरान उनका पैर फंसा और वो गिर पड़े। उनादकट कंधे के बल गिरे थे। इसके बाद जो तस्वीर सामने आई, उसमें उनादकट कंधे की आइसिंग करवाते दिखे।

केएल राहुल के पैर में खिंचाव, चोट के बावजूद की थी बल्लेबाजी

केएल राहुल भी सोमवार को इकाना स्टेडियम में खेले गए मैच में फील्डिंग के दौरान चोटिल हो गए थे। आरसीबी की पारी के दूसरे ओवर में फाफ डु प्लेसिस का शॉट रोकने के दौरान उनके पैर में खिंचाव आ गया था। इसके बाद राहुल मैदान से बाहर चले गए थे। चोट के बावजूद राहुल बैटिंग करने आए थे, लेकिन उनकी टीम 18 रन से हार गई। बेंगलुरु ने 127 रन का टारगेट चेज नहीं करने दिया।

क्या डब्ल्यूटीसी फाइनल खेलेंगे राहुल और उनादकट?

बीसीसीआई ने अभी मेडिकल टीम से बातचीत के बाद दोनों को आईपीएल के बचे हुए मैचों से बाहर कर दिया है। अब उनादकट और राहुल मुंबई में डॉक्टरों से सलाह लेंगे। मुंबई में ही दोनों का सीटी स्कैन भी होगा। इसके बाद वे चोट से उबरने के लिए बेंगलुरु स्थित नेशनल क्रिकेट एकेडमी जाएंगे। चोट की सुधार की रफ्तार पर ही निर्भर करता है कि दोनों डब्ल्यूटीसी फाइनल खेलेंगे या फिर नहीं।

'जब हमने टी20 खेलना शुरू किया तो 150 विनिंग स्कोर था लेकिन अब...' शानदार जीत के बाद बोले रोहित

खेल डेस्क, 4 मई (एजेंसियां)। आईपीएल 2023 में पांच बार की चैंपियन टीम मुंबई इंडियंस फॉर्म में लौट आई है। मुंबई की टीम ने पंजाब किंग्स को उन्हीं के होम ग्राउंड पर 6 विकेट से हरा दिया। बुधवार को मोहाली में खेले गए मुकाबले में पंजाब किंग्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 214 रन का बड़ा स्कोर बनाया, लेकिन मुंबई इंडियंस ने इस लक्ष्य को 7 गेंद शेष रहते 6 विकेट से हासिल कर लिया।

जीत के बाद क्या बोले रोहित?

एमआई के कप्तान रोहित शर्मा ने मैच के बाद कहा- जब हमने टी20 प्रारूप की शुरुआत की थी तो 150 विजयी स्कोर था। एक अतिरिक्त बल्लेबाज भी बहुत बड़ा अंतर डालता है। रोहित ने कहा कि इस सीजन में औसत स्कोर लगभग 180 है, मैं चेक कर रहा था। स्काई कुछ ओवरों से ऐसा कर रहा है। विकेट के पीछे खेलना उसकी ताकत है। उन्होंने इसका बखूबी इस्तेमाल किया। किशन और स्काई ने शानदार बल्लेबाजी की।

ईशान किशन की तारीफ की

रोहित शर्मा ने कहा कि सीज़न की शुरुआत से पहले, हमारे बीच बातचीत हुई कि हम अपना क्रिकेट कैसे खेलना चाहते हैं। नतीजों के बारे में ज्यादा नहीं सोचना चाहिए। हम वहां जाना चाहते हैं और बस खुद को अभिव्यक्त करना चाहते हैं। आप इधर-उधर के खेल हारेंगे। किशन शक्तिशाली है। वह इस तरह के शॉट्स का अभ्यास करता है। वह पिछले कुछ हफ्तों से वास्तव में कड़ी मेहनत कर रहा है।

मुंबई इंडियंस ने 215 रन का टारगेट 18.5 ओवर में हासिल कर लिया। सूर्यकुमार यादव ने 31 गेंद पर 66 और ईशान किशन ने 41 गेंद पर 75 रन की मैच विनिंग पारियां खेलीं। दोनों के आउट होने के बाद तिलक वर्मा ने 10 गेंदों में 26 और टिम डेविड ने 10 गेंदों में 19 रन की नाबाद पारी खेलकर टीम को 7 गेंद शेष रहते 6 विकेट से जीत दिला दी।

केकेआर ने लिटन दास की जगह वेस्टइंडीज के इस दिग्गज को जोड़ा

टी20 में जड़ चुका है दो शतक

खेल डेस्क, 4 मई (एजेंसियां)। कोलकाता नाइट राइडर्स ने गुरुवार को लिटन दास के रिप्लेसमेंट का ऐलान कर दिया है। जॉनसन चार्ल्स को इंडियन प्रीमियर लीग के शेष मैचों के लिए टीम के साथ जोड़ा है। दास पिछले सप्ताह पारिवारिक चिकित्सा आपात स्थिति के कारण बांग्लादेश लौट गए हैं। अगर जॉनसन के प्रदर्शन की बात करें तो वह प्रभावी रहा है। उन्हें केकेआर ने 50 लाख रुपए देकर टीम में शामिल किया है। चार्ल्स विकेटकीपर बल्लेबाज हैं। वे वेस्टइंडीज के लिए 41 टी20 इंटरनेशनल मैच खेल चुके हैं। इसमें उन्होंने 971 रन बनाए हैं। चार्ल्स वेस्टइंडीज की 2016 आईसीसी वर्ल्ड टी20 विनिंग टीम का हिस्सा रहे हैं। वे 2012 वाली टीम का भी हिस्सा थे। उन्हें केकेआर ने 50 लाख रुपए देकर टीम में शामिल किया है। जॉनसन वेस्टइंडीज के लिए 48 वनडे मैच खेल चुके हैं। इस दौरान उन्होंने 1283 रन बनाए हैं। वे इस फॉर्मेट में 2 शतक और 4 अर्धशतक लगा चुके हैं। चार्ल्स ने अब तक कुल 224 टी20 मैच खेले हैं। जिसमें 5607 रन बनाए हैं। वे टी20 फॉर्मेट में 3 शतक और 32 अर्धशतक लगा चुके हैं। बता दें कि कोलकाता का इस सीजन में प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। अब तक 9 मैच खेले हैं और इस दौरान 3 में जीत दर्ज की है वहीं 6 मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा है।

चोट से रिकवरी के लिए जिम गए ऋषभ

फोटो शेयर कर लिखा- खेल खिलाड़ी का चरित्र बनाता नहीं, उसे सामने लाता है

नई दिल्ली, 4 मई (एजेंसियां)। एक्सीडेंट के चलते 4 महीने से क्रिकेट से दूर चल रहे विकेटकीपर ऋषभ पंत ने रिकवरी के लिए जिम जाना शुरू कर दिया है। पंत ने बुधवार को एक तस्वीर पोस्ट की है। उन्होंने इस तस्वीर में मैसेज की ओर इशारा किया। इसमें लिखा था- खेल किसी खिलाड़ी का चरित्र बनाता नहीं है, बल्कि उसे सामने लाता है।

पिछले साल 30 दिसंबर को पंत की कार का हरिद्वार के पास एक्सीडेंट हो गया था। तब से ही वो टीम इंडिया से बाहर हैं। हाल ही में वो इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) में दिल्ली का मैच देखने अरुण जेटली स्टेडियम पहुंचे थे। वे टीम के कप्तान हैं, लेकिन चोट की वजह से उनकी जगह डेविड वॉर्नर कप्तानी कर रहे हैं।

पंत के वर्ल्ड कप और एशिया कप खेलने पर संशय

पंत वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में भारतीय टीम का हिस्सा नहीं हैं। उनके इस साल होने वाले वनडे वर्ल्ड और एशिया कप खेलने में संशय है। वर्ल्ड कप अक्टूबर-नवंबर में होना है, जबकि एशिया कप सितंबर में होना है। चोट से रिकवरी में पंत को करीब 1 साल का वक्त लग सकता है। उनकी वापसी पर BCCI ने कोई ऑफिशियल बयान नहीं दिया है।

डिवाइडर से टकराई थी पंत की कार, घर जाते वक्त एक्सीडेंट

पिछले साल 30 दिसंबर को पंत की कार का एक्सीडेंट हो गया था। इस हादसे में उन्हें कई गंभीर चोटें लगी थीं। वह दिल्ली से अपने घर रुड़की लौट रहे थे। उसी समय पंत की कार डिवाइडर से टकरा गई और कई बार पलटते हुए कुछ दूर जाकर रुकी। इसके बाद उनकी कार में आग लग गई थी।

आग लगने से पहले ही पंत कार का शीश तोड़कर बाहर निकल चुके थे। हादसे के बाद उन्हें देहरादून के मैक्स अस्पताल में ले जाया गया था, जहां वो करीब एक हफ्ते तक रहे थे।

इसके बाद एयरलिफ्ट के जरिए उन्हें मुंबई के कोकिलाबेन अस्पताल लाया गया, जहां उनकी घुटने की सर्जरी हुई थी। उनकी यह सर्जरी सफल रही थी और अब वो रिकवरी कर रहे हैं।

तोड़ा था स्टंप, तिलक वर्मा ने 102 मीटर का छक्का ठोक अर्शदीप से लिया बदला

खेल डेस्क, 4 मई (एजेंसियां)। तिलक वर्मा ने मुंबई का बदला मोहली में ले लिया है। 22 अप्रैल को वानखेड़े स्टेडियम में थे खेले गए मैच में अर्शदीप सिंह ने मुंबई के बल्लेबाजों को परेशान किया था। उस मुकाबले के आखिरी ओवर में मुंबई को जीत के लिए 16 रन चाहिए थे। अर्शदीप सिंह ने लगातार दो गेंदों पर दो स्टंप्स तोड़ दिये। पहले उन्होंने तिलक वर्मा और फिर नेहाल बढ़ेरा को बोल्ड किया। पंजाब 13 रनों से मुकाबला जीत गई थी।

तिलक वर्मा ने लिए अर्शदीप से बदला

जब दूसरी बार ये दोनों टीम आमने-सामने आई तो तिलक वर्मा ने उस मैच का बदला लिया। पंजाब के दिए 215 रन के लक्ष्य को मुंबई ने 18.5 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। 75 रन जड़ने वाले इशान किशन प्लेयर ऑफ द मैच रहे, मगर एक हीरो तिलक भी रहे, जिन्होंने 10 गेंदों पर नाबाद 26 रन ठोके। तिलक वर्मा 17वें ओवर की दूसरी गेंद पर क्रीज पर उतरे। सामने गेंदबाज अर्शदीप सिंह ही थे। मुंबई को जीत के लिए 37 रनों की जरूरत थी।

अर्शदीप ने दो डॉट गेंदें डालीं। लेकिन अगली गेंद पर तिलक ने छक्का मार दिया।

फिर अर्शदीप ने यॉर्कर मारने की कोशिश की लेकिन तिलक तैयार थे। उन्होंने गेंद को शॉर्ट फाइन लेग के ऊपर से स्कूप कर चौका बटोरा। ओवर की आखिरी गेंद पर उन्होंने एक और छक्का मारा और मैच को पूरी तरह मुंबई की तरफ मोड़ दिया।

102 मीटर लंबा छक्का

19वें ओवर में अर्शदीप सिंह एक बार फिर गेंदबाजी करने आए। ओवर की तीसरी गेंद पर तिलक वर्मा स्ट्राइक पर आए। मुंबई को जीत के लिए 5 रन चाहिए थे। तिलक वर्मा ने सामने की तरफ 102 मीटर लंबा छक्का मारकर मुंबई को रिकॉर्ड जीत दिला दी। अर्शदीप ने 3.5 ओवर में 66 रन खर्च किए।

क्या मेसी-रोनाल्डो में फिर होगी भिड़ंत?

सऊदी के क्लब ने पीएसजी के फुटबॉलर को दिया 3300 करोड़ का ऑफर

पेरिस, 4 मई (एजेंसियां)। मेसी के चिर-प्रतिद्वंद्वी पुर्तगाल के क्लब क्रिस्टियानो रोनाल्डो सऊदी अरब में खेलते हैं। उन्होंने पिछले साल के अंत में अल नस्र के साथ 200 मिलियन यूरो (211 मिलियन डॉलर) यानी 1751 करोड़ रुपये में करार किया था।

अर्जेंटीना के कप्तान लियोनल मेसी इस सीजन के बाद फ्रांस के क्लब पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) को छोड़ने का मन बना रहे हैं। 'द टेलीग्राफ' की रिपोर्ट के मुताबिक, सऊदी सरकार मेसी को सालाना 3300 करोड़ रुपये की सैलरी देने को तैयार है।

पीएसजी क्लब के साथ उनका करार इस साल जून में समाप्त हो जाएगा। पीएसजी ने मेसी के सामने नए कॉन्टैक्ट रखे हैं, लेकिन अर्जेंटीना के कप्तान ने उस पर साइन नहीं किया है। इसी बीच मेसी के पुराने क्लब बार्सिलोना ने उन्हें फिर से वापस बुलाने में दिलचस्पी दिखाई है।

वहीं, सऊदी अरब के क्लब ने मेसी को रिकॉर्ड करीब 3300 करोड़ रुपये की सैलरी ऑफर की है।

रोनाल्डो से ज्यादा होगी मेसी की सैलरी?

मेसी के चिर-प्रतिद्वंद्वी पुर्तगाल के क्लब क्रिस्टियानो रोनाल्डो सऊदी अरब में खेलते हैं। उन्होंने पिछले साल के अंत में अल नस्र के साथ 200 मिलियन यूरो (211 मिलियन डॉलर) यानी 1751 करोड़ रुपये में करार किया था।

मैनचेस्टर यूनाइटेड, रियल मैड्रिड और युवेंटस में शानदार प्रदर्शन के बाद वह अब सऊदी अरब में लगातार गोल कर रहे हैं। अगर मेसी सऊदी फुटबॉल क्लब के साथ करार करते हैं तो उनकी सैलरी रोनाल्डो से बहुत ज्यादा हो जाएगी।

महावीर फोगाट ने कहा- द्रोणाचार्य अवॉर्ड के लिए मुझसे पैसे मांगे थे

बलाली, 4 मई (एजेंसियां)। महावीर सिंह फोगाट पहलवानों पर हो रही अनर्गल टिप्पणियों से आहत हैं। उनका कहना है कि जब मेरे जैसे कोच से द्रोणाचार्य अवॉर्ड के लिए पैसा मांगा जा सकता है तो महिला खिलाड़ियों के साथ तो कुछ भी हो सकता है।

खेल मंत्रालय को मामला सुलझाना चाहिए था। खेल मंत्री ने टाइम ही नहीं दिया और बात बिगड़ती गई। बृजभूषण सिंह ने पहलवानों को डराकर रखा। बेटियों ने हिम्मत करके मामला उठा दिया। अब आर-पार की लड़ाई लड़ रहे हैं।

द्रोणाचार्य अवॉर्ड के लिए मुझसे भी पैसे मांगे गए। मैंने मना कर दिया। मुझे 2011 में अवॉर्ड मिल जाना चाहिए था, लेकिन मिला तब, जब 2016 में दंगल फिल्म बनने की चर्चा शुरू हुई थी। इस एक मामले से आप व्यवस्था को समझ सकते हैं।

खेल संघों को खत्म करके व्यवस्था मंत्रालय के अधीन कर देनी चाहिए।

पाकिस्तान ने न्यूजीलैंड को तीसरे वनडे में हराया

सीरीज में 3-0 की बढ़त, इमाम उल हक ने खेली 90 रन की पारी

कराची, 4 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान ने कराची में खेले गए तीसरे वनडे मैच में न्यूजीलैंड को 26 रन से हरा दिया। इसके साथ ही 5 वनडे मैचों की सीरीज में 3-0 की बढ़त के साथ इसे अपने कब्जे में कर लिया है। इससे पहले खेले गए 5 टी-20 मैचों की सीरीज 2-2 से बराबरी पर थी।

तीसरे वनडे में पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 6 विकेट के नुकसान पर 287 रन बनाए। जवाब में न्यूजीलैंड की पूरी टीम 49.1 ओवर में 261 रन पर ऑलआउट हो गई। न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले फील्डिंग करने का फैसला किया।

पाकिस्तान की शुरुआत अच्छी नहीं रही। पाकिस्तान को पहला झटका 37 रन के स्कोर पर लगा। ओपनर फखर जमान 8.2 ओवर में मैट हेनरी की गेंद पर टॉम ब्लंडेल को कैच देकर आउट हो गए। उन्होंने 26 गेंदों का सामना कर 19 रन बनाए।

आजम और इमाम उल हक के बीच 108 रन की साझेदारी

फखर जमान के आउट होने के बाद इमाम उल हक और बाबर आजम के बीच 108 रन की साझेदारी हुई। बाबर ने 62 गेंदों का सामन कर 54 रन बनाए। वहीं इमाम उल हक ने 107 गेंदों का सामना कर 90 रन की पारी खेली। इनके अलावा पाकिस्तान के लिए मोहम्मद रिजवान ने 32 रन और आघा सलमान 31 रन बनाए।

न्यूजीलैंड की ओर से मैट हेनरी रहे सफल गेंदबाज

न्यूजीलैंड की ओर से मैट हेनरी सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 10 ओवर में 54 रन देकर 3 विकेट लिए। वहीं एडम मिल्ने ने 10 ओवर में 56 रन देकर 2 विकेट लिए।

अच्छी शुरुआत के बाद भी बिखर गई कीवी की बल्लेबाजी

288 रन की टारगेट का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की शुरुआत अच्छी रही। ओपनर विल यंग और टॉम ब्लेंडल के बीच 83 रन की साझेदारी हुई। विल यंग 41 गेंदों पर 33 रन बनाकर आउट हो गए।

उनके बाद बल्लेबाजी करने आए डैरिल मिचेल भी 24 गेंदों पर 21 रन बनाकर आउट हो गए। यंग के बाद भी ब्लेंडल भी 65 रन बनाकर रन आउट हो गए। ब्लेंडल और यंग के बाद कैप्टन टॉम लाथम ने पारी को संभाला। उन्होंने 60 गेंदों में 45 रन बनाए।

लाथम के बाद कोल मैकोनी ने पारी को संभाला। पर दूसरे छोर से उन्हें साथ नहीं मिल पाया। मैकोनी 45 गेंदों का सामना कर 65 रन बनाकर नाबाद रहे।

अफरीदी, शाह और वसीम ने लिए दो-दो विकेट

पाकिस्तान की ओर से शाहीन अफरीदी ने 9 ओवर में 53 रन देकर 2 विकेट, नसीम शाह ने 8.1 ओवर में 42 रन देकर 2 विकेट, मोहम्मद वसीम जूनियर ने 50 रन देकर 2 विकेट लिए।

सामाजिक-आर्थिक और शैक्षिक समस्याओं को समझने के लिए वैज्ञानिक अनुसंधान जरूरी : डॉ. प्रशांत

डॉ. एमसीआर एचआरडी संस्थान में केंद्रीय सिविल सेवा अधिकारियों का फाउंडेशन कोर्स समाप्त

हैदराबाद, 4 मई (स्वतंत्र वार्ता)। डॉ. एमसीआर एचआरडी संस्थान, तेलंगाना सरकार ने 4 मई (गुरुवार), 2023 को देश भर के 112 केंद्रीय सिविल सेवा अधिकारियों के लिए 15-सप्ताह के फाउंडेशन कोर्स का समापन समारोह आयोजित किया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. एमसीआर एचआरडी संस्थान के पूर्व महानिदेशक व सेवानिवृत्त आईएएस डॉ. प्रशांत महापात्रा ने कहा कि सरकार में नौकरियां, चाहे उनका स्तर कुछ भी हो, लोगों की समस्याओं को हल करने और उनके जीवन में गुणात्मक परिवर्तन लाने के लिए एक जीवंत मंच प्रदान करती हैं।

अपने संबोधन को जारी रखते हुए, डॉ प्रशांत महापात्रा ने कहा कि भारत ने कई क्षेत्रों में विकास किया है, लेकिन गरीबी, निरक्षरता आदि से संबंधित समस्याएं अभी भी वांछित हैं। उन्होंने आईएसएस और आईईएस अधिकारियों से सामाजिक-आर्थिक और शैक्षिक समस्याओं को समझने के लिए एक व्यवस्थित और वैज्ञानिक तरीके से अनुसंधान करने का आह्वान किया। "जबकि सरकार के विभिन्न विंगों द्वारा

विशाल डेटा एकत्र किया जाता है, यह पूरी तरह से सारणीबद्ध, विश्लेषण और उपयोग नहीं किया जाता है", उन्होंने आईएसएस और आईईएस अधिकारियों को सलाह दी कि वे डेटा का उपयोग करने के लिए सरकार में उच्च स्तर पर संवेदनशील हों, और डेटा को पूरी तरह से लें। डॉ प्रशांत महापात्र ने कहा कि समाज के विभिन्न वर्गों की समस्याओं को उनके वास्तविक और समग्र संदर्भ में समझने के लिए सांख्यिकी और अर्थशास्त्र का गहन ज्ञान एक अनिवार्य शर्त है। बेन्हुर महेश दत्त एक्का, संस्थान के महानिदेशक और तेलंगाना सरकार के प्रधान सचिव ने कहा कि आईएसएस और आईईएस अधिकारी देश में नीति निर्माण की रीढ़ हैं। उन्होंने कहा कि भारत वैश्विक स्तर पर एक बड़े खिलाड़ी के रूप में उभर रहा है, और इस परिदृश्य में, सभी स्तरों पर कर्मचारियों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करना चाहिए ताकि सरकार के विभिन्न विंग वैश्विक स्तर पर प्रभावी ढंग से अपनी भूमिका निभा सकें। उन्होंने उन्हें सलाह दी कि वे प्रभावी ढंग से और कुशलता से काम करें ताकि उनसे समाज की अपेक्षाओं को पूरा किया जा सके, जो तेजी से बढ़ी हैं। गणमान्य व्यक्तियों ने मनीष कुमार, आईएसएस को फाउंडेशन कोर्स में उनके सर्वश्रेष्ठ ऑल-राउंड प्रदर्शन के लिए डीजी मेडल और रोलिंग शील्ड प्रदान की।

गणमान्य व्यक्तियों ने विभिन्न शैक्षणिक, सह-पाठयक्रम और पाठ्येतर गतिविधियों में विजेताओं को स्वर्ण पदक और प्रमाण पत्र भी प्रदान किए, और हाउस जर्नल सोसाइटी ऑफ़ द फाउंडेशन कोर्स द्वारा प्रकाशित जर्नल "ओटीएसएसवाई" का विमोचन किया। डॉ. माधवी रावुलापति, पाठ्यक्रम निदेशक ने पाठ्यक्रम समापन रिपोर्ट प्रस्तुत की। संस्थान में मुख्य सलाहकार (प्रशिक्षण) डॉ. के. तिरुपतैया, आईएफएस (सेवानिवृत्त) ने सभा का स्वागत किया। श्री श्रीनिवास माधव, सीनियर फैकल्टी ने सत्र की कार्यवाही का संचालन किया और धन्यवाद प्रस्ताव रखा।

बल्कमपेट मंदिर का मंत्री तलसानी ने किया उद्घाटन

हैदराबाद, 4 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने खुलासा किया कि भक्तों की मनोकामना पूरी करने वाली देवी बल्कमपेट एल्लम्मा का मुकुट सोने का होगा। गुरुवार को मंत्री श्रीनिवास यादव ने दानदाताओं के साथ बल्कमपेट मंदिर में बनी दुकानों का उद्घाटन किया। सबसे पहले स्थानीय महिलाओं ने मंगल आरती से मंत्री का स्वागत किया।

उन्होंने दुकानें खोलने के बाद बगल में निर्माणाधीन मल्टीलेवल पार्किंग कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने काम में तेजी लाने और 5 महीने के भीतर इसे पूरा करने के लिए कदम उठाने का आदेश दिया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं द्वारा मुक्कू के रूप में देवी को चढ़ाए गए सोने-चांदी का उपयोग देवी के लिए किया जाएगा। मां के मुकुट, पैर, हाथ और अन्य आभूषणों को सजाने के लिए 2 किलो और 200 ग्राम सोने का इस्तेमाल किया जाएगा। इसी तरह मंदिर के मुख्य द्वार के कपाट चांदी से मढ़वाए जाएंगे। तेलंगाना राज्य बनने के बाद अम्मावरी मंदिर में कई विकास कार्य किए गए। भक्तों को किसी भी तरह की असुविधा न हो, इसके लिए सभी सावधानियां बरती गई हैं।

उन्होंने कहा कि मंदिर में नारियल, फूल और अन्य पूजा सामग्री बेचने वाले और बिना किसी किराए के आवंटित छोटे व्यापारियों के लिए दानदाताओं के सहयोग से 32 लाख रुपये की लागत से 34 दुकानों का निर्माण किया गया है। कार्यक्रम में सुब्बाराजू, सुब्बाराव, क्षेत्रीय आयुक्त रामकृष्ण, सहायक आयुक्त कृष्णा, मंदिर के अध्यक्ष साईंबाबा गौड़, पार्षद सरला, ईओ अन्नपूर्णा, प्रवीण रेड्डी, किरण और अन्य दानदाताओं के साथ मंदिर समिति के सदस्यों ने भाग लिया।

हैदराबाद में जुआ के अड्डे पर छापा

हैदराबाद, 4 मई (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद स्पेशल ऑपरेशंस टीम ने बुधवार रात अट्टापुर में एक घर पर छापा मारा और 20 लोगों को पकड़ा जो जुआ खेलते पाए गए थे. पुलिस ने रुपये 7.5 लाख नकद और मौके से ताश के पत्ते जब्त किए। गुप्त सूचना के आधार पर टीम ने अट्टापुर थाना क्षेत्र के सुलेमान नगर स्थित एक घर में छापा मारा और पाया कि 20 लोग तीन ताश का खेल और जुआ खेल रहे थे। मोची कॉलोनी कलापत्थर के मुख्य आयोजक मोहम्मद खदेर मल्लेपल्ली के एक दुर्गेश के साथ जुए का आयोजन कर रहे थे और प्रतिभागियों से कमीशन वसूल रहे थे।

जेपीएस की अनिश्चितकालीन हड़ताल उचित : बंडी

हैदराबाद, 4 मई (स्वतंत्र वार्ता)। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बंडी संजय कुमार ने आज कहा कि वह पूर्व सांसद और निलंबित बीआरएस पार्टी के नेता पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी का अपनी पार्टी में स्वागत कर रहे हैं। उन्होंने उन सभी लोगों से आह्वान किया, जो मुख्यमंत्री केसीआर का विरोध कर रहे हैं, वे भाजपा में शामिल हो जाएं। प्रदर्शनकारी कनिष्ठ पंचायत सचिवों को समर्थन देने के बाद करीमनगर में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए संजय कुमार ने उन खबरों का खंडन किया कि पार्टी विधायक ईटेला राजेंदर के साथ उनके मतभेद हैं। उन्होंने यह स्पष्ट किया कि पार्टी के सभी नेता एक हैं

और कहा कि उनका एकमात्र लक्ष्य सीएम केसीआर को हराना है। उन्होंने कहा कि वह ईटेला राजेंदर के साथ अन्य सभी पार्टी नेताओं को अपनी पार्टी में शामिल होने के लिए आमंत्रित कर रहे हैं। जेपीएस के आंदोलन पर उन्होंने कहा कि जेपीएस पिछले सात दिनों से आंदोलन कर रही है और जब तक उन्हें न्याय नहीं मिलता वे उनकी ओर से लड़ेंगे। उन्होंने कहा कि जेपीएस की अनिश्चितकालीन हड़ताल उचित है और कहा कि वे केंद्र और राज्य सरकार के कार्यक्रमों के वितरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार से प्रदेश को कई पुरस्कार दिलवाने में पंचायत सचिवों की अहम भूमिका रही है। बीजेपी नेता ने आरोप लगाया कि सीएम केसीआर ने चार साल के प्रोबेशन पीरियड के नाम पर जेपीएस को परेशान किया। उन्होंने कि सीएम ने चार साल की सेवा पूरी करने के बाद उनकी सेवाओं को नियमित करने का वादा किया था। उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि सीएम ने सदन के पटल पर किए गए वादे को पूरा नहीं किया। उन्होंने कहा कि काम से जुड़े दबाव के कारण कई सचिवों की मौत हो गई। उन्होंने मुख्यमंत्री से जेपीएस की सेवाओं के नियमितीकरण के लिए कदम उठाने को कहा और चेतावनी दी कि नियमितीकरण तक वे सड़कों पर उतरेंगे और अपनी पार्टी की ओर से संघर्ष करेंगे।

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com

Epaper :
epaper.swatantravaartha.com

For Advertisement :
swadds1@gmail.com

चिकन पकौड़ी में ज्यादा मसाले की शिकायत पर मालिक ने चाकू से हमला कर दिया

हैदराबाद, 4 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार देर रात कुकटपल्ली में एक मसालेदार चिकन पकौड़ी पर चाकू से हमला किया गया। केपीएचबी पुलिस के अनुसार, एक ग्राहक जिसने फास्ट-फूड सेंटर में तैयार चिकन के बहुत मसालेदार होने की शिकायत की, उस पर मालिक ने चाकू से कथित तौर पर हमला किया। नागराजू अपने दोस्त प्रणीत के साथ केपीएचबी कॉलोनी नौवें चरण में स्थित एक फास्ट-फूड सेंटर गए और चिकन पकौड़ी के लिए भुगतान किया। व्यंजन परोसे जाने के बाद, नागराजू ने मालिक जीवन से शिकायत की कि चिकन पकौड़ी बहुत मसालेदार थी। इससे मालिक भड़क गया और मारपीट करने लगा। केपीएचबी पुलिस ने कहा कि जैसे ही गुस्सा भड़का, जीवन ने चाकू उठाया और नागराजू के हाथ पर खून बहने वाला घाव कर दिया। बीच-बचाव करने वाले उसके दोस्त प्रणीत पर भी हमला किया गया। पीड़ित की शिकायत पर केपीएचबी पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच कर रही है।

स्वास्थ्य विभाग में 1331 संविदा कर्मियों को नियमित किया गया

मंत्री ने विभिन्न कर्मचारी संघों को सौंपे नियमित करने के आदेश

हैदराबाद, 4 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार ने गुरुवार को स्वास्थ्य विभाग में संविदा पर कार्यरत 1331 कर्मचारियों को नियमित करने के आदेश जारी किए। स्वास्थ्य मंत्री, टी हरीश राव ने गुरुवार को 1331 संविदा कर्मचारियों को नियमित करने के आदेश विभिन्न कर्मचारी संघों को सौंपे, जो पूर्व में कर्मचारियों की ओर से प्रतिनिधित्व करते थे।

विभागवार ब्रेक-अप में परिवार कल्याण आयुक्त से 68 महिला बहुउद्देशीय स्वास्थ्य सहायक (एमपीएचए), चिकित्सा शिक्षा निदेशक (डीएमई) से 72, 16 फार्मासिस्ट, 177 प्रयोगशाला तकनीशियन, 2 पैरामेडिकल नेत्र अधिकारी, 837 पुरुष बहुउद्देश्यीय स्वास्थ्य सहायक, जन स्वास्थ्य निदेशक और आयुष में 19 चिकित्सा अधिकारी शामिल हैं। कर्मचारी संघ ने संविदा कर्मचारियों को नियमित करने के लिए मुख्यमंत्री, के चंद्रशेखर रावका आभार व्यक्त किया और हरीश राव को उनके कारण का समर्थन करने के लिए धन्यवाद दिया। हरीश ने सरकार के खिलाफ राजनीतिक टिप्पणी करने के लिए राज्यपाल को लताड़ा उधर, वित्त मंत्री टी. हरीश राव ने राज्यपाल तमिलिसाई सुंदरराजन पर तेलंगाना राज्य के हितों के खिलाफ काम करने का आरोप लगाया है।

गुरुवार को यहां मीडियाकर्मियों के साथ एक अनौपचारिक बातचीत में, मंत्री हरीश राव ने कहा कि राज्यपाल तेलंगाना के विकास को पचा नहीं पा रहे हैं और जानबूझकर राज्य सरकार को परेशान कर रहे हैं। मंत्री ने बताया कि कॉमन रिक्रूटमेंट बोर्ड पिछले कुछ वर्षों से बिहार, झारखंड और उड़ीसा राज्यों में लागू है, जहां राज्यों के पास प्रोफेसरों की आयु सीमा को 65 वर्ष तक बढ़ाने का अधिकार है। जैसा कि बीआरएस सरकार ने लगातार दो वर्षों में राज्य भर में 1% मेडिकल कॉलेज शुरू किए हैं, अनुभवी प्रोफेसरों और डॉक्टरों की भारी कमी है। इसे ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार ने 65 वर्ष की आयु सीमा में वृद्धि कर विधेयक में इसका उल्लेख किया है। लेकिन, राज्यपाल ने सात महीने से अधिक समय तक निर्णय लेने के बाद प्रस्ताव को खारिज कर दिया, हरीश राव ने आलोचना की। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय चिकित्सा परिषद के दिशा-निर्देशों में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि राज्य सरकारों के पास प्रोफेसरों की आयु सीमा 65 वर्ष तक बढ़ाने का अधिकार है और तेलंगाना सरकार ने मानदंडों का पालन किया है। दुर्भाग्य से राज्यपाल ने एक डॉक्टर होने के नाते प्राध्यापकों की आयु सीमा बढ़ाने के विचार का विरोध किया है। मंत्री ने कहा fd राज्यपाल का प्राथमिक कर्तव्य राज्य सरकार द्वारा भेजे गए विधेयकों की जांच करना है कि ये संविधान के दायरे में हैं या नहीं, लेकिन उन्हें बिलों को महीनों तक रोके रखने का कोई अधिकार नहीं है।

यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि राज्यपाल बिलों का जवाब नहीं दे रहे हैं जब तक कि राज्य सरकार सर्वोच्च न्यायालय के दरवाजे पर दस्तक नहीं देती, हरीश राव ने अफसोस जताया। इस सवाल के जवाब में कि राज्य सरकार द्वारा सचिवालय के उद्घाटन समारोह के लिए राज्यपाल को क्यों नहीं आमंत्रित किया गया, हरीश राव ने कहा कि प्रत्येक कार्यक्रम के लिए राज्यपाल को आमंत्रित करने का कोई विशेष नियम नहीं है और कहा कि यह राज्यपाल के विवेक पर निर्भर करेगा राज्य सरकार को आमंत्रित किया जाए या नहीं।

जना रेड्डी ने पार्टी कार्यकर्ताओं से प्रियंका की जनसभा को सफल बनाने का आग्रह किया

हैदराबाद, 4 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता के. जना रेड्डी ने आज पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं से पार्टी की राष्ट्रीय नेता प्रियंका गांधी की जनसभा को भव्य रूप से सफल बनाने का आह्वान किया।

नलगोंडा जिले में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, जना रेड्डी ने पार्टी नेताओं से कहा कि वे सूर्यापेट, यदाद्री और नलगोंडा जिलों से बड़ी संख्या में लोगों को जनसभा के लिए लामबंद करें। उन्होंने साफ किया कि प्रियंका गांधी का कार्यक्रम पार्टी का कार्यक्रम है न कि उनका निजी कार्यक्रम। कांग्रेस विधायक दल के नेता मल्लू भट्टी विक्रमार्क की पदयात्रा पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि पदयात्रा सफलतापूर्वक चल रही है। उन्होंने यह स्पष्ट कर दिया कि कमजोर वर्ग के नेताओं के प्रतिनिधित्व के बिना देश में कोई भी राजनीतिक दल अस्तित्व में नहीं होगा। उन्होंने कहा कि सभी सरकारों को देश के सभी कमजोर वर्गों के कल्याण के लिए काम करना चाहिए और चेतावनी दी कि यदि वे देश के कमजोर वर्गों के कल्याण की उपेक्षा करते हैं तो वे अस्तित्व में नहीं रह पाएंगे।

जना रेड्डी ने सीएलपी नेता की चल रही पदयात्रा में पार्टी सांसद कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी की गैर-भागीदारी पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ पार्टी नलगोंडा जिले को सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध कराने में पूरी तरह से विफल रही है और उन्होंने कहा कि उन्हें उम्मीद नहीं है कि सत्ताधारी पार्टी भविष्य में जिले को पानी उपलब्ध कराएगी। उन्होंने बीआरएस सरकार को अक्षम करार दिया जो श्रीशैलम सुरंग के कार्यों को पूरा करने में विफल रही। उन्होंने कहा कि खराब स्वास्थ्य के कारण वह विधायक दल के नेता की पदयात्रा में शामिल नहीं हो सके। उन्होंने कहा कि वह किसी भी दिन पदयात्रा में हिस्सा लेंगे।

तलसानी ने नंदी पुरस्कारों पर अश्विनी दत्त की विवादास्पद टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया दी

हैदराबाद, 4 मई (स्वतंत्र वार्ता)। दो तेलुगु राज्य सरकारों द्वारा तेलुगु फिल्म उद्योग को दिए जाने वाले नंदी पुरस्कारों पर विवाद जारी है। हाल ही में, तेलंगाना के मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने फिल्म निर्माताओं और एपी फिल्म डेवलपमेंट कॉरपोरेशन के अध्यक्ष पोसानी कृष्ण मुरली के बीच वाकयुद्ध के बाद इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया दी। विवाद को संबोधित करते हुए, मंत्री ने निर्माता अश्विनी दत्त की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि नंदी पुरस्कारों के लिए फिल्म उद्योग की ओर से किसी भी महत्वपूर्ण व्यक्ति ने सरकार से संपर्क नहीं किया था। उन्होंने कहा कि अगर गैर जिम्मेदार लोग मांगेंगे तो वे नंदी पुरस्कार नहीं देंगे। तेलंगाना सरकार की आलोचना के जवाब में, मंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे राज्य सरकार ने तेलंगाना फिल्म उद्योग में 24 शिल्प, शूटिंग के मुद्दों, पांचवें शो की अनुमति और सिंगल विंडो शूटिंग की अनुमति के संकट को संभाला था।

किसानों को समर्थन देने की पहल करें राज्यपाल : गंगुला

करीमनगर, 4 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बीसी कल्याण और नागरिक आपूर्ति मंत्री गंगुला कमलाकर ने कहा कि बेमौसम बारिश के कारण अपनी फसल खो चुके किसानों की ओर से केंद्र को पत्र लिखकर किसानों को समर्थन देने की पहल करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को यह लिखने के बजाय कि मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर रावउन्हें मिलने का समय नहीं दे रहे हैं, राज्यपाल को मोदी को पत्र लिखकर तेलंगाना के किसानों को समर्थन देने का अनुरोध करना चाहिए, जिन्हें बेमौसम बारिश के कारण भारी नुकसान हुआ है, उन्होंने कहा, कि राज्यपाल को एफसीआई के नियमों में संशोधन के लिए पीएम से भी अनुरोध करना चाहिए और राज्य सरकार जो दे रही थी, उसके अलावा किसानों को 20,000 रुपये का मुआवजा प्रदान करना चाहिए।

कोत्तापल्ली मंडल के कामनपुर में धान खरीद केंद्र में भीगे हुए धान और कृषि क्षेत्रों में खराब हुई फसलों का निरीक्षण करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार का हिस्सा होने के नाते, ऐसी स्थिति में राजनीति में शामिल होना उचित नहीं था जब कृषक समुदाय को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। यह कहते हुए कि भीगे हुए धान से 67 किलो चावल का उत्पादन संभव नहीं है, उन्होंने कहा कि केंद्र को एफसीआई के नियमों में बदलाव करना चाहिए और इसे घटाकर 50 किलो करना चाहिए। उन्होंने कहा कि सभी राजनीतिक दलों को इसके लिए लड़ने के लिए आगे आना चाहिए, उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने पहले ही अनुमेय नमी प्रतिशत को 17 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत कर दिया है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.